भे केंद्रण १००१ आई भेट (का नित्र -भी प्रवादावाकत्र सम्बन्ति (क्षां कराउन्ने वडीकिवात) () व्यीकी कुमान न कार्य का मु क (क्राम्बक्सर्प) 四面的人人工一个工具的 Apple from mach MON 76 3

NOW TO TO THE WAS AND AND THE CHANGE ON OR >। धर् (धार्ध) प्रमा (तिब्दुर्) व्यीयाची-प्रवृती-प्रतारत-लमा द्रिमान (अमिस् १ व क्रिक का निम्माल के दाव में में (क्राम), जीतेककम्मयाखाः (जीतिकम्मद्रम्) अम दंश: में (अम- त्वंमें मर्द्र) ज्यान्यायर न व कार्यान (लाळा सम्बा [नवर]) अप्रमित्रीय जीमम्ममबाठाउ मात्र (सर्वारेड व्यक्ति ने अवंत दामक्रम्रेक) विका काक)मद्भेर (काळ्यमं काळात्रत्रत्य) कामसर (अर्राम कविया) मूमा (अवित आर्य) व्यानुमानत-दिया- विडय (की मुक्त बत् व प्रत्नोकिक वेडब मार्जिम) (स्वार् (स्वार्ड कविए) का नं ए (स्वर्ड दरे एकि) 11 >+ र | बि (लिड्रा ;) मुच्न : लास (अमर द्याम द) मगर (ट्र र्यायटारं) सार्याम्ड-मार्व-वालाः (अष्टमम यार्यामा मार्थं) अम्बंद समार्के (स्में पाद करित) धानतः (मध्य र'तता) वन (उम्बियरम्) अराज रक (अअव तक अभार्ष दर्र व ?), किंदु (अवद्) अवर (अमि) लाश्यम्मेर (लाक्यमं लर्षेत्रास्य यहिक)लयें काम विभारा (हेक. धारिधा आभार असुधान अवभारम कर्तिमंत्र) द्वरे ह्यरे ह्यरे हं अर्था (काळ्यतं द्वरा डद्द)

र्राष्ट (चर्टरहेर्) स्त (लामानं) लगंद मर्घेभक्ताः

(न निमान अमेशि ठंडुकार)॥ राम ७। जीमम् व्यादेवि (त व्यादेवि! [wini]) मणा (आके (काश्रिप्र) सस स्मि (समीम हित्र) अकेति मनंस्यम-विकार प्रमुद् (अलवण: अयम स्प्रमु हिकामका काक) णाल्य अक्स अर (तिश अक्स) (यहा न मं (अक्स न क्स), यव (८४ वृत्यय ८ तव् भ्रक्ष अकालकार्य) हे नामिषदः (डे आरियर प्रवृष्ट) दिया (प्रका यला :) सूर्य आ मृत् लाम (लम्बमम लूर्बरभाव)काल्याक वा (वन वर्तराउ) मत्र रेडि इत्यू: ('मा मा' नर्दक्ष अमझाडि अकाम करवंत) वेद (हेक एडे अकाम कार्य) अञ्चल (रेप्रटलाक विसम् वाका) कु वस्ता (क्सिल मस्यलम १२ (न १)। 8 । भारत] कासी क् क - विभाम- भू म- मूह प्रवृक्त नर् (बी नाबी-क्रकं भवंशविष्य विभास-सर्क [गरा]) सरा-यार् यी-मात्र-भात- हमर्श्वि (मराधार्टीय (अकेवाव विस्वत्र हम्र काव्यमं (यारा]) र्वित्राश्कर्ममा (कि क्ष-न्त्रम देवकर्षन) लकार काक्रार (लंग का का असम) माता की ए बार (व्यक्तिन व्यक्तिक कार्य स्थित विद्रा) स्थान-

चंद्रमक-यंत्री में कथाराय वर् (गारा क क में मर्चे ने ळाष्ट्रीम द्रमसंग लिलक (अका अ) या भ । इंडा बस्पर (तर्ह) (यर्भ: (असाड: (अस 3 (अस व किंड)) य सर्भ कर्म् ताला बंद (मार्थ छ प्रस्टिंड स्थार मिर्म राई ए मधर्य द मना [omf]) आमें मर (सर्या [(मर्]) युक्तायमः (युक्तायटमम्) अर्टस्पेडि (2 M AT 1 1 9) 11 8 H 61 [(इ स्वाम्या) (कास का] (स्वटम्पेटिकरेस (क्रायह-प्रमं देवकर्शकायकार्य) विकित्राच्या (चित्रका-वसन्ते] की तक का) विस्वतिः (अभार नरे सूके र-मरकारक | मर्गां (मर्गां) व्याद्यान्तर् वार् (प्रत्य कर) ज्या (वर) त्रमा (दर्ष) असल्पिम (ममल्प्नेक) में ति एका (रिकास जाह र] में ट (अस) ससामी ने बार (लवप में प करं विभारमरे] वार्वाकातिः (चीवार्वावस्तिते) खेलायाज्यर (डेमामना कव [1 वर्]) रेश (जन्मात्यके) मिंब-प्रकारी (मियव बार्स अग्रम्भ) मिटिक कार्ं (मिटिक कुर्वास्म कर विशेषाला) मर्याण्या (मर्गालाय)

यक्षां (प्राच्या) क्या विस्तावपर तत्र (मा क्रिंग. arcay) on my nous (on min & a) 11 ७। ति (भर्) त्यदाहाः (त्यतातु लास्त्रमूर) र्भिक: (लिश्य म स्थानुं (ल) (म लिश्यमं मेरि (ित्रे मृत्या र सार्या प्रकार मा कर्य), ७७: (अयारक) सम कि (ला मारं अने कि है) अमन मर् अविवाः (भाम मर्ग्र व अविव) मुस्कितः (के वक्षंव का सम्म) य र समा दि (मह देवांस बिहार ना करवंत) , जल: कि (जिस रवरे वा लासाव कि डे) ' (१८ (लाउ मह दुर्ग) कासवठाये. ं कृष्टिमप्रवीर् (जनमब्जारने वं उ अनु डब भारते) त्या माण: (द्वारिक मार्म), जन: (वारारकर मा) मम किं (आसाव कि द्यान दर्दा [अवस]) भाष्त (बाधार हिंड) मक्ष स्थानिक : रेक (यर स ब व प्राचा सर्म स्थार रहेगा) व्यावमार (अरे व्यावम ररेए) न माल्य (क्रिक्सिक विष्ठ श्रेरिका)॥ . 9 । ट्यापक्र १ विक-लक्ष्य (कार्किन गरीन लक्ष्य-यत् इ अविष) अविसमम् म् म् मिन्रू मिष्ठिक्

(वर्लीवं प्रत्मवस मञ्जीवमुकः), माभायक-।माभाक-राख्य-कणड (र्क्षण्यमानं रेशनंबधाप्तं रिक्षिमार्भ मेल्या १००) (आस्मात्र-वादीक्षर् (नण-जक्षे हेल्मामम्) भागमान् -मिकू में कर् (प्रतार के मिकू क नामी) अगकू ति: हिन्दर (विश्लंभतेन काना प्रतान्त्र) मुला: विकिन् मृत-सर्भेव द्वारा विकि टमा अ सम्मन [वर]) मामापिया -शवः अविम् निविष्ट् विचिषि मिना अर्ण्यव न भी उ वर्ण मार्थि समा त्यला विवाश भार) वृत्ता वर् (अविकावतव) क्रियापि (क्रिय कविलिह)॥१॥ ७। ब्लाबराउ: (-१२ व्लाबत्यव प्रकारत्ये) से पर (स्य कालक) संभी (मंग्री कालक) थावन् (कारमा अपिक अस्ते ब्रक्त) विग्रे (मिस्ते) ब्रक्त (अक्र) भी विक्रे - शत्का- खमा हा छ : (विक्रे), हाव्या वाम वा) जामा (चवर) किन्न (म्बिक्न) Ситар विक् ([नवर्] (माभी मति प्रे की दाः मुनी के विपालम व स्थारह])॥ गा रिकान के द्रार्थित] धात्रार प्रवृद्धः (भूरवाक अकल भूगत ११ (७ ७) विहिना (ध्याचि विकल्प)

क्या का का कर्म बादी (क्या का का के के के के में मु) हका हि (ट्याला लाई टेंटर) ' लाक में म: (लाक्यमं अंतिम) विषक : (विषक) थः ज्या धानाः हारः (तम जारि वस) आ (अनिविध क् क्रम्मी) जिल्ला (उरक्ष्य चिवर्]) जामू स्मान्त्रादिमकी (जामूना श्ट्राम् म मर्मम्बद्द विष् विष)॥ २०। छच वर (जी संसिष् (अरे क्यू मृ मी (छरे) व्याविक्त व व प्नुका व व्याका - त्वे पक्ता त्रा नाम वामा-हितारम् (मिल्काम क्षम्भाम के भ के के का का के (जी इन दी कूके) तिला डमं - (अमामाममं कृष्यो (हिं मम् अवल कल्ल वलं सह रहे मा) आनि-ब्रिश (निम निम प्रशीमते र कर टमका लाह कव्छ:) ट्यावड: (विश्व क्ट्यून)॥ ३१। (य (यात्राका) त्रकताविषेता (यहे छाछात) लाकी ठ के एक (अन्त दे क म्यामी) व्यक्षमं (वरे) क्षीत्र- वृक्षावत (क्षीकृषावता) निक्र इण- पृष्मा (तिक दृष्टि (पाष्ट्रक्लाकः) दृष्टीत् द्वासातः, (अस्मिकिल दम्भम्यूर्टक) सम्बार् क्याह

(भ्रमार्थ- वानि मा हिटल भ करत्) इति शति (अर्था!) लार के हिंदा: (लार म संस्थाप) सस (लासान) अर्थ बार्ड क्ष्म (अर्थ महिन्द्र वार्ष कर्वात क) व्यक्ताः (मल्यान त्याला नर्दा) ना (नकर) ज्यान- मक्से अस्ताः (ज्यानेयः मक्ष ट्याटक्षर अर्थिको [अर्धि र्मित्र हिस्सि]) कम रेसल (कमाक्रें म महाका: न वि (जा प्रवित् उ ट्या मा र म्मा)।। १२। सकता: (निभित्र) डेमिनिया: (क्वार्टिश कि) वी बाज सम् (की वा जस्मा भावा) बाजा नत्तः (ब्राम्यल) व्यामा (हेलया के कर्ता) अन्तरं (सर्टिकवंटक) अहाक (तमामक (स) समारे (अअत कर्निया) टम्पस्ताः (त्वेत्र स्ता) देर (नरे) बाल (बृलायत) कृष्क वं प्रत्व (बीक्षक अडि धन्मास माड कर्निग्टिन), प्र (अवर [अंशना]) दिगुन्त्रभः (बिहिन्सूयक्तनक), मिन् (वानमण्य) रूलावनेष्रे (रूलायमीम विभ्वास) व्यक्ति (प्रव्य) ६ व छ : (क्यू कर्षा) वार्षाक्य- सदाष्ट्र (काउप-इशा-कार्पन (कावार्षा. क्रियं जात समा सर लाहें म के रात लारे हर भड़काड़)

सूर्ता: मिंग: (अविवृक्ष स (अरे विवास कार्विट्य) ॥ 20 N: (त्य का कि) धीत्रायम का मिनि (क्या बनामिक)। मूक-हर्ष (भ्रवत ७ वक्ष भ अभाभ्यम् (१व श्रष्ट्र भाषा क्ष) भ्रभ (ज्यस्तक) त्याचारं व्याचिति (व्याप त्या क क्या प क आम) जारम (स्मर् काक) स्मर् (व्यास्मारक) चित्र: (अअ) व्यद्भ: वाम माद्र : (वास मास वाना) मावर्गा नारि हिनि किए (लाठ लाठ अटि ए पन कर्नना कि १ [कार])यः (त्य काकि) प्रश्विमिष्टुः धव (प्रायम् भी कृष्यम्) बीयम-वात (बीयमध्यम् अ नर बेला वटाव लागवा द्रामं भी वपक्ता स्वाम्ब वर म्यावताम) वक्ता धार्म इनेना (नकरि इतेम व्यान छ) द्विस प्राय (धार्म प्राय वि दिस) हर् प (वारंतेकारं) कः (यहामात एक)कमा वा (कत्यरे का) ७० (जाराटक) त्या व- म वका १ (ड मंझ व न वक ररे ए) डेक्स ए (डिक्स व करिए भारत १)।। 281 टिस (ल्पस्पर्व) मृन्धिः (मृन्धि) ज्या मृत्या मन् लाला-मृष्यश्व-अधारमाकणः (अविकासवाव भव्यव्योप ट्रिमेल्प त्र ही मलीत करिएं।) विश्वत्र (या (डाष्ट्र (क्लिम म विश्वत रहेक), भी: ([क्लिमन] हिंड)

वृत्तावन प्रति मूर्वा वा वि सी (वृत्तावत्व मार्च प्राप्तम् मुकी मा गर्न) मक्लाला (निमम १डेक) , मम जनुः (ज्याकार द्वर) ज्याता स्टूर्न : (ज्याता ठवर्ष) विश्वमा (आक्रम रहता) व्याविमा व में हिता (ब्यावताव ह्डला) मुठेडू (म् किंड इडेक) व्यार्थ (ध्या!) व्योक्या वं मे प्राय प्र विश्व मा यान व आग्रेमते कार् कार्) ता (कामान) ००: वेक: (प्रका) का (जामान ७०: २०: (प्रवीच रे) मा Carring) 2029 माडि: स्पर (40 28 व्योनि विवाल कर्मक)॥ ol लारर (लाश्न!) मन (यमात) कृष्ण्यिम्मार्थः भूगमापा ६७१ डीव्यामाः (बीकृष्कव् मेर् हत त्रुवल अपृष्टि विहिन (भाषामानकमर्ते) की पृष्टि (कीएं। कर्षत) मय (एकात) क्षिशकियं. लिल पुरस्त मी किटमार्थः (मी वारीन धार वडार लामिना अकृति मूलारी किटमारी मने) त्याप एड (अमेग्डा व विकास क (पन निवर ध्यक्तात) दिया निलि (दिश्वा) ट्यमनाप्रक-वादीक्टि (कीलामक लीश वा क्ष) व (ठ) क व (यन)

(विधियानमाम) आकर्णनकं वर्षः (विधिन कपर्ण-न्यं [मला न करिएटिन]), जप (अर्थ) श्रीतकृषायन (न्या केल्यक्त) यस यसे मंग्र (लास्ये व्यक्ति and other water) !! उछ। विरे कुल्यकात । व्यक्तिर्वेष्ट्रमाप (व्यक्तिर्वेष अवस) निकारा (अअयनेम मृत्र ११०) भाकु ९ (अरम कार्ब्स व केन्ट्र भारत) यह (((कि मिर्म) प्यत् (क्रानानि) भाग्या (यह न द्वार्षि) प्राष्ट्र (विभाषात क्षेत्र माटह) प्रकल एक ला (क्कमभूष्क जनपाल) त्वाकु ((दाक तर एपण)) अपपूर्ति (प्रयम्) भीर्मिक मिनि (गारिक प्रयम्पि) का पर शहि (यामक का वर्ष वर्ष भाग कार्याह [- वर्]) न सुर (मामकविस व हे यह मामी) निः लीजनाज् (लीजनक वासून् प्रसंकित्त) विवास निर्विधारि (अरिष्ठ वर्ष्टिशिषि) जारे (तिकारें रे) कायर निर्देश (श्रामक विवाक करिएट), ७९ जाम (उभामी) यहि (यम [कार्य]) व्यवद (वरे) वी रूपार्क (मीरूपारन मूनी) सिरामाध (अविकास के निए रेक्ट्र करें)

ह्म हा (अंगे हामें। विख ल्यास]) रह: लाभा (निक्तपरे जिमके इरेन्स्म) 113611 201 लाउन (लाउमा) मडे (माजन) सडा क सार सिर्मा : (यदारसममर्दान) लामे बरामावर (लारे प्रमृत मान् वन्य), यद् (यारा) र नि ए अमा भारितः (म्याकिटक व त्या मामावं के) सर्वे वं सर्वे वं (परित्र-वस्तीम), अस्तर् (मिर्य) वी सरतप्र (क्षीय-वय-इन्पावनर जिनर प्रश्यमिमनेक प्रायान लब्स बंस काम्यान कर वंस , कार्य पर ब्लावन) ट्य रम हमनार (८४२ लाम मर्गेड) (य (आयरक) म मीरे रा मर् (राममात) दिल्लू (दान करून)॥ ३१-१ अटिम (अटिम!) मिकामें ब्लाह: (राज्य हिंदी-बसमानिश्वाना अविषूत) मानी कू ब-उड़ाम-स्मिटिः मुक्(धामर्भ) म द्याचय , कूल ७ जल ल-मस्य भाषा भाविकास करियाट , (अकारन) मिरकामार-यन अवधाराहिकः (विकिय यन अवधानी देणाय-म शृर विकास करिएटर , [यम्हात]) अम हा-महर्म-वन्नी क्वार् (क्रान्स्या विहिन उक्तालाकावि

टमाल मारेल्ट), दिमन न महम् (याराक आजर्भा विस्थि ल उ लाकिन्त्री विषय् केविरवरह) दन दूबार (वमद्विमम्तर्व) टमालाडि: (टमेन्फ)-हाना) लाक) है वर (अक्र अवंसाड्राष्ट्र निवर अक्री) दिवा तक- तिक न् प्रमुत्र वर् (अभर्भ) विदि मिक्ट्स नाविधारा मूटमाडिए [WN CXX]) रूपायमः (र्मनवामवं) क्रममान् (क्राम कर्ने) ॥ ३ १० ॥ ३२। प्राथा विकासिका- यपन (१११२न- किनिकुन्द्र-न किं किंदि (ना न कर के किंद की ने के आहा -हारा मधाला भ) , क्यान वा धार व प्रहा वि (येरहा व वं वे सन दिल्यासम् र एक निष्ण (पार्व विदर्) आतम् मा मुल मा का के का का न (भारा आतम न ता विश्वत वल व्यक्तिर्तेष् कार्य विश्वती [करे] ली मुला वत् (ली मुला बन) कमे एड : (अराइरे वा , हिल्टक) २०१९ (वस भूवं क) म १ व छ (२ व मं (आकर्मन करव्या)।। 201 [ama] कतका मिण्यु छाम: (आधारिष म्बर्ड तीयकान स्पान कार मी कि आपी) कत्रा जाकी (ट्रान नक) पिका-कृषि-म माभरकारि-

केल-हासम्मा (काटमाक्रक व्यारि बाहु व कर्णान्य नाम विवास धान युमन विभार व) धाराहि : (अन्याविष्टिन) अपमारकामी विलाभन्टेपः (कन्न-कीएं विकासकारां) अर्वाविषा मुसि प्रस्त्र प्रिक्री-अग्मार्व विश्व) वृक्षा वन्त्र (क्वीकृष्या वन्त्र के) के कि (मन्त्र कार्टिह)।। इता देपर (वरे) नृत्पारमर (की नृत्पारम) देव: हती: (निक छने का लिखाना) १ रेर (रेक्ट्राएक) विसर्धम् (विषट्ण व वार्ज) भाषामाक्षेत्रालार (वकान व्याभक्त-हिंड काकिस्तिक), ज्या उ मिर्दिष्ण : (क्रिन्य (वेदाम) व्यादः) दृष्ट्यात अभि (विश्राप्त मार् मृश्चिमार्ड) अमारेक्र ना जिमार्मः (नकार वारिष्टक काकिमारे ने) त्यात्म (याम्मार्ग) श्रम् एया निमर् (निम्ठ क्रिमतेन) , क्रम्पनल-म्ट्रेयक सीन समार (अभागल क्ट्रम निविधे हिड कार्य निवर्] ट्रामिन- भारत व्यान विश्व-क्रियं की केलिंड लाम लाम में मारा भिय में हुड काल्या प्रेंड टमण्डल (टमण्ड करमारे (०८६न) II

55 | ONEL (ONEL : [MARGENY]) LESIS (EL 2/5912) हे आर सिम् भिवार (का विवहत अध्यक्) जार अर्थन् (जारवार् विश्वरमः) काक्ष्रिकार्य काक्ष्र (अवसहार्य विधाववा रहे था ७) रेक (जमार्वा) भर्थम् (याराव) अर्द्शिए अली (यर कि कि प अर्थ प ड) अडूर् म न न ए ए (नाड करिए) अर्थ र'ममा) ध्रमास्त्रितः । (त्यम्पारम भाम करिएमा) ७० (१००१) अर्थ समिति एक्ष (वर्ष्यम्य ०३ त्य) अन् ब त्यर् (अनु ब य करंड्य) वर (अर्) अरं सर हाम (अरं म हाम) र ला वर्ष चर (चार् ला वर्ष) महा (कामान प्रकार) 3 40 (also To see as) 11 201 [WITH] ATS (ALA) MO MOO (MO MO) आम क्षेत्राचार लाख ह (अल्प्याक) विक्किकीयार् त्मारी: ह ([नवर्] त्मारि त्मारि विक्कान) त्माद्वा (मर) कमिया) प्रवाद (भर्यप) स्वर्ष आसम्ब (रिकर अयम म्म मूर्यक) क्र कुरे भी जापि वार्चा अवन् जिसी (लाड मार मान अर्थी, एका ड नी अपि बारिज भीलं) (मार्रा (भर) कार्नेमं) (आका क्या द्या बार् ((क्या कथा पत का क्या का) में कर (वस्त कर्षित

अर्थिक) त्यार्ष कंष्य । एता (त्यार्ष कंष्य अर्थ) बार्य का-के क्यारम् (स्थित के कं या सम्मार) दुर्यातम् (कीर्न किवार कार्या) आला विकास : धारिक्रम : (अन काम कामीय मा काम या काम व्यक्त महारा) युक्ताबनः (मकावरम) प्रकलानि (विष्यं कार्यव १)।। 281 र्यू (नरे) क्राच्यू (मिल्ड नरीय) वामा यः वा (काल का काम) भागाव (क्रमण्डे वितर्क र्रेष) ज्या भेष क्षि (धार्य पर न्या न र र मार्ग कार्क एक अटर्न एकामा : (प्रयाप अक्षाप विकत् निर्मात कि कि रहित रने मा याम), जमार (काज्या) हे ते : त्यो काम हा मः (अर्थ मर्भव वर विश्व मण्डाम दर् ए त्रव मन्त्र त्र टक्षम् कार छात्र हे) विकारि (आक्रिव इस वासिमा मिलमम ट्रि (मिल) मूचाहार) मृत्या समा हुः (मार्कावतारे) नल (जामल अमूडव कर)। र्वाक्षित्रभाकावरिकार्षाता १ वः (धायन जकतिये जार जी कृषा वहा करे प्राचित वानिया) केट्र मः । कुर् (लास्प्रतं संग्रं प्रमानं वादा कि प्रत्याक्त भिक्र ररेट भारत ।), दिसादि।

का किए में (अवनामें मा गरे का जारमान व अरमान म कि।) आरेल यह प्रिक्ट में व : मूकि: ह किए (अ अठे । ता अर्थात देव में में के अर्प ने हैं। बाद मा कारकारपंत्र कि इंद्रेट्य!), त्यामान रेष्ठ: वा कार्या (त्यक्र समार्थ का नार्थ या) न : किए (काम्प्रिय सटमाजन किंगा। २७। । जिन्ने । मर्टिकार (सकत ट्राकट्कर) अञ्चरम्मन (अमग्रास) अर्मानी (कन्मने विवतने कर्तन [नगर्]) हिलाह-एवमणीवक्रमानी (अ सु मर्ग) य अका ही ड कलि में मान प्रि अपर्थानं ने टबर्य पान कर्नन) जानमाण्य दल अत्रहा--विश्वादी (भिनि श्रक्त अपार्टिन आर्थ कामन्त्राय मिर्दार्भ (जिने नित्व मर्द्ध) ज्यान अमार्थिक व्यामक्ष्रक काल का वर्ग कार्य का राष्ट्र]) अविकारेकी (अवकारिती) आक्रमा तम (अक ल्पास्त) क्षेत्री लक्ष (क्ष्यी इहेत)।। रत। रा ता (त्रम्पत) म भी का मिली विरं (यम याव मूलीलन की कंडारम) नी अमूना वन मी (कम्मू कंका

लाक्ष रार्था) कः लक्ष (काम एक) मधील-न्यी कनक-रमतः (भीवयममधानी) काम अकृषिः (कमकार्यमाम-नीन) दिया: (दिया) नागाम: (नागमन) कि लावं: (किट्याय) अधीयपतक सम्मर् अभाग् (की झकी र सूसकत्म मिदीक्रे काई मा) सूका (इस डिए र) त्वपूर्वे ये प्राट (वर्मी कार्य करवंप) ' इंद (खाठेला अरे) र्यायत (र्यायत्यं माड) (श (Wrand) (अस (लम्ब्रम्भ) लस् (इद्रेक)।। रहा न: (काराहर) दिः दिः (न्या स्वाह-राम्त) अवस्थ अवस्था स्माम् अर्था द्वारा : क्रं (प्रवेशिकां लायल्याम्। यात्रिक) यर्दिक (का प्यं कर्ताव्य किं। अवसमक्षिः (अवसम्बन्धी) ट्यारेमं : का कि ९ (ट्यामप्रभूटिव ध्रम्कारमर्क का लामकाक कि । [नवर]) अर्वः लाहित्यांभः म किं (लालनं त्रित्र कामा सिविक नेक किन्दे का ई जा मार मा हिं। [अनंत लाहा] र मा करनी (१३ नृष्णयान) गामिन वद (निवास (२०१) अम्र (मध्र) अभिनातक-माना जिमान् (मिश्चिम अम्मरलं अवस्टे दक्ष्यामी) प्रर्वतः

प्रम्मी-सम् (स्पर्व वर्ली-धानि) काकंगारिया (अयो कार्य)।। २०। [ज्याम] सी वर्ष वि वि क्या वर्ष) मृष्ः रेट (हुण्ड्रकाहिन काम) जी- वक्षा खनादि। दिः (४म, राष्ट्र , आख्ये अष्ठि), कर्यमामा एकर्ट-मारामिडिः (१४ माद्य कर्त वा मार अकृषि) मिला मर्मु य टका हि। (अत्रर्भा मिला काद वर ऋ विवहत) व्याष्ट्र १ छ। उ-त्ये नामितिः (विवह) अहर विद्य ७ ०० उत्तादिक्याः) क्राहि (क्रमा) क्रमाइ (त्यामन व) विकृषिः (डिकान) म मास: (अमुडिस मा कविमा) अवर (नकस्पत्र) क्रियं यस्त्रील क्ष्मण् (अवसास्त्रसः में भिष्ठ रेपाक्ष केल)च्या केलावमर (च्या किला-द्रप्टक्षे) लाजातं (लाजनं कांचु (बार्ट्)॥ . ७०। याद (याद) कुल्या व मर् (य के जी कुल्या वसके) ত (जामन) बीबतर जारे (कीवतम् प्रयंत्र इसं विद्या वर्ष विषि] में आप (में मंग्रेजालाक) मूमानि वन (मूमकालरे) विकि (धरा कारिय), कालमान: (निन्म सामारक) अवार् की हिं (ध्याकी है.

(051 । खिते (प खिते हिंछ। [ठीछ]) खिक्रिय कंक प्रवर (जारा (जार कर्स कार्स वार कार मा कार कार कार कार कार) विकास-ट्रेका (क्रमां (शामाक्ष हैकी इस है प्रियं गाउ) असीक् (कल्पितासवड), (अवतीत्र (अव अत्मक्त) ((() सम्में (विश्व दिव असं उद्गति) दुर्ग ख्रा (द्वार्य मह अदि) देवह कार्य । ख्रिकेप सेंद्र : ((क) ग्रिशिंग में अप में से) आवे (अप पे प्रवे) रेवह व्याप्त । करमरे) हातीरे (अवलड दर्श्य), अर्था : प्रकारी-डमान्ह (प्रांत कुछ ज्यान मध्याम) मर्थाः असामय९ (अक्लमक्ष असाम बार्निगारे) झलाभा: (लक कार्व), ट्येमारी वब (त्येम्मालिकरे) मराबिह् विर् (अयम नेक्यर) , अत्राहात् (अञ्चलक्षे-अधूर्य ७) ७०० म न्य डाम (अ र म अग छ [वनर]) अम्बारि यव ह (अम्बार सूर्रकरे) समा (अर्थन) यूने १ (यूने कार्य कान कान (व) ॥ = A>1 [(य हुड़ । वेंग्रि] म्युलमाशेंग: (म्युक्त सिमाश्य) मंगं (राम) रें वं : (रें चं रंग्ड) ति है। (आवेक्सम्बर्क) अव्यालाम् (अव्यास । वस्ते न राममन) भूतर (भूतिक) महाक देवाड (मह्मूत-काल हेर्वा पिछ का ने था .) दो बार् म द्वार न व (देवबलाड: आसु अनुगदिशाक्षे) द्वर्शमिर्वार (सीयम माला निर्मा कार्यमा) अर्थाक नीयम् ब्लाकारत (कीव्यावतारे) लावर् यात्र्य (सुर्क भडकारं गम करं)। किन कः वास अवस्थितः (क्यम वास्य टिन्डान अपानि नार्कि के क्षिति कर भागः (कर्वान V (र्षि ल्यान मार्ग कर चिवरं]) मुक्त रे सार्या हः (अर्थेला परंत्र के ल एक) शास्त्र) स्थारे (पात्र करें)।।

ग्राष्ट्र,) कं प्रस्तिः कालायः (कंबेवाण क्र कट्लात विभाम) तिक्र (तिवृत्यं) धकानि प्रकार (धन्मामम्बन) वार्क्त वर्माः (टलकमन् वाविष्णल [नवर]) धर्वाका भागाम्यामः (असरकर्क मिरान अम्मयतन अडियास वर्षम करिया) मारिका कृष्ण दापा (की मारी कृर्क में माभाष्ट्रसम्) खाल्लम यव्याद्य (विव्हरं काण्य काहियाय अकाम वृश्क) काश्रीत (१ रे) वृष्णवटम (व्यीषुकायरम) वम्मि (क्षाम् सम्म कर्यम)।। 081 मिर् (मिर [ज्राम]) अमन्तर (अममारमं) रेश टमारक (अ कमर्ड) अमूनिष्ट् (पूर्वड) । मिथून-रिन- अी भूटा- त्मारमण्डमामि (छाड्ड रिन छ देखन अी, भूज उ मूत्रापि) मद्भ र् (माट कार्ने ए) रेक्टार्स (रेक्टा कर [वर्] करामिणि छ माहिए (कर्षमण्ड (माम्यप [] क्षडिं कि (क्षडिं के कारकार्य (जारमकार कत , जिल्ला इत्रेटम) अपा (अभन १३ छरे) नुना-वनागाउँ (भी कृत्यावन-नामक) अव्यास नाम (अयम शार्मित्र) व्यक्तित्र (या मन्)।। Ge । विक (क विक!) क्यारिकी करी अव-काष्ड-कारी-शहरवा बात- छरे चुमर छ टिला नारि

(प्रश्किविभाग त्लाहि कारिका गुक्रान् अर्थ कुलावसन् हमेन्द्र निव कि किसाय भी छन्ड कन्ना कर्ष्ट्र लाइनमा, जिल्ली) व्रावित (ब्रावित) व्यक्ति वर्षान (19 व कार्नेमा) ज्याला अनि (वे छिम कार्यक) प्रम प्रक्षी (प्रथम मुर्वक) व्यान्वम्थानिर् (अमल न (अन आक्ष्याक्षा) कार् (वर्ष नुसार-य गट्क) मार् (का खन कम्)। ७ ७। बुकारे वी (वरे बुकायत) कलाने जाम कलि (जन्य) कामनारी-भूतक-हिरामीत (कायतीत् , कञ्च छ क छ किया प्रति दर) प्रध्न छी (अ र क्या कर्निमा) न जी न म कुन - कारिन- मुका - मूर्वज-मूल- प्रक्रिय-दिश्वादियंक- नवः करनेत (लक्षी, माइव उ हर्ष्यारि (५व माममार्थ यू मेम १६वड-यह सामानी अकिष्ठि र्मिक्से हान्ने मूर्यक) अया (निक डेएकर् अकाल कार्व ८० (इन)॥ ७ पा रामि (यामि) इबीम्य- ए जाम- विदार- त्या हि-असाहित्यकानि-प्रशासकात्र (कारि त्यारि मूर्य, हला, कार्य व विप्राख्य की क्षिमा लिय कि का सकारी प्रकार पीछिलानिती) वृत्यारेवी (वरे क्यारेवी

[कारा इड]) हिल है (क्रमरम) आया अला मकूर आली (निश्यक्तम अकाल सूर्यक) आलि छारि (के दिल द'न, किस इरेश्य) जमा (जायम) समामि (हिट्ड) विटियनेगरि (केमारिय पाडिनाम) न वि डेएमडि (क्रा व ना प्रवस्ता)। ७०। [यित] व्यक्तिका मुन्ति - ट्याइन - कार्निकु मू-भूरका अवाका अविकृष्ट में की हा क्ष नावि-हाना) अन्य महना (अन्य महामन्स के ल हाने प् कवियां) व्याप्रकु- त्या की (व्याप्रकु स्थार वर्षते करत्न [नवर्]) आतला हिसाय-धरायुष-मञ्ज-रूप-रूपारेवी (याराय प्राविश मिलिस अमिसरे बिशित १९८-में मात्रक मस्य वासमं र्वेद् विमाल कार्व एक दूर की मृत्यायन) सप्त (आमान) अवीकर्षकर (मामसामि अम्ता) विरक् (वित्रके कक्त)॥ ७२। अ१ वरीण-सम्मुद्धाया (अडावण रे सर्द्धाय-व्यक्ति) व्यावेदी (यरे क्यावेदी) द्वाकाकवार लाक्ष (एम क्षित लाक के सर्वादक ह) छ प्रक ब वा द नम्ही (अने वासिय धाक्य कार्या), प्रक्म-

र्श्वरिक्षात्र (अर्व भेर्म विक्रिक आहु म क्रिक्) रआकामं (अविवायम विवर्) रे छनं-समाम हत्या (लाभुम यहा आम डाम्बरं) (स्मामा है गंद (वितालन कान्ने रहेत)॥ 801 क्यारेवी (यर जीक्यायन) वण्डवीय-मूल्या युन्हार (वर वरमन माके वन्य मूर्त) वरम) यक्त अभावादि छ : (रम अस्त हारिस ना भी सुक्षक) टनमा विचि: (न न म टला ह व) डपडि (१ न), भेयन: (अन् तमसन्) जना (जायान) सकत कर्र (देवन कर्म भर्षा के वा करवा विश्वन कार्य अस्मादन कर्दर [नयर]) बकादमः (बक्ता अङ्डिए) ठाड्डाङ्गरेखाः (ठाड्यत हाक्ष अडकारत) वर (उन्मान) मुवाडि (मु कि कट्यन)। 821 कदा (जानि कत्व) अर्था उद्याउम-हरार्म्य-मकुनाए (महीएम मावन अम्म आमिमले भाषे भूमे) वकत्म मार्या न मार्या (प्रकार कार्य वार्य वार्य अमार्थित व वार्विण क्षेत्रक [नवर]) श्रीसार्वका म्मने-एकि वरिमक व्यास (की कृषिण एकि व्यास नक मान ज्यावा व वक्ष) ज्यात्रीत् (वरे) बुलायत (ब्लायत)

तिन अवरामन (विन काम अनूसरीय) टारमन (क्रिक-प्रकारन) नमाप्र (वाम कान्य १)।। 82 । अकन वायन-वायरन (मर्च अवन्त्र वार्विक कार्यन सार्यं उ लिखाना निर्म) अर्था उर्मा उमार मन्यान शर्विति (अट्टिन अस्मर्थके प्रार्थितामा विवर्]) अर्थान् का हू छ - मराव्यका वा मी (कार्टलग दे हिन्छ-सम् अध्य व स वारव व आर्थिय वक्ष) क्रम्ड (कारह) आभीन (यर) अमटड (अभीम) वृत्पायत (अविष्पायत) अर्ता द्वा व्या त्या व्या पू पा व मिं : (प्रचीचि हे क्या म प्रार्म जार पराम उ अन्य देख्य त हिए [निक्क]) प्रका आर स (सर्वाम विकास किविटिएस । अवस्य अरे मृत्यायत भी कारते व हिए अर्च एवं डात्य हे ब्या त उ हे भान-स्टिल क्याम्ब रं)।। 80। दिन हता जिल- मधुन्या न का सुन्ध- मूलन-पिका स्थायकार्व (भारति अहारनं करंग अपने मने धानल प्रामत् धानभारमण्यू पिना प्रश्मकाय-अक्षासक्त विश्वक कार्एटि न् विश्वक)रेर (वरे) स्कायत (स्कायत) ट्य (भाराया) ध्यम् छि

(तरकाम का नवर्षेत्र) का हि (ए का न अलाय) ज्यम विधि) डार्यम (ज्यम् मालन मार्च) वमार्ड (बाम कर्वन), ८० (जन्माना) प्रवट्टे क व ट्याक-हार्नि (प्रिक्ति विक्रालिन छेर्ने हाराज्ये) या डि (विद्राय कर्द्रम)॥ 88। विमल हिम्मन मा वृद्य (टमन्त्र अपनिमायरे विरुक्त हिन्यमञ्जूष [नवर]) मुलायक प्रवत्त्वन मूरी अवनाम (ट्या दिवसर्व प्रतिमरेड पेराम यक्तमकत्मन (टमर्) ब्लाहेरी (की ब्लाबन) अक्समा (तिकक्यावनातः) पण्डतिकत्ते. (विचि अधारवल) निम्मुमन् पार्ट (निम्मर्) यम्म-यम्म जल्म (यम्म अन्य मर्ग ड) क हर्ने न तु हरी कर्या कु (तिक हर्ते न त्या क काल 五五十四十一)11 . ह र रेम् ((परे) कृत्याहे नी (कृत्या कम) किं (कि) प्रविभिष्टः (प्रतिश्वतं छमवातत् विलियार्ग- सरा हम्रहेटिः (सर्व खरान केलर्ग-कालिय प्रशिक्तिमी कालमे) द्वारि (अकालिक ्र्रेग्टिन !), या (ज्याम) ज्या वि : (व्यत्रीय)

देम्प्राम सर्वेश में द्याः (चम्प्राम संसं व त्यमेक मामार्वे) 801 Cor: (Cx \$29 md!) corle- + 2 5 2 - 4 2 x-प्रका तियते : (त्यारि कत्र वृत्यन गण् विहिन ग्राटिक्यमानी) नामिट्यः (जर्मनामम) रायण-अधूप्तार्मायण-की न अयू य-यमक्री: (दिक्त अविशानिन हे कि की जित हे ता छ अध्यापूत्र आकियात), कृष्वत्थः (बीकृष्वन वाडि धात्-शामी) कू वृद्धः (ध्रामार्य), मिर्वाः (विष्टिय) माभी- ७ डा ले : (प्रशायक उ जला-प्रमूर) व्यम्बर्य-भयः भर्मात्म व्यूटेल तिः (व्यम्ब-मर्न बलकानी देखसनमी मम्र न्यू सम् अर्व मानि [वर्]) व्यानमा भू रेम् : रेव (मूर्विधान आमल काली महला) कू टेर्ड. (के के ने प्रमाय) स्त्र सकी (अनं स स प्रक्र) बुलाबत् (की बुलाबनिशा) कत्य (एलीन ८ । प्रति लिख: (प्रति लिख र प्रचार न) विश्व कर्य प्रमुख: (प्रति स्थान के कर्यना किन अव्यक्तिकी रे रे रे (वरे) ब्ला हे की

(ब्लाबमक्त्म) ज्यानि किए (असमा भारे त्वार कि?) म (अयम) अम्र (देश) हिर (कि) अमन्तिः (अभीम) अभागम-मूर्या मुर्वः (अभागम्यम् भूकाभिन्त्र) प्रकुणः वभः (बिहिन न्मरे इर्ट्य १) , का (ज्याका) भग्र विग्रम्कन्न-भारम- वस (अमी- भूबी वर् किए (रेश्न कि विक) कल्लाक कामरमन डेटम मीन खन्मरे इया) रू (अमरा) रेगर किर (रेया कि) क्कार्यम मु छा हु जा अदिने छि: (अक्क ट्यापनं रकाम हिन्न अविभासकाल [स्वांत कर्वाद्वाह]।। 8 9 । जार : (दर अरे ! यिन ज्रित किला मा कर (य)) अकलगताः (अकल नी वरे) द्वा (ट्यममामं) ध्यष्प्र (ध्यमन्त्र) धरमा (मि. किए डात्य) औक्टेक का तु डा सर् (नीक्क-, विश्वम्य यकारीके अतु शम) आए मारि (नाड क (यं) में केंच (क्या मार्ग) अवस हमवव: (अव्य डमयाम,) कृष्ण्य) (भीकृष्ण्य) आन्दर्-भीभा (वर्म विचि) भीभार्म मूर्णः (भीभा-विद्यार विवास करवन !]), क्राल्यः (त्यानः

म् ति वं क्या की वसने) कृष्ण भाषा यु स- छवत - धरामम्-अभाग्न काकाः (अहिक किव नाम भएम व देवते-८इड बरेस रें भ्रासी (थ) दे वहां का का पाट करवन ! जिया बरेस कारिकार) त्रम् र(क) (भर्म तम्बनीय कड़ बोलिएकि), युर् (अवने कर), अन (नर) भीम- रूक्षरयत (की मुलाबरमरे) रेपर मकसर (लिसन बिन्हार) शकल विश्वय भानिक है नहि यार)॥ 8 मा छा । (दर खारे!) विदेशिकार (जिसे वृष्पे वत्तव । ७ क्वानिव) ७ त्म ७ तम (जम प्पल कार्मिक हारन) हिन्ने (राम कर), आरमधू (मासमस्टर) डिमार अहे (डिम्म अर्न करं) माध्म ह समर (यम्मान कम) अन्य र (अन्य) धानक लिय (अव्ह डाट्य मान कर) , बीरेव: (इस सत्मार्थ ग्राहा) युक्टा रूक (करा अमेक कर्न) मन्मापड (मन्मापक) व्यक्तिम्-भवं यह (व्यक्ति विस्कल)कमंग (भने कवं) मीठावधानः (पूर्वतक्त्रीधायधान (क) मुकीं (कर्मा सं (अल्पिम कर्ने)) न्त्रीकास्तर्मित्रम्

(सीना का ककरण) न मार (शिलिन मार्टिक) एक (टमरा कर, [क्यमड]) ब्लाइनर (ब्लावम) मा लेख (लाई क्रेस करहे ल्या) 11 8 ? 11 801 (दा हार !) काजिलिया म्यम (भवता डिकानिथ९ मम्राइ । वान्मरि : वाकी (वान्यनी प्रमायिकार) प्रमाक्त के का १ (यपाकिकि म्- अस्ति अस् क्षामल नमा श्रुतिः (यात्रा क्थामल सर क्रामिश्व) अव्ववं शावं (अवं म अवं वस) विहि (निवर् नाकावर (निवर् मार्यव व्यक् वि व्यक्षित उद्गेष्ट्रमाण्यमः [व्यो]) मूर्मेष-० वर (वर प प म क) जी वृष्णा विभिन् १ (जी वृष्ण वन र्वास्टक) क्रिकाल (अविकादाय) व्यामापी (लाड करिया उ [प्राप्त] भूमाला-क्रिके . कू माला-कू जिल्ला हिका- बन्न गठः (मेह विकार्येनी व्याला के या के रेक विभाशिव क्या हैं के डंक्ना) किए (किएए) विषे : नर्मा (मिन्छ ? सारा विसर में विश्वेष कार्व (व ह है)।। हरा छाउं (ए छारे!) त् (ज्ञि) कि मू-

(कि) अभे अङ्गानः (मिल्य स्ट्रियम) मिलाराम (निक्षण वार) विविष: (कानिए अमिन पार !) प् किय (प्राप्ति) वसमणः (म्प्रायमभानी) हिल्ला: (मेडिंक) माडिसिस (मार्ड प्रियर्ग भं खन)) भराभतू र (CANT धराधत) बाजाने (mano 53 1/2 3) 4 (mas) 25: (मेर्र) वरक्षपुर (वाराव का लाव मार्थान)-का बीटक) करवाका (करवाका करवा) रेडि किंद (रेश्परे कि) पूर् (कामि) त्वरामि (कामित लावियाप १) १ था (त्परिक विषित्र) जिला : या (मि: माड्ड Book) वान् वान् (बान् छात्) नृत्यायमा (अम्हः (नृत्यायम DAM कार्न ते के म्हाया में देश हिला प्र (हाल ना मार्ड (कि हिंद कार्ट्य)। (हाल ना मार्ड कि कार्य ना मार्ड कि कार्ट्य)। भूम (सन् अवि) अन्तर् अवित्यप (अक्तिकी अर्डिंग देमम्कावी) ब्लाम्ने ए (नी ब्रावत्यं ज्ञ्च) न विमार्ड (लाय अव उनमा) १ (चवड) वर् अमर (र्मायम -बाटमन) म ज्यालामात (ज्याकास्त्र) कर बमा)

या (त्यक्रात) निववाधः (जानन) आक्षानम व्या-मुर्डि: (छलाए आनम्बन्निक्) के बर् (निक्छक्टम) वाविनारि (काविर्ड रम्), तन (जर्मा) क्रूक्मं: (रें क्षि याप्रवाप) मेर्डिंशः (अंतर में जहरं) अम्य विताः अलि (देव वित्र इरेग्ड) मा मकाडि (टिम्दे कामक व्यामिक व कार्याव्यक व व्यावत्मव वाक न अनुव्य इस्ता)।। 651 लाम मत्म (ए मामा [वैश्व]) क्याला द्वा (तमि विवित् लिखार्य) डमर्य कुक (डम कार्य डमा) उसमार (अस्वर्धन) बर्मर लाख (बार्ट्स के सार्टिड) न मत्त्राचाः (नक्षा कर्षे उता) , टलक्का मक्ति (टार्स किक क) वशादन) म । है अबिल (धानूसन् मे कार्डना) नित क्ट्रेश्वाप्ड (तीन ट्लाक्ट) वर्णक व्यक्ति) क्लाम न द्व (क्लाम विस्तानिक इंड मा चित्र भाषादा) ८३ द्र: (लार्य बास माया) लसके र (मिश्र त) मिछ: म एव (आबन्न इरे एता, विष्टा) विषय (अयम विला) मुमायम (धम (यमायमम हे (क्ला) मिः प्रवं (याना कर्)।। ८०। अविभद- ब्रश्नाकरी- टार्मन्य र्गामी (मिन्द्र न

अवस्थिति द्रामार्यभाषी) द्राम्बन्तार्य (त्यो र उ न्त्रामक) कि (म्यामक) मध्ये (नामनी क नामन देखरमं) मानानरकाताद-व्य-मरामिण्-प्रमानिकाती-कुटमी (अमारं कामम बसममं अश्ममूट्य निममा अलीमार्न मिर्ड) यद (रमकारम) आडमं-मान्-बिमामिटें (डियाम कम्पाबिमाम्डट्न) कीएड: (Esta ACAA) " ONCH (SAN :) REM: (ZEM) -अस्त अ काकियों) देपर (नरे स्थ) मृत्याह नर् (स्मिन्यावताव) न व्यास्मा क (व्यासम् कर्मना)॥ 081 के द्वापायं - कानु मायं - प्रियं मायुर्मा (व्या के का-क् त्या का निमा महा निमा म हरे मा अभी गर्न राजा. चार्य) मद में यह (त्य में क्षेत्र द्रेम रंग) देवका: (जनगता न) मर्वः जाल ट्रमेर्नियार्मवः (मर्वाविध लामल हरमवड) टमा उटमम्म नगांदि (बाराव यत्रिकि (सम्मात्वन ७ व्या रम्मा), यदि (यदि) पिकलक्षा जाना जिंग कास मा (जर्मनी प्रमुक्ता). मार्सी) क्या हिंद (कार का कि व) जन (अरे अर अम ANTHLES) OWL (OUSLENT Si) " 26 (CLS) इस्त [िनि]) रूलप वत नामि (रूलप वत-नामक)

अंदिस शाही (अंदिस हारत) श्रीनंड (पुक्र) बर्ध: (८५२) ग्रमण् (मन्दर्भ कर्मन.)॥ 661 लाज्य (लाज्य i) ला क्रीयीयम् का क्रमें? याम् कक्मा. में एक: (ट्यानरे विश्वाय माठा के कार हि असमा क (क्र , [चिनि]) का शिका निश्चमा (खीका शिक् क्लार्मम् कार्ष विद्या)क्रमाहि (स्पर नक) न्त्रास्त्र (न्त्राह्म के) मब्भ स्मः (नित्र यूचरक्ष्य) आखामादिनी (कस्वतीया विष्ठातं कविएट्र -वर् भिनि]) मर्गम् न पूक्र र-कृष्ण्य म-मर्थिकं -मका विभी (तिभिन निम्म ना सन् पूर्णिय क्षीकृष्ण त्यमक्ष सर्व वरतक एपत), की कृषा-विविताहिक (अविवासनामि [अरे])कम्म-कामिम् भी (कल मिनी डा द्वि) विक गटि (भीग हेप्कर्षमद्रकाट्य विवास करिए एट्रिम)।। हरा क्लावतक्षः यत्र (क्लावतक् त्रवाकाल व्यामक) धर्म नकु एवं वन अन् मानिख्य का (आर्व पूर्वा अवना णार्श्वमारायं अति), वद्वतं (अह्व) भूत्म वा द्रः तम अ अ का द्रः (अव अ ि) व कराल यामा भे जिय काम जियमात्र (अहत् की जिया अकी वित खि), अरमे का ट्या प्रे का (अपने अपना ट्या प्रम

4

कि) अंदर्स मूक्षाम विविधि का (अवस मूक्ष् अ दि(श्रमीय प्राणि) मिण् (सर्वता) असा दृष्टि: (सम्बित्) हर्ष (देवस इदेक)॥ e न। प्रेंट (प्राचा!) रेपर (-1रे) कुला वनर क्षाम (इनावन माद्र) व्यामक र्रेट् (व्यामक वस्त) व्याच लास (व्यान शह्य त) ये का के का मार (वे का के क-मासक) टलेव्नीय द्रं मर् (लाप् व नीय-वस् सर्वे व त्यातिष्ठ विषठ]) वरे जसार सीकं रह (छेन शाद म म म म म म म म म) or 20 / or we st वस्) न कलायः (आसन अंशासन सम्हा विश्वा भी कि) जामहर्यः (जामहर्य रह), जाय (क्ट्रे लाजा) अयं समर्व (ट्याक्र अप) लाकर? (अ खा छ दरेगा ७) का के द प्रश्न (कान प्रमा पूर्व) जात्रकी: यव (टार्श विश्व भीडि. मिक रहतार जनम्म करवं न निया जाव छ]) आकर्प: (आकर्म रह , [ara]) उद्विष (कार्क पूर्व कार्य मा) आमार्च मेर (कार्य म दर्भ में जानक में रह)।।

० म। सरम (८४ मरमा) खन्ययं के प्र के (लिम्मे] (मक वस् त्र अव्य वर्षा), मना (अक्ता) काता लागा (रेक डाला क्यारिक) र्यास्त्रम् (ज्यमन मम् मा म्राम्) मर्यः त्वन्तं हत्त्र के विश्वास विष्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विष्वास विष्वास विष्य विष्वा विन के कर), प्र एक मय- वियापित (क्या कलय ७ वियापिकणे वक्षत (वक्षति अछ) इक्ट (मैंबाक्य) म केंक (काला कार्य था) कर्म (क्वर्म ! विषि]) क्यूकीममधीरण (एडकारमं लामारं) रेमावर (यह रेमावर्ष) निषम (ध्वम्यतकन्)। क्रा दि मार्च (द मिन! क्रिमि) अवन् (अर्द्य) मार्चा प्राचिव (या: (क्यी ना चाक्रक्ष)यमार्गि (याला दालिन) अपयम (अपम) विचा आसमयम (अवर) , ज्लीत्वर् ६ (ज्योग क्रमलं निक्रि) वर्गम् (वर्गन), अधन्तिः असूम् (अप्रिडि याकिमाते व मार्ड ब्रिमिड देशे मा) अस्किंगत (वर् श्रियां ला(पारम [नवर]) लगवंडर (मिन्हन) प्राडाया : (प्रमामी जिल्ला)

क्स १ क्स १ (भारत करि क्स कि) कर वार्ष कर (इन यां आंध्र की के कार्ज मा) प्रहास्त (प्रजाहिन अकि) कुण्यातः (वायका धमानि पूर्य) बुन्त हे दीए (दू भादत) आयम (राम कर्)।। ७०। भः (त्म) देश्यः (मृष्काक) सरमा (लयामार्ग) रेलावपर (र्वेलनवप् द्वास्ति) त्राली (The 25 me -) ad (alsh) alse (alm करतं), अ : (अरे राष्ट्रिक) व्याहि क्षी हि : (मूकि तक्षी-कर्क) काण्डलमः (हराप हिंद रहतात) भावकर (नर्टिं मिटिं) शायत् गाडि (इक ध्यामन २ रेट्टि), अ: (८) हिंडम्मिने (हिंडम्मिने) में की (लाड करिंगाड) जाम (अन्तर) धर्मा विदेश (यरामसूट्य) मिकिल्प् (मिक्स व कार्याटट निवर (म) प्रका छभव छ अवर (अवस छभवात, (क्षाकिक्षाक) अमार केसा (यमाहित क्षिमात) ज्या क्षां मारि (के के दिवं लाक्ष १३ (६८६)।। ७ > | २७ (धारा!) रूलायनम् - भूत-हम- मिक्एंक् (क्लाबत वाभी मावव हालंस क्लाबिल्लिकिकि)

(म (लगम्पड़) त्यम लाम (स्मा विशेश ककंक) द्रायात्रः त्याः त्या (द्रायादि त्यापते ला दं क हैं) दि (मेशना) यद्यात्मा: (न्योक क-१८ लवं) बला : (किंग ध्य [अयावा]) ००: (ब्रामाद (दवसर ७०० मकाड) हे क महिला: (अं स माराजी) अलगी) "ता ए हि (ट्याइ है रेशास्त्र) अर्देड-माहिम्धन नमर भूथः (विभर भनी द् ज जा किया माकि पान वक्ष), दु व मुगाड-रें - में श्रीमाठाकी रेंगा: (इग्रायद साठाकी बार्ज मृत् मृत्रास्त विश्वाकिलीय [यर्]) रूपूप-निधमानम्बानस्कानः (वेशां द्रा द्रा प्राचिमान्तः सब हे अति थए म मू ट्र ब कि लाम । जातल भग म स इरेट का बिह् क काम म नाम न क श्राम मा पर (आक्रम अडि: (अर्ट हमराम क्रीकिश्त) निग्रह (निग्रहर) यह (द्वाराय) आत्मवान (ट्राका का कि एक टिन्म) (भी विवत्न में (भी विवत्न)) ७१२२ (oma) न लामि (कामिना) म्यी एउएके: (डेमनियर मध्य) नवर (नवे) प्रमु विषर (OLS Q DE) 13 (13 (4) (45) (45) (45)

(क्रिकाल प्रवकार वित ?) आसम् (नर अवड आयत) र्यावतर (र्यावत राम) प्रश्रिकार-र मामे भीमः (अव स मार्च त्रिव व वाका के माक्ता) (अमन्सम्) (त्थमन्त्रम्) कमर्कि (मूम अपार्थ कि?) वा (अयरा विकार) अपूज-आसामम् रमा (लव्य विहिन समाह व्यामण-त्रमंदे) भारे ने छि: (भारे ने छि विलय, कार्य क्षार क्ष्ममा महर्]।। ७०। यपि (यपि) त्याकाः (त्याकत्रम्य) वहरूपानिका व् (ग्राम मिल सिमान) विम मा (करम) , एक: (जारात्क) तम (जामान) किए (मार्डिकिए), तहर (यह) मर्ड क्ट्रेमर (ट्याम) नर्ग) भीत्र भीतर मार (कार्यना देन) मुख्य इसे) क्या (वारा दर्दान) बस (जामान) उठः (अरे वि हू) कि निव (त्याम का) दूर्माः क्र : किए (दूर्मा वरेट भारम कि।), यादि (यादि) के लग्न (इसवातन) त्यवपदि (टमकादिकाटर्व) म भार (मन्भादन इस), उठ: कि विक जिया (एवं मा arana कि १३८ व १ - [अंड]) अवह (क्षान्त) द्वन् (क्षान्त्र)

(रेश्ची धरमञ्जून शूर्वक) नीम मृद्यायल (क्यीत्रामा गरमरे) प्रभागि (वाम काविव , विकार्त्रे वर्षे]) अध (कामन) लन्या नेश मितिः (लन्य जाडी के चित्ररम्य मिष्ठि) डाबिजी (इर्राय) ॥ ७ छ। जारि कर्न-को जी सरामाः (कर्र उ को जीन र्शर्म), ७ क्रवन अवि छ : (क्रवल अवि) क्रमादेण : (क्रमादिवारा) इस्ट्रिक हिंदिन । मिर्नेट्रेन) क्रमाल क्रम् कार्याद्र प्रकृत्र (मक्रिया व क्रमा वाक)।यान वान्ठाम कार्नम क्याहिया (हर्य म प अध्यम् (रेंगा किहान भाषाना पा कार्या) मर्याकिसार जिल्ला (सर् अका व का हिसार मा बिलाग. स्रक) व्यट्डिकाम (व्या डिक्स म्रियं त्य) अचित्र (भूत्र भूत्र) जारे मर् क्रम् (व्यम करिया) कारिमर (प्रविष) मार्विक कर द्वाराकात (की वार्यान अकातु धतु अठ हत सार्तन) धतु अवतः (धतु अवते -अयकारम) मुन्यावस्य (मृत्यावस्य) त्रिवर्माय (अभ कार्यित)॥ ए वा जिलाम मुलाम ति (जिल्नो स जामन-यम की ब्रायति [लासानं]) सीवाद (सीरमाय-

मार्य मं आहर) भार्यका : (भार्काम) गार्य- हत-निमित्र भारित्र (कार म कर्म मिनिस्तिन् अपि) ेलामा युद्धिः (देलाम् एतम), नार १ राला मार्-नार्ध्य अभि (तिभित्र मार्थ महत्राहर्षे रमम्ब्राहिक्द (जिल्ला न माह) हिल्ल स्टिस् धामिन वनक) शामित्र कि: (कारिकान) टन्द्र-डी-विए-जूनमियू (टन्द्र, सी, विड ए भूजनित्र अपि) न दि सम्भी: (ममण्या जिन अलाब), अलाक में (मिय मान मार्न मार्ट) खिल में हिं : (खिल लान [नवह]) madeinis (अवस प्: त्यम अपिए) यस सम् (यर्व) स्मारि: (स्माकातम्) अस (देरम रहेक)॥ ७ ७ । जम् (जन्र) समार (अविस्तानम) क्याबन-यामक- वसर (बीक्शव स्मय) (कार्याप) भूतक) भागाय: ट्रा (धारात्य वाक्या म अववाय प्रकार तिष्) विद्रार्कः (द्राक्रियः) विवद्धः मिन्म वर (पू: मर मन कन मान) छिडी हुए। का ि (काल्यम विकास मिलारे करी वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग है। नर्ट त्वामाः (नर्वचकान त्वामनामि)

वयम अवस रक्षित्यामक्षाः (अ व विवासत्यन द्रकड्राम्बर्गमभूद्रम् अम्)ह्यासि (त्यान र्रेएटर), अमस-अवय-मूब्मनाः (विभिन्न ट्ये ट्रियलने किरे आमा: (कीरेज्य) मालक [अठीमस्यत वर्द्धर्यत नवर] मिल्रमः ह (मिन्निम्रड)रेजनामकामाः (रेजनासम कार विकास लाय [अप डंद्राट]।। ७१ । [र अस्य! प्रि] यापि (यापि) रेपए (परे) युक्तायमः (युक्तायम) ७) क्षेत्र (वार्वक) प्रकर्ण के बाई: मानि (बाईटब छन)य भन्न वन् कि क्षा लाइम वह (वार दाय । विकार वर्षा) न्तर (तिकान्ते) कत्र क्रमयय-यमर (कत्रुक्त देगान) कि दुन (काई छान काई मा) अन्तारिया दे (क्सरकार व्यक्तरमा दक्र का नाम (वासन कार्य , [वास]) एड (याद) मुन्दायमयमक भाव (ब्लामान वसमारी वार्ष) (284 (अभा करनेपा) - जाता वार्ता कार्तिः (अभव विवास व वार्ता स मिष्ठ दे , जिया दे त्या) छा छ (दे यप रे कानिय तथ, हिंची) अवसर अमृतर (प्रश्रुव

Karan) Inan (DIN Dan) - Magis (Saraa (图画上) 501至6 年前: (1000 年) 11 म (अमा रा म्मा का) , ममन मारा भारा स्टर् कोर्डियार्य (म्क्रीर्डनार्या सा कीर्डियान्) महार काल माम: जम महार (काट्ट अंग मिन्त अध्यक्ष अध्यक्षे , अभन्न क एमिनः मर्ड चिन्तानि । दा (लंब म मूर्ज कला मर्व-बिकाम बिला विष) भ : क : अली अग : (१ ध टक्य इंडमा (कन), कथ्यांव त्मा अर्थ (काम विष्युर काम हिंदा कार्य म [मयह]) ७९ रूका यतर (भीरका यत शिम) अक्षेत्र व (मर्जन कर [वहर] छ क्रिया शिष्ट विष्य हिंदी है लाम मारका न अम्मान भूर्यक) श्रीप्रारिक-जिकान (जिल ट्याय अपिट) के आ आ म (सिंग मक्षम अस्यरक) हि।कि हि।कि (हिन कर)।। ७ ग मत्य (दम्भः [प्रार्ध]) त्रश्रोम- मुणिदिक (एड भर स नाक हि विवत्ते) रेम (भिनंश्य) लाउद्धा-सम्ब (लाइक्षांब वा सम्बा) म कॅक

(कांब्रिया) के का धरा (सर्ठ कं इ दलरम्बार मार्क) Co ट्यार्थारिया किए (ट्यामा में मिन टमार नामें) मूर्यन-म्बन्नार (यर प्रकृत् वन्नात) हिश्रा (एक पत कार्य) जी पुर (मष्ठ) धार्मनारी क-अन्ताल)- प्रक्रम (मिनिय ज्यास प्राधात) व लाडिकानं अवसर्भावस्थ) र्यावप्र ६ दिसली (र्यावत देमार्ड दर्या) कल फलादि- रूप्ड : (क्रम्यापिषाना मुक्तिमा शवने व्रवक) व्यामिल (मिन्डन) जनायानी मार् (ब्याव (मन्द्र निमा) भावं (भावंत कवं)॥ वंग में सर (त्या मारा [वास]) मिला (थ्रिकेस्ट) टमर टमरामा (लकार (त्यर का म्यादि विकटमंब व्या भा में के म के के कि का के हिमा) के लिया-भू मर्थ- छ । निकार (मर्थाव म पूक्षा (र्य विभावकारी) श्रिक्ष) मुर्दि (ममुक हे नार्मे व रहनाटर , [रेश]) बिकि (अवनिष्येष), अमा द्व ([अवन्य] कार्ने) रुपि रकार कार्य ह कर्ठातः (स्तां कर् का का का का के दे का का क्षा के व्यक्ष व्योग मृज्य वप्रमा (व्यो मृज्य वर्म म) जा हिम् (अ) म

(लाइसेत्म) ध्य ध्य (मान्य कर्ते)।। ना रेस् (पर्वा) करो लया (करोद्रिश्ची) रेपर मर् विकास (-रे मी, मूज उ के बनारि लारेकाम में इंड मार्थ में वे के साम (सकता भूके छ। विवे के विवर] विवासिका-मूब्छ-नाय-विच ह अव-प्रयास (नी व संग्रात न विच्य (अम्म (मन मन क्रम) म्लाममाण (नाम्कारातन व्यादिक) हम (मना कर), क्वा बम्म भार (क्रमान किया कार्य क क्रिक्स) भाष के के (काईडम)॥ १२ (का: आर्था (य अळात!) पुर (प्रापि) तहर (भारे) अवकत्र (अवव्या) मक्तर् काम (-वरं विक्रम् अस्टरक) हेलर (रेलर) विदाष्ट् (महिटान कविट्ड) ट्रानटकार्थ (महर्य मा 2'ड) जिर्द (जारा १रे त्य) जारिल ए (मिन हर) ब्लाबन (व्यावत्वव)काम (काम करो (ववर है) व्या-वटन ट्या (ब्लाबटाइ को जारी ७ को जारी व.) डेलाम्य (डेलाम्य कर्त), विष्ट्र (यर्पा) उन्मानि वह स्व (जनशास्त्र रे नाम त्य करे)

न्। ियोति] वर्षार्भवप अपि छिः विक , ध्यम छ नाम गुरापिशाना [अभनत्क] जिले (अभिक्स्प) सात्राम्यः (रात्र करात्र), नमः (रामकला (अक्षेत्र (अम्हाइ) काहिश्व (अहि (अहि) र्डेड्ड (वर्) कर्ट (व्यत्राम् कर् मिल् (अम्पूर्ण अस्मम् से क हे तीर्ग सम्मित्ति । अपनि । विक् टले टक्टे बिरायाक राज समान , प्रारास्क ए निवटक कार्टम् (डेका व कर्वन) , टबमाबल व माद्यानि (जिन् । यो वे ट्रायम महत्त्र व्याप्त वाश्वा यात्रम् काम्भामा) भरम मुमार्ति (नदे मण्याका अविकासमें) वामकः (अलव्टक वाम क्वान, िल्या) कत्रासंत्रतः (क्यारंद्रिक्) कान्यत्रिक् व्यक्ता- छिपु वारि (श्रीक् वा व्यत्ने व बिटिय वृष्टि) आर शाटि (माड करन्त्रे)।। 981 थः (सिति) निक्कितात (निक्कित), वन्नार-डीलामः (लगमकानियम), सद्यामिनाद्रात्रा (कार्ज-सिन्निर चिन्द्र क्रिक्ट्र निष्यान् (क्रिक्ट्र पित्रक) बुलाबने सात (बुलाबन बरामे कर्ना हरू)

अवस्थिताटकाः वस्ता वस्तावका ग्राम्यक्रम Commence of the state of the st १८। म: १ मिन) धनाय (धनायात) कुडाया : MANAGE AND THE LONG OF THE PARTY WITH THE RESERVE OF STREET STREET का व वार्ष था-रूक-मी किंड-वार्ष व नार्वित्र मपु-李母原介書日下京一覧所令 三十二十一年、中日日十三十二 EMILES RELIGIES SERVINES INCHES THE PROPERTY OF THE PROPERTY O मिए (भिन्न मा] मर्गा) प्रमित्र (प्रमुख ७८७ इ शिवन (वाहरू ३०) विकास टर गाउँ 1 HALL BEEN DECK VERENCE IN वणा ध्वर / नित्राकृत) निष्ठ के कर् निष्ठ के को नागर् गाय अद्) अमि (यद) दिकाः बामाः ह (सन्धम्लेबी छार्निल्याटक) भारति। ना

र्माक्ष्णामा । न्यां कार मार्चा । १व हिंद्धान् का भारत देवके वा अवा किंद्र १० स ् । इस्ता । स्पार्थः [1001 - 417 REAL PROPERTY OF THE PARTY OF T - Ania Tale कारक मिनि क्षेत्र मार्क , किन्द्र एक म् अस्मान ११ । भाराना निर्मा क्षि (सी निर्मा कि कि कि प्रदेण: (प्रयोखाडार्य) अव्ययनित्ते दूर्वण: (व्यक्ति अतेनकत्म व्यायक्षकाविया), व्याविकाः वीचाः (तक्षेका प्राण्याका) भूवपारियशमन-कुलाकतम्प्रत् (अन्यान त्या विभाग्य की कुलायत बाम कार्न (० ८३ में), जर र (जर्या चिंत्राचा वृत्याक) बहुन (देन कुन्तरकामी त्यरे अधियादमेन) २ छ ९ (अयं माटिन कर) एक एक द्रावान : (अवया सी जिल्हा) विवाहितः

कृतीत् धार्म (द्वारीन इत्रेग) पतिः आतिः (तार स्त्रापिश्वादा जिल्लासन्) ७ वड: (स्वर कटनन , जिल्लामा छात्रे] नेत्र क्रांत्र (अन्यार्थन) वक्त्रमप्टक) महाहमः (समाम कार्ने)।। 95 | अल्म (क्र अल्म!) वृद् (कृषि) कम्म (कर्ष) आक्षात्री (प्राया यार्थ त्व), रेडि किए (रेश कि) विभागाति (तिलिंडडाट सार्वेग्ड!), व्योलाः मुण्यमेत्रा म (भिष्ड मा कार्यक समे कार्यक ने मुळ्: (मळ्) जाकात्रकः म मन् किं (जाकात्रकः डाट्यर हेलाई वर्गमा किए) , जब (व्यवस्तर) णिका (अमू वि) तिवं वका भी: (अक् बू कि व्यवस्थान मूर्वक । ध्वान विष्या मार्किकः (स्वर वरेष्टिए-मरमवं अणि का मक मा रूपे मा) किका म विधानन (सर्वाकात् विवयं विवातं कात्र कात्रेमा) कक् (महत्र) हुलावम १ (हुलावता) हे ट्या छ (लग्नम कर्)। १० (६९ (यह) पर (पूर्व) अयं हण्यत्-व्याष्ट्रिक वीसणीर् (कत्तरात व सर्व वान कां जिल्ला अण्डा अम्म प्ना विवर्

वार् मण्य- हेडी नेकाम-अल्या व्या व्या १ (अन् १ वर्ष व्यानक क्लाइनी) ठकार (विकास) आप, रिकर् (सर्व वादिक) का डक्षि (काका डक्ष कर , विश र्रेल]) हर् फान-विवाक-वाकलन्वार् दिसं, फार, देशामा उ डाके मार्ग चित्र किरमार्ग् (अपमि (वेर्चामित मार्य) नक्टक छ) अस्म अपने (मार्क्स माना मा कार्य मा) में तह यह सिम केंद्र (में कहते) याना-ल्डान । अदभा (भवता) विडिप्र (१६५२ -व्यक) मुन्यायत (मुन्यायत) प्रदेश मा (जारावायत मे ६०। विभाम! केर (यह बेग्राटल) प्रशासिकारण: (अवसटभे छाला बटलरे) वेपर मथः (यर जामवलकीन) खासर् (त क्र १रे माट्ट), ब्लाटेकाः (ब्लावतन्) काहु छ : (ब्रिक्स) ब्राह्मा (ब्राह्मा) छ) ब्राह्मा में (बर्बन कार्नमार) विश्वित्र श्रम्भाय क्रिक् (कार् जानाहिक ट्रामा) विश्व मंत्रम्य क कार्यक्रा देश धार्द्र कार्याच), शहरमार्यदे (शहर्षित काट्ड निर्धा कि विद्याति कर्ते के विद्या में मारे मधी (दलम का व जानका मारे [यर]) र पारि

काले म (अर्दा एवं मध्यान मध्य मध्यान मार्) ज्य (एडडर) वर (जारा) ध्यम्मम् क्रमाने (वरे करनेक) मुकारम नगर (जोर्कायतम् अपि) 'अडिहन (धावा कन)॥ 6 > । मार्ने । पाठ: (तर मा अप अप जा ! [पात] यारि (एम इत्राटाः) तम् त (तम्त्रभू भूमा) निर्द्यामिकापि (हिंब काला व कार मुक्ति कार्न एक (क्यम) कार्डाक्षार-चार्ड-भाश-मेश्रायाः के श्रीपतिवर द्राला, नाअव ७ मूरुप्तार स्मालम व्यक्तित ?) अनाः (हर्नेश्वयेश) इह (कालाय शांकेटर !) कारिकेनप्र: इस किलिकेन पित्रे का स्मान काम्य लक्टर १), सड्घ-मेम-रिफारिक: (जान अड्ड माधारि । विभागिकामिक । व्यक्टमः रूव (अद्दूरमं नामिन्दे सा कि लाडि इत्रेटन !) छड: (अल এव) ४९ (कृषि) प्रवेण: तिर्विष्ठ (प्रयोग्यार्ग विदेश रंद्रमा) लक्षा पर (वक्षार्ट) । वह दें (देव) बुलायम् म छ नाम (बुल्लवत भावा नाम्क हता।)॥ म्राट्यालः वास क्रियाला । अव-याद-रम् सूजनिकर् निज, भारत, म्यू स्वनार्य

ट्रा पत्र-भाउं - वादादीएक । अवसम (भावकाल राकेरा विस् ।)सदम्काः (०३ महान । । १वन रमरका करिया करिया मार्थित हार मि 1800 , अद्य कंट्ठेन्बाए प्रांतरः (काठिकट्टाबडाव शास्त्री विका के किए (मयम) रकाना मिक्स ९ क्षेक्टकर की जातिक जाति अर्वि) व्यवत्मक म (पृष्टि भार कर)॥ € 0 | अ कि - अ कि कि - क्यारि-म्न्यू / क्यारि वार्डे उ (कारिक कार्य के प्रांत स (पात के) विसे विव - बता- बताकाव-की जि (नवर मक्सी उ मांग्रांते क त्मेलर मिलाल-कारी), कुला विविधविशासि (कुलाकम विलाभी) कत्रक- मक्कार क्रि विश्वत अ सक्कारत य नामा वीकिलासी)७९ (त्रे मुमामक) महाइमन (कारावस्य अपुरास (करे [om मे]) हमात्र (ट्रिक्स किले)।। R 81 [लासेया] लामुश्च- बगवर श्रेयम संभावेत-न्त्रवः कामि (डनवात्व मिसिन म्काल विवागमान लर्भ वर्म संस्थाल का लक्षा ३) का कार्म दी में दी नं (अम्म प्राष्ट्रिय ना भी [अवर]) माधा अपम्म प्रमित्र

(क्रांशाक्षेत्र आत्यालावं अवसवत्म मेन में से वर्षेत्राव्य) सप्त (त्रम्माम) वर (त्म् मेसाम्य) केवमत-क्रमीय-बाम (तील क्रमनकाडि भीविभाष्ट्रक) डमामः (डमम कार्ने)॥ Fe | अत्य (अत्य!) महा (मिन्ड न) कामक: (कामातन) वकः मुग्याः (वकः भुत्न विवाग व्याम) द्या वण्या (द्यावणी) की नक्षा राषि ह (की अली नक्षी दिवी व छ) असकार : (अम् ७८न न ७८० मा) ८० हम भई म- भर्त मा (तमा यक जामूर्व अवस्तरीय) सम्मा न्याः (न्यमानि) यामात्री छि: (यायन दात्री मनक क्षड) अठठठ (अर्थप) डेक्नि: अकाटेश: (विविध अकार्य) जामू-द्रिमंट (धार्यामिव इमं) दार्घ (त्य मरम! [क्रि]) मुलाबल (अरे मुलाबल) छार (टमरे) माभिष् (सीनायाम) एक (एकत कन्)। म् दा विश्व म निश्च क् बीलेपर् (यात्राना विश्व विश्व कृतिकीरे वर्णाए प्रकास कथी), त्वार्यसामाप्रकाश (यात्रावा व्याक्षाटक कामस्य श्रीकान कर्वन व्यक्षि निटर्न बका वर्षी [नवर्]) अध्यन अएम अर्टिशन (क) निर्मिलामार् (या या वा विश्विमा (भव अनू भक

दरेल अलं एवं एम बारतन सदाकी के द छिन यह के। म करत्म , जियापत्) म निकक्षिकत् वर्ष (जार्स लामप्तनं काहिकम् मा इलग्राय हेर्द) हेन् मूकतुः लाईकाम भूडक) वपर (जास्या) असम म् (भी भ-मा) वि-द्रात र ता लग : (लव् माविक क्र व्यक्तालिक विश्वत्र कार्य दलारति कालाये)। देखाः यः (व्यक्तान काविष्टि)। b-91 अहिपाइनी (ca शिक्षामन! मिश्मानी अपनय-न्ते] देस छ अपय ना हः (देस एवं अना अमृत्य विकिन् र्कार्ड व वनका बादा) भावित्र मिटियं पः (वृद्धित व्यभत्र ने त्र के) साम्या (सामा सकारः) व्यत्र वीवर् (अम्पिन (इक्ट्रिके) भ्राप्ति द्राष्ट्रा (काम करिया) कृषामाः (कृषाम इम), अम (अउन्य अणः भरः) मुमानित्यका नमं : अपश्चार : न (जिसापन निक्छे) समुव मूम भ विषक अष् जित कथा जाए आर) र्मता) अरह (व्यारा!) श्रीयाः अर्थ (मिन ल्याक्षान्याने व सकत्त) क्र मृधा त्मार्या देगः (मिनान जार्माप्क मरे ट्रिय भाग प्राता) रूप प्रायरी (विचिक्षेत्रकात्व व्यावक्ष करिया), विधाएमति

(120×1 कर्नि (०१६), वार्ट् (व्याम) कमा (कर्म) वार्ट्ड-प्रकाला (वर्ष धान के का हिनात व प्रकाल इरेड) नि: मृड: /बाहीति इरेम) पुर (कारान निकरे) यापार (golfa 5441)11-6-6- इल्लाडेवि (टर कुल्लाडेवि ! [क्रावि]) कमा (करण) श्राक्ष हूटम (गृरक्ष प्रका हूटम) भाउठर (भाउड [नवर]) कामारी-कामारिमतिः (काममङ्गिकाम-मल्म में कर्क) मिली से (मा) वृद्ध मार (कार्य के कार्य कार्य के वार्य प्र (त्रुव के वार-बम्बर) देखाँ (हसाव कार्ने में) द्रारा में व (काराव नाम) अकु ९ ट्रायाट्स (कार क्षेत्र ने किर्वरव १)।। b-01 (कामि) कमा (कार) त्ये वण रूपहराका (तव-लातेन्ड कल्तारमाना) कुलावत (क्षेकुलावता) निश्चिकतः निश्चाविक्यस्मिती (निश्चित अ निश्चान मिर्देश का वा वा प्रदेश के प्रेमा) जाव कर्म (श्री जिन मद्रकार्य) जीवाविका-ज्ञानीय-माम (जी वार्षा 3 विक्यानमा) भागवंद (वी विभर म्यान) CHE (साम कवित ?) 11-२०। ७/२० (जमधे) करि (कार्य) विकासर्थ मामा कर्न

(विकास मर्थ मान कारों) जाला मुख्य - प्राय - पा स- । विकास विविधानमने १ विक भूक्ष, भूच, डार्म, विच ड कर्नु-वार वर्गात) वार्वक (वक्रमण्डक) मृष्ट्रिः (50 18(0) THALT) (\$ 55 55 (0 MALLY OND IN) श्रीकृष्णितिवन (क्षीकृष्णकृष्णिक त्यामि (डेशास्ट यरेवा)।। २२। बुल्तिरोवि (दर्बलायत !) दिन्ध्यादिकर्णाः (स्वर श्रामितिसम्क कर्जन) कर्म) का आश्रामः (अ हिस्ट (हिस्त न) हुन टर्जू) ट्या (कारवार) कारकार्मी (ध्राप्ट्या) वनानि (वनारे) मुत्रा भनानि (मुत्रा व्यक्तिगरि १२ मार्ट निवर्) मुडियाम वामे वार् (ब्राक्टिकास इरेया ड ama) am on (व्याप ड) मुशामि (त्यार मह रवे या मारे पहि , जिलमार की) Ga (क्लास्त्) नाम यव (नामर्) हमा भावि: (क्लाम् नकस्त्र काम्यः)॥ गेरा धारत (धारा!) धार् (धार्म) मालार (भारान-समार्थ) यामाः है या (समह सम भाम रहता) कल्पर (क्षिप्त) अपमा हः (अप महर्मार) वृत्त्वन (वृत्त्वत्त) या गण् (यर्व !)

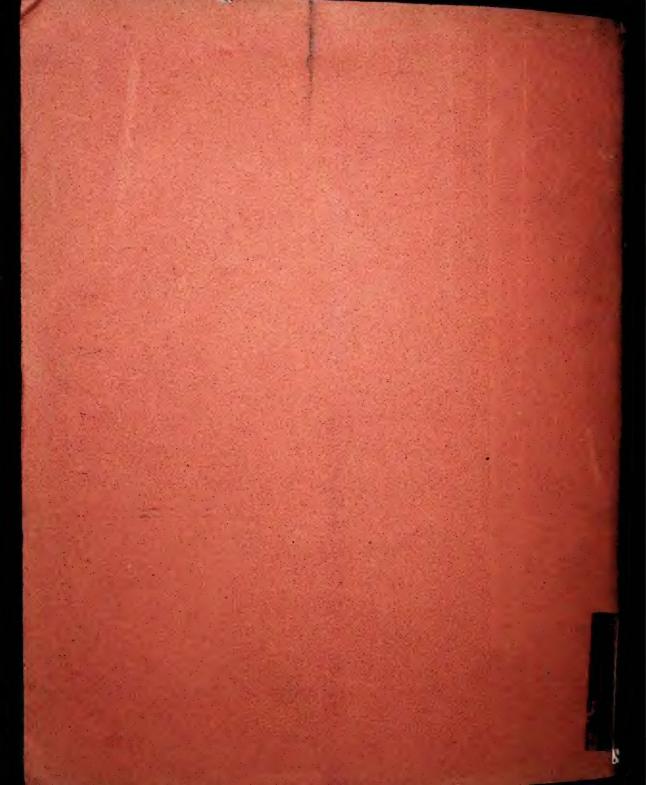
इटमें धमाछि-।लेटरबों (मिश्राच में हुआ भाषा । बडारका [नवर]) मान-निक्रात् (का व किंग्सीलेक का) जात नई (विकास जाम कार्ने र?) , यह (कार्या!) राक्षीयान (का सार्व कामिल) निव व नान्। (काकी ग्रं-मन (यरे में) कथ् वा (क्लिस क) अतिरहम् (वर्ण कविव ?), द्रशी: (पूर्वि अपनव) रेल (यरेक्ष) अयमकतातः (त्रातिवातं कार्त्रापरे) इक्टि (CMX महरम) 11 २०। अव्यासि अड: (त अड: व्याराव!) कानन वासी (oma Graf 52 2013) वास्टर् विचार (अमृष् काल कार्न मा) अवसर ब्रास्ट्र (विश्व प्रमान कार्निहार) में है के (अविभाग है कि माछ मध्या र्येगा । अका वर (कार्व का असं भाग) अंगर (अंगर्य) (अळिला काडनला विकास) वचार जामि (# मर्मा व कमाक) १ ए ज्वर कुर्ट (अपन ड मूर्ड किन एकि), रेस (अरमत्न) अकर (अकि व करे) अकी राष्ट्र: व्याष्ठ (AITA) श्वासय वक्षक्रियामक) इंद्रेख्ट) यह (करर यह रम), टश्रमणी प्रश्चार (त्सरकी माजूपि

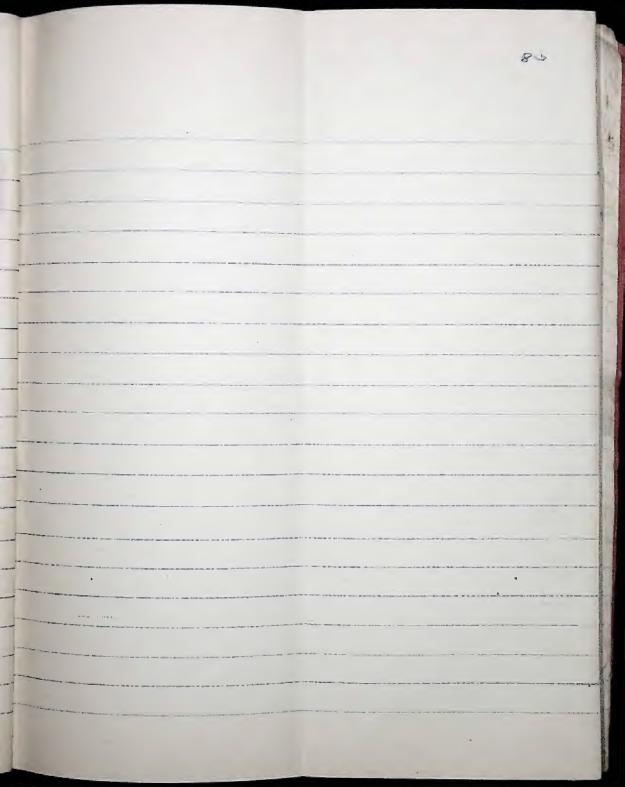
निर्णरे) अत्रण् निक्या (ह्रत्यान निर्ण्य कर्नमा (मिल क्या) अपने (मिल क्या) अस्य क्या भिर्म के कार्वाट मा गणा 081 शंबी कृष- न्यभा-पाभावमः वव (व्योग्री-कृटमन विद्व त्यस मुखर)प्रधा (वार मार्) देखे: यू सर्थ : (अकारत यूक्यात्र काल कार्य भी में) १ व्यवस् (क्या हि) नपा कामी (अक महत्य) मर्व ७ उद्वा (म्लन विकर कार्यक्षिय) नियुष्ट् (निक्षम्पे) कृष्पवतन (बृद्धायात) वर्मणार्थ (बाम कार्य), स्मलामिटक (भेंद्राष्ट्र ब्रिस्स) असंसामकामा (कार्य साम कार्यक इरेमाड) मना (मेरान) याहि पाली (मूलाड) रेल्यर भार (यदेक् म राक्) हक्षाव रर्) भूका-अविकाली (आमिक क)राम) म आभावनी (किरान आया मा बामिट्न छ) कुलारे की (कुला यम खर् के) ७० (उनशास्त) भावि (के कर करवं र)।। गुड़। यब क्यान-के के अभ्याद (प्रत्य प्रकेस अन्तारं) मान्याः (केन्यामा) मी मामिकायाः (मीवार्षप्त) डेवः ऋल (वकः ऋल) अर्याहर (अविविधिष) निक का उम्हिस (निक भी न का हि मा नि एक)

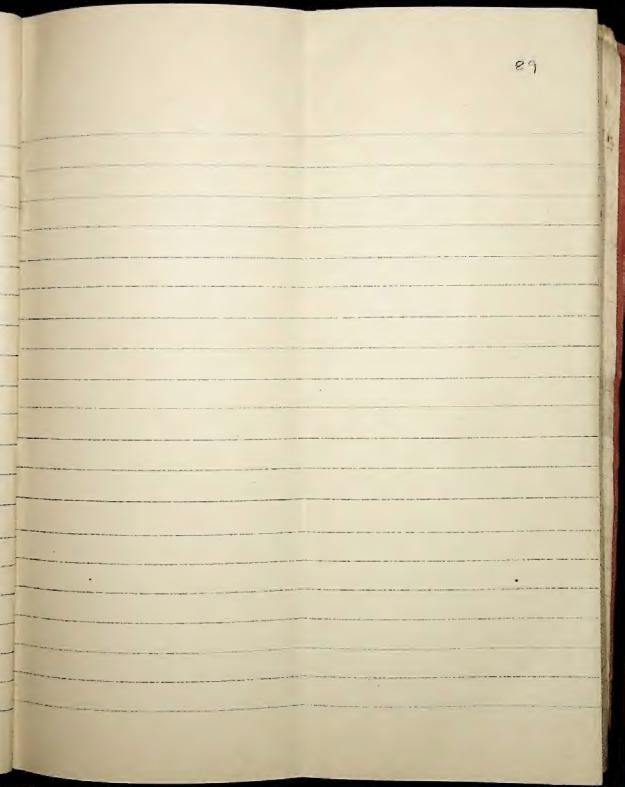
डेपीका (नक) कार्य म) मीत्राष्ट् (विशेष्ट्रक डेपारक) भीत्रम) अंगर् / वायम् नकार) कळ्यात्रम् (कुर्ट् म माम्ले) लावक्तेत (हराम कर्ने ने मिले विस्तार) व्याचा मार्गासा । देवा मुक करिए मा लाविमा) बिर्म (बाक्क) विभिष्ट (विभाम अस इरेश) कि दिर (इ दि व करि कार पार पार मिश) कारियामें गारि: (जारियामा म बाम में मकी मही क उप्नेत्राः (उप्विधः व व प्रव्यः) वर्ष द्राप्ताः (अर्थेश्म अपूर) सम (अम्मन) बूटा मन (इस डेर्फ्लमन कक्क)॥ 201 वर (कारी) व्यवस्थानम् (वर क्यायरम) की संस्थित के के ति संस्थित (किक लिस के में स्थापित का हुत) के समाहित (क समाहित (क समाहित (क समाहित (क समाहित (क्या ७) बी नार्वा भू अवध्य- वार्षी करता में वर (बार्योपन सूच कराय में बर्ड मिता वर्ष भिवर किताहर (क्या करा भी से हा के एक सम द्राम ह ने दे हर (ची वो हो वे के हमू नाय-काल कम्रत टका भवाप छात्रक माल) बिट-रिक (दर्मन कारिक)। कपा कार (कारी) करा (करन) का की नार (मर्थ अवार) क्षार (कर्ष श्रीत) मिलिया (मिन्ट इरेमा) ममसा: क्र लाग्र तमा है हि हिए (मकत अकार ट्रांकिक क नक्त (एम न भूर्यक) कृष्ण यत (कृषा वत) आवि न) (बरमन

हारिया) पण्डमणं: (पाडनां मि:मसंकृत्म) ज्योम ज्योम-वार्षमार्थः (कुलावात प्रदेशक वार्षा का नारमाकाना) करानि ट्न (व) । पिनम्बर कार्वार्ड करिव १)॥ २ छ। [क्यार्थ] कार्यमिति प्रमण्ड कार्यार्थ (मियम लाउँ मधारा महाठ) ट्रांसे (द्रांत मार्ग) कृष्टि (क्लाका क) प्रमाक् ज्यान हि चार : नाता हर्निक् (निक हिं भड लम) डेका व्यव कि किताय डेमाम्ड) त व्यक्तिकात (तर दमाश्रमा) कदा (करव) देर (व्यक्ता) कालार् (बारीमा बार्ल व) मृधा ट्रियानिसटर् (विकार (म्रायन ल्डनाम) मम् छिप्र (त्यपत्र स्व) विकास: (कार्य मा हार्य) नी मुनायत (की मुन्ताय तम्) अवरेट् हेल्यास्याचि (आयर्यस्य कार्य कार्य !)।। गगा रा दिन् (राम दिन् ! [आप्रि]) वृत्यायतालेक. सम्बद्धः अस्ति (सीवृत्यायतान्त्रं सम्बद्धारण अस्ति लिखियाती वर्षात) वर्षायात (शराबक्तार्य) अवहात्ति : लाम (डेमापम अवने करिया दिन्ही) अर्थ (कामिक वस्त्राम्य) आर्थ विकारिकारिकार जान (क्रान्य क्रानिया । मुला वन ? (ब्लाबहर्त्व) म धाञ्चलाचि (बाञ्चण अर्मकवित्वित्रि)॥

अक्रा अंडक अवार्ड ।









EXERCISE BOOK

NO. 4

Some such such as the same of the such as MON 20 3 Washing and 15-1-4 1 [कार्य] वन् (बन्) मान्त्र (नाव्याम) कार्यः भारा १० (क्रां की केरल सम्बद्ध कार्ये लाम (मास) अवकः (लाग्न) त्या हिमानम-टन द : (मियनका मान ट्यार्ड अवस्ति कार्ने क र्ज्य महिला), रेट (जगास) अडूना: बंदे जाली अउनर (जाकिनाय पूर्ना करन व नाम कामिता) न अर्थ (किंड) अस नस (आमम्त्र) धहुलात हु हिं (बिहिन अवस्ति छत्र आर्ची इरेल अस कार्निया), रेड (मनास) बीचाने कमनादयन (बाक्टक क छाछि-(माका का ने भूम): (माकिक दर्भमा) wis-त कराम्हणाला (ल्याड्स मं के का विसान) में याः धारि (नूब इरे एएड) कार (नाम करिय, िक तु) धानाव (धानामात) त्यामी गन-इसने- नर्तारकात निकार-मूरम व्याचित्र क्षिमार्मा वं स्तिनं भाष्यमा भाष उत्तर मूल [नू अ १रेण अस का निवन])।। वृष्णवदन (नरे की कृष्णवसन) विकासनक-शिहिय-थूकामनवम्-वतीलकानार् जिले: (विविध

बर्गाक्स के हिन्द्र भागी भगव अवस्थ दर् तलप्रमूह) विकालक-मम्ब-(कालिस-क्रिया महाताल अन्याद न अतः विभागत अत अस्त जाकिय ७ अक अमू य विचित्र दिया भाकिशते) दिगार्गक अव: माइए लिबियव: (विविश् पिना भर्न वह , नारि छ लाक अगाम [यहरू]) मिर्देश काक्रत रक्ष इसि: असे मिर्देशकाक्रत ल ने से में है हिंदाम) यह (काम्मि) व्यक्तरमंद (स्वा काक्रमण्ड)।। 01 (म (orura) मन: (हिंड) ब्ला सन् धन् (इलायट्य मर्च) व्यानिहिंदा: (अवसामिकि) हिरायपुष्टिः (हिटायपुर्वाद्य) हिन्हिलाः (धियाहिक) , हिमानला कामः (हिमानल इम-मम्) , खण्टाः (भूमियि) इवः (ध्राधिनस्य), रम्म म्म स्री-क्र प्रचारः (मन स्माम्क उक्रमणममूद्र), माधवन-क्रमक्रमः (भर्ष प्रायमात्रक) अम्हिती: (विद्यमातिक्रो) हित्यम अविषु-अकार्मि (हित्यमम् निर् अर्बा वर् असूर र म अि)। विस्म ए (मि विसे 28分 11

8-01 रामुसन अना न्याल्क) 'ड्राड्मेड्स: (ड्राड्स्सन. व्याप्त), प्रका निक्वकार्यक्रा धारिए: म् अपमन कार्यका-मा कि वा वा विद्याप) त्या व-ख्या लिया हुत : (क्सिडिया स्पूर्व स्थाप क्यालक) ब्द्विवं प्रभूरेने : (मनावि व व्ययुक्त) नप्तकारितः मनारेषा: (प्रधानापि मनमूक) व्यविक्य मर्गितः (मिन्तु व धर्माया वर्ष नेकारी) मीन कपूरानियारन : (संक्षेत्र सम्मा न सं के सामा विकार्य) कम्पानकार्य-(कार्तिक के में ए एक) त्याह : अर्ड नाम (पण्याने कार लाय दिस्तारी देगी कि में मुमरे क स्वाष्ट्र वार्ष सांका के दि (यमार्म) लादे: (अयाम साम दर्मांड) मा भीवमामन-रेक्पा (अवस लायण क्रयांच वस्त्र के जमात्त-७व नित्यः (मर्मा सम्मान महान्यानी विवर्) पूर्णकार्यान् एकाहिः (अवधार्मा अवसार्थित स्वार्थित अवस्तारी) भवत्रक हिन देश मा मर्था मु (मः विकस मारायम स्वर्यम वासर्का वक्षाश्वाना) अवीवन (बार्नाष्ट्र स्थित्र)॥ लम्पुक- हिमाममहत्त्रा क्यमामा (लम्बन)

हिमान अर्थ हक्त ना विश्वान अर्थक्त) वा मास्त्रमा-मुण्यमानिमान ति: (अमा द (अमा मृष्ट न रमम लामित्रका न ८२ के) माहितामार् (मूनी क्य निवर) क्लक्ट-विकक्तव्यानम्कन्म मार्गः (भाके-ग्रांच के अर्थ से मार्क लामर मा के में वर्ष गांच गांग. लाकेममूक [-वे]) ह्याचे गार (अविकायत्य) पाइमानिकाली (तिए) विभाव एक) वाका कर्या (न्या ग्राम के किंच त्रात) क्रम ए एक : (भारत में दे भा हिंड) ट्रम आडि (दीविष मार्म)। रार्वमान में भड़ (८ राष्ट्र) में स्था विसेश विदयां ्वि]) अस्य (यमाता) मृहर्यन्त्र इसोडिक्टार्व-त्र विवस-अकिद्विशद (त्निडिन्ट्रिंड नगर अस्वत्य भ्रिमित आहे द्विश्रकाची विद् न्नप्छतीर्य (अप्छने कालि विक्षित) सम्बन अकल गम् नि । मिल ७ कामन अल्लानस्व अहि) निध् अहिः (अवीप अस्तानित्यमध्वि) रिकेश काल बाड (टिक्स का वसे कार्त मा) पामान-ट्यकः (अम् ट्याम विकट्यन व्यट्यका ना द्रायमा) ब्याम्नेहर् (ब्यावल) कार्यवस (राभ कव)।।

मत: (मारा उद्देश) क्यांचा (त्यांचे) सर्मात: (मर मार्च-माना देलाई द्यं) वामीन (यर) जार करामिए (अल्बेर्सिक) प्रांत (असीतं) रेग्य लक्षामं (जारूम बिका जाव्य मुक्तिन आरम् भे जात (कारे बम) क्लाबटन (कुलाबटन) निवयम् : प्रविष् (निव एपर उ अमाम अकत अकु क) हिम्मत् हिन्म (किन्म-समं अटामरे क्षात कांत्र) १ देव (नवारन) त्यादा: विभावि कारेम : (कारि कारि एका वहन विभावन) मल विवस ररेश्य) पृर् (श्री हो तिक सार् (केंद्र) ट्राय मार्ड (ड्रंड प्र) ' लपड़ में मतंद ला ्यात्र कर्णन क्रम् अर्थ । 10 र नम (1900न गमकन), व्याम (व्यामन विश्व]) अदर (अर्थ में क्रियारों (मुन्दा वहते व क्रियों के क्रियार) ट्याम में विद्यान करादेटन है। ्रिमि विक्तियमक्ति न्य विविध्यायतम् कुक् छ बटनरे) दिश-खर्त-भूगील वर्ष सूछ भर (अरमान्य मूर्व ७ मय् कर प्रति माम मन्दर्), नीया-समायाक्ने एक्तान-धीसूइमी बैंबर (बक्त में मिमक्स्म ७ स्तावस बद्दी केर्बे)

भ्यमप्रद्रात्री न्यूनाया कर्या र्याच त्या व संवत्री समंबल किंव क्षितामें के), मसीर्वाक्यत- ल्याते जीव बमत् / मक व भावती हेस्या य अविद्वाष्ठ), कल अनियासम् (कप अभी अपनि मात्र) कि कामि (त्वान पिन्ड) रक्षा विष्ट (रक्षा विष्य वर्ष ने भारत) रमका अर (टमरा अव)॥ वाहा किएका (क्याहा का ना किक) अवशक्र के बार (अयस टक्ट्रम मन्त्रः) रा स्वालाम् व्यापार् (भाषान करमा जानाविन) देका विकिए / भारा-अरान) भू आरापिकर हिंद्रान (भू अ अस गारि हम्त करिए।) भ्याधाराती (अअर्भाष्य भारत) क्याल (अविचार्य करत्र) , यदम्यप्रि (मायान मर्लयन मध्य) भ्रामापा (भ्रामापिन) के के छ : (लाष्ट्रप्रश्चित चिनड्) र्राज्यलाद्रो : (चात्रात भगविष विश्वभाषिय भशिष) टभसण: (जीटा करवंत), ७५ (८४२) अवस-अवस् (अव्य हेर्कर्मभागी) कृत्याव्यक् (व्यव्या-तमतक)क: मा म (अर्जिड (रक दे स (सर्वा करने ह)।

भी नारिका पार्थि (की नार्था व वीक्क) (अन 201 (क्षेम) श्पूतन (भूरनाम्म) ध्वीकन्या देन (कर्ममुबद्धावा) लल (महत्तन (लल (महत), वब्रिम (आववन वहना) व्यवन्त्र-मिश्मिन्छः (अवर आय क्या मियान कविया) आवाता ? (अन्यायम् वर्र १०६) भन्न (भारादिमारक) प्रवर्षी (प्रवृष्टि मुक्क [अन्तर्]) विवार) (विवाद कवादेशा [जादारम्य]) नवहकूम्मारि (मृज्य भूष्य ७ यह मादि) ध्यात्माक (प्रमारह) अनुभी छि: (भविष्यमार्मे भव्यात्व) त्याद्य (क्लिकिनाड करम्म) , प्रदेश (क्लिक्री) मुन्यामनी ग्रम (वृत्यावनार्ये) काम (अरे मकन) मूमना-QUY (MUSH MON QUA) IN: (SWIN ENS) 11 [नदे र्याप्त र्याप्] डाकुतायकः (र्यक्तात्रं >21 लारबटल) स्वाह (स्वीक्टरन बायना [नवर]) विषय - व्याप् (मिधिवेद्यां यर मान विषय व कार्यंत सरमान अर्थन) ल्या अस्याः (ल्या ससम् इस बाजिल) ७७: (टमरेटरवूरे) क्य-बक्सा: (यथाक्ष क्रिय ७ ७ म महस्म मामिक

जात क्षेत्राट्ट) विकास: १ के के जिला: (कार्निटामन्त) के क बद काष्य्य विषठ दे. इ ० १० , यर ० र वं भ कार्ड वर्मक) र्य (नकात) यावेताः (यावेत्रमण विकंसल भावं स अवस्य ह व वाल क्षी कि विक्रे]) क्षान के कार्य कारा : में बाद (के कार्य न द प्रदेशाहितक मार्थक कविया विवाश कार्यट्यर इ [ade]] AMIACH (AMIACH [MONY]) अवसारी ने: ह [कि के के ने अवसारी ने टर कुने) मुना: (मृनंतरा आमिक हरेगा) कावित्र मार्ड (। विश्वन कर्ति (०८०)।। लयर (लास) लाउ- वर्षमं स्मा (मा नादा. क्टम व अम् इट्र पाविके हरेग) अम्ह-क्रिमर्भूत् (धारह ट्ला डामस्क म्नडाता विद्वार्थि), भू न्यान व ली कमर (धमड क्रमणां क्ष्मिलिक) व्यमक्ष म्मानिक महर (लयम सक् लक्षान लाजा में के) व्याप्त -क् एका क्वार (धातह क्नु सानिधाना प्रमुक्का) चित्र) अमु प्रमाने (प्रतायमः (अमु

म्रायम मधी अ प्रत्यवं का भी), धामस व्या-हत् (विवर्] देशास न्यानीन मिष्ठ) रूपावनर् (बीव्यावट्यम्) प्रवासि (कानकावे)।। ज्ञाण: मार (व नाण: व मारा!) हरण (क्रांचे) रेर (-2) प्रश्मान-धर्या (प्रव्यान नाट्या) क (कामा: (काम (काम) मर्द्र मरेक) म में हैं का: (and com and i) and (and) विष्ठा-दानाका कार्ये : (विद्या द्वान उ पटनादि-हा या) कार कार व्याच (कड कचरे) भगाव भूका भ)= मका: न (अभात्र वा भमा: अर्थत ना काव्याह) ल्या (ल्या : विशि]) हे के छन नाम लाख (रहा-क्ष्यामी वर्त में के) लामा (मक्षा के) लाकारन लाम (मिल एएररने विसरमं) अपूर्ण कः (जाने कंपण-मन्यादम्) मर्ब्ला धा (हिल मर्यम सूर्यक) मण्डए (अर्थाप) व्यात्रीत (यरे) कीयत कुन्तावरते (की कुमायता) अहे (अधने कव)।। (मर्या : य का मार्थ : (मर्व मार्थ विम् क दरेमा) राहि (राहि) कः कार्यः (त्यात्र कार्कः [ansuca]) 201 र्यात्रें श्रेष्ट (र्मायत भागकने) देखि

>81

(ARAM) DIOSIG (ACA TOISISTED WAS) कारे (एकाइ) एक्ट्रार (एक्ट्राम) हिमार्थ (उत्तर कार्ब न (कार्य) मान (याद) कः कार्य (तकात्र अ ना कि) भार (दारारक) वना र (वन भू वक) व्याध्य-ब्दायमार (न्याक्यायम रहेट विमान) मन्हि (सर्य अपन किर्म वर्ष कार्य) व्यक्का ? (विकास रे) ७ १ शाम (जायार र अंतर कार्य), 58 (aller | [alig]) wells (Mares this) र्यक्षार देश मार् (शर्मार्कि देममार इरेड ील्याली) लाब्नुमान (डिकाट्ड अर्ग ७) ज्या ७ : असून मानि (अम) म अमम कार्र वा । [लाक]) रुमार्ट का मर्ट (म्या वान) यवं) त्रोरं कर्मार (त्रोर्ध क्रिमा वं वर्षेत्र) क (क्या कि) मुन्तायमार (मुन्तायम १वेटक) टम (का सन्ते) अप ६ (अप) म हमकि (क्या) य थ्यमन वर्द्यमा ।।। (क्याम किए (कर्व) अडी साटम क्रांका (देव-शत्राहर्त ७) भागा श्रिष क्या श्रकः (धारम् एएलिंग बाटकाहरा बंदन टिमेगचमधी रहेगा),

पर्वेश्वार (ल परवंत्र) त्यात्राचे काव् कार्य (टमात्र अन्य विश्वति) कार्य स्थितः (कार्टमाः या व वर्षमा), विस्ताक (काळ प्रमार्टिक) अञ्चन नस्तः (पृष्टिति इरेश विवर्) सन्यम् ध (अरवर एएए) मार्वास व विर्वि (यर कि किर भीन दात्र विवास) जिल्ला वर विलिखे: (अअएप गाम निक्रियं इर्मा) आप्रित् श्राविद्याये वन्त्रायम-बात (सीकृष्ण विष् भने ब्लायत) बर्भमारी (बाभ कविव ?)॥ जारम (जारमा) जार (काम) सूद: मकानि (अर्थ मः अर) दः आति (इः अवानि) त्याष्ट्रा व्यक्त (अश्) करिया । , बता कि कूल पिकारी (बराडि अ कूराहि विशव र विशव) न्यायारिकः यूदक्षाते (हक्तमारमेन धूमेरमान (अन्न) प्रमुद्द) दुक्का आले (तन म कार्ने पा 3) ब्लारेबी-बाग्र कार्या) (व्लावतर रामकावर)।। 261 व्यारेमी वामक्ट (यूक्तवमकारमण अन्ड) व्यानिमार्भी (व्यानिभार्भ व्यवसम्बद्धा पूर्वक) लाइए (जामी) मलाए (भकाममार्मे मार्गियण:

(मिक्टें) मं भाविकामि (भाव काम्बाम) अवन् (कार्य) मिन्द् (कार) इमादिक्द (क्नार्य) म य पिशामी (कादाव विकटि काल कार्यका विकटी) अरेड (and) कत्राहिए (काराव अ निकटे) राम्य (इक) न दर्भा निर्ण कामी (दर्भाये बन्त)।। प्रकार का कि धारत भारता (धारी प्र उ धार) महाधाम लागालियः (मिथिय की व केएरग्न) अह: (अह) द्वा) तेकवान प्राप्त टकारिः (धानलभन विक् दे एक विन्कान बहियाट , व्यास न) जम्म (अराष ड) णहः (प्रत्ने हरने) श्रष्टामा मन्त्र निर्दे (a) प्र (अव्यक्ति म्टमन धालाद्यम् अन्य तहेल्य) ज्याह (विवास कानट्डर्ट्ट्र), रेप्ट (वर) वृत्त्र हेरी (की बुल्यत्वत) ज्य (जमार्येड विकाल कटवर है। २०। वृष्णवत (यर वृष्णवत) किश्लवीविती कीडा वर (कि पृष्टिन्नी कीलाई), किए पादिनी भवता (किन्ना एक्ट्रीविने कल्लकमार्) किर् आका मूर्वियनी (अभवा भूवदी व भ्रावियनी)

501

वार्टः (विजित्तरीये), जिल्बा अक्ष एवसावानाम -विशासक (किश्न मन्द्रित्व विस्ति काञ्चावकार्य) विश्वा (एकाना) भागमान (योक्षेक्य) प्रवर् (म्बिस्टी) भीयतमाकाः वय (बीयती मार्किरे) म समी (श्रूमात्रेका का ना ने काल) दान्तेन मार्थित महिं । वादानिया (विस्तान) विक्वाद्वी ि वित्रं न विश्व करिएटिन, [अथा]) न जान्य (जान का निता) ॥ िति भीम विकामण्डः (यक्तक प्रम् १५८०१) वृष्णकात्रम- प्रश्वामः (वृष्णवन का भाविक का वृष्ण) देशाम भावकता-वंशान् प्रमुखान् (अयम कल्लिमान व अंसम ७ विकिन) सर्व ट्रिस म थे क-वीक-विसम ५-बिक्र ने इन हा हुई। - लूर्न कर्न- मू लो न - तारत - धरा-टकारा है: यू दे का सुधीत (विश्वित टक्सन सन प्रकार की का का मा पारका करि प्रशामित्र मुक वादिक्पानामा में बर्ग ट्यां ने सरप्रतेत लाहित्ये क्रिया निर्मात्र स्वामिक् सम्यक) प्रदेश (अवरे कार्नेखट्टर ्टिमरे]) नगराबित (क्रूक-क्रिया भीश्रा की अप सार्व (वामान हिट्ड) (आपल (विश्व कक्त)॥

2>1

221 [ति अर्थ । एप्रि] युक्तमोन्नार (बुक्तव (म निवाल-राका), डाक्यटिया: (मक्य विमान एलाडायुका), ष्य म् वधान ! (बिल्ला निष्ध्र), करशस्त्री : (अति पर्वा) न अर्तिन जी सम्बू म हमाः (धानुण समस्काप् भरम) डेन्नमका व पर्थी: (भरलाइसक्ष इ विद्वाधित), भना पिकाल इमे-वजनाः (मानसविधे पिष्) व क्षे छ एस एत्र मुल्लाडिय) वार्मिक लामिय टार्ने वी: (भिषा कू कुरमङ्गाल लो वर्गन), व्यवसीः ([वर्ष्यमार्थी) हाः (अरे) मार्थका-किन्नीः (अ श्वीव टमविकाला (क) भाव (कात कर)।। ल्यः (ल्याः) इंनं (क्या) कुर्व कं न में भें बाद्यः (कुर्तेन 201 सूर्यास्त्र) सू आर्रेन डि: (धरमा स वार्व नाय ?) रेग० (जिल्ला) देश) जगवन: (जनातकरें) का (त्यात) अनम्बर्क्या (यवस्य विकिया) काकार्त्रोत्तर्पत्रीय क्ष्म्य (कक्रा उ छोमार्-निम्मार्थ विभागभन्त १) अग्र (जिस्मा) रेशके कः मू प्रमुखः लाखः (कात वि हिन वस् वरे ME MAN 23(4 ?) 2 29 21 (WOVER) 208

(देश) जामकर्र ने (त्यामका का का कर्त मार), रेड् (CARRE) LANGE AND SHE (SIN STENDER OF SI-काल व जाता) त्यादिन जी। विश्वी लगा दि (वाकी त्यादी, अक्षा ७ मड्ड न अड किएक ट्राइड कार्म में रेपर (नवे) बुन्ताकतः (भी बुन्तायम् काम) अञ्चलि : नमु (मर्दास दस) सम् १ (म्हम् दर) अवतमे (म नार तम) आपूराट्ड (अकरे वर्षपाट्डन)। रुद्धा (कर्व)-मा: (यर) धार् (ama) कुम्बाकारी (के मुमानता) व्यक्ति बहेन् (हेक क्वानि अइस्मार्ष) कावन्यर (मिन्डन) अपेग् (मार्डमर्ग), उस (उमार्चा) भावेड: (मर्बन) ट्यम् ना (ट्यम्डरन) महेत् अपन्त (म्डान्सीए), जन (इवल) विम् वेम् (मन्य मुखेन विबर्]) अहे ए-मर्व आहे: (दादक् अकि क्राम मधुट्य व अवस्य धारहारा दि आभी अमृद्य विष्य पेर्यामत सूर्यक) क्रिया कि सार्थित देश कर के मार्थित के मार्थ हे कर मार् न महि का अकाल कार्ने एं दिलागर (इक्टिमालेन) इक्टेमिन: (इक्टेर मिन) उनिरम धामी (इरेन ?)।।

NEW (CHANGE) CONTROLLER STREET, STETZEN ्याने समार । स् भारता वा दशद लागा आस्त्र पूर्वाच्या व किंग्डे के लिए), सका दार्म हा भागात कर तह की (भाज का नाम मानी ए नाम यसनी हाइ करें।) महत्री कि जिल्हा ित्य । किंद्या ने चारक नाम विकासित स्व (限于新二年) 不安下上之之人(1)11月 如中午 [किस्] किस अन्य (क्स कारतके) कार्य न- मिना-कारम-छत्निष्कर्धः (मिश्रिम दिना वस्ता विव अप्राव देवस्त) लाश्वराकारं अव: (अवाधाका माछ कार्य थार्ट , िकार्य)कपान (कर्य) सर्वे दासाम ब्राप्त (सर्वे दास्त अमे मंबप्-प्रकार्य) ७९ (१०१) मृत्या विश्वित् (बीच् व्यायात्र) SCO (MAY SIRAY)11 261 SCA (CX NOV! [[[] A]) WATCHT (WME) भट्भाष (भट्मार) कि (क्ष) न कक (डामा: (परंक तलाय) म खिरिया: (म कार्बमा इ विषरं]) कि मंतः क्यान बट्यानापाठ्न मूभरणामाः ह म कुणः (अभा उरे आरि भद लाड करिया पाठूमनी म मूम (डायड कठरे मा करियार?)

जन (प्राथन) जिल्लामिन, (उर्जासमा वर्ष) प्रकार्यम, (अकार) न पार्च (मनीर्ष) ग्रमप्राय (क्रम हुः अ) व लानमून (लानेना वर अले मा) अमर नय (मिन्हन के) अविस्मान्य (अविष्णा) नी मुला-सम् (श्रीवृत्यावम शालक) उप ((अवंश कर्)। 291 [(2 मा मा श्रीम] जी कुला वसका त्रि-भाष इन्मा (क्यों हुन्या हत वामि मरने र प्राप्त कुर्ति क्रिका) प्रवर्षितं र (अर्थना बील्ब) बा छारे मन् (त्मलन), डेक्बन-क्षर (वर्ष देख्या) नकर (नक राज) मीर्नार यमर (की बुका यम एक) भग्र छाना वे (अवर्मन (अक करम) मम्मान (मर्मन चिक्ट्]) व्यक्तिक्ष (अर्वात) नीर कुला वम कर्त नी कि: (की कुला रहत न राम् दीव अन् ७ म का ना हे) जीना विका कृष्टाणः लाम (स्वास कृ एक व 3) आरममा (आरयमा) अनुभावत (धात्वय कविया) अधिलय-वृत्तावतर (श्रीवृत्तावतका (मर्) वर्षयम (शभकव)।। 261 अवामल (८ अवसामलस्य) वृत्याक्तमन (बुलायत !) त्यत (त्य) व्यति ल (अर्थना)

सहें यह ते ए अप व पर प्राया ने मह व छतेशावित) भागरड (कार्डन कर्स , जिल्ला) आमम्मा (मूल्य) अठः अवा (इप्रयं अव) का अवंदा (लास्त किया कि सर्म त्या हा १६ कारम १), ११ व्याप वास (१४ व्याप व्याप ।) कार्य) वदः (त्याचार करमाना) व्यक्त पूक्त (जार दूर्व का रमये) जार (जार रम) , जार (लाका हमें त्म) किए आस / अपन न मन कि लाह) गतत (माराक) र्म्यू वर (र्म्य प्रामं) डेट्याकि ए न नास्कृत (डेट्यकाव ट्यामा) न(इ)। गर कार्य (गर्भ सार्व)) लाय नमा बादिस- अवस-एसरकारं मर्कार्षिः (अस्तिरकारे कामालक करा-काका का स अवस हसदकाव वा भित्र हेरक में प्र क: लाल (त्यात एक) नामस: किल्पाव: (नामत किल्लाक) अस (आसम्ब) स्वर्टियान्वर्ध (क्षिप्ट्यं लाग्नी (पराण), जामा-अनेम् सम-सरमार्च्यी-यावति द्रा सिवें कार्यायां सह सामित्रे हेर्क्ष वक्षा), करक वक्षा (कर्मम.

statens) our one (corres) los mis (किलादीन महिल) विकास क्या उद दें। (विकास कमार्भा व के दे हैं। व साई प्रदेश) की छाड़ि (विद्रार्थ करवार), 191: (क्र भाषा ! [क्रामि]) व्यक्ती (व्यक्ति) छ९ (दमरे) बुन्यायतर (सीब्रूक्ययत व) ७ म (四日元 初公中年前)11 (00) [(अ अरका हास] हला वन-मवक्त्य (ब्लाराम व अवितर क्षू कराह) तर हम्ब्रा रामि प्रामिश्यी. वन् श्रुवन-मिषि-छि (नवीन हम्बक स्वित वर् विकामिण गीरमार्भन वृत्यक टन्स करक मना छ ठ कर्य, नर्जन कालिशिनिके), जर (अरे भूष्णमिक) इ जिक् (अ राभिक) किल्त्यन प्रिम् मर् व (नरीत किलाइ मूलत्वरे) एक (एकत कर)। ७२। [१ अ८४! डूबि] बृलावन-नवकू-क्रायानियू (ब्लावटम इ न वीम कून्यू मूद अमूर्य) धराम्य-विश्वम (मः (व्यामक स्मिव्या विश्वम) ट्रियंन नागम वात्रक प्रमाला : (तारेष ७ नामवर्ष इ मिक भूम (त न) ७९ (अरे मूसमिक्ष) हन्ते-सद्भवाद (वाम व (मवंद्र) वार्षेष्ठ (वार्ष्ट्रिय करं)।।

७२। ियं महीत्री। त्यामना निकल्स मछत्व (म्भावतम क् अस्य) अमिन् (निव्हन) विवक्तियू-जिम्माः-्थाम (भवस्त वन थार्ज इहिनीय तथायन विसान कारी) , कारी कल में ब्रायाम् १ (क्या कामन एता अल [अवर]) अत्र असक जिले व तीता कृ वि (व्यक्ति मर असक म्ल क्रीय व नी नवत (पत्र वार्ती) वियू न ९ (भगन कर्या भावन (भाग कर)॥ ००। अम् टार्स मामा कि छालका दि : (भावे भी एल मामा हिमातम्बन हिम्का मालय अम्टिन) भर्दी (सरका) व्यानकर्य समार (व्यानकर्य सार्थिय) ।काक्ष्य वीलए (ट्राम पक वील विनाम कार्याटि) ज्य (जमत्कि) रेयर (यर) क्यारेची (क्यावन व्यक्ती द्वारि (वामक्रीकार्य अव्यक्त भाने एक एवं [1 40]) oca (कमार्य) क्रान्टित त्रिव मीति किल्लाट्से (त्मेक ७ तीयवर्ग दिन किल्लावी उ किट्याय ज्यामार्थ सत्य विस्क कर्पत्र])॥ टमाटक (बलाट) भू मुक्तः (मार्किकाभी मार्किने) 081 र्थेया: (र्थम इ'त), प्रत्ये दार्शेष्ट्रमान्यः (छिन क्षाना रामिकत्रक रहेता) कहा (क्षा

यः (भिन्न) क्रिक्साना स्व विजयमः (क्रिक्शाय-अटम नकार करेंड [शिरु के स्टिंग क्रिया] रेगः (७ 5 के म) का विक्री मा क्रिया : एक : (क्री मा क्रियो-नारम अपि अपिनीय काले एप्ट्रिका ए मेर) , भारतारम् - मिनं : ७० : चिन्ति सम्बद्धन मिनि धार्मा राष्ट्र वात्र प्रामा व वन), श्रूयम्भू (स्वत्व स्रा प्राचित्र स्वत्व नाम धार वर्ष मका. खामाक्ष कार्क) वाक: (भूर्वारवामा व रिक्), टमार्थी अह छिए : अर : (टमार्थ का-वंबर्ट व अरि वान मक सम विका करियका व किए , वाम]) जी सम्बूलावतान्य हिन्म विकला का विकः (किपि की कुत्रावटन विवीव नाम अवस्व दम । विश्वम र्यमा धारार्वम करवन, धार्मना की मृत्य वरम करी ब आहे अव सब टम बिख्य वीरा शबस्पेन का ना रित करनम , जिनि) सर्वार्ष (प्रकल अशिक्य प्रमु एक विकाल क (यत)।। पक् (यक्तन) निक्र का निक्र का सक्त का सक्त विक्र का निक्र का निक्र का निक्र का निक्र का निक्र का निक्र का निक्

(MEATE CALIED AI MARKUS MENLA MENLA MENLA MENLA MENLA डेशकि ([क्रमतंत्र] यभः महत्त्र) तयर (विद्याल कर्व (म) अभाग करने (में भी व) दमा ना किए (जंदातक तक) कार्वति भा (ब्रामा) , ७५ अमा १ (ल्पर्पवरे क्षणव वन) म्बर् (प्रवर्ण) इणि नयम् (नणहम नवीत कुल्इ एवरन) र्डंक: (र्व कं रह कि अमा अध्येत) रे आरे (2 m) 2,4) " on 2 d (on and or 4 2 2 1) उत्रक्षनाची (अभारत्व मधीत्रसूर्क त्रूम नतक-कर्म कात करवंत विषात] (अरार (अमन बात) ब्लाबतातुः (ब्लाबर्म वर्म वर्म वरम) विश्वर (18 THE BEAR) ON (TOSEN) NãO (नक्षत) टमक्टन (टमक्त) मार्ड (पान् (क्रमायक क्षेत्र [नमर्]) क्षमाप् (अभव् वन) बिर्ण्यापे (जन्याव विर्ण्य लम् विक कर्मन) , यक् (मर्माल) जर याहिका के क से लंद (अप का का का व ना किए) वन्ति (नामाध्यकार्य) नमि (विष्मित्र कार्त (वर्डिय)॥

७७। साम (दर भरभ! [भिनि]) मित्वापष्ट्यं पनमंत्रेयं-वि । मानी लाक मां १ (मिण्ड काम अध्यक कन्दर्भः वाक्तं विभागम् नीया एवक ना नि भानं कर्ममें। अमा (। भिन्न अर्थन) नार्वा अपन अपिक भीत-मिन भए (जी म का न किल का न दिया प्रश्ति न तकसन लायनं [मिथ])वर्षके हत्ता विवरं (की का की वं में असम हला किए वे वर्षेड अर्न कार्ने पाट्य), जनकार्य- सूझन्त्वन ([गार] कामारा अस न क क य य य य य य य न न न व व मा ना) ध्याव ए (ध्याव दर्मा) अभारताके भीभू अपर (असील तियं न स्त्र सूचत्य अश्वन्त्र भागाम्ड कर्नन, [जूषि]) व्यारे वी- प्रीवानि (जीवृत्तावताव अपकुरमार्ग) काके (- दे अस तकात) आहा न सम्मार्थि ? िल्यास कम लाज्य है व वं द्रां लासनंक्रमें रक्ष असदाक) तथ. (लाजन के के)॥ [1277] नामध्यानम् देनक द्यमन वन ट्यमी 091 (ज्याशक्टलवं अरप्यंत्र डांबुर्पवं विराधवं थर) णिष्ठियं वनकाषिक्ष विकास करवन विशि

मदा (अर्थना) नामात्वार्शमनमामय-धीन-दिवड-सबसी (नाम हटा व की छा हक्त हिंड यह त्याव बह्म न्य की विका कालियी) न लागमानि - प्रयुक्ति की िमिति] नामका ब्रामीकरने व अवना नामका कार्या अभी भरने वं हर्र्या हेल हार आधीरी कंगी करण (ला दा नार्रे १० (हम निवर्) नामसमन् मू छ-स छि निवणकावि- भू वहा द्वा विकास दी छे बालि नाम अहर छन् का समहस्र हिड दर्भ आदिय कर्ष) ग्रम (आसान विशेष)) वका (व्याष्ट्रिका) या सिनी (केन्स्की) मामामना-में या म (च प (लक्साव, ना) र सके ल में या अ (च न भारिकरे) विश्व विषि (विश न कार्नि (१ म)।। हिल किता डिवा न कर्यू टेक्स : (विहिन की छिन्न म कामक काम भूका ना कि मूल्यांडिं) नप्र मी-हुकः (तप्राय एक नजा का कि वा ना) कीर्न (अविया १४) व्यायम् व्यापात्त (क्यो ब्याबता) म्हर्ममून्य दक्ष कर महस्र ध्रा भाष (अर्भ्याश्वात करत्रिकं हातान) (आव-भीत (ल्लु व जी यह मुस्मिन के) न: (कासार न)

रकें की (अंतर्में सम्बद्धार किया किया किया है। मीत क्षम्भार्य भाषार्व न मन्त्रम्य निविष्ट 年度が正記11 [(य मारा मा निव्यास्त (अ) वृक्षाचात)वाकाहक-क्रम्म-त्रमप्-वृष्वनी-निक्न् आमारा (विधिक मुक्स-टला जानाती इंके म का या विषेत मि के के हि वर्ष) में का-हलावमध्यं के हिटं (मैक्स यं में स्थार के कार्याहर) रक्ष लगुड़िल्यि विक्र माहित महाच द्रमा विक्र. व्यथाय) विकित्र मान् ममन् कत्रान त्यांच तारे (विकित्र कल्मित्र वाल कमाय विश्ववर) राशक्रको ट्या रावी कु केट्र) वाका वाका / वा व साव प्रमान प्रमान -लू रेक) जामकार विकासिक (जामकरवटम भी ने इरे भा) अविमिल्त (रेशल (स) मुनेर (न् किं इ'न , जिस्री) ७२ (त्रहे) जानिन्तः (म्यीनतेन) वन्त्राष्ट् (वल्याक्य)।। 801 चि त्यकेष्ट अमान्यहर्ग वन्यहेम्ह नमहीय. वालाः (त्य सकल नवीश त्यासम्बद्ध हिन्द्रमत्यनं विमार्स्य लामक्षेत्रं स्टान्स रस व मामो वातिसाम पूर्वक), सामासङ्ग्र कमूर्य छ क-

8>-801

(89,42), 01457 (CAS ODE) TEX (CTE) ME पर्ड) क्याः अवभागविष्यु वर्षाः (क्षायाः लाम व अम्यान सिंदा मं बहुता) क्या न्हर (१००३ १०४) जगद्भार यन्दी विकादि कवार्त निविधाः (जम्म-श्वाना देखम की दिकादि मिर्झाटन अविस्तिक), कराकेर्स्यः (टकाम टकाम नकीता) तर्वम-लीव-राया - श्रुकमा भाषा भे - भड़लादिका : (त्वा, लीक, कार ७ लगान अला रंग कना प्रमुखर भागमा -अर् अर), काल्कत (कर कर) अपना ७५ वे विसी ह रुवा: (वद्भवासद्भारम अपस व व्यक्तिंतिमान अस्मादम), कान्हि (का का) मर्वी कमार्ट्या: (क) करा दि किया बादा) अप (अर्थ) प्रामिट [त्रयमा किन्ध्राविषः : (अविक्रके हित्य मिकहे त्यराण् धावता सुत) क्रान्के १ (त्या त्या) मधा सामिनाः (यर्कार्मन वान्यमा), न्यार्क्ट्रक्र (क्रम) अत्याम् भरहा दिल मुन दिन विभ्यू नाम व नी या दर्भ रत) महर्ट्य (तिक कार्य) स्काः । दिन : (रुका १६८न)। क्रिस्ट्रा वामानिक वर्षितः (जिया मेशी कर्त र सादि भारते भूवंद अवदिन होगा

THE AST TONCHES WITH THE STORY (उसर दक्ष) एमिक्टमाः (मिन्यू मर्भक्ष) मुख्या-लगः दिन्दाम् धार्मित्रियानं भावे (वर्षत्र । [四日] 五十九四日(四十年之五五)之一八(日本五四) विद्रामित्रमाः /किवित्र द्वानात्रवा] णामुख्युत्यकात्रेकात्रः / विस्विक्षिप्रधारेकाः (म्य म म्यास्त्री) क्या वाहिका-कका ना : यसी : ्यी वा वीक् (क व [स्ते] पार्मानिक) मृत्यावत (बिलाब (म) लिकी मंग्र (लिक्से हार्ट (मबा करं)।। 881 तकर (अक्षा) हिनाम अउहुड (ममून प्राय विहिन हैला मार्च) मात्र (लामन ह्य) की खान ला हात के (विशिष्य त्यमी व टम्म डायुका) , नक् (नक वन) नक्ष्मक्त्रन-हिवड (यक्ष: फर्ज हमान हाहूत) में लखंड (लखं वं) हित्र भू वर्षक कर (विहिन क क्र कि विद्वार) नकर (अक्रेन) व्याविधि भी हिन मन् (व्यूमाहित भी व्यूनन श्रम [नवर्]) लगाउ ह (जलस वम) कदमा छ-याक्ता वार् (लड्याक् वर्ड वार् दिन वास्त हेवाए) हाकप्-बन्न-मूक्ति-ल्याने समत्मन (बन्न महिल हे क्यम वक्त म प्राण) प्र लाहिन् (विद्विण)॥

80-801 र्या (वर्म ल) हिना विहिन द्वल मर्ने वर विना बिहिन त्या श्वं ने त्य व तत्या), विभः त्याप्यम-र प्रद (अम्याय (प्रभात्य (राम) न्छ) मिल् मान दिल्गामने-हिनक्टेर् (दिन्द विद्यु दी हिना भी) ण्ड (टमरे) टमोन हीतर (लोन डमीतवर) किलान-शियानर (किलान्य समामान्य भा) टा अमिवियर (कामान अपने वर) काकी तूर्वनाम न्यू मुन्ती-नीएकर (काकी अनुभूत्वत वेवनि अस्त्र अभी सूबनी व अभी व कार्ग) श्री कृतायत हिन् भवाकित हन ए (क्षीवृषाचावत हिनामं भावत अन्य अनार्यभम्याक) सर्ट लक्ष्ये व (स्थारिक करवे मा) अता नी मुक्स मा वर एक (अभागिति व बादा हारा वे भारति चिन्दी) यात-म् प्रकेशियो (म्प एं सिमियुक) अल्प अभिनि (अयम मात्रक) मीत मार् (मी प्रम) कार्य (म्णुड बत्त) ल बारिकाए (लवानिका न) त्यार्यार (डेल्एमल वर्षक) पुकान्यनी० डेल्कीर्य न व (में होर के प्रति करकुरा) मिर के वर (अरयम कवण:) जाणाल प्रमुख - २ सक-मक्षक के कुल्डाके सायुक्त मने वर्गाए मवर्

(कार्ट नम का मर्थक मक भागमा मुळी, र म मकाम न इनस् विम्माहाहन अम् व मम्त्रम दर्भाषाना आरे मद्द कम में न्याद्य दवन अकाम कार्य ते) क: (ट्यू) कुछी (ट्यू हामा मार्गी गाक) डकार्ड (ज्याराम व क्षत करवंत ग्रा अश [ami] नव निक्क प्राम्हा पार (नवीन निक्क . एदन मस्टि विश्वन (विश्वन विषय । क्षेत्रीयमा (विहिन इ जितीना सरकारका) विश्व (की डावण), मियः अने धरा अनेश-म् निवा कं ए (अव का प्रधार प्राप्त पार्वाल म्मिन्य) व्यमस्यात्मर (अकृत्वादिलाखा-सम्भाय) विनेश्हामित्राम मामार्थ (मायम दिशिष्ठ व विलाम द्वारण ट्यार माका क्वारी) अरा-विश्वभागवाहित्यिक्तावर्गः १८ माई (एक व्या वित्रक मालव मानवी काम किट्याय-म्याम (क) मार्गिम (क्राम कार्य)।। अना कपा (कार) कृत्वारेवी (कृत्वायाम) ध्रवियमण: (ज्याम्ड) धराम्यम-पिका हरू र्शिवस्य-सरा तिया में त्रक्र आया) सम (लामानं का) मैं व:

(समार्थ) कनक हम्भक पुरि विमिल्टिकी वन् (अने हामा करारे ७ मीरामार्थन मणायान) नय-किलावटमाः ववर स्टान्स (अनु अस नवीत किलाक-मूल्य) विभाः जन्मिक जातर (अवकार्यं मिडि धात्रीम अत्राम क्षित्रते पूर्वक) मक्ष्म किए मूर्वि (कामक्र मिल्ट) कंड व (द्राप्त ठंडरावन दे)।। 80) उर्या कर्यम्यायत् (विविध तिह्या, मार्जी कीर्या. वत) ट्यमानल्या अवल न मध्य- (व) विद्वल न बाहु: (ट्यमानसम् व डेक्ट्स रमध्य लागि : नालक्ष व्यक्तिम अमू म अटिंग) जा भाएका न (जमानित साम) ट्रम (mmia प्रकार) रे वर्ड (म्प्रिमान रहम) OCT (ONG OR () & CR & CR (& CR, & CR) (असर (बिश्ववं) टार्न मिन्किहि (असे उ लामहावर्ग । स्थे व-सर्वेवर (व्यवहा सर्वव) किलान. व वर् (किल्लाक मूर्यन) एम (व्यामान) सन: (हिउटक) जर्य मार्ट् (जाशा पर मन्स म व ट्राइ कास्त्रिकं ट्यामा) क्रियंद (कक्र)॥ 1

म: (त्मकाक) मानुसक (व्यव में वेतव) के वित्रतं (रीम ट्याला) प्यार कू कु वि मियी: (प्यार निय कुकार्य वड वरेमा) विकिए (राम कट्या), श: (जिल [यारे]) यूक्टी (पूर्मा वलाव:) सर् (अक्यार्क) कृत्यार्वकाः (कृत्यायत्म न) क्रेने सर् काम (यक रिक्ट क्रिक हिंत वड) रामाण (माडिकट्वत, जिल्हा इदेशन जिमि]) ८५ देन व्या (तर्णाल न भव) देन्द्रका निवित्रमा : ियकारे ए सर नारक भारती) उर्वारे मा (कुलादन-हीयत खीश्रकत्) कक्तेम (क्लाम) देवर (HAND) WAGOE E ENGANG (GAG ENG ON) ME ME (0 (ME & (9 H) 11 रेश (यह) रूलाकत-यल (यो रूपायल माछ) निष्र (धनुष्क प्रम) धनमका छिटि: (ज्यून, धम अवकाडि प्रावर) कुरव वाते पर रकाकी: (त्यारि के (वर्ष व त्राष्ट्र) डिमाड (ड्रेन राम अवस्था कर्डन), जरवर (जरवर (जरवर किने) इति-चिक्ते: (ब्राक्टिवक्षण) वर्धान (व्यमिक) गूर्छस्त् प्रक्त (र्यभाडियद्दि दिव छ संगोल्ड)

हिड्डिन् र पराहरकावन), सी प्रार्थिं। M. MANIE CONSTRAIN) ON MED: (STOCK) राभ) (त्याक्षेत्र क्यांड्ड क्यंड्ड कर्रंड्ड यार्ट्ड थ्या किंगर जिलि] शहें न मार (थे हिकारू नामः मित्रकाम) एक अध्यानारोगः (अधिक वर्षान्य वर् अवनाम् अहिन अ) अभाः भेडाः (वार्मिर्मा स्विलाख कर्दन)।" मः (। त्रि) स्वाः मंद्रामीः (स्व स्वाकं में प्रस्तुत्र मकत्र अने मांकुण-सी मूलापीत (भर्व अने मांकुल सी प्राप्ति । मन्ति (भवीव अर्थ) ७० छ मद्याप्तरः (ल्ला १ मधीम) लिस (चन्ह) सड्छ: सहक्रमा-म्यारा व स्थार (सल बर्जा अद देवस व्यारा वृद्ध) 1) है। (आर्कोमसर्वक) स्प्राधाया: (यका (Man) किस पुर लिए (चिक अका वाप्त) लायात : (ला सर एक) समाक कारा मार्टी मिर्द (हिट कि कि क्राय 3 विभागित म रहे था) व्यावम् (वर (म्लावत मिन्द्र) भागत (war acia), orge (sta) consta: (NRY [MAD 4626) 825 D. 876

321

(LO ALL MEN AREA EN DA SA) 11 ए। कः लाल प्रक्री (त्याम मसम्प्रते काका नामी काकिये) सक्तवराष्ट्राट् (मिर्धन क्यानाने में के काल. (क्सम् व विकास) त्यावर 3 पर का (क्यम वा वन) द्रम न्यून म नव मुद्रम् (अवन का अवन ना कर्यिषा) ब्लायन क्र प्रष्ठानि (ब्लाबनार्यक आनिसरेक) जास्त्र क्षेत्रिंग क्रिक्टिक म् व्यक्तिः म् मम् मान् (म् वर्ष वानामा चित्र) ्र काला आडियामः (अर्थ अवस्य जिल्लाम वार्याम श्रुक्त) रियमा १ (अर्ट्स) अयुमारिक्स: प्रिक्ट व्यक्तिक म काट्य) कृष्क मा दी - (अधान प्रायक ्सी में का के दिक दे एक ता हुई लाम ला क म्कर (विश्वत कावटक कावटक) वृद्धायती हु: (इकाकतन अडाहरन) विकामि (बाम करप्त)।। (१८०१) कं : कर्णा, ((इस्ते) हाक्ये थी : (हर्ण हर अपकृत्ये) विमा: (मूक्षिणानी कारिने) - वकात वृत्या विभिन्न -एक ज्य (क्षावराय आर उक्टल) जिसेन (जिस्मान भूकर) जाल मायने कला (जाल माय (बाह्न) । अविश् (इड्स) अविस्रोत

(भाग मेंग्र) क्षाप्तक (न्याकिकारक) सर्मधन ्यमाझ) नहुं (बाड) क्रमाबे कामर्थ ए (gd & gd), an (wg or 1) * + try der (अवाह कमार् विभारत करें) मान् एकारी: कर्तर (कामका) कालम बहम देखान निवदा मयाभारते रे (बार कव्लाम)कामान स्ट गमा (यह मूल विज्ञास पूर्वक) परमान मुक्कर, यह (अळ विभवन अप्यार्स) मिन-मिन्नार ने माड (नित नादि कार्डिशाइड कटन्त) !! क: ज्यार (त्यान कालवान काछने) प्रवच्छ (यहमा) (पाडाक्यां के वें कर (प्याक्त विस्क्षेत्र) यात्रधायायार वाल (नक्षामध्य वाल यहत्त्र) क्रिकिशम (कील्स्य इरेमा) बिसु: वहा: इड: मा (जाम कर्क मिलन एक पर ने कर में की अर्थन मर्छड) निविष्ट वर्गविष्टः (मर्वाण म गाम निक्स अभिमा) प्रदेशिशः विश्व : (अर्थ कार्ड निर्दे) (पार्टिक प्रिक साम्राई भन : (मिश्चिम जान अनामाका भास दरेग) हर्वनंग हरकार्य (जन्म द्रविकार द्रें)

H Q SINO (क्षात कार्या कार्या) मुलायत जाहि / जी कुमानवान विवास करवन)॥ ग्रेट्राकार में मानिकता: (अवस्था के त्रामुम्न अँद्र र्शेश अमार्गार (100 मिर में भार में श्रिक्त) लाही ई पात्रमें (अम (मका मंद्र कार्ड)कर्य. (क्लेट्रिट्र्स) सामार् (सामा नवर) मर्गास (HOTCH) HAINGE (SICHAR) EMAR (EMA अटम्) प्रम् (प्रमीकन), जार्म सद अगलम (अस्य डक्म कराउ), मार्ड भर्बीकटनन (डेडमकटल नाम् मका सन बारा र्मा केंच (९०८नं र मा १६ आए प करें िवास) देव (नर्कारल) द्र : क्निलाकोर है। हुटल (सुर्य ई डे ल गारंग आरोप) (स्याकत)। ७१+ [मात्राया] वरात्र (मिर्वन) माजका-यालिए लमा (सलाक्ट्रि) मन्त्राविद्धर (मिलवटम

नियम), रमयल समार्गी रममधंटिए है। ्वर्शमयमाणः त्या वाक, विवाश महान्य का विश्व), धारामा भ्वत्वितात्रिले (अभारतम्बर विवास्त्राती), वार्वाकृत्की (नीवाशककार) मुलाविद्येन (मू अहर्ष डेलाबिये) दूर्वर (द्यार्थमा) बहि छार (बाबिटस) या हीहः (अपरेट देन) वा इमेडन यद्भार (इस्म) भारत्यात) मार्च लाखाः (अख्यात से सम्माति प्रमार स्थापना) (अखन कर्निया) भे सही- ०५ मा सम्माना) sign for the (sign of) II किम् क्रिक्रा किला किला वर्ग मः (क्रिका व व ने म्य) में बर्द में बहु द्वारितः (०८ का क्य वर्ग) में हार के क्या सद्री हार (अनिका) , १ मार्च मु- राज्या कराः (मिलान निल्म ७ मून स्मयूमरलन ल्लाटर-युक्त), त्रुवपुक्रकाकि । यात्रिक - अप्रिक Conserved: (as miles, evend a side of

वर्मम् यक्तं स्ट्राम्स्ट्रा निष्ठिया) मुखाने -मरे ज्योग: (अरम्बद्ध त्यो। अ वस्त ७ (अनेम्प्रक्रिक) व टमार्डिंग) टमार्सिं! (ब्रामार्टिंग) लवरमाः वार्वका- किंदु हो : (क्रांतिक प्राणीम न टक) माव्य (कार करें)। क्रा किम्ला जी कार्यती- वस्त्रमे- क्रम्ब-कृष्टिता: विस्थ्यात वसम् ७ क्स्वं सम्दर म्ट्रिला हिल्म) के प्रदेशकी - हाकी वंक - राम -मू जारेकु मामिलः (लक्तम्माम ६ अवर्षः, नू मून ७ झिनेसम् यत्मिति । विष्थिषा) नमप्तिरः (भूषार् वितिलाहाभ्युक्त) ब्रिकाकर-सक्तर्भवावातिकृष्टः (स्त्रभूक्रामं देला ब्हारत में कायांबंद सा ह मांबा दृ मण्डिया) में क्या: (अक्तरमें निकड़ी) त्रम्थे। में अपः (व्यक्षण (सर्वाण्यात्युं) केषक केष्टि. माबाह्य हरी: (भूक्त क्रीय जीवाका केंद्र वी -सर्व) याव (कात कर)।। 00 (व्याप (व्याप !) व्याप म्याप्ति (- वरे विहिन वृत्वावत) भश ट्यम्परत्यासम् भूवभः विश्वल-

महाम: (अवस अवद ट्यामाना नाम : अवस-नममा हिन्द्रायी क्षणार्था की कालम-मिटड: (म्बर्स्स्ट्रिक्) इर्वेच-इर्वेद्वः (व्याधा-भरत्वम) अमरहे: लाकोने: (अमीम लाकने. कार्यका) अक्स अल्या मार्केट में से मार्गित (भिर्मित मेर नमी दक्ड नजादिक) TO CHES AS (CHUSE ENGLY) CH (DIVING) मर्बार (बीयम मर्बन्न) किर्णावर देविडे (किट्यार विका प्राविद् वर्षाद्व)।। त्रा तार्य लायत (लाउर) र्वेषाचाप्री (र्वेषाचाप्र) The (courseig) 22 (africa) 21 mas (18) while (what) as (com) बीयमप्रे (क्षियम क्षिति :) त्यम यम् विकत् (ट्रामे विक्यान इरेमा) भरवामा अ प्राञ्च (क्याक कि किस क्या अ किए) अन्तर भिया (अम् निष्य केर्न) किन्ड माः व्यानीः (श्रिम्मिनिक् अवि) मस्त्र मण्डियम वाका विश्वव कार्या

का कर्या करत (करार!) मेलाइट्ये के हिंद (बला-ACT & CALL STOR) ELEN (CONSTANT) PER (CALL) बोबह-सरः (भीवनं शतिः) नगाभरश्रभ-अमन विकार (अलाश्मिष एकाम विश्वस रहेग) अद्भामाक र गाजर (दराहातक ह लाज बालिन अथा भागू वं के ने महत्त्वामिन (सम्प्रकारे) मियला: enalt: (अयम्मीलनेएक) मम्न-तम् (जित्तम काव्या) त्वका (निव त्वनीक्षण्) असेर् किरोबाम ने अद्र बद्धा (केर्याटम सम मुलस कल्द्रेया किर्देशमें) दार्घेड् प्रव्टक्स / खिलंड (मन मिक्टर व्यक्तिये में वर्ष किं देएकर् अव्यारम् विमातः कर्न्टिट्रमे ॥ PSI OUS (OUSI) # 12 4 (4 9 4 4 5 8 12 4) उत्कामी हिक्टिका वह (प्रमुप्त किटमान मिकार विकार कार) नव तय प्रशासिक विक नि (मिछ) तू जन अयल (अपडाव-विश्वत) नवानभे (भाडार किलार्व नवीन (भाड-(२००) ज्यम- ज्यम (ध्यि हक्रम), नया मानिष् (नवीत्र लामिण जारम व विमामान्ति) , पृष्ठी लंगा कि श् (तयत , थयं वावि अ वहत्रम् (यव) नवीशः

(काल्यम) मर्ब मक्तांतिः १ वर (श्रेष् म क्त्रीनम्मी) (आवकार (आवत अधासका) 'दर द्रकार यर: (भर भ्यात्रक कार्रावर्ष वस्त वं रक् अव्य (कार कर ।।। ियाव वित्यात सम्माने विस्थान सारी अमर्थने व्यक्क वियान अपन), ने बनारे : (निष्णत्कन) एक डि: (अवन) जेन शिश (जम् ना लाइ क् श्रामलयमानाराषे (भ्राम, लम्म ७ डेलावलमारि कार भारत क्रममान म दि विशिष्ट (भर्व ज्यादा विष्ट्रप्रवादिक) अस (अर्थपा) वृष्णवन तय निष्ट्रह्याः वाली विकारामव मबीन कुन्त त्रमृत्व) त्यान (विश्ववंत) ट्राप्त मणास्ट (भाव उ न्यास्त्र) धर् गर्वेष्ट (अवस्थित) ७९ (सर्) भारत्या मार् (मार्टिमीस माटक) GOT (CHAT ७८। छेड्र भारतमंत्रमं न माडिकन कहिना छ में मणीज कर्णे (अर्थान दे प्रयूपे] अवन क किसी अथक द्वाराम्य देलाय अलीव देल विन् वाक्री-डमिट्यम्ब्रियरकार्न-वाहिस्याः वर्षः

(अन्या टारेयन दर्भात विकास अन्याम न-भी छ एन में मन न वे न विभिन्न कार) अछाताला ने मका (भवन्धारयव आठि भवात जामा कर्या) निश्चि (निश्विकार्भक) कामनार विष्टार्भ थाविम् हे (ब्या के (क्या कार कार वासे. करवत (० अभ ! जिल्ली) इकावने की नगर (बलाबत कुन्द्रमार्वा) ट्ले (टार्व) हार्वे ब्रिंग (अविभू विस्ता) (भाव भीटाने (टार्म ह ७ नी सदर्ग) मध्य र्षा (मध्य र्वाटक) डेव (ट्राया कर् ।। ७२॥ कता एक मामा विषि विशिष्टा मा मा निर्मा निर्मे भाग्यं विमाममक्ष) मण्यवं मूठवेन आणामिश्र (भूय, रित ७ क्री अब्हि जितिक) व स न मश्रक) समायन म के क (मेमा दिना कान तथा में अवडी) बुन्ता यत (अहे बुन्ता बता) खरे वा विक् (यामा ररेट रे म्याल्य बिक्स) पून वार्य मिर नायाने ? (ट्यमक्ष अवम भूकमार्थकान) पाहिन (अट्सर कर)। उछ। दिसार । द्वि वि विशेष कारिय मार्य ना के नि

(क्षीत्रम्मार्ट) मुलायम- एकं मुहम (बुक्षायरमं प्रमात)विकित्निम्म प्रकार (वार्किनाम मग्रिक) वाक्रकी (वावक्रक्रिक) ल्टाक लाखन (जमार वान बारमन अलेक) GO: ((अका कव)।। [mun] वबर (बबर) इस (वर) र स्वाबरण)-(ब्लावर्त) द्रद्रत्मार्त्व (स्पत र्भार्त्तव इन्द्रशाद) मुबबाकी (अविसम्मेग) अद्या वाली भगार (कूड्रवी इरेट), वाली (किंड) लामाय (लामा अहारम) इझामियं मकी लाम न (लक्षीय विभम्मी ७ इतेयम [किश्वा] इस्त जाल तम (अलमार नकी करण अ विमान करिए हेळा करिया)। अठ) टिलाइट ल पास छ न न म का कत - हला हा खेला-क नार्वः 36-1 (भागाय काउ एएमं विकिय नदीत काक्रतप्र हक्षित्त हे का प्रिक स्विमिक् हेक्टिनिड इस किटारें) मब कि (जाय- हम् काय कामा (नदीत कि (आंच म्लान म्झर्क् किस्ला [(मर्) वृत्तावतम्यवी (भीवृत्तावतम्यवी)

mas (Carara Bic] mind are son) 11 लाक्ष्मामान्यसमाः (अवस्थानामान् वस्ता-UD! सन् किन्द अक्षान्त (किन्द्र मात्वं मानवस्तेव) अकात का (अपने अर्वनाम) कुर्वात (कर्म), उड: (अठन न) हर्नः (हरू न गिक) ज्ञान्त्र ग-व्यादम-अलाल (व्योगामेश नव्याद्व व्यमित जर्भकार्य मूने के ब्लायम जारमरें) बटमर (बाम करिवाम)।। आकः (द्विभाग् काकि) विक्र प्राथाः (विक्र भागाः अवाद दिलीय व्याम (व्यक्तिय कार्न्य क) बारीका भार करिनकमम् (क्षी ट्रालक्ष क्षांड विभवाभ कार्व ए भाविया) उन् उप हार्कि : (लाशाय्त्रे ७८५ विकास रर्दम्) अउठ (भर्मा) कि मिर्वितः (किलम् मिर्दिन्य स हिट्ट) बुकाब्स (बुकाब्स) सिवमार्ट (बाम करवंस)।। 971 भीबा: (अविक कार्क मर्न), हिन्यरमञ् (देवक)-भगम्बन्ध) कृषावनकात्रिय (कृषावनकारि-अने) अवंशाव-विख्याविष् (अवसी अ लब-श्यमं वालहरंप े किसा) त्यारात.

(ITChTA) NO (NON ACTO) NO CHAMAGE (अर्थ पर अल्ला कार्यात) रमायर मार्थ भन्गाड (जारात्म व टकान एमा म भन्नेना १३। रुकारमानन (८६ रूका नन।) यर (८५ विका यात (मक्स) करन एस्ने वि (कायान स्ति कर्दमा , (अरे) ज्यम रम (भूरभन) का मुल्माल (कि लोक्निया करियार्ट) त्राय अवन्ति। (म्यन प्रमाण) (प्रमाम) (विसर्व मिना) अर (य (अर्) श्राप मन् मार (त्याक्षात कारम मारम भा करते) वर त्मार कर (अर्देशल ट्या द्वा वर मूला कि १) , त्यत (यात्राव मण्यारप) छेब्यर (छेब्म) जमप्र ह (यू व तक छ) विकास विकास करिया) प्रारी (कासम्ब अट्या) म भी गढ़ (कास्य अवन क्या भर दर) , जर (यर सम) ट्योक पर कि (भूरमध्यये ना भार्यक्षा कि।), यथ (नवर) यः (प्रिप्ति) छ (छाडराष्) इते ६ य ल्यानारं (विमुक्सल क ल्याम कर्त्यम)

भाः अन् (तिति) कः अविष (तिकाश छक्त चालमा अप) हरेड भारत्म ?) ।। िकारी विद्यान्य मामत् (अवदा निद्यानाय - १७। नक्षान व्यक्षित्र क्षेत्र निकान निकान किंद्र-ट्यालम्बरन (तर तर कलार्स की जाए पाछाम), क्या भवामाः (आवादान) करे लामकावर. उद् (अति क समार्थित हेपरमं माउन्हिए) जिएक विमामा कुलाक् इके। एक कियं - प्रकृतात्य (लीकार्वास्त्र अडमीक्स धाक्तमाका किए, शेकिन अस्मदीर्व कार्य) जीवारिक मामारव (क्षेत्र वा व्यत्नेव अहि) (ध्रम) द्वाय-वसिकः (अवाड धात्राम भाग्रेष्वक) हेक्डि: विरेश: (खबल विश्व भएवड) व्यक्तताः (क्लिंडल छाटन) रूलान्ते (र्यायलन) अटम (जाल में मार्थ के करने र छहि)।। वशा रहा (व्यापन) सतः (हिंव) स्मिन-तमन्वर्न-करी त्रकटने (आअर्वश्रुक्त के मेर करात उन्महत्रक विवर्]) भव्भवाधिकमा (इसला) का अस्य कर्षक) ला ब्रेट सिट

(धार्मामाञ्चलादम ह्रायम), गरक्क विकारित (नवीत बुद्ध याकी होते म्यात), मम्मासायम. र के रेड़ा करने (जी बें टक व से सार मार मार्थ. िल्यु बेस बार्ट नार्ट]।। निहा िमित्र] सिलमेशन (का केरियालसंब खर)) मिर्से के कारत (मिर्से के किएन) रव्मभी तम साभे महिलाए (मनाम मना-लाकितकते सकात, धर्मे प्रदिश्य कार्या है सकान क्राम) इतिया भूषितियाए (अ कुक देशमान आहें सिमिंड हरेया) जितु ह (अमहार) भारति हा हा हा हा है ((क्या ने जे न उ हु अन मार करियारियात), जार् (अरे) मार्थिकार् (सीवासाटक) भार (कार इव)। त्रस्थाड्यरमाप्त्रविम (नवीत क्नू-उद्या विवाश स्पत्र) सद्य दकारि सर्माय्य. मालम (ट्यार कला विक नाम प्रत्यक्ष विधर जीव्य) छिपमची-प्रिय-राज्य-वार्वकार (कियमधीक हमाताल भीवरकारक ज्यामकात कर्मा), अने महिकार (क्ये

अवस्था भित्री एक) वलार व्यावार (वस-महक वसने कावेदन विभिन्न व्यक्तार क्रायाक]) सब (क्रायकं)। स्थित्रम (स्थित स्था के के) प्रिमान किंद्र ही अत्र भू रवम कर कर (मेंन्डार अह रक्त (भावकार विभागम् ने भूवक) ।किमान-(1216-134(अ) अमा में 26 (आम आमन) आस्था (CHAY कार्याक कार्याक) माध्याद (बंधन कार्याल) जाय (जार देवा पिनी) लाम हरी (मिक भडहरी कि) । अभावी व (विव्यक्षिय कार्वाका मात्र वार्म (विक्रमा) ड्महकार (ज्या न्यकार) भावतात (काय कार्य)।। िधिन विक्रिक्तक सूर्वाअवादिः (वसु काक्रन-... 961 वर वनम डेळ्या) ट्यमानमाण्यकारिः (ट्यमानम-यन विकामकार्वाता है। विवि व्यामन मी से बाहि हारा) डाविण-दमा मिगा एडा मण् (मण दिक अविभूत करत्त) तकि लिए प्रत्य (भाषा क लिमिकाल प्रत्येश वासकी वस्ति के इन) व्यक्तमा दुर् (मिनि कम्बीमाम कल्लाम

डेसारमार्ड), व विकास (विकास मर लाय नाल:) मित्र मित्र लाए (यिनि लाला भावरात्रभू के) जिल्हा वाताः (कार्याव वसता) प्रियक (आला एक ममार काटन) नमानिवाल (अवस व त्य विश्वन इ'म) कू की मि कि एन्द्र म साम लाउम) नामिक कार्याय (ज्योर करिलाय बमाम् (स) वह (नवंसम) किलान् श्रीम (पक किल्लान व सक किए। विश्व में बस्) के बाद प्रकाल भारे किटिये)। अक्षण कार्यिक कार्यानि वितासिती क्षप्र क्षणाएं (भन्नाय जीय वर्ष कपस् क्राष्ट्र की कृष विशव भाष्यी लक्ष्य (अम क्ष्म्) लाम् प्रवाद सर्वेक्षा । भाष्य भर्षेत्र (तस्य मक्ष्यं क्ष्मिम् में महाय विष्ये (अ क्षा हिसे आ आ ता ता के इंड्राक) मांडम देव (तत दे लाउँ व इत मान र (मप) रिक ((र रेक) co (corns) may 6 ourses on my (const (लयमाना वा क्रेटिं) रेजियक । जिया-से आंध्रं के मर (नर्स्य वास्ता मिंग्ड्याक and में पूर्वक) मारक्षा (नी कुछ)

901

कार्नेग्राह (कार्र कार कार कार कार

७०। भित्राया जीवूना विभित्त (जीवनावत अर्थ-लाक्सन-त्यार्य समीयत (धर्मारे वाड मानी अभूत्र भानिका-कामत) व्यक्तिरमानुषमा ९ (भवध वं आलुग्मबलाठः) विभः अलिं (अब अवरक कार्य मा) आहमीता दिल-(बलत्यूवक) ब्र: (तिव्युव) क्रम् (म: / भूका. प्रमुद्र भाग) बिहिन्द (बिहिन्द कार्य) अर्म्यन-म भू र् मार् (अन आरम् न त्यम था लड्डा) कुर्वा छो (करन [यनर] नि हिले टू टकन (रिवारा) इिट्टिल् ट्लेक्स्रवनाजः) विभवाद (अन्त्रभारवन बिल्हार) लक्नान बरमो (ज्यान मा ज्याम्बर अकाम कर्मन, [wwa (मरे]) श्रीमा श्रम् वर्मी-बद्धां (क्यांका का कु क्राट्स) उट्डा (उन्न किन्)।। िलाही] नमांसामल ब्रोमक-। त्रिक्त व् किवार

(बीक्छक्त कांविकीय धानलव्यमम् हा निमला) इत्यासमाधीत्यकी (अधिमानाम की जिनर) मिर्बासी वर्षपत्ता स्वास स्वीह / जीम्पान-वत वर्ष क्षा अभा अभिक्र आमन्द्र मामार्ष म गुर् (मिम मा) ७१ नगामन र (अमे नगम 5= [यदर्]) जार्क भाने अवार्क विष्ठ - मूल-कील-र लाटकाई समान लेका है- नमन्द्र एन मियं: (निक्सल लामक काम हैया विनंदर मेंग (नव की डाइ भी न निर्ण अस्थ आमन सम्मालर् में जाए। न दार ७ हिल धार्ति के लिए) मः है जिल्लानाः (अरे जनमिक्ने प्रश्नीनारी दर्क [ons])कारतांड (कात करते) !! [ama] तिकु अ न लाम (कु अ म मृत्य व भार्य) निर्मित किसिन (मिलिस्ट) मार्मित केरिली (अवस्ति हिंदा) द्राताना प्रचार कारमामा वयर (शबन काही) तह लोगा निष्मे मेगलहर (टमोर् ७ क्क वर्त न बीत मानव डापायत) विगरं नद सर: (काए निग द सम्मन्त) GB (स्त्रा कार्य)।

bul मिस्सीट्रियो (मिस्सीनामार्जी) (o) (o) जीव्यावाताला (जीवाका जीक्क)क्विहि (ट्यान भारत) कार्कि हिंबर (कार्क सामवा) बान : यती क्रिश् (न्वर ७क नवामलेश मृत्न) प्रिकटिरे (अस (अहर) क्रिक (कार्य क्रिश्न) आवीकी रहे (किस आधुरस) अपुन्दि, (अपु काल्यास कवाइमा) के कण्य १ (काम मात्म) निमान्त-सिमेरड (समेंब समेंबुटक) वा त वर (वेद्र) [अमर एक ([अमर सप कार्य मा विक्त]) कु आला (कार मार्स) प्रमुखा अठ- मम्मू हरी-पालिए (नमला म्मियून प्रकरी व अपालक) अवकालीय (देश कमाविका-यम्य) अन्तरहा (मन्तर करवं मा) यस (पक्स) मम (जिल्लान) समामि (हिट्ड) (अमर्जार् (बिशास कक्न)। 0-81 (स (outre) न्यास्त्री (भेन्यती न्याना दा) वृत्यायत (वृत्यायत) मतीमकित्विष्मा भाउं (मबीन किनका मुक्त), क्रूप्रयाम-म्लाडिका (भूभग्राभार्माह्या) व्यस्वक्राह्यां

(तरीत प्रक्रमानिती) व्यवध्य क्षीयार् (महीत्र प्रदेशिया यास्त्री) मल्पर् (ट्याम प्रकार न्यास) जमात्र कर्मित्र (जमात क्रामन कार्ष मिनिना इते एक) अमन्ताना (पार्थना) । अलि मित्रमा १ (कालि विश्वम छारक) अलिकू ९ (अन्त्म (अन्ताम् भी इरेल)का कार्य. लब्ब / किंग्न मणी ब्रिक्ट क्रियम क्रिक्रिय 601 मित्राना विकालध्य ट्या विता मन्त्रवमा -लाई मेर् हेनीत स्र / मर्म हिस्स मिण टेम्प्याम्बा , ज्याहण विस्ताम, त्योलाची छ कार्र असामाजुरक) मिछाए (भर्वका) शकातल व रिमक वाविषि । धरावाष्य (विश्वक लामक्ष्मभ्रम अ जून म मूद्र व अव न भूनि अस्ति) ज्यह (जमने करिएट्स निवर्) अलामन मपाय (काल्यम कार्यक्र मार विश्वस र्यमा) मूपः (शर्यार) भूमिकिष् (त्याम्माक्व अस्वरत्) मजीयहान (मजीमाने न शर्क) र्वार (र्व) कबिल्टिन व िणार्थ] अर्वन्त्रत्रत्रीति

(क्यावायवं काकदारत) टम्बं सुणड (ट्यावं मीनवर्म) छए (अरे) शिष्ट्रमुलन (ca) गर्डियं भूमत ७१८०) एक (त्यम कार्ने)।। स्ता क मार्स (८४ मामां) त्यां या वास वाम कर वि-मर्वे व ववं - त्यम हिल्ला वित्व का तहारहे: (त्यानाम कारे अरित अं स सम् व हिट्टार दिश्त टम्प्रमार्वतं) दृष्ठ- त्याम्यकम्य-छन् : (देमना टकम भूम्हा का तम भारा दम क विअवसम्ब विवास करिएट , भाषाना) मर् त्व पका भूताः (मर्विसट्य अवस्तिभूत्र) कुल्यानं कार्के का: (म्प्रा को कुल्या कं तमा के हिर्देश) वर् सम्भाभसम् अहिस्ट् कार्य छाताः (जन्हिर्ड मिबिड कार्ड भारी अलंत्रम्य विचि Com का स्वें क विक्टिंग निकर में माराका दिगामकावम् दाः (दिग व सामकाटन विद्धिण जिल्ली) जा शाहिका कि दे ही: (स्रिक्षिव एक प्राचिक्त सर्पव) धनम्ब (धान्माव) धार्मस्न * 4) II

6911 [CX प्राप्त ! कृति] व्योचना मिलित (वीक्यावत) इंशी डक्शानेकर (इसनीमाने व डक्ट्रम), पिकी-क्न-क्रुवावर् (काकितामारो न क्रुकानि) मदेवत्क की आर् (मृक) युक मध्याति में किया: णा अविनानि ह (कका वय अ न्याविमात्र) काप ब्रम्ताः (कन्यर्भ भूगति । अडिनानि छार् मिटिश् (ब्रालक् मार्डिड अपि) व्यवकारी-किलिक्टार् (वर्षात्र लागा ए एक मार्थिय) प्राट्य यर (अवस्थव ध्याने यंत्र निवर्) अ धमार-क्राटना अंडर् (छम हार्रेड शहरी-मार्न मुक्टिकी के जिस करिए (धर्क नर्म-कार्वी) आर्ष्यक मक्ष वसे (मिक व्यक्तिय विम वकुम्मत्त्व) अन् यादि (अन्त्रम्मन oran कार्ड (कार्डा) कि स्मान क्रिक्र मण् Lower ! (मन्त्र हिलान्यमल) उउत्गाउन विश्वित्रात. प्राप्ते (डेल्डाल व क्षिमीय भू निवर्णमानी) मरावय-मार्याक्वम- अनेप्वादिनी- एआजि (अप्राट्यस्वन अयम डेक्ट्र नम्मार्थी नमी अवादि)

मार्डिर (मिस्स हरेमा)। मिर्भार्यन विक्यि-कारभाद्रेष्ठ (अवभाव अदमादार विविध काम-हिलाम विश्वाव्यक) मुलावम् वर (भाम नुषावत म उस रकरे) विभागन्य भिष्ठ कर्या वि (विमाएं मुझ करिएट्र)।। मिल्यादा । प्रिष्णः का सक्ती छा- वं प्रविवन्ता छ । (क्रमक्री ज़कात भव्भव न् भारवर्ण विश्वत र्ममा) के मापड (कामान सराम करा उद्यादा) के स्मार (कामान द का लिकस्म इंड्राट्ट) किए जामतर (त्मान् वसुवरे वर ट्यामन १२/००१) किर्म वसर् (क्रिंग् यक्ष वर्ष मा निकास कवा र्राट्ट) किंदिक (रकार कमार म वणा वर्गाट्ट) व्हिं देवड (दक्षा वसवंद (लास कवा उद्रेशक [and]) । कि इंच ह स्वीठ० (काम बस्त वर्ष वा अर्थ कवा इने भाटि) कि प्राणी न कलप्र (रेयाय त्यारे धर्मकान कार्टि लाख्यम (क्र मूक्त्रम ! (कासवा) वेलावमवत्म (अर्बेल्य वट्य) वर (अह) क्षिलावं स्पर (ध्याव-रमाया) लाइहम्ड (लाइहम् कवं)॥

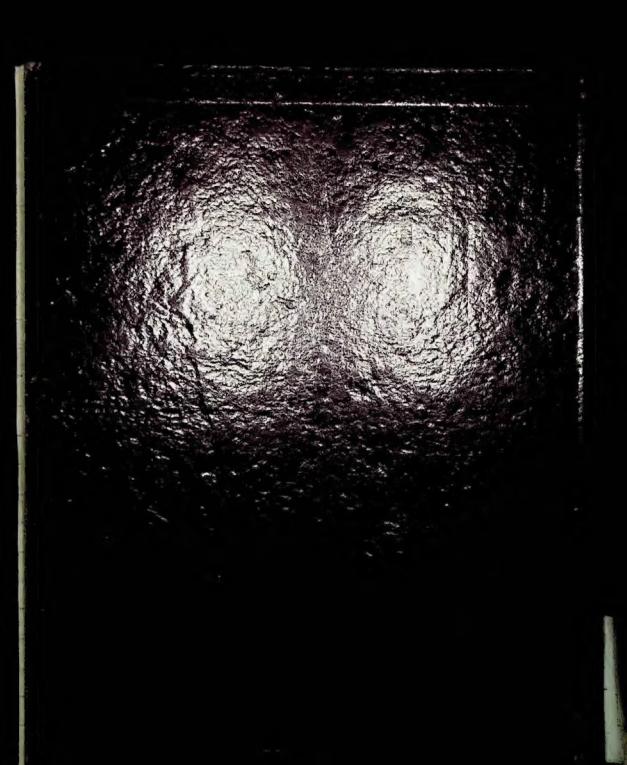
इन्धेनुम्प (के के मर्साट) न्याया संग्राता: (अविश्वास्त्र) देनाय सम्य क (आर क केट्रा: (डेर्कर कलार्मकाम डेर्क्किक इरेट्स) व्यासमः (मक्रीसने) क्रमक्ति (त्यास क्रात्यरं) क्लार्व के कि दिलाद का मार्म के कर रत्न), ज्यार् विपरि (धनक्षाय मध्यापन कट्यत) वस्तर्वास्थि (वस व्यविधात क्यात) लामाना ह (त्वाच क वार्म म आक्षत्र) 35 . स (१८४) मीरा-वर्मार (बीरेंग्ड वर्मी अड्डि) सिम्बार्ट (किस्प करत्य) महत्राम (रिक) क बार बाब करा) जा मबार (जा अरह (वं) बार में दि (सुम्लोपिन माय) करन्त [नवर] निष्मार (ज्यारामधाल) त्याममोक्षिठ १ (त्या है मार्ट्य है अभूषि) कर् (भाषापत) अकुवार (भाष्ट्रि)।। विक्षाणम् वीक वाकाण्यक - विद्यत्न प्रशास्त्र । विद्यत्न -मार्ज (अनिति हिम्म की काम स्मा विवन सदारमाण्डितं सम्मे माठोक) मुरिला कामप (अम्मायत) अधुक प्रमेय व रिया का मृतिः (विहिन मर्व वरमव व्यक्तियं मुलि मक्त) कः व्यक्त

(१४०१ वक) कामा: किलाव: (कामावम किलाव) कमा हि९ ७७ ३०- अर्च न- मरा डाव- मर्कन मुर्कम (द्यात कर अवस्थिति स्मित्र सम्बाद अर्माडिस्मा चिर]) अठारांगर मार्थ-देशकाविवम-कालाई- की किलार्थ (अवि करण देल्यालिक स्मित्रची-की किशालिन सिक्षान्यला व्यक्ति हिलानी के मार्ट) हथा है (आस MX CO(27) 11 विस्ता कार्रिक वीका - त्यां कि द्वारी वा तुः ्रया बीकास व मेडित्य क्याश्रिंत क्रिशिर सम् म सद्य) रेका वस मंद्र (मीर्का वस समक्) 700 (12) सर्वेबर (सर्वेब) श्राम (श्रम) भाषि (विवाध कार्निवाहर्ते (प्रभाभा वृद्धि) जु की व (जमार्टि) मिश्वीमार् (धामीम) ह सार्वनीने (सार्विक अन्ति) रेवी तर् (dar or morated) maying (cya 3 मिलकी), बिलिलि (बिल-मानभामी) मझ्ळी (मझळीव) व्यत्भव (व्यत्भव) स्वीकार कव).11

व्याचार्याः (क्यां मान) व्यसंभाक मिल्या कार्या 201 (कमर्नवसवित्यम ଓ त्याद्माकिक) अलाद व्यापि (अवि क्यां दरेक) य (एमक्य) त्याकुंगा: (कार देवा) ट्रानंद्वाहिश्वक्षाः (ट्रानं काछि छ के) टिकाल्य महः (हे ब्राम् इर्या) डेक्प्रदेश वर (अन्ध्रप्रदेश लगाड्य-सक्ता किया) न्यारमान (न्ये कुरक हत्यर) मिळानुकार्यर-याजि-विकाली (मिळा काम मुकायाम इजिनिमारिय सन) आग्रतः (मिल्य) अर्थितः सिमाप (कतातु वजी हुठ का वेपा) अकत् एली जममालम् (मिन्सम जमर्ट्यक्र) भ्रायमार्ड (भाविक करम), अधुकार कार ([अपस्र] (अरे अक्ट विकि ट्रांस कारि वस अम्प्रेस माबादाः (क्यात कार्वे)।। ि मैकी अप ! क्लिस वा रिकास मन मन के कि (कुलायान न कीत कुन्द्रप्ति) व्यप्टि (कल्लिय प्रविश्वम) ७९ (अरे) त्यां के माना क्रान्त्र (कल्लिय प्रविश्वम) ७९ (अरे) त्यां वे मी मास्य-किट्लाम सिम्बर (टारेन उ मी मर्ग झालाइन

विश्विकिल्यान्यू मलात्य) प्रायं (कात कन)॥ अबा [ए xxx : वेश्रि] प्यंत्रिम् (म्येरायंत्य-क्रिक) राव (असर) किका १०० लाह (अस्मा न्य यंत्राट्ट ियर]) व्यविकायमण्डल (व्यविका-उपन ०३) मानाका के कार्य: ०३० (म्युक्स-क्टाक् वर्ष [नवर]) सम्बद्ध (सावयं वर्ष) अमा (अर्वेमा) भाव (हिंहा कव)।। रि स्मीयन । (कालका रियाक्षक केती के तुन महित्र 201 बल्यार्डिं के क्यान बाग- यागब- यार्वे व (क्ष्रिकार्यक्षाक्ष स्थास्यादवं सवसर्दिवं सद्युरे) लिको वे क्सर्ट का कंट (अवस क्सरेका व वसु) विभुष्ठ (लाड कव)॥ मरामम् अवम् (भवं म- मुग्रम) (कर्म नं विष्ठे 291 (अर विविध एक मर्गायक काल) यर ब्राम कार्ड (ए क्या वस विवाल कर्यत), ज्याविलाध-हसर्कृषि-७७: (अस्त वरे अविलाय हमरकाय-छाववानि) रेश (यरे) बुलावत (बुलावत) का छोट् लड़ा (अयाकाका लाड किन्याट्र)।।

उद्दिल् मूक्- हिदा श्राक (र हिवा प्रिक्षत विक्-251 मात्न मम्बर्क लाजी कीय! [वृति]) हिल्लाक्ष्रमण चर्मं कं (हिल्लाक्ष्रम महासमें दिव मम्मारक भागायम), जारुकाका वर् विदिय-ध्रेक्ष्यं) ' लाख्तं लायमं (लाख्तायमं स्ते) अंड १६ ०वे (इमार्ग वर्वे एक) के में दिया अवर् (कूल क्षिक्ष क्षा) भाव (भात कर)।। (क्रिमार) क्रिये व्यायतम (ब्लायतम) 231 प्रभादास्य-कमर्भ-नयकिन-नम्मुर्भी (कल्टिवं पदीपत्याम्सितं त्रिश्रा वेश्रामत्वं) यसे (यस्ते) प्यवन्यास्त्रास्त्रेतं (लाव उ मार्स्ट्स विस्ट्रिस प्रत्व) डिक (डिक्स कर्न)।। विश्र अवक्ट्रमास ।





EXERCISE BOOK

ACM BM COORS

NO. 4

Eggin was 1 ित माम। जूबि] याउँ छाव विद्यार नी (निक हिल्ड म >) हानिविला भी) अर्था का बक्षिं: (अर्थ खकान मायरान) लति: (कम्मः)) का वार् (भाविका मक कर् प्रवेदा / प्रवेदा) प्रकट् (प्रवेदा) आहा कि विच्छा दु प्र किल एउट्ड स्कार्य व करा रे) मक्षिण्ण १ (अकात कव े अपरिभविषा) । भूव हर्व (भूविष का जास अमार्थ मार्टिन अर्थी । किर्देश नेतः ्रेश्वे अवस न सुन्दे साला प्रमान का वाचा व्यान हरू (जमार्डी क्रा मकान हिंडी) विद्राः कार्याः (भावपात कर [वर्]) पिका मिन (का कि पिते) कुका करी विका प्रिताः वा (कुका कर विका मी की नावी करका) प्रत्याष्ट्रपट्य (मात्रा हेर्मावरे) भी मेठार (कार्लिमिटमाम कर)।। क्षित्र । विषि विक्रिक विकार के लास भी अर् जियम् ज्यु मध्याक) जीवन (wo क्रा -लूर्वक) विछए (प्रस्तिशामी) कुला ग्रेम (क्यानिय द्राव्य) अविम (अर्यम कर) भू वर् (जसारिं अस्म अस्त न) असे कारिक-कामण - तेक्ने ड्रम् (अतेक्नि क्रमारे न

लामा ते के श्रीया) माला (मान कड़) के विकास-(ज्यान हे बानिकाल) हे ज्यानि हे ज्यान (मणन: डे में हिमानी) में मामान (लंबे कर दूरर-अशूटर) धारू मन (अधार कन) , धार (धारहन) म्मि (अपि) अद्याख्यात (अव या देळ्यात) वृत्यावरेत). (ब्याबमिश्य) यम (यम वन वन वर्षे) जिल्ल (जरार्क) कियान (दलात अवंश विक्रिय वक्ष वर्ष) शिमार्ड (लाड १रेटन)॥ भव्भव्यनिति (भव्भव्यव्याव प्रतिक भाषीत-वस्त्र), कार्यकायाः कारत (जीकृत्याचतार्व) करण करण (कार्व करणे) कार्य : (क्यारे मिर धनस्तीना-स्तिनितेः (कल्पनीना प्रिक् [न्यर] वस (वसार्य) नकर्यकर (याद व्यक्षेत्र) आहे अपर (कार्ड अप) आर्थ बी गार्थ बी नार कारि: (क्लारि मार्चेम् मिर्के के) द्रमं हि (द्रमं डर्ड तिरह) वादा (वादा!) अ: (वादे) नाम : जीकिला दं (अध्यात किल्यान)त्वत्र आप सह: (द्रेशन ज्याकार्त वड ररेमा) आजिति विषट् (अविभारेरे) कल विकल्प (कलवानिक (आड कलड:)

कारिकारि (कारिकारि) विकासन (विकाय) केए (कायून क विरिष्टिन)।। । प्रश् (पानी) अकि दाना व म म : (दाक दान अवत्र १रेम) नृष्णवत्रमण् (कृष्णवत्रमणे) किना सके (अवस्ति) किनि एक किनी कीर्षेष्ण) बल्प (बन्दर्स कार्ने , निष्कु लाम महन्त्राम (लाम)य अवास्त) ब्रुक्तारिक-मून-मन्तर ह (अक्षापि दिवसम्दिक) न हिनाम ह सता (विन्वता ७ कान कानेना), बहुकार किए (ध्राम्बर कमन् ध्रायमाय कि १) ध्रम (ध्रामन) इन्द (चर्च अप) आदे (हैं है) एक हैं: (बिकाम (म), क्ष: कार्ष (अर् बीक कर वड़) अवंक: (ब्यावमकावीक लागक) अस स्मान जारि (निन्हारे शूर्म साल अठी हे मना) II [क्रि. अ.अ. मात्रा] हित्रिमाश्चेन-कामाछ-राष्ट्राप्कारिकारात उद्यान निम्न-मित्रा कोने (। हिए ७ धाहिए मिश्रिन काणि कालिन आखानक जलिनिस्त धानस्ती हिमानी नम-यम जूरी। त्रिक् व अवाद सूत्रमुक विर भारा])

यस्यका मार्टिकन - भरा ट्रिम टारेट्या: धामार्ट्य विभागात्मक निश्चिम धानत्मन विभागिक नक भन्द्र (अप्रातटक भानेश्री पूर्वी) मार्चा-क्कामवार्थ-विक्रिए जिल्ला की क्रक न निवसार .. विश्वस्ती (अरे) र कावली (क्षीव्यावतार) os कर्म : (मर्वकाभी इरेमा) मर्वम (वाम करे)।। यस (८४ क्रास) अ७७० (अर्वन) कल्प बीना प्रश् (कलर् नीयामार्थी), किला गृहि (किलाय-विश्व), लान नाम समासतार न प्रत्या कर् (ट्रांचे व नागस्त्रम् अवस मार्थावस ट्रिस) प्रवान्तर्थ (प्रकार्य आन्द्र र्य के प्रकार के दिल्ली (खिंग करवंत चिन्दे) मर (म्प्यान) मा छ:-आहिनी वित्र कर कर मह मह माल के कार्य) कार्य -म्बा-मकान्य (मक्र (भार्षम ७ मक्ष न तम СХБЛ कता र्रेशाहि , [OMA]) कता (करें) त्राम्यक मिक्क प्रकेट विकास रिके के वासिक ([अरे] क्यावत) लिसः (सियं डार्य) मन्यामं (जायम 712-4 shad 1)11

[त्रमाता] यन (त्यसात) धानीन जीवन (आरं पुत्र व भावत्र) वर्ष (में कर) Сक्षानंत (क्लेस बसन) विचड़ (मार्च कान मूर्कक)का मनम-प्रकल-(भाराणि: (स्वर् उ प्रक्रिं भारा की छ नाभी), आकर्मनी लर् (विहिन वी नाम्छ) निल्कोदासम्बन् (निल्कोलस्पानियम्) धातलाकिकार (धातलातिक्रम्नत्) मामनर् धरत्रन व्यासने पूर्वः (मनाविषे तथे, अरमन उ यरात्मेपूक अर्लट्र) मला पि (विराय कल्म, [जूषि])रेक (नके) बुकाबमाहः (की बुक्त यरम व जिल् हरन) व जिल् विक (अंग्रेस लारे अंग्रे कुर्वे अवं)॥ [धार्म] बुलावम द्वि (वी बुलावत) निन्छ-निष्कु मार् न मर्ग नामार्थ देकला न तमार् तिष्ठ र अव सम्बेर विचित देकल्म व टबम की दी) निक्रातामा अकरे मूधमा- मार्ची-मार्चिलक् (निवस्क व वक्षात्वव छ छ अध्या ७ धार्य -यानिय अकडेनकारी [यवर]) ति त्लाम् रार्थ-अितवारियः - स्थानिकालं मणे (निवंड र

श्रांचे जीन तिला तृष्य भाग आ निक र अवस्ति व कत अर्था भन्न आरवन करंग मनं नाती) तमे नतीयन (टालेब छ भीय बर्ग) विशिष्ट (विश्वत्र यूल्यार्क) मिला (हिंबकास) ७१० (७० म कार्ब) ॥ Craso (मात्रा एक) आक्र में करी (180 स on क्रानी) मिछ १ (मर्स) भी भाका मा- व प्रिक हत्रे -क्ष प्रार्वेद क - मका ए (की मार्चा म्झाने न की लाद-लसम्भरमं मही भटका) काम्प (दम्पाइका इंद्रेमा) कार्डिक्स कार् विश्वास (कार्डिक्स क्रिक्स लामिण धाकू तका - प्रदेशत्य) भीत मुका बता हः (नीर्मायाम् पाट) हरने) क्यार्ट (भारे वामे कट्ड) 'टम (लामान) में एन (मनक) मेंत: (मुबंधवं) हार्मा मार् (द्रारा दंर) अमरादि (अम् थाएउ) डाक डार्वन (डाक भर्यात) मिस्टेड (न् रिंड रहेक)।। यम् (यात्राम्) नवाकि विक्यार् (जाडिन व ज्याहित) क्षर- ट्याक्यन-दिना वा म-क्रमूमाभी-भू न- मर्जी जतहा गाडा वि (विश्व डे कवन दिक कूत्र्यापिश्वां वाविष्रं उत्राचित रामा-

(यरकाद- में बरामुकर (क्यां भारत व कुना कार्या) म्) जल (जनता) केम मरकार कुम्ल लासकरम् (चित्र केमन्द क्रम्लाकामरन MIT MIND (Tab) LANGE ESTON 3 ला में बेप्रीक जिन्ही सीमुक अभी मेर कार्रि-बाजा भावेश्व) क्रांस क्रांस (आहे क्रांस) हमानंद्यात (सत्पनंस कामात्र स्वानं कार्यमें) वर लाम वर (CMS विक्रिय) श्रेमपड (क्याडियून ठतिमा (विदाध करवंग विषि) वर (क्ये) र सार्य (विश्वास्त्र) अला (प्लिंग कर)।। क्षा विक्रता की उ-भूति व्यान विमान प्रशासन बीकाणा- दिवड- एका छि: बान का मिएको (अर छने यर मन व्यवीक अविवृति हेक्ट्या उ निर्धत धराकामबीम-क्सम दिन लगार्डिम अस्वानसम्भरत्) किमाल (काम ७ नक) आम्हर्य (अवस्मिति) ममर्बं (ममर्ब) दीयर (दीय) लाह (विवालधान वृश्याद्य), जाभीन (जनार्या) रूकार मर (अर्वायम काम [नवर]) जन्वरात्र (उत्यात मिन्नारामा) तमलेतः मन्ता (स्तान्य वस्यो)काहि (स्तान यक)

रुक्त नारी (मिक् क् नारेक [क्लाडर कारेकर]) ज्य (जमार्चेष) त्र्वा किमी (आलावम वार्ज-विनारम् आषा गुम्मम् भ) बार्मयल - क् कार्टाको (की ना की कुकर्क) जाविहाना र (यका ह जातु नाल न प्राप्टि) डल (रमन्य कन)। : 221 - एक मरका क्रिके के रामा कामि व्याप रामे (खीर्न्यवस) अधिया कृकत्याः (खीर्न्यी-कुटका) ७५ (००) मिन् सम् (पिन सम [] पिक कल में (कामिश (पिका कल भे-कामि) हर्षेर हैं विस्त निवर) निवन मिन यानी (प्रभी एन प्रश्निम वहन) अप्राम्म प्रा (अवने करिया) नमाकिए (ममभापत्म) विसम्हर किए (मिन्नम रहेच कि ?)।। २०। लास (लासा न्याना) लार्च क्रांचा कर (जाडिमन किल्लानुन्मनी) न नर् मन् (मिछ) मूलम) म् प्रति (भावने कविया) वर्गा (वर्गा [यात्रावा]) नवर्गवर् (मिछ) मूजम) बदस-शस्या ए प्रवं (कल्लिव अला ह विस्त्र शालि) वर् (वर्ग करिया) व्या (व्या [अवार्ष])

लामी मार (मजीमले बनम्ता) न वर नवर (मिछा र्वा) मुअध्याकि (मूअध्यामिण्य) र्भ (अयार मक्षाद्रीय कार्ने मा [विनाम करमा] र्मायत (र्भायत [११क्षा]) वेष्ण्या (में अ से में बुद्ध) लंद हे लाख (लाखु हे) हे आ (त्रत्वादा) विवासि किए (अम् सामहान पर्मत किंदि कि !)। पामि अटला सम्म ट्रायम (त सिम अटला सम्म-ट्यार्स !) पुर (uma) कार (करन) मम कार्यालक मार्यः किराम्य मेन्स्वी सीवा भीष भार्ष) देक्समण्यू डिन्स् डि: (अयम कन्मर्थ-वत्र भूकराय) डेपाराश्रेषः (कामन्यम मेरे हा भी महत्वाद्व) सबे हस (क विद्या) बार्टिश क- कुला के हेरी- मिक्सू एयस (कार्ट-शरमवं म बलायम निक्टि) असूत्र नामें १ लड: (व अभागामं वालमं लहे (म) समा त्राविषात्र (oma orang (प्रश कार्य?)।। अभ्रत अवरे आमत (कम्र व वा लक्षाते 101 आने काणिनं लासिकाम) भने छ : यह वसामार

(क्रम ७ मा अभेका म अर्था म प्रति में प्राणमम), अभार में बाहित हर (लाबा नं अभ्य का प्र का प्र का प्र का प्र उत्रह (आकातं दुर्ग (न यह)) अपुक: न र १ लयाद्यत (अप्राम अवित्र क्षेत्र में मकावर्ट्य) मना (मर्का) वाहिका कुकार्यः (क्या का कि किया) कि साल विषठ क्या के कर (अमूर्य त्का वृत्र तक तक [3]) शाजिला नुमन्-व्यवप्र (विकिथ वर्ष व्यव हे ने प्रवत्) रूषावत्रि (वरे रूषावत शिम्र (क) मान (धतूकते कात कर)। २१। ब्लावस (ब्लावस) मञ्ची जली का म्यरे: (झालाव्य भीजयमतकारी) श्रीव: (नीक्ष्ण) विसम्दरम् मुस्तालम् (क्यम् छक् मूस लामा भव्क) सम्मार विल्लाक (जी दी मान आर्ट दार्थ भार कार्या) स्वती १ कर्यार (ब्रुवी बापडु अवलात) अयं ि (श्रीय ठेरक्ष विष्ठात कार्वाट्टर)। कामिकी भू जित्रवात ([आप्र] यसूमा व डीव्वर्ष वनमर्दि) ट्याय्त-नव क्न्य- प्रास्त्- वाबि

(सामनंत्र केन्द्री ह्यापन शवदात्ता) सान्ता सर (की नार्यात मार्ड) । डे वारिकेट (डेवारिके [यनर]) अन्त्रत्रत्री भूछे (क्षाम्यी म्बीलालेव शर्म (सायुक) इक्ट (स्त्री केक्ट्रिक) लाम्मर्स (लाम् कार्ड (कहि)म नगी [आयाना] क्रान्त्र (क्रम् मध्य) व्यान त्यान-न्मार (कल्पकाल र नम्बल्टः) मध (भावेत्रामादिन) विनिर्मा (विश्वाव्युवक) ब्राइट्याइट्ड (कर्ष माट्रिय विकासकारी) ७९ (तन्दे) टामे रामापार म् नामाय- किल्लाय-सिम्मर (अव क नगमन किलान मा अर्थ में माला के) हिमान : (व्या करें अर्थनं करि ।। २० जी नृज्या वस पूर्व (जी नृज्या वस) विस्वार (अम्मूलन) पिला इनलंकी छा न महत-मिटिं! (अन्यान कापन कीटा नम न्य-अल्लादन) डोर्सिनियरे : (ज स्थेन विश्वान) धारकामि म्यामि (दाय अरकी धारिनप आरम्पानिक इरेगा) जीवभाव सर्प

(काम मार्च ७० विश्वन १३ तम) बनाए जान ([अधीलने] यम श्रीक छ) म्रायमादिक ब्रो िराशाय न दिलम टिक्स एकारिय प्रमादन कार्व एवं) म लाउता: (अयर्ग ना इरेपा) किसाम ज्यानल विकाल व विहिन व्यातक रूटमन् वस्त न्मयहाः (व्यायम कर्निया) अवस्त्र मः (एएलमा राभ) कर्निएर्स्सन)।। [(इ म्रा]) कारम (कारम ! [मारम]) कवानि विकारिय : (बका लड़ नशहिन) समक् जार्थ पूर्ण में ९ किने-नगद दसर्थ मध्य र नमा [यारा]) अव (माम्म-वटमापाका विभाव धाक वर् (अवस टेक्टम सम्बद्भव देवम (आवार लाश्य [मरा]) जीश्राची-म्याी-सरमार य- प्रयालक राष्ट्रियर प्राच्य (सी का की कृष्कन क्य अवस लाक्ष्र हाव का स सम्दि अवस्थार-ब्लक (यह भारा) श्रीमृ विश्व वि- टकारी-टकी कुक डरेंग : ह (की मूर्ति यूमा स का है, की दम उ को कूक बामि बाना) आन्हर् (आडि। बिडिन, [पूर्मि]) श्रीकृत्रायम देव छव (श्रीकृत्रावरम् करे (बेख ब स सूर कि) वाह: याह (क्रम से का म कह)॥

231

अवायन र्यास्त्रम (८ अवस्त्रम्यम र मानम!) 221 ट्यम (८४) अमिल् (मिन्म) मह वर प्रम्थन रायर नव (अला मुसर् व धरेवा निवरे) भी मंद्र (कार्य कट्य किरे]) कारत का (स्ट्रिस) वादः भना (रियन भने)कर भन्ना ट्लाइन (अरह कि डेलम स्माना दर्श स्मारह !), दानुसमम (धारा ! न्यायम!) यहि (यहि) टकारिकायन एकमि (टकारिकायन) प्रड: (समाधामका) प्राकिष्ट्र (कार्विक्रमान) काष्ट् (तर्मा यह), वर्षि (वादा दर्वत्न) वर किए व्यक्ति (कुम वा म कि व्यक्ति), यह (कारा) हरकवर (कार्क क्राय हर्ता गार) हेनुसाकेट्ट्रा अहम्बाव देशकाव हमान् 34 , 111 गाम (गाम) यह त्वासिक वं मा व्यासा (अवस त्वासः 261 चंत्रसंत) न्या भाष्यक कि त्याः (न्या भाषा के तक वे) लिट्य (लिट्य) भर्वत्य (मारम्म मेवर्य) । मुंड: ग्रेजा (प्रमुक मध्यनीव्रिक) नी ब्राचन प्रद्र (की ब भावता) भी गढि (काम कार्व)

व्य (लाय इंद्रांत) सत (ला ला वं) ट्यक्व: ल नंद (त्यात्र संब ट्याकरण) म डि लाटस (माक्ट मार्वमा) क्षेत्रः एम (त्याप्य क्ष्रहत्ते व मारकमा [नदर]) मृबद्यादिकादिमाजा रमा (अव अव ते बंद ल्या क अगान ब द हत र रेगेया) मा लागर कर (ल्युक्स कि) ल्याम्म मीनार ह (मिलिस बमारक का की क्यं रें रिक है) स्म (काम्मव) लगढ़ ह्या (त्यात के लग उन् द्र आ दंगा)।। इभावत (नीयुषावत्वव) अण्णयः (त्रणामि) नी का की मू करी बिका जिस बू न जी अमरि नामा मुल-कार्नाक्षास ७ मूर्र र अमर्थी (भी मधा करके न अवस्त्र क्र कर विश्वेकसार्य मान्द्र य डिल्यानिक लान्ने भूम इस मानात्) पाका समास्याः (हिंड मियाकिक कार्यमा), वसमा धाने स्मार् (लक्षीरप्रवीव छ अर्थनीय). अष्ट्र (अष्त) ट्यु हामार (ट्यु बाट्य) अस्ति ब वरे: (माहरड्) रहा लामायह (वनंतरम् राम) भाजी भूक्षमत्वेव) निवासि भिष्ण : (डेक्ने नाहर व्यवस्त्रमूर्वक) मलाहि (व्यामक हेल हा भ कार्वाव (वर्ट)।।

281

आकारम मुकार वार्षि - मना श्री (अन् - मुका गत 201 क्तिया ट लाउम यन सेसा येस हड़ कि स सामक र्मारत्य अवस्ति हिल्य काला हिन प्रकार- भूका- कारानि मस्त (व्यक्तानि यस्त्र वा भवं त्र कारम में महा) विश्वासन कर्र (कियान्यमं) मरासार्वा भंगर (सक्तश्रम् मूर्य) , इन्ति हर् : य- द्रिवार (अल्लक मः अ मूर्निस मृत्य आविश्व मिक्सन) हेन्यर्थानकावि (निव्द व ट्लाडाममूक्तन-नानी [नवर]) यूनी कि: तूजर् (यूनिवन्तरोवड क्षानाक) येल व आगुणड रेल ठ (वस्तीन रक्षा खिक) लाराष्ट्र (मन्तर) रत्य (अभाग करि)॥ (त्या मं त क्षित्रम्) (त्य में ति क्षित्रम्) (त्य में ति विकास क्षित्रम्) नियर रेट्न हिलाईसे (म्र्यूमें कि भिन्न. Tun) (nate (night à) 15/ 12/ (18/4) क्रिक कि नामें (में में के अप के अमें कार्य) लास्त (हत्त्र क्रिक) सिमः (अंक्ष्यं)

त्यान हें हें विषय है है है विषय है है वहने क के मा) , टब्युकार दे पड द व्यापा (व का क्या गर व व्यक्त) यिला न (प्रियम विश्व के व्रिका (लामक न क्रिकार के किया के का नी किया किया के अप [3]) अर्मि भी केर (मई जान का केंग्रा) पिवड-क्लिक क्रवाक (बात काल करम्न), बुलावकीमा: (अके बुलाबेल) ८० (छा पूजा) हे कर कव सा : (१००१ व अ बोर्ष) जाति रता रहाम रे स्माद्याः स्थान्यः (क्यानिस्मान्यः च न द. लकेत्रमः एक वा कि) भूक्ष ट्यान विकास सम्म मुख्या (सका आस्व विभान संत राम्मेका) कालाक-राष्ट्रमान मा (श्रवक स्व स्व स्व त्या हिला) , प्रकारि-ब्राउक्तिका र विवा (भूतकला निती तका वर्ष मने-कर्क) प्रशासिका: one (one (कार्या अंव डर्म गाउ) क क की। पर सार (अर्क किंव का पार विशेष लामें बाग (प्रके) संहः वैपाष्ट्रमः (पिवंदिनं भू न क वा लिय विकास भूवक) या भी क- वी वा अव : (अर्बु श्वां वस्त अर्ब त्व अर्ब त्व) ल्यान ह

अंतर ह (मुकारक का निकास ताकास समारक) म स्पान (द्वामिश्र भाग)।। लाइस्तिका (अवस स्टिंब) ट्युवे काराम् (प्यूवे ल कारमध्ये) ट्यममूडी (समममाबियर) टले किटम्लर में (मूखिनिक किला यम् मान) ट्याकार (मन्यारम्) मिकार (मानम) क्रम्म-क्रियम् (लूका ७ वस्त व वा वि) जनमा म (सर्म भेष्य) सिमः (असम्भवं असम्मायं) त्वान- म्डादि क्षा (त्या) व म्या छात्र 4 8 m) 5 con on 6 (45 6 with 46 [- 45] 新南南山省至 @ 如到山) 出起 元 (出京上午 更近江) वाका (वाम क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षे (यत डमने [७]) भी द्वि भीषा (मर्थ भान-अर्थक) किया क्लाविए कू की एक (कारा व्या कारा की छा कट्वत), वृत्तावतीमा: (अपिकायात) (क (कार्म) डेक्ठक्व वा: (धराव्यक्षाव) जाति (विमाय किमिट्टर)।। CH क्लिप्ये (CH क्लिन क्रामिन) अक्ष्वामे (जक्षांचराय) मर में क्षारं (गाप्रांच मैक्ष) माववड:

(लाजा) श्रेमा) अवभव मा म्यूल हः (भाषाव गाम -कार्य कर्तिमा), कर् थाल टमाकर् क का भर्या (मारान क्षेत्र या कार ग्राक्टिक) त्यात्मकन है: (पन्त करिया), कर्रिहि (कपाहिए) थानित्न प्राप्त (मायां प्रक्रिक कालि मालकितः (क्रमा कार्यमा) च क्षा वं के कार्य (किंग्या] च क्षा ने साच) अद् भन्नाम (भाराम अन्यासन माद्य) आडिम्बेड: (कीर्टन कार्यमा) कीक्ट्राल्य ह स्था (कीक्ट्रेस्ट्रि शीत एए ए दर्गाम कवित्त ३) ज्यूमा (ज्रि-मप्रकरे) मूनिवव क्रिड् (मूनी आतोम्ड स्विड) वर्षाम (देक माम) मान्योदि नव (व्यवन्त्रे माड क (यम)।। रुश [य प्रत्य ।] भव वन (य मातने) भनकता-वर्षक व्याकृषि (क पर्यक्र मार्थ भारती भारतम-(इसरमा) व क्यानार काम विस्थारमर (क्यांट लक्षी अविवेद हार अरक), टार्न ने में का वि (आनं व भी यवत्) वर (आप) कि आनं विमयं (हिलावम्यम) मकिट् (सक्टे इरेमा) मनाकप्रमुका भारि मिर्मान वातल-

बानिन हे वानिहाल नित्रात भाम) कर् जान (काय नक्) सकार्यक्टर (अवसर्यक्) श्रिड कार्यं (बिह्म) (अमर्मर (समन्म) अवर (वसी कर्वत , जिल्ली) आश्रीमर् (अपन अकल विसम्) भिष्ठा (पृत्न विमर्वन कर्मिया) ७६(अरे) रूपाबन् (र्यावनिश्म) निर् (भग्न कर्न)॥ ७०। [व मरम!] ब्राम्य सम्मा (ब्राम्य सम्) निर्धायणसम् (भन्धाविष्ठक) बदालगाविषः (सरात्वावित्) अहः (अड)हर्द) आतन-मार्वाक्यत् (अक् ला तल्प व प्राव खन ल) कियान (बिहिन) डाम वज् लगाडि: (डामवट लगाडि:) हकारि (प्रधीय) प्रात राहिया हिन), जना काली (धारात्र) धार : धार : (धार वाक स्टार) अम्मिक्षिक भी मार्च भी छ । (अमापार्क oursel a सार्टिन कार्यान माटम) वास्त्र (विकिन) ब्याबर्ग् (श्रीवृषावत विवान कार्विटिय (प्राप्त) रेड (जमार्वा) जर (प्पर) प्यां भीयह (प्यां व भीयवर्) वंतं

वर: (त्या दिस्य महर्मात्मकं) त्य (व्या करं)॥ ध्यस्त्र म्यायस (ध्याष्ट्रिय म्यायम भाष्य) 001 र्मि: (निम्क के) अरम अरम (निम्क न) कनक-हमाक मिक मिला (प्रमेश हमा दक्त गाम देन्या चिक्]) भरा अने मं आ देवी की हि। (अव म-अने म मार्टिन जय में यस म) जाम के हिडि: (क्यां क्यां के प्राचा) विहिन्द सप् विहिन साम अकाम भार (य व क कि) धाव (माक मेर) (यम्म कार्म) विस्टारि (टम्ल्यस्टरेन) श नाहिन् (वानियामक) रेप्ट (नरे) किल्ला वर शिक्ष यय किल्ला टिकालायपा काराहिये) तम (orrang निकट) रायुड (अकरे च्टेन)॥ जीव्यावर्ग कुक्षाविष् (जीव्यायस्य कुक्षाध्या-मम् (र) आकर्मकर्मिक) अवर ५ वित्रशार्म दी-मान क्रा कि कि कि विश्व कि मार् के निकार की निया निकार की (यो जा मा भू वो (यात्राका विव हव अवर भात अवसामि हिन अत्राक्षार्मी वा निव देवक व मक म अलाब्स कानि उ त्यम विपक्तीन म्या (यर्ग

लिया के दिलान कारवन है तिन के का कार्या अन्य क्ले वर्ष न्या करता करता वितर यायाना) प्रमार्थिकमा-त्माम त्मातमे (भाषाविकी वार्ष-कमान आरवल्ल कार्ड हलम , क्लाम) दर्श (अंद्र) ट्यांड कारत्म (ट्यांड व कारत्र म्य) किल्यालं (किलाबी ७ किलाबटक) म्यामिलेका हव्छा (अलावम णम् बामाड (व) भावापि (क) म कबि)।। (लस्ताक्ष अवसाम् स्व स्व पान्ति व लक्ष्रे बाउ) माताल्य में - ट्यायू में - हारा न में माधू की [याराया] निवह व डेडाय ड वक्षेमाची पाडि-बिमान कमर्वद्यव मरामध्य), मिनाः ट्यमा िते क्र वाम् (अवस्थ न ट्यम विश्वता-मिस्कार [अर्था वा] कहे। एक व्यक्त (व्यक्त मुख्यको । जाविद्यानित्ते (अवक्षवेदक जान कर्यमा) अदम्बन्य क प्रवादमी (भाशास्य भवाक भवता भूतक भावन विवर्]) यमा सम्सम् जा जिसी (येंग्या मा प्रवेदा के टका-स्म स्व गर्यर अवं बाको देखावं प्रदेश)

धन्भने समाविद्ये (वांश्राना निवृत्व मण्डान धारमाला) किका म विद्वार है (धार एका म विश्वटमंत्र लक्षा करवसना वालिमा) अधीष्टितः (अभीमर्ग जिल्लामिमर्क)) ट्लाक वाक्सक्रिमादिकः (टलामन ७ मस भारतिमानि) कार्यशासी (कनारे पा भारकत), निर्माप विवादिक्य -झ भारतन न द्रा स देंगे भित्राम हे दिन यहा अश्लाद वर्षत्रभीय अवस जामक हे दूसरब वकान हेमए र्रेष) विकातमाना कं मान टर्न (विव्हन वक्षावन धयंत्रण नाड कवि(ए १३) १ अमिलक व टमापार्व (काविने क दर्भ ब्राम् देमण्टर प्रण्डम) अविकास समिति (भीवृक्षवनिर्दा) करमान्यं कात्रीडिः (टक्टन प्राय कर्य विभिन्न माना दे । माराना]) दिवानिम (दिश मृद्धि) अवगरहरे (काहिबादिक कट्यंत्र), डवका व्यक्तिय-व ट्या मुडी: (यात्रा न विका मर् लामस्याम् अवि द्रमान्) म्र्याम्मारी (मीमन मक्षतं कर्तन) क्षे (См)

emanual Emen (con a a surary किलारी ७ किटमायटक) यः (विति) तिकः (अर्था) न त्यत डात्यत (यक्ति के कि धनू-मामप्रवादन) ७१०९ (७० म कर्वन), व्यार (क्यास) वर (ह्यान्त्र) हत (प्रया कार्ने) ।। विक्रिकाली क व्यूर्ति मार्थन विद्या - प्रश्न कप प्रशासका प्राप्ति गु. लामि : अतन्त । पिक्राचि - मर्न एस - द्वीय कृतावात : मिछमाडीड आदेलूर्र देव्या उ म्मिर्मा यशक मर्थ. क्य दिश (१) भिर्म अक्ष्रम्य मान १३ टि अकारिण अवस वस्तीम बी अवस्य सी कुमावरमव था छाउत्) कुनानि १ (कुन मस् ११)व्योगिश-रक्षित्र कार्यात्वा रिवासिक में की. (ज्या का कि के का का का का कि प्रांत ल्या हिला एत). यिनेय (अंशाक्ष अ। त का वं पूर्व) व्यालीयार-वित्वात्रेष्ट्रें ने के ट्राया न मानाः (ता ल-लयमास्य भिक्ष अन्यवी व अन्यतिक वार्षित्र क) या अका क करिए (१३) ।। माकी झक्दी य- किंगू वक- समय बरी - वक्र वारे कु -वस्ताः (सारामा म्यान, न्यून, कर्न,

801

बस्य ७ विष्यं छ। एक प्रमूर वायं न कर्वत) १ की वन्तामा व्यालमानिकनक नम त्यों किका: ्रियारात्व मा विका व लामकारम कान ल अपम्प-तिर्फ मुकार्य (माडा मार्ट्रिट्ट), ह्यिमारी: (भेंग्या (५व अविकास विकित वमन विकास मान्टण्टः), शूट्यातीः (धारापन् निष्युद्धान क्रियाता), हाक्ष्यमः (करिएम भीत), किष्य के हल्ली: (प्रयम्मार्भ कामितास झलावद्य), कळ त्याद्वाप्रिशां हाः (संकार्य कार मीय देलएय देख्या यु अभाग्य भाविष्ठ वहिगटह [नवर]) ट्याय त्विभे स छ छतः (त्विभ) व ज्ञहात स्मव्य हत्ता का कमसार अकाम वात्र १७८५, [व्याप्त) कनक कारी: भाइक भाइकामः याम्यः दिन्ति कर्त Od 美元和同一四十五十 (स्वतिव आय दीविष्ठी) साहिकाराः पात्रिका: (क्या जीवादी व टमरे टमविका-भन्त) मांब (। मब्दु मं निक स्मर्य मार्ग कर)।।

व्याद्य (व्यादा ! [ग्रिमी]) नव म त्यामा पान त्यां (निण्यु वर कल्पाली नापमाम्) नीत्माळ्या धमनिषात्रं (डेक्ट्रम नीमवर सम्मम्म आरं मम्रम्) डेड्रभी-कुछ- व्रष्ठ वर्षिः (अवय व्रष्ठवर्षंत्र धरापाला) विडमी र परें १ विडमी कायने करवन), नमप-बार्यात हमी (माराम मश्रक समंब लिएन हैं हैं।) स्प्रमान उर्भी किर्माल स्प्रमा के विन्द्रम (अप डा आम निवर भित्र) वह कूलपरता-मीरि-अर्भी (अकाकिलानीमालेन मी यियक मार्मामन कट्यम ् टारे] वर्मी मूथ-राष्ट्र: (वर्मी वसम न्स् के अस (लामान निकति) में बंद (लाजा-अकाल कक्रम)।। [ग्रिय] यात्राम्यात्राचं - यद्ग्रियानं न्यायर 821 (ज्ञाट लश्र लायलका लिव हरे क द्रे क वृ म केल (मालासर्गिष्ट हार्य प्रिंत्य) के हा के कार नमं- विका सर्गाद्वि (जीना वाक् एक क कल-नाममाक्ष प्रामध्याक) निष्ठ्व व (तिव्हुव) निर्माद वर्षा मर् (अभीम कालार बाल् कावम " [01]) र लाका मम् (चीर्ला-

रमरे) मः (धामापन) की तेमर् (वर्ष क्रिक. स्मिक्)॥ 801 रेपान (क्या (लाका) रेपान प्र (क्षीन्यायत)किकित: (सभूवत्र) किनाहि: (कका कितिशाला) मुजयी कृष्णा जिलादिन: (निश्च पिड्य छ स स्थाविक कार्या) मृजाते (र्डिक्टर), व्यात्म (व्यात्म !)रका किया: (काडियम्) रिवामार् विदेश (वासमामाम डे आबसे १रेमा) मूरः (मिन्डन) इर्ः रेडि (इड्डाय) कुलाड (क्लान कर क), इसामंता: (मयनीयन) मार्कः (मार्कः) आहि मुख्य गानि (ता १० के काम वान) सर्व बंद आ माष्ट (मेस है के छन्त्र करत निवर्) भवेदः (भवेद) ति हिन-एवरक्से सार्याताः १ (विष्टि एक) के संसंवाक्ष्वं (भन्ड) त्यासीलाह (विकृष्टिलाड करत्र)॥ [(इ आम)] लाउर (वर्रम) ये.कु : (ये.कु व) सत्ताव्यी-माठत: (समाय्या के लामादि) यहा (ह्या इस्मा) मण: (मार ररेए) करि: करि: (जिलम् बर्ग्डर्एक) मान (श्रममा मान) ' लाखा प्रं-

मिलमं: (जाने सामें जाके सका न देव हा मिलि) थड़ (माराव) आविष् ((अमाव लग)) काकारि (का करं लाद का म्यार) । क्रम रव (क्रमण करत) oux (ouxx ;) enin own (ening) 14 2 in त्राम् (महारक: र्द्र माक्ता व) ममामा नव (यात्राव माध्ययत्रे) वित्र भर् भागार (तम अपस रमं [वास]) लाश्यो सार्म (वाश्य)-धार धालाती) ज्य (स्ते) मुका वनर (चीर्का -ब्ला वनकरे) पाए राउ (धन्ने वर्ड) ouselians (ousin va) 11 प्राप्त (प्रायम !) प्राजिभम विनित्र) भी- भव (भानाम-टिम्मानला मृज अमर्थि (भेग्यन भर्य) मिन्हर अवा दिन क्रिक्सिंग है अप स स्मित तस सम प्रवी-भिक्न विकाल कार्व एट न्यरेसम) रूपावर् (जीवृत्तवत) वटमल ब्रक्तमीन (नवासर्), ज्ञा) वाम (नवर्) कमवव: व्यक्तववाम् (ल्याराव ट्याके व्यक्तान (कात) ट्याला-कूममृहि (त्माट जाकूमकर्मन), भीवा: (त्र भव्यामन!) व्यवः (नवंदव् व्यामना)

801

नीमान्य निर्वाम कार्य (अन्यान अमियानिय ल्य लाग कार्य में व) लाम (मंत्र के त्या करात्र) न अण (वाभ कर)।। मारी (मारी) विस्त (विश्वि) अवस्त्रीम् वर्षाम (देवस मुका का कि) का करेर भीटर (का करे MLY sharing mise,) P. O. 1 196 (CLENCE ONA कि र्यं पट्ट?), भदि (भदि) डेर्चनाः (हेर्नेनी १) इन मूलनर (हमबाम १) ज्यामी (व्यानिकंत कार्यम् भाक,) वाछ: किए (ठाकाछरे या जाने क भूड्य कि इसे ल !) , यादि (यादि) ब्रक्षात्वामृहर् जाले (ब्रक्षात्वस्य अमृहर् प्रशासि (जारामान कार्य मा अल्ड), जह: किए (देश एवरे स जा कर्म र विस् न किं) अठः (८४८२६) क्लावमण्ने एका (कृषा-बत्त व्रेड) रेप्ट (यरे अक्न विश्व थर्ड) यूर क्णा / यूर्का मूर्वक) राम् वर (द्रान निएकम कर्नेश (१) ॥ मध्यि भावकृष्णवन दूरः (अपूष्णवन का मानिव 391 संस्थवं) मार्चे मार् कार्कित् (मरक्त्रमीतं

orseay) and (ras) and seed (ord कस्त्रमध्यम् लाहब्द्य हे) जालः म (द्याम समः भीडा न डिएमं रसमा), कालार्यः अली अक्षा: म दि (काल मार्लिय निकरे र्वेटिड लिम् कांक्षिण रेनम), म (किश्वा) एर र-मनत (प्रायत मिक्सीड तम वा विवालिड) न (द्वार्य न्तर्थिक कार्य कर्णन वस्ता) बिकारण विकाबिहात (विका बिका सहित् ते डव जालका जाने क ते डव कालिय मारि महिला । म अर्थ : (जारा र अर्थिक इस लासा विश्वा) अवसाय् वक्षामाल अली त (अवस अम्बद्ध अभागटन व देवाएंड दंश विनि श्रामित्यू मू श्रम) II वि मरम। न व्यक्ति तथा सम्मर्थका सी निक्र मा भेष् (लाइ त्मबद्ध लाम के कारी ग्राक्षित कार्म न) रेश्रिंड: रेश्रिंड (रेश्रेंड त लापडे) त्यालारे-अविणिरिष: (अधिकिषः माल्य विकासन टम्कान) लगढं लगढं (त्यान न मांग्रं य नारे) न ट्यम क्रम ध्यमि (विन्द वृत्ति ।

85-1

ट्य दलान प्रशादिकां (प्रथमां १ (प्रथाना) विपर्व (मियात्र करनेया) मटलाक: रेव (इ: वीव थां में) न शहबंद्या (नका दि लासदहर्ष) रेन्सरंपूर यो श्राब्त) पार्व रम (am कव) 11 801 ज्ञान्यान (ज्ञानियार कामिन) माम्मा। १ (ग्राम्स) नूरेस (भाय मूळेन) तिव्यारि (तिव्हर) क्षहाबंद्यमें (योक्ष्म नी मा कमा भारे) अवियार (धार करें) रा कुक रेडि बहेर (११ कुक! नरेकान डेक्ट विभाष), भारेण: जिसे प्रामि (ह्यूरिक वर्षात), कित्रामा आहे: (आहे प्रमुखन विष्या भर्भित), भूडे दम्मा छात्रः (विज्ञ लाटन न माला) भड़ेन (म्ला निवर्) मान्त्र (किर्डन भट्यार्ड) अअमियरेर: (अअम्बामिश्रामा) म्लाकार (अम्बायमम्बीटक) आक्रमणेड (जिडिशिक कर्वत)।। col यदा (टमकात) तिन्तु (सर्वपा) हेलाम: नाम: भव (नकमान देलास कला में करें) रेज देश-अवक सम्माया मिल्यू (जयवं व टमवं

ट्रमणमास्यक्ष महत्र्वार्ण व्यामिक द्रमण [= नर]) अपूर्णाने इसम्यार्स्तार (आर इसामिक् व किन्यम देखाम बनादेश) शर्षकः (+ कप्र वार्ति क्षेत्राम विवास करि-LOTE TOWN CHARTED) HOUSE (HATT) यद कि कि द अले भर अन म ((दा का मार्यन अस्य समास्य) मानं देश (कर्त) अवस्तराक्र-नातात्रमुक्ता (श्रमाविभाग्रतक विविध असाहि [0]) भाषप्रकाभ (निर्हर र्वाण भड्यात्) द्वार्वर् (व्याचन स्थाल विष्टि, रेप्ट (नर्मा) मुलायम् (कार्यायन) धारियण (धर्मे) हम छाडू (WITH HAR BY SENT ME 28 7) 11 गमा (गमात) यथ: (१९०) मनं (मनं इ.) अम्बुल (अमाबिक) शब्बार (क्रीकृक्षव्याम अि) भावि (भावि रमं), अवस्थावन ए (अवस आवत) म्यावत् (जीक्यायन वास) on ((अरेक्ट्यरे) द्वि (द्वत्न) हमारि (विश्वास करत्य), अस्त (किस्) भी (थर्ष)

021

जिएगाजाम् विष्ट्रेश (ब्यायमान्य भावव सम्म भमान्य प्रदेश वि)कार्य- वार्ड मर्याहः (कार्य. Wat med)) WHATTER CHE (COLL OFON-अहर्य अवक्षाप्त भारत विक्री) के सी: (ज्ञुन्ति धर्मार उक्तिम्य ज्यु उत्त न) सार्वनर एक ि (अम्बेड इम जिल्ला इकेटनरें के माथ अत-लाड मस्यात रेड्ड भारत ।। 054 (orch;) 22 (orena) 7006 (73) थाडु: (हिंड) जीवार्वका जीध्वापिवन गर्भ-(अमिटिको (अविविधिक् एक सम्माममाना) घ सर (इस स र्मा) वर टिम्बर्गिस आवल्डि-सम्बन्धि (ज्यादान दलन उन्त्रास्त्र ती अभेका हिस्त म ममुद्द) निम्मू (तिम्मू इर्ममा [वर]) त्मा छा श्रा क्रिय सूर्य में य व नि पर् (टलाडां अर्थे रहा धरामालं निवस र्थम) प्रवर् (यव जगर विवान कार्ने रहर हो) स्तारं लाड्डों ह (सामा ३ ल्युट्या डावा) न किन्छ (धनस ना धनिक्ष) भीवृत्ताक्री। प्रव (भीकृता मन्दे) मू कु (Correr कि कि प्यकार्भाउ रहेन)।।

धर् (आपि) हलावन अर् (बीहजावस) यम् कड़ा भीतार याली टाइट् (इर्ड वकड़-अध्वित दमप्र वितर् । विभागि (क्रिन) राष्ट्रिय), भूगः (१क्टि) सम्ब (धारामारा) ्रिटे: प्राट्ट (ट्याम्बर्ड) मार्डियूमप्रमण्ड वाली न (असि तन पड़ाल दिवर व ला करने ए देखा कारतार) ।। [लाश्य निवह (वह) सक (सम विवह) 291 नी मुक्तायमधारी (जीन्कायम)मध्यः त्यांम जाने (अहर पृश्वाह मार्डरे) भाष्ट्र (कार्ड) मारिक रहेक , [अमह]) धाराम (धारा शामा) टम (पायान) मिथिश: (मिथियाव अमर्ड) . ट्राट्या नगुभ ग्रह्मणा आमी (अटमोकिस प्रधायकार त्यास कार्यमात) या ह दिनार प्राहिताहेल सा इसे ।। अन्यक्तिक मं SEI [लाश] कसा (काव) लाक्सक्स (अव्यक्तिंग कालिय अ रहेगा) मुलाबती (की बुका यह) वक्षिति) कर्षलकानिक ह्या सः (कब्जान मिछ्म्न विग्रह कार्नम)

मनद्रमाना : (वयन कम वर्षने कार्ने ए श्वति) रक्ष के के इति (। रा किस रा किस) अरे क्ष) विस्ताल (विसाल ४२ ०४८म) रेग: यार (नेम र्येव ?)। िलाह कमा (करन) भागाभागरकारिडि: (जार्म) भारत अध्यमान रहे) अकृ विषया (हिटा विभूद्ध न र्चेमा) असम्मित्रामाः (त्रक्षियाम् । मिन्टा अभाग धारत स्मा भूविक) नुलायम द्वि (की मुला मान) म्रापि : (क्रेड-१०००) यासामाना (मुर्कासम्) व्यामार्ग (कार्यसा कर्वव १)॥ २१। [कार्य कता न (कत्यरेश) नुन्त्यते कमयते: (नक्सान र्मावप्रक्र लाममं श्रम्मं) हो छ-कार्टि प्याक्त करंप: (अपनीमं क टिमार्टिक यार्स भाविजास भूर्यक) इतिह व्ये हुन-भावि-हम्भेट (क्षीक्क आर आर आ व वार्व हमारवर्षे) डाबाद का कूल : अगर् (डा का टबल इड 2227)11 आरं (त्र कीय!) रेप (2 कमात) के लाख

(क्साना) में रूट म में रूप प (क्साम क्रांस में कार्स MAKEND ON TOLOTA) FIN (OLYRA) लाभाम (नक) त्यार कारल (टमारकारल) म अछ (मिंडि रमेलना , सिन्छ) जिला ने व हि (कामार्य) व्यक्तिक (हिन्द्रासन लग) अन्मा-यस बेसामपर (अवस्थानस्थान न्यी बेस्सवर हाराम) अधाक्यमं (व्यक्तमं स्वर प् करे)।। 601 रिट (ए रिट स्पायत : [हास्]) म्हासे चारतर-लाय कारियारों (अप. भूमा, दिन्य, पूत्र मा रिमामिन अपि) सा यह विश्वभीः (त्याम्स grand sila out) sayo and (oud अभ्यात) य तव विश्वतं (त्याम संस बिधरं पा शर्म) धरं (म्रिवं धरंप-मैसलाक) रेपावपोधिमड (रेपावपिन मिटक) हार्य (आर्य हा जिल कर)।। ७०। वार्वाक्कविनामवाक्षि-नजामानि-भणाकव-जीक्नामाद्ध- जिने वरीव विलियामा डी अपरकमा १ (यात्रव प्रार्थी की नियम किया प्रत्माहिक नणकू के वाहि मर्गवन सम्र भी मान्या भीन,

हस्मादि सम ७ लायक्तालिव् श्रामाय अराममूर विश्व कार्निटर) तिल (मर्डम. हस्रकारिक दी ना कवर (भारत मिछ) अपन (भीकरे ० व्यवकारं का में की म भी मार् मि विवर्) मिल्नास्क न वर्षमान-अवमान पेरि (यादार्ड मिवत व अवस आन्हर अस्म म वृद्धिना ७ कब्टिक रहा टिल्ले) व्यावसर् (वीव्यावसरे) यस (लायार) चीरा है: (प्रधास भीरमद्रमक)॥ (य मरमा जामी प्रता (प्रवेश) नवीवर (निक टमश्क) भी कृषाक्त छुवि (भी कृषा वटन) मालम (मालम कर), मम: (हिउदकड) र्यायमयमिकर्मः (योग्नान्यकिन) त्यान (बतात) मात्रा (तिथुक किस्मा) त्राप (सर्वपा ल्प्यादाव]) आर्ज (आर्ज दे व्हाल करें) वह: (कामिनिम्द्र) ७९ क्लीम् अनवक्ष-भारत (विवृद्ध द देन्या (व कार्य की दित [नवर]) अभिविकत्र (व्यमविक्रात) अवर्न-ग्नम् (क्रिम्मम् क) जर्कमा- भीम् पारने (द्राराप्त शक्कमाया अम्लव कामापत) व्ययं (नियुक्तक)॥

5>1

की कुमायत (त्र की कुमायत । प्रिध जामाय क्षां]) अभीद (अभन्न १ ७), प्रामे के दिल्याः (त्यास्य स्ट्रिं अक्याल्य) प्रयास्याद्वा १-क्रा हारा ((भर्) ट्रिक् मूक्ष क्रिक्ष मानिश्वत्र) (टामुन व क्यास्त्रम् अवंसाम् हिन वंसतत किटलावी ७ किटलान) लिए पन नवी कार् (विनेन वस्यानिव भार्वी)। विश्वत्वाः (विश्वत्वव ररेत) यर (त्म) थाड्य मान्त्र पुर्म वर् (जातारपन अपन्माल कार्य रर्भ) धान-ख्रिष्ट्रिय व्यक्त कर्न , [ज्रिम क्रमा सार् (आ सारक) ट्रिक र् नेकर् (मिलवे के से ल प्रकृतियाय अस्ति विष्य (अपात कर)।। भः (।भात्र) कृषावन भावेत्राव (जीकृषावतिक 50 जाउ हारम) मर्ने भक्त-मञ्जान-मर्दे : (इसब्मारे व छक्त मर्यू सरमय्व), निलाह-भूरेल: (हिन्धूम्ल)रेचीवन-कन्नान. कूसूमादिहिः (मीट्याय्या, कस्ता, कश्तान ड क्रम् अ द्वि व का म म र भाग म लाहिल निक्हें

मरानिकी मिना निम्ति विष कि निक्रिति व (जा गरा रेक व यगामाप्य क्रायमान लगामिती) क्यामिकीए (भीगध्नातक) त ध्यमण १ (मर्तत कटब्त मार्र) मः (जिति) किए की वि (कि एड की वस वी वर्न कर्वत ?)॥ [। धार्म] नाता व्याप्ता (विविध व्याप्ता) 681 अविलिय (क्ष्यका विषावा)।मेळा काहिकार (हिंदवान टार्मकर श्रक्षाल कर्निएटिन गिनि) जमाबिदिय पिशक मूरिमः ह (जमान विहिन पिक अन्य का न मार्थ के व नार (म्लाहिन) यह अहे अप- अभट्यीन्यू टका नारनार (अशट सम्मा ख्रान । विश्वे अभूटरन सत्मन् ट्रम मार्म है। ये रें रें ट्रिट) रें मी क्षिमी में oun (व्यायाव क्षाकाता देनामकर्गते) म अभाक मध्य (अधाम । हात देव ना के कविटि लार्यममा निवर् मिनि]) वात्र न-मिक्र का दि (भागात का मार्थ में दे दे दूरे त्त्रवार्था दर्गाट्य विगाम] (गर् केस-क्ते) वित्रकालिक कार्य कर मार् (व्यी मुक्त कर विति

टले भी का ने भी ट्रांबीटक) बर्प (बंदमा करने)।। श्वामक्षार-मः भूना (भारान का नान अवकापटल व लबार खर्म । वंते महायत-वंगे वहा (क्रायं क्षेत्रके वर विविध वेतिता) अर्भा उत्रं क्वानि: (यात्रा व हे कि ज्यंत्रं क्वाने अन्य अन्य कार्य के पिछ देर एट र) व्या (वन दे [गिति]) २९रमः (२९भम्म), कान्छर्यः (कान्छन कर्षार इल्मान लाम) मार्छरः (मक्त म अर्क्स्मी), प्रावसादिहः लाम १ ([0] अनम महित्या मार्भ प्रमं माना) लाकवामुक्ड (द्रक्षात्वक) अपंचपुर (अक् यम् भम् (दन) विपर्वणी (अकाल कार्वावाहरी) ती कुकावन कारिनी (जी कुकावत्म अवारिका), इरदं त्यमंत्री (ककत्म ने मी [प्रदे]) उत्रमिला (की प्रमाते [आसार्य]) ती गा (क्वातिव वस्)॥ ए । स्यक्षी दाकार्य (स्यक्ताले स्थरं) नी नारी (ली स्वी) करक-कप्रानित्र का बीलित (काम अक स्रियं कथ्यवत) सिनी म (मूद्भाम् छ १३ १३)

ड (या कि क) अवस्थानाया (नाम मार्थाया व म्भलभ जार) यर व्यक्त (द्वारा व प्रकरि) क्यान (अकरि अभाक) हु सु ि (हु सु म कार्य [किनि]) डामुक् (डाम) में भातुक (मन्त्र) प लयड (य आर्डामं) कार १ व्यक्ति । ठामुका (इनमा कर्तना) लाखुने व (द्राप्टा क शिव्ने कविशा हिला विवर्) श्रिमणारी भावे-कर्म (अधीमने ७ ज्यमात राम् कर्निगरित)॥ उना यन प्रार्थ (यहि) नुकायम नत् (क्षीनुकायह) का निका हरारी (धमुना व कात्म) विदार्वः (विशव-(रह) मिशुवर (तमारिव मिशून किर) विपृत् (पूर्वी दूर), वित्न भाव्यु न १ अमे (अव्यू न अतम) भठर अब्द (विन् ए), अब: मुकाविनः अले (यान) उ मुक्तरान्मम्र) अक्टेरम् (बिल्स [नवड]) हिल्ला: १. वड (यन में भन्न) लक्ष्य 6 (वक्तर ररेगाहिम), जयाम (वास ररेम 3) वाकायावियम् मि (की ना का का के की वियात) का ज्या नक में बात (क्या नक विदिन. (आराबंद) ound (द्रम उद्गास्त्य) ॥

वी द्वार्वार्व मूठ: यग्र (विभयः] व्योक्क असर) हेटक: जिक्रम् (विश्वाची क मजीकार्य व मिटि आहितिक सम सम कार्या [अल्हार]) रच्छा-याळिणाती-वृत्भः सह्मं (विप्रमा अविश्वा ७ मिल अिपम्यीलातं प्रिमिव डार्ष) व्दारम् एवर (लम् कि लम सम्म)लयर् शता आतः (अभरा सार्य रूप्यां मः (जिनि) क कार्यकार (मध्यान बात) संभः (मिम प्र ड्यंग) अवि क्यामे कं - खड़ार- १ वेप-ने अ-अन्। यम- न क्राडियर (जिल विलान निष्मु, डेक्यू भन, सहमा अ अन्यू भारत न मका सर्वाश लिलार रक्षान क्षित कर्नेत) रें तं (पूटन भारेमा) देसावलाइ (सम इरेटन बारिसेट र्रेया) रेयु का पिछा ने असामिक न द अरामिक: (कारि हटन मार्थ सम्बद्ध रामा मार्थ अक्सल मू रक) त्रुं (त्याडा भारे पंहित्य)।। मत्त (त्य सर्गात) श्रेष्ट्राक्ष्य (ज्या श्रेष्ट्राक्ष्य) 60) मर नव (नक min र) कार्य कार्य कार्य कार्य विवासिए. क्या (लाइमार चि कित्रम चमावः) घटमी (वर्वतम

प्रिम हर्ना क्राम्यान (मम्माक्ष्र) लाहीन अरम (अस्त्रम माना लाइड) त्रान्त. (मूनाविलास) दीर्धक्कानर् (तीर्धकान वर्षह) म्वल-मम्बार्यमणः (व्यास्मारम् आरिके) पासु (हिलन) , बारे (जान) मन्छ: (अभीमरे) काड्या: (काड्डाटा) वार्न म्य-विष्ये (त्ये अपने प्रायम वाकसरे) हन् : (का ब्रिंग्डिं दलन)।। विवा विश्वासि (ममेमानं असमाद्र) वि (त्या) ट्यां व प्राप्त (ट्यां व व प्रमान्त्र) इप्र पर: (प्रााहित्त इक्षिम्)। युन: व्यक्ष (अबेम्पदंत (अमू) हार्द्वराम् (अमू म) कम्म- देक इसादि (अभ ७ कंत्र मा प्राटि भूका)। क्रेम ९ (मिरका कार्ने) मुल्य (मूमका) मूम्मेम्न हार्न इ - डे गरी अरे तक (तन मांच न मति (रेम मर् र सम्पूर्तिक अने मार्ड व मने एपरे मानिमान देश भाषन कविया [ववर]) मैटियम के बार्ड अर्ब कर (मेटल रूप परिस

हान्ते लेक्क) मन्त्रामित मील सम्भा (अनमान लक्षा रवं व चम्रावं विभीतमः डेल्लाप्त महत्वरं देश र त्रहत कार्या [विवर्]) क्रिन (क्षाना) (DAY ON) NA GEMANS (DOLG O'CH मिस्त कर्द्रम का अविषे क्षित के का नि क्षिण) भू राजि (विश्व कार्टिट्र)।। मन्तर (मारा व) यान्यर (वस कालि) देमार स्व-का बका पि (भूवनगदि विचित्रे श्राष्ट्रमण अग-कालकादिशाया मूल्लाहिज इत्रेया) भीर्यभार्य-अव-नाकाकी व वमापियद (धमृत्वम, रेक्नम, मान्या वस व प्यान मानियां मानेसूर नार्गाह) माना स्त्री निर्धिष् (यात्रान्] विविधि भाने विद्धि उदेश्मर् (जीव्यू मन) ट्या पिना मून्यीम-यिक बा मिल (अय मार्का मी डा बड हिंबा बेठे मार प्रदेश अर्थन वारमाया) हिना नेवर (विहिन्धार

9 > - 901

लाड्य मे (यादा बाद १०८६) भी सुमढ १ (गाया के श्वास) कर्षां कर्या सामकर (कर्रावं गारं 27 पुल्का साम्याका माना मिलाहक) ' विश्वाव-यर टिम् बंदर (दिस टिमें के का लियं विश्व में के [नरं]) गामल्य में बाक्षव-क्षा पठा-केंद्र (विकिश कामार्थित क मू अमार्थि एक न डा कुछ -नाविकान अया अस्त नर (अन्य अस्त न म इसेमाट्ट , मिलान) भीरन भीरन (कालिभीरन) रेडमेट: (इडमेट:) सराक्तिमी पर मेग्रीमेग्रक (मुलाक मूली में भवाल दर्ग विषय कार्टिए निरुम्) व्यक्तिः (अर्थन) दिकालक-क्षष्ठ हस्रक बना सादः विविध पिया कप में उ हाम कर व तम व लो व छ) अमुद्रः (विसेव डेंग्डिट) लगावर लमें (म्प्राव) ज्ञार्स र मंग्राम्य) ज्ञारिक: (क्यार दे में द्वारत) त्यमवर अवास अप्रेसर (अस्र विने भर्त । व्रक्त ११ (नवर्) (क्याक त्या पडी ग्राम । दिन र (वाक्रमत हेन्द्रांमाम डइटम [डिङ वस बाल]) रे०४०: वालामापर (वार् विति विकिस रे उ ४०:

ाडा के छ उड़ मं) लाए सर्वासा ना के नु दमा क्या त (श्राव कार्बस्पाम देवस यमार्थ कार् हेल्या अव क्षेत्र करते निवर मात्रा में कि) लाह: (हें द्वारासी है) भार्ष् (ध्यमात्राह सम्) देन गर् कुम्हार (कुम्हार माडावायुंड माला एमार वादन कर्त)' वात्रिका- केक्रामण-विवर्धिती (भीश्रासाकृष्क व ध्यानक प्रायती) मा (क्ले) क्या (क्रियम्म) व: (काम्मिनाल) अध्याष्ट्र (अविभासन कर्म)॥ [अत्रिक्षावरमव] दिश्वावम् (दिश्वावम्) कृषाहिः (कुल मन्ड) कमप्रम- प्राम्य- कूलि: कान्छरि: (कनश्भ प्राव्य ७ काव्छव वाक्सिलेव वादा) याह्न (क्याला में र उन्तीं) प्रमें विद्याल-तिककारमादात (नव अक्ति छ कन्मकाविक टिमें बह हाता व्यक्तिन खेरिक देश के के विटि विवर्]) कर्मा त्यार् श्रम- लडू क्या दिक-वत (कर्लाक, डेल्ला उ लग्न इ जिंक सममत्ति) मा अर्थ विश्व का मा का नियं के भारक) हमीडि: धार्माक्ष्ण (ब्यमीमार्यन

अर्थेड) निड् (अक्रमनिडि) ममक् म्ने (मे पद अवसे) लासाया रत् (म्हल्य मार हरकार्य कर्निक है। क्षेत्र (कार्य के कार्यम् (करे) भी सम् कृष्णवाम (क्या वृत्या व त) वा वा क्या के वा ला किए - प्रवी व -हाता: (क्षीता वा के दा का का वा कि म् अर्थ न न त्र), मिना मिना (ध्यानि सिष्) कार्ड कार्ड नू अ (कड लाड) प्रतः। प्रिक्ष - सम्भी-हामा: (प्राचित्र निर्मा कर न एंडाअम्म रे) न मार्ड (विभ) भाम ना वर्ष्ट्रभाट्य), कानिमानाः (कानिविधरम क्षेत्रक व मी बार्बान व्यवस्त्र (भ) कार्व करि (कड लाड) आन्दर्भः (विश्व) राप्त्रम् हे हैं दे कि टिमा का : में राप त अम्मत न बीन वर्ष जा विदे ना विवान कविएट [नगर]) यश र आप र प्रदानिती थू (अवयः उस् यस कर जिल्ला अन्तर्भन्त मन्त्रे कि। दिवस्य मित्र के कि दिन में न (मान्त्र हिर्दे (कल काम्प्रेस मान माहित्र मा विकाल इरेएटि ।।

नेता लाउंड (owy) अल्याम हें के र पार के साह-प्रका वा-वा भी-कूल-जडाम-। त्रिक - प्रवधी-बप्न मृती विक्ति : (१७, भकी, उक् नवर-इन्द्रामानिक्या, भीरिका, क्य, ज्ञास, मधी, प्रदायन, नक्ष्यती, नक्ष्यपि), कालिला: भूगितिय (प्रध्नाप्यित [वन्हें) ७६ मकरात (उसरी) वर्ग अनाम द सु मार्त न अर्थेड) ना था-द्रार्वय समार्थ १ (जी ना नी कूटकन स्यम्भ), याक्षिमः (आक्षिम्यमञ्जूष) जिल्ला के का कर (मिश्रिम की कुमा करत न) कामान्न (काम कान)।। क्रिमा प्राप्त विकास (स्थाय म) विश्वश्वर्मभा (विश्वविश्वाती के जिएगामीते व्यांग्री ने) अभारत्य भर नव (क्ये के एक व अविदे दक्षाते) धाडा वं (क्लापि अम्म) वयमा इसीमें (बर्भाय करे), व्याद्ध अपर (अपन) कि। केर श्री क्रांग्रह (यर कि। कर प्रेम आपनं वस्तापि), प्रष्ट्राहिं (ट्यावन), वव-सन्त-वास)- विस माला वृत्त- असे अपूर् (देवस मका)

साना ७ असुनापिव अवन), मभी अन्य हरन् (अभीड कार्य) जिस्तर (अस्त [-120]) मामका (मनीक हक) अमरमा: (अपमातन) सर्वार तर् (अर्थ) आवं (क्षा में कात कवं)।। उनाए काम परकरिका में के देखि अम् वाका ड: (भारान भान हानिकार पर कि किए प्रकेकार म्म्य (उठ्दे) दम (कामान) (मार्च नार् कामा (ट्यार्थिन वार्टिड) वाहु व्यक्ति: नगारि (यान सका ब्राष्ट्र के विशेष दे में में में जिलकर्मा) भारती का (वार्डी का) हर्रभी का (दुस्नी (क) चालुमें का (भालुमें का) जाना वववानेनी का की (जान क्लान मुक्त की दे वा (की [यर स्वा भिति]) मया या भारत . नाम सत -वाउप छ। उ विरम्म द्री (प्रवादमा अभागमा म्पायं हि अरक उ कार्य पर (दार्य करत्र) [लेट]) नुसावना भी जनी (नुसावलक्ष्य) न्या ग्रम्) क्य (वारकार) द्वार (1863) भ्या (विवास कक्त)।।

िकामी कमार (करव) व्योव्यानिष्य (वीक्या-व(त) की संस्थित में कि है। मुर्व चान (की संसं लगार ध्वप्या १ सेल सर्दा) वर्षाक लाया-मगर् खासाक र (ज्यीम का के लायका मेठ खासाक) ००: पव (खीश द्यां प्रकट्टर एक्र) निर्मा वर् (मिकाकास) थाडिन क्ष्र सुम्मी कर् (ये मार् स (पारंस = यम्) । हिन्द (। हिन-विका), जदाबिय-जद्वमाद्वममानद्वात-राइसकर (जिली म जिंगक स उ द्रारान थिएन असामित्रस्थ कम लयक्षां रावं उत्तामी, [य बढ़]) ब बढ लार हो कु ह कि (युर अ अ वस रेखे- बसुब) ध्या हिना वि (ध्या हिन कर्य १)॥ 601 [wil] कमा (कर्व) अविकायम कुन् की मिन् (जीन्भावतन क्नु मसूर) प्रिक कर-मूर्लिय-मुम्बर्य मार्यो राम क्षार्षि ७० (।म्र सैब्युमर्थेल शरभवंत ट्यांचर्रात व पावण्. विवाद्य व्यादिकीय), मुक्तर्यो वस अविवयन-क्रियां कारीका छ (अडिअर्थ नव ट्योकटमन आर्याल लाडलाड विकिं अने डमीयुक विरही

न्त्रास्त्र व्ययमान्त्र नान- वद्तामी हिः (न्त्रायहत्त्र नवीत धन्वामयम प्रश्वक्रमानाम) धरा-(प्रामित्र (नमात माकपर्मक) वर (०५) दिगु १ प्रशः (दिग्र क्राजियं व सुरक) नेत्र (मली कार्बव ?)।। पक् (काम पक व ममार्ग क्राम र द्वाम) यम (यात्रात्र) कववीर (त्वती वक्षत्र) वीक्षा (मर्गत कर्तिता) थिरदे वि (नाक्षेत्र इतं र निदंस मी) क्षण दिल्य द्यान क्षण क्ष्य हान विषय Cस्परंप व से मर (स्पानंस से मस त्य) ' थि। कुर (क्य लक्षर क्याकर्माय) उक्साम् (अ. (यात्रा स न कर्म) किस्में (त्यत्र वर्भिष् क्षयर्ग्य [ग्राव]) में ट्यू (प्रेप्टरं) किक्रन (कर कर जार्मिर क्षकानिका 3 बक्क अस्त मित्र विद्यात् (माराव र छ राष्ट्रिक व विवर] कि कि (कर र्जान्य । स्मारम् अ वा सूर्य) यम् पा जि-यन्त्रे की: (त्राज्ञ दं त्राक्षिका व्यास टिम्स्य शहरो. परकार प्राक्ष करतं]) इति (च दंसेल)

सम्मन्ध्र (अम्ब्राम् प्रतक [त्य करि]) सिक् स्क्रिया (क्क्रुयार्थ) अभारका मं स्म-हैं सप् (च्यु कि कि एता व च अ: फ प्यं हैं सप् स्था विश्वक्षात [०९ (टार्स) त्र यरामे न् वर: (सर्पमल्य ट्रांच क्रांग्डिस्स प्रस्ति) (स में बंद (लक्षां प्रकृ लक्षां में क्षेत्र)।। लर्ड (लाडा : [मार्ड]) रेन्य क्या : (र्बे लाका कं कार्भ के कार्य किस दिवन में में के (अवस त्यायम का (मलम श्रायं भ) मिलामिक-टमाडा समन् (निन्ह न जिल्मारीम विष्टिः (पालाब्सावकावी), करककाह (स्वन-टमोड़), नवानमं डमी व्यमं (नव नव कार्य) कल कि वमं नामी क्रियं (क्रियं निक् प्रव (कांबन कविया) बीयमभाता (तिक (माधाकावा) विग्रम् वस्ट्यापि (पिक) स्तमा, वस व लयदीय का रिव) संस्थानं ठ (लाडा वर्षत्र करव्य), हिमीष्ठात्र कुमर् (म्यीमार्यवं विमायकातक), ७९ (८१) निम्मिन् (कि अभीय निम रेम) रामक्स-

1-21

बनाहः (बीर्यावन सारमं प्रकेष दंवरे) सिनड् (लड्ड इहेन्ड)॥ मववापिक किलाएं (मवनमध्य के लाच वाम - आयो), मृज्यत्य प्रवृत्वं (मरीय ट्यम -अयार मम्क), मन न मम मन्यान के नी थि-विशाद (महीम व्याप वृष्णवतम विशाव-वण), नवनव-धुक्ताडा-झाई नी नेर् ई वीतन (तक तक विविध लगा प्रार्थी व व्यक्तिय लायनं [नवर]) कथक-ववंस्ता(द (मेंब्य व अवक्र्वं भारत हा हिलाया) (क्रामाङ्ख्री (क्रामाङ्ख्ये) (क्र (क्रामान) द्यात (हिट्ड) सार् (धार्मिट्ड इडेम)।। [प्र प्राम | मिर्म] कुकारिया ([विज्ञात्मा] मिन डेस्पाल) निवन्त (हे अरवक्त कवारेया) वश्चित् ि एवम्म (विचिध विभव्दाण्यक) भूरे भूमकः (रामाकि क कामवाम) व्यव अः (निन्दु मं) हृ बुछ: । भ्रिक्ष : ह (हृ सूत्र उ ज्यानिकंत कार्नमा क्रममाल (जाडिसम् -सरकार्व) सिमामाः (जिम्मा) लाइं

(प्रायक) वट्य ग्रेमोब: (आगाम मीलप करवं न ि श्री दिन्दे] कार्य का-नाभवंगी (न्या का का कराएक) हवमा सर (अस अ (अस) अबिदेश (अबिद्या कर)॥ (रम्लां वार्ष किति (तिक हित्त) पामा नामा: (माभा विभाम विष्ठान व्यक्) वण जिल्यम मार्थी (त्र व्यक्त) आजिम्म म मुकार (क्रियमम्क) ट्राच्याम्बन् (ट्राच् क क्यामवर्) वह (त्र्य) किट्नां वर् (किलां) मार्यापर (मृद्यामार्क) मक जा सून-अल्लाः (मक्रमण, जासून, ब्राम्ड), कारित्र मानितिरेयः (कारिकामन नित्ययन चक चिक्टी) सर्बुव्यात्य (क्षेत्र क्रिकंशकं) मार्थ अविषयं (मूलव्डात अविष्या कवं)।। वित्र (काल्सिपानंस वर्षावत्र मार्कितं) किलाशह उस्त हा संसर्दिः (केलान-कामीन विधि मूमर्न मल दर्भी मूक) परिं: (धलेवाविश्वाता) विक्य (विभिन्न ब्राह्म) धानका श्राक्ष कुर्व (कल्लेन्ट्रा नियम

कर्नम [2 वर]) रकारमकाकाका का दावक हार बीही। इत्मायन भाने भूवति व मी। ही-उड़ लंडादा) दल धाला: (दल दिक्) मिक् (जाडिशिक कर्नम, जिल्ली) ट्याचीएक छेउ-क्टबेन (लाइनमं त्मामार क्षायम स्वादन) ण्ड (अरे) निकाहण्ड (हिन प्रमुख) अर्वाम (क्षाचा) मुका वन् (मुका बतन) डक (मना कर)। एका न मनिलायणवः (धम्म्भा धयलावमानी) लगंड (तर् मार्केक) र्रमश्री करंड काल क (अय्टालक र्येमा ७) सम (धारम्य) मतः (हिं) म धार्वर (धाकर्मने कवित आरवंत्र नारे), धरमे (छिनि) पिका कृष्टि: (भ्रास्तर्द-स्ता) नम में में बंदी (वा वं का में) हिन : (वियान सात [किया]) थमर (विति) सर् में बुं ि (सम्बान विवाश मात्र रहता व लासक हिंड लाकम् न क (नं न पाई है चिक्ट) अर्व प्रकृशामू बी-वतवट र ह (अरव उ अर्यायात) cm- (m विका- मुक्ति: न (क्यूमरे, ट्यामिकामते ७ मूक्त्मतेन भाग

आर्वेच्छ रहे में व लिए मार्च मिल व्यक्ती करसम नारे), पू (किंड [किंग]) मार्थिका-क्रमाः (जीश्रीश क्रम् विशाविक लारे विश्वान हिंड दव्ते कार्नेश (हम)॥ भार्यम्भावात्रिकाः काल्य (कावान मार्चे मामन लाजका । शर्वं ब व वं (त्यं स सर्वे वं) प्राप्त का तार्कर् (भावक व सु मस्ट्रिय अ सादक), आश्रादा राजिन्ता (भाराभाव-क्ष्ट) , अकल प्रश्नाव निमा कुरु (मिलिस बिहिन मून बानिवंड विम् जिनमे) मुविसमाविसम् (ज्यानिसम्), व्यापम (अ) अरस हे क्या (यत (त्र) नक्ट (महिन्म) कामामाराभाविः (काभाषाक कागाउ: विश्वामान) व्यार्थी (जारावर शक्) म्यावतर (की म्यावन बाद्य [बाडिशिव]) वर् बवाड- गूरमाले (अप्रांबर नार्क द्वार (अरम्म) किटलारम् (डिलान्) व किलानग्रामाद् अभा (दर्भन कर)॥

6-6-1

सर्वसर्व-अम्टाबस जीम्यामिट्याः (अवस्थान् व 501 आर्म्स ट्रिस्म्माप्रिक्ष ने) धर्म (क्रिक्षिक खक्लान) काल्बन्ध्र (काल्बन्ध्रीम) वेपड (यरे) मुदावताआ, डांडि (ब्लावन काल वास्टि रर्ग क्लाह्न वार्टि (हे विप्रमा) ज्य कार्स (जेर्या मंद्रे प्रार्थ) क्राम क्रम १ (आमटल व स्मार्था के) लामिल ट्राने क अग्रेस वीस (धामन्स टारेश अग्रहार्थन) प्रवित्तन किट्लान् प्राप्त (कलर्मन्य-विच्यम किल्लाकी उ किल्पियम्भवतक) भागवाः (शेमन कार्य)।। िगरा] देवसे सक्त स्वास्त्र अव प्रवंद (करें म वरें मवा-मानिव अभारवाल अग्म भारताक्ष) । निन्धु १ कड़ा कि (ट्यम्म इ नियंगति व विद्यात भूमात्व), हिक्कत त्राताव्य प्रभूती ठाउँ (व्य भाराष्ट्र स्पिडाल विश्वि देळ्यल वर्षामं), लमणी भूक कू काराजि (भागात केटी सर्वेश सामार पाला निर्देशिक) र्टियादसमंबर्धत (एमस्टार समंबंधप रेट्र कार्डिएट [नक]) काहिड: अभी जा तका नार तर् (हर्षि देवस विकामाने व्यानायम कर

इंदेश्या ' (मास्) भेषा के का ब्रांब क्ये वें क्ये तं द (अ) श्रेश् के किंद श्रेश (अ) [Cur]) र्मा वयर (म्युर्मा बार्य) स्रामाध (श्राप कर्ष)॥ उन करानिकी-विभूत व्यानिन (यधूतान टारे विभाग 221 भूतिन मूली), आह वृत्यावन भी: (बृत्यावत न (अरे लाजर (आता) व्योक ने खे के वापूर् (केन में-क्रवावित) आ (अरे) मिविष्मिविषा मूळामा (जाजितिविड अत्मवश्र हाया), अर देव दक्षीयप-तववमः श्री-श्रमिष्ट्रती (नवट्योबतला निर्मी-एसरे दिएका मन्ता अम् चिर्टे) कि प्यांच न्याता (क्लेव उ नामधार्म) (उ (क्ले) वामिक मर्भी (बममम कार्विम) कमा स्मारमम् हमा (कातान वे सिन्त किएत मुका ना कर्ष है)।। र्मायर्ग)आरमः (चीर्मायतम् वर्षान्यती उ Dol ज्यिनिकार्यत्) अठा भं ् (अडि जा भं) दिवा वा मः (पिवा टमेंबड) अभग्छ (विस्व १३(७८६), लाक् सर्वा : (लाक् सरप्रकात) हा मः ह (त्राहि -बानि) मिर्नाहि (अकानि इने एटि) ट्यम्ने: (विश्वम जमार्चाड (यरमण)

माना-विकादा: (विविध विकाद), अलियम् (कारने करते) आर्थे ही नेप्र कार्यक : सन्तर (समार्थक भारते ही कराय) त रश्मेनार्थन हिंगी हिंगा (विश्व न (भी पर्मामक), निव्वाधि विविधिक कमार्थालीला? (तिवृद्ध विक्नाणः वर्षात्र कलामितानभाव [हेम अ इसेट्डट्ट]) ८४ (धर्मा म निर्म मकन द्वाय अवर हेक वं मिकपून(लय) भदर (हवते) कापि (कापट्य) प्रधानि (छिता कर्वत) जात् (अहे) हिंदिहास्मर यहः (कहे अहम् सार्ग स्रा अक्षमाने (क प्रतेम कर्ने)।। 981 [क्या] मच (क्यात) त्यां मं मार्थन हिया- किल्माव व मेंड (टम्पेन व न्या मक्स दिया किट्लान् नामन्यू भेता) प्रदा (प्रदेश) नवनव-कानिविमारिम: (तिक) मूडम अ व्यामिविमा भ आविश्वाव भूर्यक) विश्वकृषि (विश्वाव काव्य , [क्रिने]) ७९ (अरे) रुका समर् यव क्र (क्षित्यायत शाह्यवरे) एक (टमका कव)।। ग्रा राम (त्यकारत) त्ले मिनाक् एको देव मानाकृत्को (न्युनाहाकक एक नाग्रामाक एक व भाग्रे काम्प

अञ्चली एक लाई) मार्ग (अर्था) वटले विद्राल न्त्र), धार (धार) ब्रायम् रेव धार मिर्व वर (बेलानामं यामंत्र कार स्वंत कार्य कार्यमार में भाषांत्रम) २८ (०५) रेक्सवपर नव (व्यक्तिस-वलवरे) यल (सम्मा काव)॥ यागा ३१५ छो: अवंद (स्पानिक छप् ममेर्डिक कार्टाक) अभव्यामण्ड (अमम्भाम), अमन् (मिला), लकारं (लम्मा) ' लम्मारं (डिक्स) ' प्रत्या-वरभाद (निवर] अवस्तर किमान्यसंस) किन (क्यम एक) अवसर सक्त (अवस सक्त) आए: (क्मिंटि:) = जाखनीलि (क्षिम) आत नार्याटि, [९ उन र]) लामी क्रिम बेमा मिका (हर्ब क्रिम-न्त्राध्यक) मुहम्द्रलाय (प्रमानिकि) धरा-सार्वे वृश्चां (स्ट्रामि र अवर्र) विहर (हान्ने व्यक्त) अवस्थातिक (अवस्थातिक) मुलायम श्री (ब्लायम श्रीद्वा अवना क्राल) देखि (दिस् इरे था (६म)।।

中で आमहर्यक्रम अमृत्र छात्रिः (विहिन क्रम भूक्ष भारी। 291 मड मार्कः (किर] प्रवेद) व्यानकर्ष (क्षाप -भग खाजामार किंग के लिया बंध भागमार ने कर्नाम्हान र्यान्तेमः (म्यूब्र) अव्यक्तकारोतः बदाकमन्द ।) आस्ता-मड-मर्च्छानाने-करा स्वारेतः (अयू अङ इयद्भातन् कलाइक्त-वादा) श्लार्गावीड: (श्लार् हा), क्रक्रियः क्षा कार्य) निका लक्षिण वर्षिः र विविधी एरिक् ७ समाजा या विश्वादा ने काउँ एक Gu / करे ब्यानित विकृषिक विकेशमध्नी)॥ [डेड ब्यावन] जमरेढ: जीक्काब्रिंग- दिवर्गक ज्यमी-26-1 त्वारः (मुर्कत्कव किंग प्रियो त्या म कामका. अकान जूनकी) अस्पति: (अस्पन मुक्क) द्रान हमाति: (श्रांकिकरं कुक्ष), अमारि छ : (अमारिक) कत्न-क्यामार्वित: (क्सूटक्स्यत्र) दिशासक-मुमानिकाणानिमिते: (वय दिग आनिकाएन वस) वसम्बर्कः कार्म (ब्रास्ट्रकः) क्या (240) श्विन त (: (अ) क्रक मिन) यहना

(अमर्भ) मिलः कर्षश्च: ह (मेल ७ कम्यू ज्यू -वाति बारा) बुल (भाविष्टुण दरेश) नावि टक्ने (विवानभात वरिमार्थित)।। उउप काक्रत- देश न प्रावका न प्रति पूर्ण नर्ध मुती-नर्द かかり (बियाबट्य) भूगर्र, दी नक अवकण ७ त्वेप्रधारीयण श्रिक् अ क्रेस्ट्र) प्रसामिक किन प्रसान का -क्रिकेटिक (समस्य मर्वस्त अवस्त्राम् मुण्ड करन), महामिलारमारकम (महामिल प्राथ-अपण्याता) ८० (वार देव: (विशक्षेक) मानाविन-गुनीलिं! (बिडिन नार्निम किविन रिमिन) टमाज्य विद्या (रेराव लगाडा वर्षत कार्ने छाड िनवर]) अव्हः (अर्च) स्त्रम् वाम्य क्रिन-्रमेव (क्रांट्रिक समय द्वार व ट्रिकेट विशु १२८०(2)॥ िट्टा कर्पाटबार्जय- में व्याय- के में सामी अहतू-3001 मानमानिमा (करमान हेन्यमा मण्डीक उर्मन-अपूछि चिकिन भू अया किन (माडा) , वापा छिये. विश्वं मूलविहिटाण्याम्यास्यामार्थेः (व्यव बिशिय विश्वभार्य कार्यस्थारं क्यवं का

मिकारतक-प्रविष-प्रत्वाणिः (बय मिना नर्मा ७ भारता वर्ष निवर्]) व्याचारिका के कामाः व्यावाद्या कटक व) वर्षामाना काहिः (अग्रंभ व क्षाहि-म्मक) जाकरेणीं: (विकिन) कमकानिति: (पटणवं म कामिना कि का वा) मूमर्ट्स (काकिन्द्रेन ङाव नियं का के मा (६)।। पिके क्यांयम प्रवर्ष - अविकासिट : मिल्म शिष्ट विकासनीय), गयमवादमारि : (वाडिनव ट्रे व ह नावी) बार्डि-कानम-भात्रिका-वन-नय-ट्यार क्राय मी बले: (कारि, भूकी उत्व विकामित असिकान वम), वामही-नव किल्ली-यत - गर्जी जालि कामते : (बामही रक्जिकी उ नन्ता डायम् अपन्ति वन), बीबही-वन-बिलिका-नवत्रप्रध्यलिका-कातरेतः (कीवर्टा, मिरे उन्हर ट्लामिका व्यत) देवीता नुवल्यालेका-तववतं : (विक्रिजिड नय लाभ्र काव न्वत वत), मुभूतिम् भी वर्ताः (अर्मिक्षक वर) व्यारेश: (भ्राम), क्वतीर्कः (कवती) अस्वतिः (अस्वन)

>0>=





EXERCISE BOOK

NO. 3

THE SALL THE TELESTANCE OF THE SALL THE THE SAL बर्कार्ने नार्वः (कार्ने कान्), समर्क्टकेः (ब्स्मोम् इस बक्), इस्टिन: (इपवन), ल्लाक-म् ते: (ल्लाक नक्त), क्षक्रकः ्ड्रबंडम्बर), इम्बर्कः इस्व के , अत्रातेः मूनअङ्गरे: (अक्तिंट म्नजम) ममनते: ्षसमङ = वर्] , पिटेगः (पिन,) मिन्धिन. करेमः लिया व कहा विषाना प्रताकानि (सर्वाहे प्रवेशमाने व 160 आ कर्म कर्म)।। २०७६ [डेक बुकाबन] काडिक: (मर्बद्य) खप्ताहि: (ध्रमी-लीत), छन्द्राहि: (छन्द्रतग्ठ) ह्र श्रीसूममहेन: (अमर्भ) कमर्गा तं व वाना) आम्र हा (अविनम द्यान्त्र छाव वान्ने कान्छ हि निवश्थितिको व्यक्तातम् द्राक्ष ट्रायम-क्रमकातिः (क्रार्टिम् व्यानम् वानिण व्याचा वालाः की छा ७ कन व्याप्त १९ रेम : (१९म) , शान म- हक्त का का बिभू ते : (भावभ, हस्तकम्भल), कात्रवारिए: (काव्य-अकृषि) अटमः (वाक्रमते), कूटिः कश्मारमार-अस- अल देक व व - म अर प्रक्श अ मू रेन : (- वर् करला व उर्भम, अभ का उ किन्य अव्हि वा अर्भा अक्ति

मुख्यम् म्या भारत्यम्या (भयम वस्तीया [अबर मित्र] कन्मल पटला करेंगः व्यामहोर्यः दान्या विकासिक ती दिन के किए कर कर्य-प्रमुक्त विविध विश्व (१९) अक्रमाध्य म-अवात्र तर नी- विकुर्ल दावर्ग (विस्क कृष्णत्-मान वटाव अवार मही जावजन विलास कानने करन्त) विश्वाधिकारिकी छन्द्रीतन क्षाद्र भी जा सुप्रम थिया व ब्रूमाजम क म का भी व्या विकास विवास सर्व काल आधारतीय [अवर्] वववज्रवक्षा (भारावहेडम करे हेडम बच्चानि घारें), मियामा (अरे-विकित कामिला (धम्माममी) त्या क्षेत्र्र (य मुकाबतटक ट्याटि क्षेत्र ने काव एटिन)। िठेक बुलायन जिल्ली मात्रा ल्ला छाउ परक परेव: (अविस्ता इस दिन्द्र अपनि नि के), हिट्टा भा-म्जनिकारें (हिल्का जिस्य मुक्षा- असर्गनारी) कतक वृष्टा साविष्टा दिए। [७] स्वतवत्रा-क्या अत्यामामिती निम्मसूट्य म मारवर्भ, मूटलाडिए), जाम्मरेमं (विहिन) भारेमकरे :

रान् मन अर्व कार्य मार्थ) अव्याम में व वार्य -मछलबदेनः । व्यक्तिव वि.हस लवाभावसभूर-हाता) , क्यानक में बड़ करियः (बिकिय बड़ कुक . सर्वाना) मामानवित्रम-क्षर्याम् मृतिः (बिविधे निष्ठाम अल्लाकी मार्ग निन्द्) वानाह हो: (किनान विकि अमर्बन म्रहाना) टम्लाडेख (मूल्लाडेख) II डेक्नीनउप्भग्रामार्ष-व्यावक्षित्रः क्षित (प्रश्न द्वार कार्ग प्रथ्य प्रश्निक वि हारा क्षित्र), जाकात्भारम-प्रभागावटक (ब्रतानं र मुक्तनारे का मुक), डंक्क्वार-मूली- हिलिए (भन्सन्सतीम रूडाममस्र-वारा विद्यि डाया भन्ने , ट्यासीनम् नम्यू -सम्बू छ - प्रशक्त क्या वती सम्बू ता (मिणु विकास-भीत त्रामम् क क्यू नार्विषा न मतायम [Tas] own - ow in our us (out ou उ अभीमार्व अहिं) न्ता (मम अक्रिक्क) कटल ह व्यक्तिक म मूल्या हिट इसेगा) प्रिंग बता (अरे मुखा बन कारिना विकिन नाक कहिंभी रहत)॥

>०१। डिक बुका वर असराहे ब्राह्मि वर्ते पहाडि: (जिन्नि विहिन्न वर्ग सम्बन्ति री) कियानं नाम-अमाकरेत् : (दिया प्रांचाम ७ भागा द्वामिका) दिगकि लाय ट्यार्य वमः लाखा ह प्रव्यावि छः (पिक किलाक्म्सातक सत्तामुक्तक व वयं म अ (भो कर्षावा विनिध्या), दिवापतक कमार्छ-टक्रोलतक् वार्मिष् (विचित्र मिन्ड क्रार्मेयूर). माना लामक ला मेरी [नवर]) तिम (अमरमा: (योगेशक क्षेत्र) क्षालाः (त्यम ब्रंस विश्वमा) क्वामभाष्टि : (भी कार्वाक सनीमनेकर्क) भावं साञ्चल (विद्वानिक इरेग) कार्ट नामिट (कार्ट शरमम अव [अयाम काविष्टाच्य])॥ मित्रादान काक त्यानि हें डिंश (मिल्यु दम्म प्रताद्य) 2061 वती ज्या वत्र अरायाम देवः (अरीत हे प्रतिल जिन्दी-मुक्) , तमार्गाका व- क्षी सुनम्म क्रक क- नममाका-बलीबाउटे: (बटमार्व स्मिप्त आवक कक्रकर देवर मुकारार), जारेक प्राचितिस-

गडत कर्तः (गडम्मनक् म प्रमाद्भ कराहि

जारेट्य मी श्रेटमाटम अस्कार्य) व्योगात्रिकां !! अत्य-न्ष्यां तिवक्त द्योक्तिवदे : (मार्मिका न Waster नपु ७ अर्मभ्य नियक मुख्न अत्र चित्र भारतमा) काछ। (तिव एकं का छ भारत) सम स्माइते: (अभएन । भार मकान कर्नम । म मित्राता (धर्णक्षक्षत्रप्रमान वसनाकत्न-खिमाना क्वाल: (विम्टम मुमलव स्था क्यान-अन्तल वमन, दू भने उ भानादि भागा विद्याप ररे मा) ७ छ असी सुरामे य- त्यार म जनू रनरेगाल-ब्रिन् भवाकः (७ क काकताव मान कार्यन-वर्त अलाइ स (पर्व १ त्या वि: सून्यू का वा अमर देशात्रिक कर्नम), या भी कृष्ण-भना या किन-भन्न ट्यारेमक-बीबाईडि: (अविश्विक्षक अपन. लगानिमां अने ता एक सर् माराटा ने मीक पक भाक की यम स्काक [य नर् भेषा] उडि बिना मिका नक समा (तिन तिन ध्याबेक्सट्या हिए बिबिक बिहिन कमारियूके. वाना) अर्थ व में में देर: (मिन-मिन आर्थ वन्त्रम म्मम् मिन् मटहाक विकास करत्र)।।

300.

बिश्नेमब्द समाझ।

>1

र्गमृत्र-काकिमामनानिकः ([ग्राम्सव अम्पूर्य उ मुक्रमेश्यो ममम्स नदानंसाय पेंजैव ३ ह्य -रान), नमामं नीरंग: (नरान आमं नीमम् रि त्यां व्रामक) भ्रम्ब क्योक्सराम्य (नाहितः (वर्ष अस्तरमं वयमं वाष्ट्र प्लाख्य आमुख्यह) वंबस्ती-(कर्में व- है लागु : (म्रारास्व त्रार मम्प्रिं दुक्स स्पुत्ता टक्सेंब उ विवास संद विवास साम [ववर्]) जीभवभीत्र निष्यु द्यानिष-। निभाभ्येख्य-विभी सामायकि - भूल प्राची विभूस - अग्-विवयत- यहे लारे: (यात्रान निजम्दान मार्गेन पार्वे लियकारम स्पावंत उक्ष वस स्वारं रीय-त्याम (बाह्र करें में माम्म में क्षितं मामान बसबस्य विश्वते कार्ब (०८६) मा मिकामम् वव कर्य करे अमरिक : (मारात्म प्रराज्य करेट्यल अदक मार्न), व्योर मुन मूर्वद-व्यामार्भे भीग-कि छिडिः (वक्त्वम् कवक्रमात देळवा बंतिमां लभें बार्म प्याला व्यक्त मिला है। मूला हो किलानित कामर्भः (120) किलानम्मारं विकास आमा), अलियशमां विकितामर्थः

(अभीवश्रिमानं सीयुर्धिम [निवरं]) क्यावास्वा-मैं चारि में कि हिल हिल प्रिकरं भन् क मार्यास के हांबेल लर्यायम कांबेल लार्वियम विदेसली) प्रिकारिक का नेसा (अंक स्वित क्या) व्यानाम-म्बीम(प: (त्यांबावं लयम्बीयप् [नवर]) महाद्वि टिक्स ने में में वर्ष - टेक्स अ- धारा में अ-ब्यद्मः (मिश्रम प्यास किल्पनी अपने म्यातन अस्टिमाधा में प्र [नदं का ज] विश्वासका-निर्धि- नमामिमिते: (निमिन के दक्ता मानिनी स्तिभीमा) (अकारत (माया क (अक्ष कर्बंग [नवर]) वर्त्वत- वप्राच्या समस् वीपक-जीमवस्थातियः (६० में मंश्वेद क्या-विटल पूनकारिका अभीभवनी) काभायण-यरा से राक्त्रावांग (कास्परवर्ण रस्विता उन्मा) भात्रामुबद (एका अत्र) पाणांग 81 [ग्रिन])यानीय खिंग किंदे वीमन यम का बंग बनी-प्रक्रीयः (निम प्रभी अ जिया प्रक्रिक स्था भूमन व्यवकासत्याव सक् काटम) लाहिर विधात्ता

(विधियमी छ यारी) कुर्वर आ डम मार्य- 6 न्य-क्यमें उंच (अवस्वस्त्राम हत्त्रक्षांच प्रामं विवाल करवंत [१ वर् भिति]) अर्ककारं- जव्यां छा-हु क मरा टाने कार्टी का ब्रुटिं! (कार्ड जाने डे क्टाने क लाश्वाहित ट्रिंग कार्यक्र स्था अश्वाहित) अव्याष्त्रवाष्टिः (क्रम जातम् न तक) वी हिष्टिः (विश्वं वाश्विवाया) प्रविधायिवार असमा (मिश्रिम न गय प्राचिक कार्न (एटिन)।। किला नाक्ष न दमायां यमा भार्यी विमालक-श्चिम स्मित्र मुला वं मुला वं कि टिलाटमार्स स्मिन माना (भिनि नवीन किल्लादन आर्निर्धात मूटकामन काम पार्ट का का नाम नाम नाम निका वर्गमण्य टालेव का हिन्द्र नी द्वां मिर्यन मिद्धालम भाविष करवन [242]) प्रमूर्तराष्टि-विलक्ष मारक मदा भारतेक वं छा। जाना (अवि भून अवस पुरुष उ सहवाश्यक संसर्वेत लाजारी मर इिश्वामा) मछ-आक्र- ह्रस्य नारीमार् (भड़ा, भक्ती, क्षे अ ला अविविष्टि) भूतः (क्षे तिरंडरं) टमप्रतर क्रिक्का (भ्रम् क विटिट्न)।।

जीत्मीभाषि- अम्रक्षादिवा वित्यान किला विकासरा-51 मिकाम्निकारि-कारिम्हमश्रामकवारं-जिंग (यक्षी प्लाडी करिए हिन्द बस्ती अरप्न स्मान ग्रायं कार कार्य सममित्र सिक् भ्वया भ) दिवा तिक विकि समायकता-सर्वेत्रास्परिका (गित्र सिविस पित्र बिहिन कल्ल क्या दिल्ली व अवाका का का का [745]) with Caravid (a) \$ 12 Calhi. जात्वरम) मूत्रः भूतः (तिवस्व) जाल-त्यामाक- (बारमकर्ता (म्प्यं त्राप्तं -अष्टिं द्वरं रंग)। काकी-रूलूय-राव-क्षूत्रिमी-जारेष्ट-हूज्यती. क्मियावान-मादिका-आवित्रमत्रामान-ममूक्मा (लिस क्यां पं ने में ये के प्र के प् वं से सन वालक्षे देश कर्य कर्य भागात्राह्व यू उन कत), जी भव भी त्रतिषष्ठ - दानिष - मरा-त्वभाय-सरवाल्या (सिक्यम भूम निष्मुडाम-वर्ड मम्मान दीर्य विभिन् के आकृष् सरमन् प्र छक्ति (भा), त्रीम (बाक्वम-वृष्ट्रंग

(भ्रमिष्टित्यार्भे देवा वर्ते [नर्द]) मॅक्सेन-ज्यात्वरीम्यम् (वर्णवस्तवं स्म्लास-दुक्यम मैक्षारामा स्वां में टिक्साल्का)॥ मिल्या कर मग्यिन मूलय प्रमान प्रति द्वा नामा 5-1 (गिर्म मिर्मे विसे में के व लाय कि कि भयादियात्व महिल) क्रिक्शीड: (स्मेमलंब त्या हा वा) मेंड: (एक दे) मार्मात (अश्रास्त्र मानी) ध्रामे कारिः (कमर्थ-(क्यादिन) में अहम (मीम करनेम विवर)) ट्यस्ति। हत- अच्छ ही हे कम गा (हक म नम्म-क्म अपू (तर मृक्षिश्वाका) प्रक्षीकृष. (अम्म: (जिंगवसक प्राप्ति क्रिया) नी मप (मा करेग करा धारिनियः (नी मंग्डमन कट्राक्ष का काराचा प्रका) राजः (प्रवेषवं) मिल्हार मर्कात (क्रार्ट में क्रिकेट देवतार न करत्त)॥ मबीलाभिषठा किका के व ध्ये देश हैं : ([मिन] 21 यमका मारे मेर राम्या एक क्रिक्रिन महमान-विकिय), मूलीयमा मृष्य मामार्मी विकथापुछः

(मेम्वय मेम्बरायकार कालकात मेमारे) ल्प्याद्यः १ (यक्तायावस्यां) सरः त्यां मधा (अकल व हिल लाकस्त कत्वत), त्याल लाहिस-भूका त्वाहिन देवा मर्गा पार्व गेम (।भीने भूलाकन त्माहिस में किंच थाने आदि में के लक्ष के लागुम सार्ष्त् मर्य क (बंद [तक्]) पार्यमार्थि में -हाक हिब्क- नारिमक विभू निया (येत्राव भवस वस्त्रीम हिर्के हार्म नकिए न्यास वर्ष विमें Courses or solaw on y (Q(E) 11 मिल-मिल-म्राममागण-भरामावनेर्यमामग्-क्रिय मिति विकि क मूक् दासी न एक (माना किया (।धनी भूभेक मूक्तमा धमीम अवस्मावने सर्ग दे क्या मार्थ में यू प्रांत योग पत कार मुख्ये कर्नत), जामूनकन्नाक्ष्णाः ([धिन] जामून-अस्ति) विष्य (प्रविश्व [0]) कार्यम् माडिश्रमम्द्र- बीमायनी- भूमम्-नी अ तमी किकद उप एकिए (अ विभक्त अ मािंदियं श्रेमव भूमवं भूकाया विव मार्ग

म सुयानि) विक्रा (शम् व कार्य छाट्य)।।

त्त्रीमप्राटिन भूका ल्ला कि भाने भागक मामक गं (म्रायमं वित्र वेका मर्ग भामका का महार्ष इते ३ स्पर्यंत्रेक मैक्सर्य क्लाह्म आस्टिह) कल्प्रमें क ट्रिसर्वेष र्याय क्या यामका किता (ग्राम पाम- बेंग्रेसिंग कलाय्न स्प्रिंग विश्व ठ्नम्मन अल्ल [नक्]) जिस्तिक समाछ -(यभ-वमद आर्थेल-एक्क्रिकालका कारामिक-टिरार या मुख्या में क्या हिमा मुख्या (मायां वार्धे य विस्त विस्तान के धवास्त्रेस स्पानम अवर्व काल्य वक्षत्र कामे व भाषी विभिक्त व्यातिकार्व में में अवश्वात्व का सम लामक) सरल वर्ष मात्र वार्य गरह)।। नाताक्ष्र विकास सात अपिकः (विकिथ क्ष्रभण >21 अम्कराति), अमुख्य (विचि) ट्यावम्टिन (क्षेत्रायं), अवकाश्चिम्दियः व्याम (देखम क्रु सामी माना) (ताका शाल्य - कर्म क्रु वह ना (माराव कत्राम क्रिया क्राक्रणम देख्यम -

लाय श्रावंत्र कार्डिटि) प्राम्मन्त्रं.

कर्माक् विवम् वीकृ विकास्माः (विवर्

ग्रायां] लक्षिमां कानकमर्म द्रेव से -म्मलान) भव्वी खाळवन नक् त्यावाने (धारवन्रे-अन्ती देश्यम कक्ष्यामां कक्ष्यक हे आवे लाता) प्रमान्य वा वनी (का हिया (में का राज न में रिकं मी हि (ला दा आरे १०८६)॥ नाय(भार्मियनी विषक्तानिक-क्रार्भाष्यक्रिका (भिन मानमे) उनमें प्रम विन्नी डमी युक्त भाग्य अभीत द्रायं (लाहा श्रायंत्र करवंत्र) '(लाहा-माल- निष्य विस् विलय किना करे एके प्रमा (मिन धार्मिय निर्मात निर्मात के कार्य किया रक रमन (भाष्य भारे (एटि), भार्राक्षाक्षमन-मिन (रमकद्री-का एक मुल्माळ्य न मार्षुर्पक-वमक्टिमिन्छिट अगन्छ अवस्थान गा [न नर्] थिति । त्रेक डेक्वम किंग अर्थकर्मी कार्क्स माम कुक्तेमाय बागुकि मार्बेत्यम सुविष्ठ विष्ठ-यां मिन दस की करिक व हिल्क विसान देवतारं क (वन) 11 लाि : भूना - प्रमान् विम् विमम अवस्थान् भाना -

चित्र (मायाने क्राविस्त धार्मे माय महत्त्रे

18

अल्यानं म मेप्रायन (काला) प्रिम्पिस असा-मिलाम् क्षेत्र सार्वेत्रिया (यार असे नेयर लाभुम अवस्त्रम् (भूष्ट्य वाष्ट्र [व वर]) पर्ण करण (कार्क) कार क स अ ट्राइस -प्रशास्त्र मार्भेयावा-कारत जिल्ला कार्य-कारि-मू हम् का का जिया मा कि कि क्र लेखान, स्यासर्गी किया में याना के का किया विकास का निव काामु उ हमद्रकाविद्याम् (लास्त्र करंत्र)।। यकानीने मूल मूलः लून कमा (पिनि निक्छवं भवालं भूतक (mr G) , तिला सम नाम स्तिष्ठे भेट भे-रि अमले परि जाने माना निया (बीकार-म्मायं क्रा द्रमात के कि कार्य कार्य के कल्लियात ज्याम क्ष्यं वार्वित त्मामार्ट)? सार्वित्याक्ष्य (विषठ ने सार्वित्या वस प्रकान) किकिव किकिव देएक पाक नामना (मद मद लाक्य बाक लागी वाया) लामी कुमर (मारी-मरेक) धारवकाल- तम-कवररे धार्म (निवय-क्षित (यम वेष्माकात्म) माक्स क्रिया (कार्यक्ष विश्वम कार्ड क (वंस)॥

न्धासालं ([तिय] क्या किए का के लाजं) प्राउद्धा-समामं मक्स (असम असमजान हान मार्कन-भूर्यक अयम्प्रत कार्य) द्रामी : (द्रामीमने) एकरंप्र (माख्दां) असे अमेममारि हः (जारीय काराय के ब्रम मक्स्यय) मेरे सेरे लाड्न मर्मार्तः (नम् स्मू प्रमाना) (ह्या कार्य (क्राया कार्य " [ग्रिमी] ज्यापुम्म प्रमार्व (ज्यापुम्मधं में महत्ता में) सर्म क्या वास्त्र मार्गित्व (सर्म व वास्त्र-१९५) मंडे छा। (यर प्रांक्ता) व्रिमदीम (राम्मडकार्व) में में : (म्यूमा) मिमानमें मर् १ (पिक सम्मार्थ 3 अस्म हर्षन) अस्म पर्कार (अपि अंदिक अस्तम कर्दम)।। त्यां निर्देश (विदेश मा विष्य कार्य भाउं) 291 उकाड: कले जीना-कमाम्यूरिय: (ठेउम कम्ब्रिक्मिक्मार्प्यूने क्रमण्डः) व्यक्तिकाः MM P (MAR CONCELLD MI M [Tas]) लायायां १ शिर्डायायं तेत्र (लायाय १ शर्डाय-The) so: one (cont -1 =) when somia-

ियाः (स्थासम कि(आवं) व्याजाद्वय- सरार्थे बाग्र-मिल्दा: (मानास्थ्यं लाखिलां अवंस लयेनास-सन) आरम् सार्व मूर्य स्था अर्व : (आरम्) . व स्पर्वम् स्वाक्ष्रांचा) स्टित्रेश्त सव बमाः (अर्था व्या कमार्थिक कमी कुछ इते था) टममाड (विश्व क (वेत)।। लोब नामम- दिवा प्रायम् वर् (भाराद्य मिवा उ अवस ट्यार्स विस्टिन नमाकति एपुर ३ न्यास-यमं), नव नवान रिंक- क्रिंक क्रामि (भाशका मिन्त्वम धाम्भम कम्मवंद्रं धाक्त) देवल्लात्व लव अकि (म्रामा हिन कि लाव मनाम विकाशमात [ववर् यंशवा]) व्यक्तारहरी: (भूतक शकि विकास त्र) कप मार्मिको (क्राट्यू काला भावने कार्निट्य [omf]) भी मुलावनम् छत् (भी मुलावत्न) का निष्ठ-की कुछ पूर्क (wo-मिन्ठ कुन्स्मस्टर) म्यः (तिवत्र) ट्यामीव्कार्ण हवाद (ट्यमकार्य हिन्ने का प्रकार्य) त्वे (त्ये) का व म स्ववी ण्य (लक्ष्क प्रमां क प्रमां क अप्रमां में (क्षात्र कार्य)।।

लास (लास ;) ज्युद्रां (ज्युक्टक्कं) २ व (अ) 201 कामित (प्राष्ट्र) क्रिका कर् (क्षितं काम) अँकश्मतकाम्त (कार्ष्ट्रमिकाक) आ (त्म्र) न्यारिका ह (न्यास्वर्य) व्यास्थार्या (विन्य-CMIXX) 08 (00)) अपूर्ण मूर् (अपूर्ण) 2 जा: (अरे) कमलीता: ह (कमलीतानान) भराह्णाक-भूमक-स्माप्यः (अभिविधि लक् भ्राक व सह अक्षिक्) (व (अरे भक्त) प्रमाञ्जिका: (भाञ्जिक) ङावा: ६ (७१व), मा (अरे) असायना ह (असाम्मा) CH (ONENA) CPOIN (18CB) PH & के में र्वा आ (अर्) रेलावय साई वी (स्रेरेसावएतं (श्रेरेकाव्वां अकार्व क्षक्क)।। धार्म की), ली निक्नुश्वावत्यः (निक्नुश्वावित्र) स: (अर्) सर्वाविस (सम्बीत) व कामाक्राट्मा: (काससे) ट्या व क्याम कि प्यावरंगः (प्यावक्री किटमार्च ३ क्यास्त्रम् किटमारवं) स्प (अर) लक्ष्यी (लक्ष्यी [नवड]) वटमाः अय (ल्यू-किटमावम्मरत्यं) लिलामा टमाकीकप्-

बराग्राम् में प्रम्याप्त प्रमें क्रिया (अव्यादिक निह्ठ धाना का नीत नर्सा मासूर्य ?) भक्ता है हर् (अन्साम् क्रिय) यास्त्र (सार्म) सस (ल्पासक) ज्यामार्थ (लाय त्यामार प्रदेश)॥ अर्वातमकप्रमु आव लवं भाषावासुर्थे (। धिन । निः भेन लामस्यान्य लाक्षव लामव सराम्भे खंका [मित्र]) संवक्षानावं (कलक्ष्याद्ये प्रिंव अवाकाका) अशिवं (आह कार्वनाट्य विस्त्री) वाहिका माभी आई (जीवाहाव मामीमर्भव माह) अमरत्वि (अम्म अभाभ कर्वत [वन् भिति]) निछ (प्रक्रम) का अविक्र व मना (कामकानिष कालक टाव) आ अ वि (दावने का वं (क (टम), ब्लायत वस्तान (अन्दायत क्रिके के [लरे]) न्यारम (न्या सहस्) कुल्पारन (कुल्पारन माट) प्रस (आसान) मठ०० (मर्गारे) का व्यान (क्या पक) सराम्नी (मिटिया) केवि: अमु (बाड्ब द्रिय रहक)।। तत्र (८१ म्प्रेंप) सर्वं वस्त्रास्त्या केत्र (सर्वं-वंसरते वर) शंचा के कि (म्या शंवा कि के)

असार्कि इस (ज्यादार्क क्षित्रें प्रांत लक्षार लव्ययुनस्तर्) अवः (क्रम अपर्विद्य [नवर टाम्पत]) ववमभीमलसर (उउम मभी-मन) वर्षिक में कियान (व्यापन कार्ट ने प्रिक्तान सम्बन्धिक) वर्षत्रे अपन (उत्पादन की किया मन दरेगा) जावाब (मिलिसमें मार्ग व्यक्ति व्यक्तिमां माल) (आयू भी कि (र्स अमू कर का में (कर में]) वृक्तवमात्रा (अव्कायम् नापक) वन् (वनिर्दे) व्यीयप् वृत्यवतः रेब डावि (वीकृत्यप्तन गामंत्र के काम आर्थ (क त्रिय) 11 २७। र्यावर्रेड (अर्यावन) निरंशिक्तर व्यामार् (व्यवानियं) मित्रिक मधर् (अमाम्न) प्रांबंद माम (९० स ल्यम् नं [वसद्हों]) यासाक्को (अविक्क) विविधिकमापी (लयतम् स्त) हम त्यमाय मन्त्रिकी (लास्प्रति दुवस अस्माव्याम (चवर्र]) विम्मी डि: (वेम्मी एक्) मिन् विकास (जमासार्यम्मा) (मार्यमीमा मा महारी

(अर अवसर्मियान अभी बार्ष) वर्षता- प्रथ-व्यापुरमाः (भिष्यापुत्रक्षेत्र मैभ्याष्ट्र मदिं) पुरायं (काराष्ट्रणास्य) में केर्य (मिन्हु न भाकि।विधान करम्म)॥ our coyes (our is hear;) our coyes of (लाउर १ में हें यां) लाउर अरे मर दे हा थां (ouse it are telus i) ad (cause) मरान जान (नगल अर्व विस्थ हे दक्षानी भाक् ३) स्त्रमण्य (अवस्त्रम्यस्तं) र्यम्पवत्र (भी मुन्तर (सर् अछि) र वछः (धन्वछः र्रेएट्रम्भ)। लास (लास) एड (मार्ट) मडवस: ज्याम (क्याम मरदार गारु ७) लार्ड सरायमकर् (अरम अवसाय एवं स्यावाव) व्यावयह (व्याव्या-रम हास क) र कार्र (लाक्र म वर्षर र [जारा दर्शल]) मः (जिति) कर (निल्ह परे) मीठणभः बाह्यः (ज्यानी विमियारे मने कार्नेट वरेटम)।। भान्नायमंब्रा (जायां व्ययमंब्रामनं) र्यायप व्यक्ष

(अर्थायम्याताम काल) प लयंग्याव: (लयं-याम्बर्ड) सम (कामन सम्माम) लाम हाक -विवक्षः (ज्याम, डाक्डि व त्वेवामा) कि वा क्षिकाह (कि देशकावं क्षित्र है)॥ २१। अम्बिमा-कूननी न लिने क्या ए । भेक किक (mun दे करा विमा, कून , भीन व अने माना लमके व उद्गाय कामारक विक) मतः (८०४०) र्यायम विकाम्यामः (माराव माक् र्मावत्यं अवि लयं ग्राम्य वात्यं मडा नारे , [अरेकाक]) अयः वि (अवक्ताभरे मय्रे उम्)॥ 541 मर (CMISE [ल्यास]) डवार (डवार) मर्क (प्रक्र प्रवत्) मांड्कोश (मांड्काम मैंब्र्) र्माइपर प कार्त (र्मावराव लाक्षा करन् कार्नेट्याह्म (लक्षत्र) लड्ड (ल्याम) (आश) Coureling Courel: (ovenin courey i tours [नर्]) सदार्घाश्वर्षाः (अश्वर्षेष्येष्ट्र)॥ र्श दिव्य हर्यमः मृत्रं (अदिव्य प्रक्षाव कार्क में एवं विश्वास कर्षिटिय (विश्वास)

धराम (अमम अयाक्षणानी) काम : (काम काम) लामित्र हुव (जामिह्न इरे मार्ट ्र व अम्मारी) इलावत (इलावत-विषयक) वार्षि विता (धन्वाम-भवीव) कर्र (किसाम) क्कारमा (क्कारमान) (ME 22(4?) !! लाटा (लाटा!) भू हं : (मूर्ज मात्रम) । विहे न्यू कर्न-कारमंदम् में में में अब के में व: (मिक्रास्त्रिश भी करं सर्भ द्विमें ये तथा दास्त्रेंस अख्याप्यं कि ma sigin) ousmoused (ousupon) र्मेस्यर् (र्मावत्यं) प सम्दि (ल्पस्तं अर्थ करवंशा)॥ रा रा (राम राम ! [लास]) मढ (त्मटर) र्मायप् क्रिय (र्मायप क्राम कर्तिंग,) क्रिक कर् (मर्था द मार्थित न करा) हिल्पार (दुन) क अध्य मार्डि [mana muy]) असमा-Too (92 12 A 2000) No 302 भेठ० मैं अकि का (असम दुलातम लर्मिक कार्ट अवका अकाम पूर्वक) सारत् थानि (कातक: रे) विम ् द्वा (विम भर का के विषि)॥

051 [mun] म्हाड: (भावना न्यान) लामा: भींचे वाः (प्रिकाल मार्नि मार्नि निर्दे) विकात्वयात्र (तिश्रित समद्वाभीत अस्थाम) केळ् (विद्याप्त कर्षिमाहि) इर इत्र (इस्म विकाल मह्या) मृत्या वर विसा (मृत्या वर मानी) पिछ्याख् जाक न लेला (त्मनक्ष जरमध्नी म्ली कविलाहिमा)।। हेमाड: wxo (oma हमाड बामिया) कि करवासि (लार्च कि कर्षेत्र वे लिक पत)) लाय यव कि कि (पट्यम् कार्य यव कि कि) अन्यापि (अमाभ कविं (छि , [य 36 :]) नृष्णं यन् विना (बंदाबरप्रं लाममंग्रीत) काप्रकार प्रंबराधन (त्यात हार ३ व माम महाड अक्या) मार्च (मिथ्राम)॥ (हर (भादे) भव् थयः (बमाल वं सक्य तमकर) मर्द्य (अक्रम म्हात) व्यत्रामम् व वार्ष रेम् (यरे यिक्स के कृ [एर १५]) लगेर (ह) कं : लगेर अद्व: (अरे काक कार वर काक व्यक्त) देखि कार् वस्य (लाइस्का प्रमा) अवक्त्र (वस्य)

वादमं (वादम) पर्यमं ([3] प्रश्रम मेंब्र) दुरियातं दे (दुर्ध्य सात्र कर्ष [नवर् नद् रिव]) ल्बार में: यर ववं (अंसमें: यर) ला दः क्रिक् (लाश्चेक टकेस) जाटकाडि (लाम करतं [नवर]) मामाबिर्दः (विविध) दः रेगः (दः भवावा) mps का (भी दिन इम) वि कार्स (क्यामि) CA (mani) एर : (एर) रेपाउप लसे (कुला करमें अवस्थात ककक)।। त्त्रमात्रम् मराव्या क्रियम : (अमार त्यमन -व्यममान) वृद्धारिकी हत्याः (वृद्धावतहत्व क्षीकृष) वृत्तावस्थिकि (वृत्ताव(सन्दर्ग क्योग्रेग) वर्ष्यमनं (वर्षत्यं का लप्षाम्यमनं) वीक्षात्रिक्ष (वीक्षात्र विक्]) जामात्र)-डाबाह्ड- त्र्रायम- म्राप्तिम् भून कर् (उन्हार्स अभिक अका श्रुक्त विकिन लर्बामार्ड प्रविष् लक्षेत्रक माण्य) ज्यास्य सभीमक्ष्यं (सभीम्य) ध्रम्भन् (विसम्म) निष्विति ([3] अभीम) प्रभार विष् (अवस विषे) कार्व (अमन करवन)।।

[आरे] करि (करव) इस्पवत (इस्पवत) कामिनी-मिप्टि (गमें अविकेत्र) में के समिति (क्षेत्रके-र्षेष) स्रायम् वासक्ति (स्थावंस पवा के त्य) मिटेग: (मिना) किल्लाबीमेंते: (किल्लाबीमनेक र्ट्क) मानि टिप्परानिकिदा: (वस्तीय डेपरान्कार्कelai) záczaló (czara czus) muez-मीनाममं (विष्यानामम् मूक), वर (त्ररे) ट्यांबेयासाकु ट्यांब्रासम्भयर (ट्यांबे व क्यास-वस् आधित्तं क्रिक्रमें अथ (क) त सिक्रमें वेटा के वि: (द्नमार्ति किमारतिल मैं प्रक्रि रंग) आर्थियाति (मारेटमा कार्वेव १)॥ ०१। जिन्द्र सम्द्रीव जारा (स्रायन वर्गमात्र अवागमात्र रूप्त), विम्मकिटिडिक्क्नुकाकितामा (विभाम निष्युति (म हेळ्यत हम्मान), कू ह-मै के प्रेम त्या जे स द्या के स के प्र में म त्य म टमालम मकाराव) वामम (वन) अख्या (त्यीव ध्यक्तर्भ ठक्म अष्ट [ववर्])क्रक-मीन नमकाक नामाळामुका (मार्भकाव ज्याबारम

निक् गिति]) हिन त्यास्य त्याता (विहिन

(कोश वसर आवेकार करिगाटिर), भाषा आसा (ग्राज्य (एडिव सक्रिका अन्) (- गर्म ल) क्रक्षि: (एक क्षक्षप्रत्न) किटमानी अस्तिक-राम् (क्षितं वनमा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र किन्ती) सस हार्व (लासक सिक्ट लाकी सकाम 本事用)11 मभी (माप्तव) लाळातु (हित्व) त्याचा अर । क्रम नी-नम्यमा छ। लाल (क्यां वाच नम्यावकाव न कार्रिया अर प्रशिव कारितात) में प्रियं (लक्षाम्य दंग) य: (विष) मरं मारं (त प्रकल) क्लवणि (क्लवणी) नवीत करी। (त्रवीता उक्ती) नामके जी जाक जा भाषी रे : (प्रम्म व माय क पान कार्य निकार) मेप्रात्मार भू (Highly a of Belle Cruso extern) on in seed (अन्यामहात) डार्यार्मिय का क्रिनी (द्वार द्वान DB. MEN) " OLÓ OLÓ (CNJ. MEN) MANIÓ प्रचार काल (कार इस्प्रोम [मक्षेत्र कक्षी मन्द्र)) यीको (यूप्र कार्यमा ३) मंदक्षां (मेप्र अकाम कटने)।।

[म्राया] र्यावन्यसीकार्य- यार सत्राहः।मुद्धाः 601 (क्रीर्मावत्यक्षेतं भारतिले क्राष्ट्रकंत मध्र-सर्मितं) लाम बंद्या कर्षेतः (देवस बंद्यमं अयार रहेख) भीताक्र लिक लावकारिए: (नीमा, से ल व (क्रान करिविष भार्व) के कर (क्रान्त Squices " [own]) one was (one or wan) amystuc End Fort in (Jai sua Cut मात्रीअभुद्ध) अदक्ष (मन्त्र कार्च)।। [सिति] क्वक्रक-म्रामेश् (उस्र काक्रामं कालिलोब्बरेर) अलंबन्नीर (एर तका) प्रवासन् (क्षेत्रे करिया) रयकक्रिय-सीत्राकाडिष्ट्रें: लामाचार (प्रमुप्त किल्मान भीया व माश्यमर वस्त कल्त), विभूत्र अभग त्याम त्वान (भाषाक (बरी बिलान तिण्यु (दल अर्थ कविल्टि [240]) आकर्ण त्या हिर्म करक मरी में (अअ) वालाक लाभी ? (भगताम सम्मातम लाला विहिन मी किमानी मक्ष्य भवत्।मार्वनं गामं म्ल्य त्नामं)॥ तवतव वं प्रशाकाकार- प्रत्यक बङ्गाः (निक) कृत्वत दुक्त बंदा का मार्थ दा में मारा में मारा में

में मैं मर्ने यामासम) भवतवव्यक्षिण विश्वासिन मंग्रिकी (मूर्यानं मक्षेत्रक्षेत्र) विस्व यन्यत्माय आछ्रव व्यवत्व हक्ष्यकात्व (यमा कविल्टि) क हिं रतम शबी-दिगु तकमून शव९- भूमिष-क्षिय- भिक्ष- त्यात्र में मार ([व वर माया के] मधावक सर्भावस देश प्रकासन सेवही रामन-हा छ व हिया कर्म सम्बं लयह व द्र मार्ट ।। व्यम् वर्षा हवा मालिया वारिक्ष व वेग ६ (म्यान कर्-स्पाद बंदे सन दियर तादु के लक्षर क्ष्र केषण्या) क्षिकतक व (प्राम्नाभिताभा अमुक्षर् (माभिकान लामहारम भेषपु व बंदेश्य में स्थापंत में काराय) विविधे करकराव (आल्रम् क्यू क्थीर् (मालवम क्रिटिल पायामिक क्रियां विवर्]) देक्षान्यन-प्रिमाधक- एक में के हैं ते कि म्प्रांच कर्म के हैं दे सक्रमीयो स्प्रममंभद्रत (प्याद्भ अप्रुट्ट्ट्ट्र) 11 कारिक्राने विकास मुक्तिकारा कूं तीकार (याता व लामें मुसरीय सापवस साप्तां लामें वात्र महा-वाया प्रत्माकि) विदासमा कि प्रार् ([पीन] ब्रम्मत्यव कारियां अ टेक्यम) क्रामिकार्

लाबरकीर (क्रविया क्रावेष करवंत) अबस-कृष्टिं- र्रेक्टियारोधव्यार (माहानं तरणवंत क्षि-त्म अनु) पिल्यिक्वमस्पृत्तं काक्षे (म्परात पिठ सिलाल राप्तां देख्या हला हा व वर्]) सन्देशन्त्री ने न्या पर (म्रायां अन्ते मारा सर्यन म न्यूरं भूगम विद्यात करिएट)।। [मिरे] भीम ना (मुमामप्रकार्व) लाख्य से बाद्रक (14 & 27 THER OUSERY SOLA) OND & NEW MAG (लाक आंग बंश (पायल) विमंद (विमंदराक) बीका (मन्त्र भवतक) मवीद्र ग्राम (मनका रामा-अर्ब्सारं) से अ: (अव्या) द्वाम त्वामार (द्राधातक कक्ष: म्हल द्रावंत क (वंत) मिल्स-त्यक्लेन म-मामामाणार्थ हियाके प्रमाण (म्यावं तैमत्वन कर्मन वाल्यन प्रमास्म-रायक रिमें सामा बनाइन मांच्या हर चार मार्ट [नवर]) कु अमर्बा मज्यार (प्रवेशव म्याव पाल मूनक मान्य विकास १रेएटि)। िमिर] अन्यत (अन्युव अव्ह) अवत्र (याम्मयस्मातं) किसान् किसान् हाकसाम्ह

801

(सर् सर् लामान कार्डिटिय) किसान क्रिया (यश्चित्य) रेट्ड: शमपर (मनममेशलनं Paran) कार्यत्यु (अक्षाम कार्य किय [745 1 माराब]) कियाल कियाल (पासर-भाववाती (तर्माक अभूव = उम्मिर्मात ल्यालान् द्राटाद्र विदेसले) असार (ब्रुवंस्थित [ल्यात्]) कल्त (क्रिक) ला : (थिक अपरंत) कियान । क्रियान अपीक (किंद्रवेश (म्मुक्के कमडरचितं) लार्डास्नाम (कार्यात्म कार्यत) 11 801 सस्म ([लासार्] यश्टला) अवर (लाम्का) मार्यामाः (वाका वार्य) अववड (विक इहेक) विलियापाल (सप्तक) अठ् अवर (अव अव) नात कराया : मस (अमा माठ बाठ्य इट्टेक) या (किसी) क्रिकं (भिक्ष्यं राज्र) मकर (लम्भायावं) लयामानाः मस (डेन्समा क्रिकेट के कार्य के देवर), जमान (क्याल [ount]) भीवमन्तर (भीवतन नक्तान सम्मद्भाम) . जे ((अरे) आवे मी मध्या (ट्या व अ प्रमाय कारित्र में महर्मे भाव क

मान्ट् (तिव्छव भावनेश्यक) मामव्याद्विभूषिमूलि: (अम् कार्य वस मिक्र में अं विसर्में (लामारं वसामुक्षसन विस्तरमें अपव हाना क्राठ रहुना) वृक्तवत (वृक्तवतारे) विष्णामि (वास करवेव)॥ िट भीय!] ब्रंग (ज्रिंग) नमानि कसानि (वर् बस) जिन्दर्- अक्टलमानु (जिन दसरी साम व दलमात) देक ((लाम कार्यगह) र् (किन्) लार क्रेंग्नं : (लार क्रेंग्नं) म जब आह: (क्यम सावान सरित यंग यार) मत में तथा: (सह अठ्यात) व्यव्य (व्या क्ष कर्यार, [122]) and Rd & (TNY OLSIA ON SA भर्य) , स्मस्कार्म विवादः (समस् माम् वाल) Maj RL P (Malle shire) & @ (120) [[[[[] M RO X MO : (] A 2 2 my)) उद (या न व) अम्मुड: (अर्थ विमार्थ) निर्वित) (15 3. 5yrin) xxxx win (war oux we will a वर्ष) र्मायम् (र्मायम्) द्य (अस कन्)।। सम्म (पारं । मुकारम्य) म्रूभी (काल भीन जाय हारंप क्षिनाटर) " २०: (na न 1 [मक्षिट mut])

891

861

लर्थ वर्ष: (अर्थ व व क्यांम्य मं मरं म्यतं w आकृता) अंबे अर्गा (ध्रुप् करें। क्षेत्रास्त्र हिन्म एक राज्य (वन् वस् मा अवहित) क्ले भीत्र ह (कि भीन भाग) आएड: (विकलानी इसेन) लाइटम्सार्वाट्ड: (लाट्डसं मार्सेट्र) र्डक्ट्रक: (ववर टामेश र्मण) अक्याम्स्मिस देव (कार्वype ela a win) nos es late (Incom उद्रेश लाइमेर्स / १ तेर (लियम्पर्मा) की कार्या अम प्राम्य मिन मर्गः (की कार्या व अमनः अरमच राम्मार्य सरप्रिय अभरक्रत्य) र्यम्बत (ब्यावत्त) कृषी अगृ (बीवन एक रिने कार्नेय)।। 891 िगट्टी व्युट्वर्ची (कॅट्वटंक्स ग्रापं) हथममार लाह (हममारा पड इनं) ' ला : १ हर्ट (वाउपाद्र मा कि डर्रा ।) वाहमातः (र्रामाव्हं भाग) स्मिला (सम्मिला) भक्षा (भक्ष इमं) 'त्वः किंद्र (जारा तिरे मा नाक किं ?) मद्रामा उरते-न्यार (राष्ट्र म्यान के के के कार 3) । में वर (पर उत्) ' २०: १९ ((स्प्रावर का १९ रहाक) ' कल्यम मा । ज्यां कि (क्षा कल्पिक नाम

CECKE CHIMETY AL WIR LE &) ME O OCAL-(मायापि सिस्था १ किर्ड (mrs. 20 मार श (माम-अविशिक्षा कारे । सार्थ पाट कार्य म कि मेराय रंप्रता है) या : ((राडिक) व्यानियात्य-समस्मान्या (अर्थायदावं कार् लर्थाय-बर्ग्य कारक सं सम्राज) सर्: विलं में: (प्रावेशक समक्षे विष्युत्रासम्य)।। लाहा (लाहा !) असा (अमामिलामा क्वम वादा मर्देशाह (त्यामा ३ ली के क कम व्याप विकय कर्ना अक्टा (भक्षात विवाद कर्षत्र) न असा ([याता] प्रवेसा) विम्ताबिम्त्रायम्- अक्स वार्मा भिन् भूत्र (विम्ताउ व्यानिमाण्यस मक्त वासमस्त्र के के हाता विवाबभाव), अमार्य (भीक्य नागिषिडं: ([भाषा] मिक सम्बेत् उ दृष्ट्यमा अस्त्रीम अनुवासिका) र्वयम्। उत्यक्ष (अभयं रासमम्राज् विसंकान कर्तन) विषि (हिंदिए) मास् (मास) रेप्र (परेक्ष) कुलाकन (व्यक्तिमा कन (क)

कः न जगए (कर्वा स्वा न कर्वत्र !)॥

ध्य (भारा) भाषाखड- छक्षित्मभन्

071

001

(अञ्चलाल विकास हिमाम वर्षित भन विकास) मक (तम्यत) लाम्यर (ममह वत्ताम् र) व्यर्भार (वाद्रम हिम्बमान्यक) व्यासम्ब (माराकि मध्य कामार) केक त्यमवंगार्खियंत (क्करत्मसंस सहामायदं प्रमा (वन माहा)) जगाउद्यान दिवसं (दुवामुखरं अप्यं रे कि लाएं व बर्मात विकालमात), व्यक्ते (द्वात अका आसात), व्याहिका भारेभात (का (व्याहिका व्याह-भारी आर्थित (बार्य) व्या (चरे) मुन्तावत (र्मावत) केर्नुमः (मेल्डियम्) ग्राप (म्प्ते) मिस्राप्त (पास) ल प्लाम: (मन्त्र करते) वा (01210) अडिर्मा किं आडि (वाडिर्मिया) सक्तममार्य का वि वि ।)। गुड (गुड) लयड ं हामों ([धुरवरं] लागुम. (भुकास्में द्रमंद्रं) वस (यस उद्रायद्) म संवा लय दे (लय दार्म म्याम) महाब्र-हरवंप कष्टचंत्रवर (लयड स्पर्मिया) के कर लपड़ं (लपडे मी हिम्पण्य) रे के अप्रें में हे हैं लास लाउ ने खिल (लाउ के के स्पृत्य माना)

र्ष्यात्रम्य (लयक एमा व द्रमक्षणामी विक्ते) य्यमंत्राह्मा लक्ष्रेयर्व (भीमं लयर सद्यम्स नानी) देएए (११) मुनाबमण् (अव्यावतम्) ल्यात (कान्यत कर्न क्षिटि मादं)।। अवस्तरम (८४ अवसायमसनं।) जिन्द्रस (अरस-खिंगः) र्यायत (रेपायता [mut]) राष्ट्र ! लम्ड (यदिकलम्ड) मित्राक्रित्यः (यक्र मक्ष्ट्र पिता त्याकाता) भित्र क्रिम्स प्रायत क्षेप्रम (आला) बीटा) (मलत कविक्की) ने स्पर्नाटिक: (यक पक पात्रकावा) टम्बल्ड (टाराय (अंब्र) थितास (लामान श्रुं) भवन-ष्टि। (लाग्डम क्ष माना) लिल्मानार Brayry (Carris Tame By sily) mengine (अर १ कर्ड) " अर्डाकारेंग (प्लाहु अस या वा) Bly (Collis on Bla) only of (Ery कार्व [- 1 वर्]) कवा आव: त्यारिहिं (त्यारित्यारे र १ व स सक्यां) है। ((Cal Entro) प्राये (क्याम कृष्) व्याम (बारा ड्रांटात) (म (oners) & 18: (El & size)#

001

राव (त्रायत) द्रमतं (यद) र्मावयतं (र्मावय) अवस्तर्व (अवस्तामक) मार (मार [लक्ष्य]) राष्ट्र (मद्र [क्र्य]) किसाल (क्राय स्टल) जन्दी तेया (र्यायत्वं ८५ त्या वस्त्रं) त्याया (त्याय) म् (नार (अयर करव , विकार दर्त मे सल) कर्न (कर्त्र करके) माड्क : अरवन्त : (माड्क व्यक्षर त्मेशाद-निर्मिष्ट तमान अख्यम क समेर्य), यादि (यदि) क्रमत्तर (लमावस्यकाटाके विश्वा क्ष्यमंस) क्षा कर्ष (पास देशावन करके (करत कर)) विश्वा (विश्वा) एए पड़ा (ए पत कवित्व), तह ९ (म्म) लाक (१ कें:) अकल (विट्डिसर त्थर (एक] म्ल्र कर्व विव टार्न हरू:]) प्रवेत-मारेड् (हर्नाहिक कार्ने) न्यदि (यदि) ममार्भ (हित्य) कम्म निम्हमं : (क्रेस्स स्मर (सम्बद्धमनक क्षांभ रते विष]) नामः AQUACALMI: (THY DIN *13 (4) (MOTS) उक्षामा: (ब्रावनीय व देव त्याव न्यानीत) हाउरमी कुछ (हडाम प्लात) मर्लाम: (वर्षत्र कार्ने)।।

र्भावप (१ र्मावप i) ((कामार्व) रेव:-क्षिक्त (कळिकार, र्षिकम्त) मतः (त्राप्ठ) त्रिक्षि प्रत्यात्रका (एर यप्रत्य लागा म्यन्-(बक्योमअपुरक व विश्व कार्या) में मध्यिक्स. (सरामुक में म द्वेलाएं प्रमं [त्रवन]) तार् (लाम) द्राया लाया (हाक्त कार्या 3) कर्म में या ड (अरेमन) म्राठार (भ्रमत्रक्षा) न दि विकासि (हे अलाई कविता)॥ AMI: (CZ NEUY; [COLNEI]) ÉMISE- JO-रूपा विभिन्न-सणा-मार्थ-एत्या मार् रेट स्कान्टक (प्रवार्मकर्क वार्मक व्यावतीय वक्र मणा उ छमामसूर्य भू हिम्बाद म्ल मर्भत) नम् (ज्यान देमालाम कत्) द: (कामार्य) मनाग्रामिड: किं (त्मारे त्मारे मन दर् 1) (i & minimisery a partie in लड्ड (ल्याम) ज्याना मा म ये प्रविष वं द्वा रेमा वर्ष (क्रीमाधा उ व्यीक्षम्भ भन्द्राविष्ठप्रमुक्ष वृक्षायतः) यवर (यवर) किमिक: (धार्षभूम किमिकी) @12 do gonia (spa jour + 12 " [wie])

लाज (ला मारम) हमम्बाममामा : लाम हम (द्यमत्त्रं विकास भाष्ट्र उद्रक्त देश कार्त्य)।। मः (त्मकाक) लामुन्तर् (प्रवाद) लयनात्र वात्मन (अयम धाम क्राममकार्य) क्रमायम छ र क्रमानि (र्भावप्रवे छप्याम्) यम्मि प्रथाक्ष्रमां (वर्षत मा क्यर करवंत) यः (शित) दावं व (क्रीकिक क्रिक्र) मिस्मिन क्रिक्र में क्रिक्र प्रमार मिसन मिक्टि अरे डामी करवम)।। िर कीय! प्राप्त] माना भाछ- वाजिवान्त्र छ - मिकूकू -उसत (नीकृष्णम विश्वम वाक्ष मिन्द्र या विश्वमा लयके) असरि अपास (लाक अप्राम्क अवाकाक्राम्य । जीव्यावयमार्स (जीव्यावय-भास) अवेटित् वित (द्रेल स स्वापन व्यक्ति) स्रे क्षेत (लाय बास लाय स्थ कर)। वृत्तावन (व वृत्तावन!) भरि (भरि [धारि]) 401 Co (courses) प्रमाटि है (प्रमास्त्र) र्विन्वर्व लाल (व्रेबम्ड) मिलाम (लाड कर्ने एड मार्व), जल (अरा श्रीत) क माधालिक (कन-जनमा), नामकार् (मन्म नम्मीण) विक्के-

प्रमा वित्या (क्रिके म्मार्सिक कार्य ३) प प्रिकासरमं (मिल् मालवं देका करवेशा)।। र्मायत (रमायत) (म (लासन) टमार्थ भक्तं अम्ला (अव्यक्त त्याव्यक में : अम्ला) काम वसर (दुनामें बड़के वाद्रात दाम [अंड]) लागढः (लाग्न) वाक्वार वाक्वालमा किंछः लाम म (बाक् उ ज जाक्य भर्म कर्म अन्तर् लामान कारीक मदर)॥ लयकार् (अक्टा) समायान्त्र (लाक्ट्रायन्) द्रा प्या क्री के जान (दे अ म समावी) मुभावन-प्रति (र्यावनक साम्मान माठित) (म (auma) a टिंग्याव: (a वे विष्ट्रिक) मार (असूस्त) छाक : लास (हार स अकार उठुक) 11 त्त व्यामाणिक्याम् स्थानाः (अग्रे अभीकारे व्यव्हित 501 मामात्मवं महमान् वान्ति करवेत) ' (व (भ्यं मक्त्र) व्यायम अर्थाः (क्यायमम् अर्थनभग्रः) यमक्ष्यम् मार्थामण् (अविधि व्यापितं) हिस्मिन्न वर (अस्वकारी हिस्मिन असल्म)॥ लाइड (लास) आसम्माति प्राप्त (केक्स्ट्रिन

बिश्चि रमाधाविक) रेकानंत्र (रेकावत्र) 72: 48: (CMY 72 MB) 172: NU: (CMY नक लकी) "नकर विन् (क्या नक्षित) या (क्या) नक: त्वर् : (क्या नकार- रीमाकर्म र्या) द्या (द्या) द्यास (र्य)।। अधिमून लिसाइ प्रतार्व - हन्ने विलासन (ची मार्ग अ चीक किंव हवन अकावर्त) देशाना (ज्यानित)) कुल्लाक्ताकुवि (कुल्लाक्ताकुट्याके खिल) समारक व्यम्मः लग्न (मर्वाक्षर लम्बाम् ३) अन्सर्वेस्थः यात्र (अवसर्वेस्थ्याम्सः श्रात कार्व)।। ००। मर्नान्य द्याच द्यान नग्विश्चर्या राश्या भनेतिता (टम अपत अनंस जामार् अमक कर्य विकिता मक कार अवस्तिकं लाक्ष्मकं लायाम स्वापितं हरनं इरेट्टर, नरे कम) जी क्या विवत (जीक्या पत) ma cap a we aid (one wir cap a answer) अत्रिक्त (म्नामं आव्ताम करवंत [नवड]) लास्त्राह्मक- वसा बक्ष में हसते का बंद (अवाराव सत्तामक वस्त्रीम क वस तम्पत कार्यनान । (उट) शिम: (अने अने) अमा अमा कर् मू मू

((अने एक अने एक अने क्य (आर , अने लात) इकार्तिक्य (नड्स्स भारत दश्य दुष्टात्र्य करवंत) का (त्य) भावना-के कि (ज्यावा-के टक के कि कर है। कि कर) 11 [मात्रा] रकार बामसे (जा केक जात्र) अवं 391 Targé (MAR géage) 2 REN CMARDIO. क्मभीम (भारा वरीम क्ष, ल्लाख व मीछन अंग काका [नवड नारा]) मुन्नाकुकांगः (ब्यु के व्यव) अवसाम्बर्क क्षि (क्षेत्र क्ष क्षितं . over sold [and]) Targen (Our oversin मास) र्यायमर (मीर्यामपायम्) का मास (लाजात मर्ग थार्टिह)।। कि। रेलाड्युरिस्थ्य के से मार्थि (रेलाबाय स सप्ति कुन्द्र असूर्य) कलिल करमा भूति के भी भी (मस्यान लाम्बीम प्रास्त्र भारत) न्यां मुखा-कृष्क अपन वादिल पाटेशक पाटमा (बीवा बाक्टक व मान अस्ति (सरक मार्थ मारा मार्ड करारे) HE (OLENA) ONMI SYRIG (DAY OURISM 2820)11

र्यारे वी मञ्जून कूट्य म छल (र्या य त्र व धार्मम रू समुद्र) कमली नामम किराम् वित्रम् विता (कल नीमामां पिता भृति भवी) वासाम्यान-सर्पार्ड्य (क्युंश्वा ३ क्युंकिक) यर १ १ (प्राविष् (() कय (प्रश्न कि व व क म) क्या म (कात्राचेत्र म) काल्यमा कामा (काल्यम लाकाड्यां) य लाह (दुर्म पर रंग) 11 १०। कुलायम (व्यक्तायम!) रेलिकारिए: (नक्शी-अद् ि एसीमने) असी आपा व विषा हत (श्रीवादीव आर अस्म व र्या विश्वतं) लाला लान (CONT IN ON ME B) I TI A DUXUNGO (WIRE ELEXAL) & (MAR) ONE (OWER) (a (Calmis) मेखाबाठ (मन्त्रात) हाता रे प्राथ (िल्येश्व आत्मामात्रते । प्रदेश न्त्री !! पारल व सम) में उमार्यः लाम (वान्द्रेर (वास्त्र) कार टार्टि)॥ १२। त्व विसूष् (व्यस्त्रं! [जूम]) रेलिकापिछः (नक्की-क्तिविक) अम्मूक (अम्म मूर्यक) म्यावम (म्या-यप हास) द्वियां (क्राय क्षिंग) केंच मात्र (क्या आंग

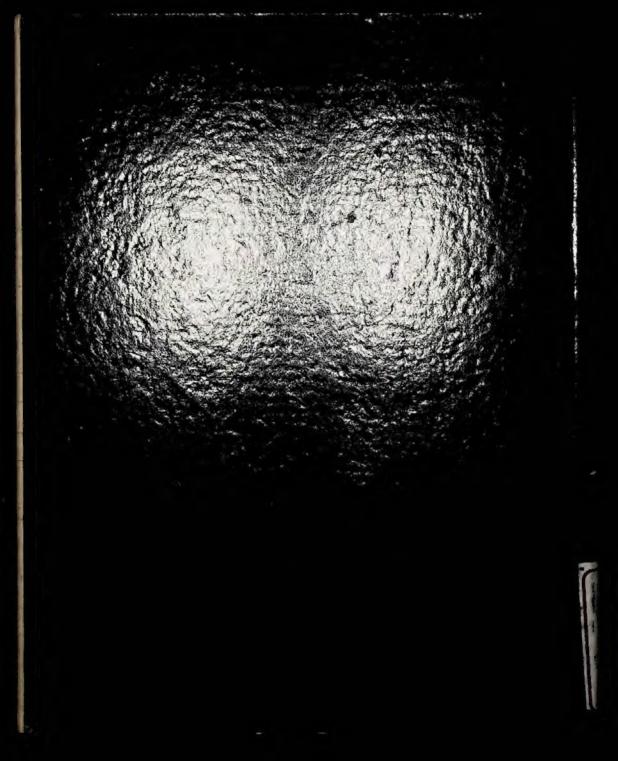
नार्या है। भावा (नवे मुन्तवस्त्रे) मर्वन्यित्रमार्थन (मिलिस ब्रामाटलन जार्थ-जारित केलार्थ) जार (ववर्) NãO ONÃOS (NAN CHIMAL) ZI MEL: 23 7: P ([3] भूमूर्यक क्रिक्स्म) मिलिडि (लक्स इंग)॥ वेता डाह्र ड्रांड (डार्ग डागं) लिंडिंड लक्ष ([मट्र] लक्दन) भून १ हे के प्रम समामि लक्षित् (भर अर्ग अवंश संस्थित दुर्ग भ इने " [वाद्य इद्र []) क: (त्राम् कार्क) रेप (यरे) मुन्याकातत (मूनावतन) इ विश्वादी ए में ना में में में हैं (भी ना कि 3 मी कर के व मिछ) कालीत अत्रेक्षीयान ने में (क्या खन्न [-140]) सर्व सर्व माल्यन का मिश्र उसके (अवसमर्व अभार ज्ञान मियून हेडान उन्ने भारती) मुसू प्रसु ् (के की प्रमीत) विभव (मावाम का बाद ह)।। गाभीन (गारानं दियां देशीय) शंबाक कार्याष्ट्रियमगण-कलपतलाः (ची शर्वा कृटकः विचि कल्ल विना अ-थित लायमधान) हमठ केंच्य (हिल हमठकां भक्तान करने), भवाज पीक्रापिण: (भद्विष्टं पीक्रापि-प्रकार) अववस (अभि हस्त्रिक्तः (अवस में अध्युक अष्टिक अरं दुर में उसे) " क्षेत्र ([नवडं] Cx,इ

901

म्मन वित्ररम् अपि) अपुण्ड भार (विदिन) भ्रम आने हः (सम्बान लास्तुर्यात्र) तमा लिस्से-अप्पास्तामः (अमुक्राने विध्यित्य भागवं देशाम राष्ट्र डमं '[लासका]) वर् न्या वर्षा स्थान-मेंसरा-डायड (की र आयत्य में के टार अवस लार-काट्यबंद) अताः (बला कार्च) ॥ कामिल कम भा वरिक्र बंद मानं यानी करी विशानं (मार्याना नर्रेणव बुवंबतु सप्तंत प्रवार्धात विरानं करनं । अपूर्भाने (मित्राना] निवंशकं) विकास कि दिवर (विकास नाम वार्या निवर माजाना) कंटा (एक प्रक कारियां) क्यक-क्रायक (भारत के (व) व वसम्पट्ट (भारत सम्पट्ट) प्रमार (श्विक्षां करवं म) वर (कार्) द्वा ट्रांट (विस्तर में अध्यक्) स्वरकार्ट : (च स्वर) स्थार्स (अम्मान्य) प्रशक्षात्रक्रम्य (९० म अवस्ता-Brain) CONDLING (NBB DEAN)11 वेड। मां : (माप्रात्ये) सद्यस्त्रीख्याक (व: (अवस-सम्बेत्याम्) श्रदकार्वतः (लाक्त्रव्यक्) यन्य-वस्त्रमा विलिमिए: (गमन, एर उ व हम डामी भारता)

ह्यायमः (क्रायेवश्- प्रमासम्) समेदः क (स्या १,४) महिंद्यामर्कायात (सम्हैद ब्लायत शाटम) कतक हक्या एक की यन पूछी (अत -हमार उ मीन मर्भ व कारि विल के) अव्यम्भाषी (कल में वर्ग (अपे)) मय किल्ला व्याले (मरी M किल्माची उ नवी न किल्मान एक) अन् (क्षान कर)। िए थीन । वेशि] बिले हाण्य- रहारे जमारे (बढ़ 'स्प्र उ तक्षीं असर) अस्टि (चड़ प्राम्य) क्षिय ने प्रिकृ (छने नाय अर्भन) अर्थन (क्या व्यक) पक्रमंबर काराणि: (कार्णिस् करवनेत्रिण्यू) सहीय (देवीय उर्देश) लाम (लमक्त) समब्द साक-ब्लामि (डमबर्बास्मस्य) भागा (मम्म कर् [लयद्व]) २४ २८ (०३८ ध्रम्प्रस्व) में यह on sun one of the tall one on any. नेत्क) धर्ट (श्रिम कार्डा) र्यंत्र पात्र) इ (ब्लायमनामक) अद्यक्ति क्रिय (अद्यक्ति क्राट्स) थारि (ममन कर), धरर (धर्मा!) जामन (त्यं रिलायत्म) र्मानीः क्ष्मिक के क्रमीं (og in gra I xxi & Descer) Luis (or way

991 [त कीच ! जूबि] क्षि (मिन किएड) तिव्यार्थ-(यिवक्ष) त्रिक प्रमायक स्वाम (यिक अव्यवी उ भुष्यावं त (अवायमार्ग) लग्न (महें) हर्षहर्वाचाः (हिउतेभूने अवसम्मर्थक) त्यमाने गार्टि श्री: (क्याचे (क्याचल के ल त्रामुत्म भे मर्गाण उद्गा) सक्षे बेळावया हः (स्टाप्त्य केलाबाप व ला हार्ड) अपि (अम्म-125) का का क क क क की ना का कि क कि क (my sign to the a way and suran sign) ल्युड्डम (ल्याक्त म्राप्त्र) 11 म्मर्वेयाचम्रे के त्या कामर्थ (म्मर्थायापं माध्येत के अर्थित) व्यक्ति अग्र (त्यां का क्रिकं क्रम्य म गुर्व) क्यायाक्ष्यः (क्यंभूप्रमावं) एक काम् (त्यार त्यार कार्यकार कार्यः व) मिल्ये त्यार में प्र (around condy 1000) Horand of con (18) (कलक्ष्यामं हिनं महक) वाह्यक क्ष्यां व्याच्या । क्टकवं) प्रव्यवत् (अविहरी करवन)॥





EXERCISE BOOK

NO 3

Long meis righ त्यान्त्रीय कार्यकार । १०० मीन्यान्य सार्यकारिक प्रशासिक्ष Mar to Co 92.00 pc 32 म: (1यात) अदमारमारमा वास काम (सर्द क्यापान व 901 टमार्करक वसम्) ध्युष (विचि) वृक्तवत (म्याममा) अवस्वती: म ध्याभीप (अवस्व काम क टब्रमा), जभा (अपाय) विभागमा क्रम-नीय-विज्वा किए (विभार, कूल, भील उ सिख्यन यहत्र कि?), मात्रयक्तादि : किए (मात थक-अर्जिय में अपग्रम कि ?) मिलाजिल लें किं (अठ अठ प्रव्योधियं वे वा क्ष्म कि ?), हे अठभगा किं (हे सर लमामंत्रे मा कि र्राय ?), मामः ्यानादि छि: कि (भक्राम का त्यानादि द्वा करे वा व्यामन कि ?) विश्वाम डिल् (विश्व आकार-कारबंदे या ज्यान कि मेल्य वद्दा लाइ । (लाउं)) विके ल्या कि दिन्या विके त्या का लाड कि १)।। म्। अर्थावम् (य र्यायम ।) भन (क्रायम) CAL (CACSE) PUS: (OWER) ALE: (OWNERS निकट्टे डे मार्ड ररेत्न (आमर्ति) विर्ध-एक. मनकामार्भनीनः (विधि, एक अमकापित वास्त्रीय) ख्याम: (तिक अर्थि) यम्) एड: (त्राम कार्ये महत्र

TWO I TOME] SA: WAST (SA [745]) TO: (CN(30 [COUNTY]) NILL (OLUME) मिकारके लाय खाल (मिका किटमाय त्वला की), मिलिकामम्बल्य (मिलकम्मिन्यमानी), तमेय-नामार्स (प्लांड व नामस्य) भरारमार्म व दसर्थी (Man What Ban Carley in ad There) आस् शर्ये के तथल (अस्टिन्डर) तथल पद्म पद्म (auma sand erencey [as same]) हम: लास (हम डम् नाम [जिंद]) त्याल मंस-यम्बिर्डिकालाख्वः व्यम् (व्यक्ष्यं अदंत-केलाव लाज ड्रंगहि)॥ मी बेस्पार्टि (४ रेस्पार्टि) स्मार्टिस्टिस्टिस्टि त्रिक्र कार्त (क्रायमं महत्व क्रिति व मेरी व मार्ग (कार्वात्रका), बट्यमाट्या: मिन्न विहार्यक्षात्र-अवस्त्रकम् जिल्लाक (जामकराम् लिक्टि व हिंचका प्र ज्यासन अवस्ति अलायमं विष्यं कट्यंत [ज्यामित]) ८६९ (यदि) अ० अद० (तिक अद्भ सर) (पार्ष्य (मार्ष्य) के बन्ती (क्षामां पन प (माठ्यं कर्निमा) महीडिये: (मिसिस ट्याके म्यूट

याप्त) में था (त्याम्याम) मामह ह (ममह ३) प्रविश (अभाग करियार्ट्स) विमा (वारा देश्य) रेय (यहिमरमं) मिनमा (यर मिनमान कि) विलक्षर किंद्रा (जिलास्त्र अर्यावन कि १)।। [(इ बीच ! व्याचे] र्यावते (र्यावत) मूर्य (अरीडिंब अरिड), क्र म नायने नी मार्वपकारि): (क्र म्लाममें नीता उ विम्मी अहि विश्वार) निवयान. सिटार्यात्- यार्गेयंग्री (यिवेशेत अवेश्वरं ने जन्म लयं बाम बस्यकारी) भाज्य प्रमारे है. THERD ENSTERNE THE THE MILE MILE मिन् व वममा विचि अवाद्यां भारते अवादमानी) पिक) मडा सक्त (लारे (पिक) हिन्स म प्रवास्त प) लयम्क्सली (लसलाक्ष-महाव) नामाक्ति (क्यांका के किये) अधिष्यं (अधिष्य करे)।। POI MUL (MUL : [MUL]) 30: 00: (सर्च) यराहि: (अयारभीत) अमरेड: (अमह) हिल्ला १ मा - वसका विमूर्वः (हिसा में लाप मा-मिन् के के एवं समाक्षिका) ट्याट्याकाराष्ट्र-मर्वभावतकवः (लात्मक्षरेड मिनिय टार्क

स्मात्रक करनं [नयडं मारा]) सक्ता दे आंते (मक्त टलारक के हैं नारम) कार्य विषय विश्वीत- मर्बन-क्षेत्रक मार्ड (मास्त्र व लागव महैंस-जियाते १ ले स छित्र व प्रांत । व्रवाय स्था (ट्रिम्स) इत् (वर्) म्लाइम् (क्रीम्लाइम्बाम) अस क अंति (लक्ष्यं प्रति क्रांस्व र्द्र (६८) ।। [(नम्पात्र] चुक्रप्रमन- स्थानमा क्या (खुक्रप्रमा) स्माप्त विमामनाका) अला हु नव अभीमा (सन्तेत्र क्षात्त्रे विस के उन्नाटर निकर मायाव @# 41) NANHIN: (NANHIN) Ergeman: (क्रिक्समम्मेर ३) मत्मेरा : द्वश्मत्मेर -मायवं भाग) प त्व डी: (प्रक्रिक र्यु गार्ट) र अम् कि (क्रिक कि वासिक [भिनि])मालामा (तिक पीछिष्ठाता) कारा १ भूकी भीत मुभडायां छ-उसक्ष (विषय) के अपन प्रदेश मूर्य भी म सक्त मूल्या मारके कार क्र करवं र विष्टे रेप्ट (नरे) कुमाबन्ट (जीकुमाबन क्षाप्त) मर्दन देख: ब्रमा मन (भय लयं डे व्यान डाल अभीक कार्याट्य)॥

* शर (शर) असा अप वस वस वस ए (की वा का प नार नमा ख्रमंक लयं बादमं व योगं व्याक्त) र्माम्पे (जीर्मायम) र्सिम्पे (अयामम-क्रमें (जा कि किं व कार जमा कि तक एक राजर भ-बालाक) विदेशमाठ (विव म्माव सराय करवंप) OU (टाउर उर्देश) लाभ मादा मा आ (वर्म साम क्रम क्रम करने कि बालव !)।। सस (लास्पर्क) ट्याद्र ह्याद्र लाज्य (ट्याद्र ब्रास्त अरम्ड) अवर् वापूनः एरः डब्डू (त्यम नक्ष एर आह रंग) मन (माराद्र) मुलायत् व्यवस्था (मूल्य वत्यात्रिमातेत्) डिलिटिक अभूता उत्पर् (डिलिसे स्मबायते Tarket answer 2 in) 11 PdI लाज डांब्डां (संस असं) सार् । वृष्ट् लाह (outros taré) no (cristé [oursi]) 52 (य मर्भाव) अमार्थिय (अमर्गन्त) व्यक्ति-2 2 (05 of (areani @ 02) CMI regulate (Emplas gen) one no.: (one win ones. इसे मा) दूसावत वास् धाम (दूसावन वासव्ड) कारामि (कामाठ क्रमारेखिट)।।

pel अस्तिकार्वालाम् (क्योन्यायम् मास्ते) कामामार् (on a sing) ain me 26 (ain me 3 '[4 sig]) यरम अ द्रांति (यरा अक्स अ प्रवेश का का का वा क Afra) or so may o (ta ens on sin " [4 suy]) सकत य रेपिटारी नि: (निकिस त्वेव रिर्पण अपय [436]) मार्गामा : १ (मार्गाम में कार्य) ।। र्मावप्यावप (एर्मावप्रमाप्ः) विन (सटम ! [व्यास]) व्यासम्बद्धार (व्या टलक ब्रम्भ किया) अव विड्डाएड (किन्छा का क्षेत्रक कर्म म न प्र (परित सि) on x के 16 (pursus,) one (7 16) अव्यक्ति 16 (यार्था मिथाउक) अत्र अणे ((ताक अणे) मुक (अडिलाम कर)॥ यः (मित्र) कार्रिक्ष (तिवह मं) वृक्षायत- छ्री-201 छ नापि (कुलाव तत क्रिक्षापि के) आकि प्-वसाळाक (भाष्ट्रसम्भक्ष)कमम्म (अमुखन-मेक्क) निविश्व हता द (त्या आर हाश्यात) Ayny (Ayra Drain) 32 (JANA) ISAS (THE DEAD) " ONTHE (ONTH!) FAM:

(में किश्वमत्) कर ममाय (एस्में दिल्ला माम अमली करवन)।। र्यातः (सर्वे वेंकत्वन) स्म सत्वत (त्वत्वत्व) 2>1 व्य व्य (अश्य) य्युक्षकां : (या नाकाव) स्मित्राते त् भूवं नाम विमामात् (तृ भूवं नि क्रिये में क अस्तिकाम अर्थ) अस्ति (अवप् अव्य) द्रस्माः (व्या म्यान) वर्षात्र (मी म्यायान) वमाडे (वाभ कायन)। २21 (त बीव!] क्यावतर् (नरे क्यावत्व) क्काट्यम. मुक्ताय माना मकन (भक्त व्यान के कि स्थितमें लर्भक ब्रमम्) ' वर् भवर (र्या रूपा क) में से हिन्ध् प्रवर् (अन्यत् हर्काम अदार्थ भानारे)हिन्धान १ (प्रियं) लिए। (वर्) ०४ (क्रियं) में अर् लाम (यस पत) अरे मरं (प्रतालीक) वर (७० वर) पूर् (वृषि) जुङ अपस सारा कलन: (ल्यान अक्ष मिन्न अतिकाम प्रक) (याक-रिमामिर् (लाकर्मिमिति) त्मा धामक: (लामक पा ध्रुमा) प्रकार (अक्टा) अवती । सेवः (निम छात्र अविक्षाप्रस्मात्) मार्कमानप्रत

(ज्यांमानं अरधित) दम (शमक्ने)॥ कमार् ([आम] कता) ब्रमावत (ब्रमावता) अहा वर जिंग १ व भारे थ- लांबे १ व भाव सरेश-(स्तिष्ते (त्योभवा अ क्योक एक नार नति व पार्षका केवस वसमाधार्व) यह कैन (प्रमं रहता) क्रियं तर : श्रुक्तास (एए व कमा विभिन्न मार्च १)।। [लामानं] क्यानमें वस्तानं हि (जीक्यान्त भाम कवियान बना [यार्प]) व्यर्व करारि: (क्यारे क्यारे अर्थ) श (ध्यम) कू कर्मकारि: (क्लारे क्लारे क्लार्य) उनक (धन्कान इम रेड्क ([mun]) असमिर (विभमेर्स) сми (хо कार्यात) कक्ष्य मार्थ (((क्राम अनूर्य आर्थियरे) अर्भासीमेखात्र (भाषेत कार्य)।। व्यक्षमंद्राविश्वत्यात्रात्र, (भत्रा व्यक्ष मिंग्रे (भारित् वायम का निव विश्व करते) लय दिन से ये के के का का में का आयं (मायादि जी शंधी कृष्णन अत्र अत्राम हेन्नियि

इंद्रेखाइ [नवरं]) लप्रायमहे वीत (लप्र अम्मतं व प्रवंगाम) के वाकी परिवार (माप्रां ह दिला के वानी भि उन्ने ल वक्षा कर्तं न [लाहा]) प्रवा (प्रवता) क्यारे वी प्रव लायान (क्यावन करी जारूम निमिन यदार्थ में) स्तिनि (बद्धा कांब्)॥ [भाश्य] अमरह मू हि क्षा कि का प्रिक्र म साम (अपक हिसान सम्बद्धं वियम खारमा भागत्वं निमम विशेषाट), अम्ब माला-म्यरका ने वादानं (भारतमा मिन लमडे प्लाहानं क्षित्रावं अवार हाते प्र कर्त [चवड]) रिदं (जीक्रक) अम्बाम्बारिः (अम्ब अम्बाल) विश्व न्या कंपन, (भाशापन अकं मध्य विश्वन डाय वास दर्गाट (वास) रेकारपर्ध (क्यायतकारी [अप्य]) विश्वादिकात् (विश्वे अप्र अ अग्रिम (ते) ट्रिमे (वसमा काइ)॥ मिन्द्र अस्वामिन्ध्रवलिला छि (भारा シターかり सिया भूका अस वासि भूते बंधी मं नजा कार् भू (मार्डिं) न दाव दम्म दिश भू भ (पावंशादिहिवित

(गात्रायं हार्वार का पिरो ३ प्राष्ट्र में स्थार कियं -अष्टि दिवाम कर्निएए), अउ वासिकन्निला छ-एको में अ क्षेत्र (माराव लको देव मश्रामन-कर्क लाक्सार्क में में में मारा ने एक डड्डार्ट) पिया ने प्रमा कि अविष: विवानिए (पिया ने प्रमा मील लाया मारा के का के ब ता अ अर्थ में से से दे अस्य अाय शाय कार्य गाएट) किराकायड -मारिकाप- वार्वनीय नाविका- कीव्यू-प्रमूल्य (रायक्स काक व यादिकारिक वाव प्रचंत आर्थ क किस्परम्य हाता माउन प्रक्रिक र्डामाह) पिना द्यं अ कि एव नाकु ए (या कि प्रमुक्त मार्थन (दिश) एक्ष्र स्विति द्वाना प्रतान्त्रप्र मा कार्यार) मीिडिं श्विलन (भारत से सर्व र स्था क का का अप का का का का का का नि कृ विख्य (त्याकित अव्ि क्रिय भाग) व्यक्त-(आरत (लाट्या म स(यस्यक्व) यापन्स-विकित्र (भवाक्र मार्य अखनकार्न) मन्द्र मन्द-मीलमील पिरामक सार्म (कार्म मूर्य क्रीकन 3 पिका (भोन डमानी नागू अयार) अउन्मेखान-

स्मिविष (निवंदेव ला देव लाक निवंद स्मिन कार्टिए [१४०]) उडामिसे कम् मृत्य-प्राश्चिम-ट्राड्स (विडिस धडीसे बड्ड मार्स विमारिक 2151 (NOWN [WR Q 4 38 [73 20]) लाह्सके के के सामार्व (लाह्सामक के के में भीड़) मताक विश्व (क पार्व वाग-विश्व म) (भोन-मिल पम्पेटी (लोव ड मीलवर्न मामनी ड पास रायक) अपं (प्रंटे क्राय करें)। व्यीरमावर्कता भविवं वार अपूर्व (भिविवान लावक्तन निकरे वर्ष दात) त्रुवाभित्याः त्लाइरे भर्व विम-सूर्वा-काविकीनेक: (क्यार भूधातिक्यं मार्चिकान्याका स्थि अपृत्तात्वहाडा अदा कि श्रीमा) विक्रिक प्रकल-भाष्ट्रम्बिहा (वबर् निभिन अकिताम-माहित बंदमचं लाहिया बद्ध वेष्ट कार्यमा) तमारम-सका सकः भिक्षः (अवस सप्पंत सका एपा विस्त मिक्न विग्रमात्र), जम्मः (जात्रान्दे अए। उत्र) अविकायम-यम-भर्मा अस्य स्वार् (अविकास सम् वन मानिन अन्ध ज्ञास्त्रान्य न वर्षिय [CM el des 50 (5]) 11

अधालकर्य वत् (तारे प्रवालकर्यक वत्ति) अर्थातल-वं त्रिकिस्न- अवभागमास्त्रिमान्त् (ए प्राम् लायम प्रमे त्यनं काक् म कार्नु गाटः ' भाग्रय प्पातकतं. लायम् काम कार्य नकार्- मिम्रेश्वरं । मिरे लाख्न ([दुक बर] अभारिष्ठीवड) अर्गामाकस्तु-व्यात्वर (१९३ व यत्तव व्यक्षक प्लार्सिस्य सर्बेर्) क्यायला वट्यक्याव- में हर्षकार्वक-हाराक्ष्यं (दुर्स क्रिक्स क्षायम क्रिक मार्केट P सर्वाद कार्य सार्वा अर्थिव लाकात्त्रक ([वड]) (म्यं तिमाण्य का का वा मर्ग्या सार्व म्या है वर् (टम्बंड के देख्यमाना महाता मर्मेन उ सार्मेन-प्रभारतं भद्रार्थ(म व्यक्ति विहिन्ते)।। िडेक वन] अयू ल पिका धालिका-नयमं- कार्षि-यार्थिका-2027 कप मु- इस्मका वती - मूलप विल - वी भिष्टः (अपूल दिका शाल्किन, अयंग्रे, कार्ष, क्या, क्या ह क्या के, मुलक्य), निर्मित क्य-कारकी-क्रम्स-विश्वका-हिटि: (आडीम, कूम, किएकी, कूम्स, मामा) मता ज्या प्रक्रिकी न जापहत्र मुक्त काली छ : (धरमक प्र भर्मी माम प्रहा प्रमा प्रमाण), प्रमानि

(कार्यात्) कियो प्रमासकार्यः (कियं प्रमासकार) ल्यान्ट- क्र्यं कावंद्य: (ल्यान्ट, क्र्यं क्रांक) आद्याह-मुक - महाना - भूवन युग्यकापिडि: (विकामिड कार्टिमुक, भक्षमा, न्यम यात्रका अक्षेत्र), बिहिन एक - सिनि का-मुमक वक्ष जीवकि: (मार्थि मिर्गे न मुमक वक्ष्मीवक) र गावि- क्रुका में डि: (कर्मी उ क्रुक अड्ठि उके-पका स्थितिक) सिटिलिक (सिटिन (आ हा स्थर प काब्याट्य)।। िरेक्भडेक वनीरे] विध्यिल ज्ञाराम्मरे: (विचि भन्नमानी), विचित्रभामर्ट्छे: (विध्य कुत्र्मभूष्ट), विध्य भयम्बूरी-विध्य-उद्यामिकः (विश्वि वय स्ट्री उ उत्यू म्लाडिड) विह्य (भेवल्यारेय: (दिन) (भेवल्यम्) विहिन-प्रीर्विश्विः (विहिन्न प्रश्चिमेन्कर्गे [वरः])विहिन-(का हि के कार लि: (विहिन पी। श्रिम् इन्यम) अर्दा: (ज्यापत) अभाग्निड: ह ब्लं (ब्रम्मिविद्यादा उ onoz y क्टियर)॥ २०६। असी कियं इंड कमा मूबपमार (चीया मी कियं वंडम) ल्पणालनं लर्षिव्य क्षिता) ल्पल्य राष्ट्रियरं-स्थापः (काश्निकिकार्त) क्या न्या का मार्थिका काश्रिका कि

(मैंग्र १ केल आवी अप [९० वाप]) लाप प्रमुख्ये (अरंश लायल डिटरंप थर्ड) कप्रथित- कर : कर-जिलि-क्यापाद्भः (क्र्य्र्रेसरांतक केर्ड क्ष्यावक) क्लाकितः (क्लाकिसमारोनं द्वादा [डेड-वत]) वृद्ध (आनुकास बहुमाट) में को माक्समें बर (सब सर्में बसप एक्सर रें के कार्डिट [नवर]) लागी-विडियः ६ (लायाम विडियं मान्य हाता ३ द्रम) लामान-त्यामार मर् (ज्यामा त्यामार्य वर्षित र्यं गार्ट)।। जमार्था (ठक वन भर्षा) पिका विधि व्यू निक्शामान-भूक्षाक्रमं (विध्य पिश वस्त्र अप्रमामण मैका आस्त्रमण) आसावर्टें के (अस्त्र-द्रवत्त्राचा) क्रम्यापस्त्र (क्रम्यास्त्र) में क्रमः (स्काला) ममहार (यह्य) व त्या मकवर्ष: लाएं (ठेउस डेलकवर्र एक) जल्ल वर् प्रेर (विहिन भगार्भाड्ड), कार्यमान (किया द्वारा) हु: (प्रारम् क्षामत्यवं क्षिश्रम् अमिक्षेत्रकं चिक्टी) यं शासिक विक ति। भी विश्वाक किं देव देव दे (त्यामा अस्ति) प्रमास के के प्रमां (रापारेस मधीम क्यूनंगि विनावसम वार्टिगहर)।।

लास (लास) मास् वार्स के के (वार्स के के 2091 वावित सर्वा (पाला) प्रमा (भविमा) व्यक्तिः अपन्यामण्-) राज्य ध्रमार्क ल्ड्र्यः (समार लाप संसमार अध्र मिलियां भिषा के अरहित (अर्थित) व्यावक-हर्व भेट्टी श्रिम्प्रिक् (वि हर्क मुद्दा बंदे में के लायक) यत्वे त्यालायवड्याड् (बंबेसन त्यालायनैक महे-CMURE [चर्ड] ज्याकि ये अवक ए से अवक प्रस्ता का भी-केरियर (विनर्दे क्तमक्षेत्र व्ययत् हामान राप्ता रेते वं भार पु) सद्यास्त्र (अवस्तराप्तंस) \$ 86 (\$ 3 SM EL OUZ COCE) 11 20AI डिक केस्ट्री आमाममत्वता (एमाप्टर लामड्ये उ कसाष्ट्रे अल्डां के (अ) अंग्रिक् (भंग सिंग) लां : (म्याका के उक्त) लाल में डे के व्ह (कार्यमं नी उद्यामन कर्निटि) विमार (nonesour) elin: alosin (ensura alloga वस) भना दिश्व (भाउभान, क) कुष् (विविध दिव) द्रम न त्मनं त्रकाम कान्टिर) रेटकाम (ज्यान क्रायामन दे क्षेत्रक व वप)) जामहर्य (विष्य) कथ्रालिश्वामि (कथ्म उ डेव्यम -

अक् जिन) हेन्यी नथ्य भी नथ्य (हेनी नन उ निधीनन थिरे विष्ट [विष्ट्र]) मिक्क्यामिक (मिक्क्यामिक) या या वं वे में का दि ब या दे (या के दि वे दी विषय अमेलिं अभक्षत) ग्रेटी (जडराम कार्डा हर)।। [डक क्छरि] निर्माप प्रशासिक हमप्कारिकः (नामास सका त्या बंद का अप है सरका वं का अस्त) में हा (अबक्त) प्राम्पं इब्द्राः (अभक्ष भक्) अस अस (लाम अ) अमें के अप (अवस्त्राष्ट्र) स्मिन्दि: हि सम्बे म् काम हरवा) विवास के हि: (बेशि-भीना) नामायप्र प्रतानिमी-क्रम्मिनीमूर्काः (खिल्क् बंतेसते अलियी व केरिया तहि) अल्ल-िताः (वैकार्याम् [यड्ड]) कुन्धिक्रियं (बीच बडी उ के बावि व) सर्व गर भारे : जान (स्ट्रिक अवप्रतिक) भी ५६ (अर्वेकास ड्रमा) यस्त्रीयकं (व्यक्तमं सेयं ड्रमाट्ट)।। िद्रम] सत्की मान् (धन मद्म) व ट्लाइक ट्ला : (विमाना-क्रियाकी) विश्वकरंगः (विश्वन में अध्यवं अप्र) प्रकारकार (भागमा मार्केन) में मा (त्रामा) मर्वामि विमालकः (मिशिय में भी नर्ते विभाग अरके) मामें : ह रे मूर् वल ह (हर्लाहर देश्य के विकास व वयतान)

लास: असम्बर नव (अमध्ये इंद्रेख्ये आल) देवे समारे. (जरु कुन्निम [द्यां]) अक्ममं वे दिल्लान् -में पंच के प्र (चे के कि कि कि कि कि कि) को में दे यश्चारिकामण्यं (जीयश्च यं वेशणं हिंसिहार्भ पाणावस दुसक्षेत्र अवस्त्रीव अक्षारा [नक]) सिवा-अम्माउ दं (मका लाल मिका व काबारेन क्या दा out 5062) 11 2 > 0 11 िद्यांचे] समास्त्र सत्ताक्ष्य अदु ह ते कुट्त (स्पु संत डे ब्यम छोनं हर्षेत्रं) अश्मिम विक्रियर-य व भारे व स्वायका सकाल (काक्ष्रामी म यह बिहिन वालकुरम् मूलाकि डेर्भव लग मड्म इ विम्नक लाम [नर् देरा]) विश्विव व य अव्यक्ति करिकामुस्राह्णकरोड्म म्डमप्डमा प्रमृह्णि दमा डा पुण् (नामा ट्यो छ व्यायका विहिन स्क्रिक कत्म अर्विष कर्मकरता माहितक रें में वार्षित अर्धिश्वामा अटिमाल्ड वेडिमेट्ट)॥ >> 5 100 (दुक के के) या बार्क का आवं कर्ण व किंग शिक्षा: (ली ग्रंबी कृट्यनं अप्रीम कल्ल नामक्षिकं) कार्य (कार्यक्रमा) मिल् क्यें (मिल अमार्मम

क्रिंग) रूक्तक्रामालियाः (क्षावहमक् जामक-हा सक मूल म मृद्धिक) प्रकार कर्ष (व्यावनि किया) कितिकाम्य (कानिका भार्ते) मार्किन् (सिक्षान कामिए (इ.स.) !! मत (१० के छ रहा,) सर्व सर्व के के मकी ट्या है। प्रिक्ष (मेसर्वे नसवं के के प्रचे) क्यक -क ब्रामितीयण् कातल (ध्यम्भग अभवत) ्त्रिंड (मुर्क) ल्युमान ब के माश्य (मुम्म्यं में अन्यों अमरिश्व (अम अमेरा के वित-कर्तिक करिए) निक्रम मिमंड (चीरक) अमटिसिन काल (अममरिंद हुम्म कारल) व्योधनाड वक्क काहिकर (हेक्सिनाटक नाशक्षक से अ सर्य कार्य छाटिला , जिला न WAY ROLLY] HOLD HAR ELA (3) in qua da ह ब्राम कर्नमां) आस्त्र प्रदेश (ज्या प्रमेश रहे विहिलान, [= oraxiv]) sign (mjarge [2.151(2)) लयम (उपयाम कविषाहितन)।। 5 विस् अव क अवस् म

MIN (OLD ! [B. & LON]) 19 1306 (WHY लिंस) म्यार्मा विविष्ठं (स्पार म्यार्म भित्र क अया है क श्रिक्ट) कि। कुर (कार लक्ष) असे शिका कारि विदे अरे अरे अरे ने-कार्नक कर कार्वावादर) विकिश (त्यान पर्म) कर्यम्याव काल- (कर्य मन् कार्यकार) दिमार्याम्यल्यमं (दृश्म त्रम्यल्य क्र.) किकि (त्यर पर्म) कुष्म अक्ष वर्ष सशासाद (कुद्ध यदाय भाग व्यव्यमक्ष भाषी) विश्वाल (क्यम कर्म) दुस्य विद्यां इति (त्युं ह-विश्वानमा) विनिर्विष्यक (अस्त विकास कार्डाटर (on and)) किसान (त्यात्र लक्ष) सत्रार्थत् (लाटुकानं लार्जिन-सरवरे) देख्य (व्याष्ट्र अस्ताम कार्वाटार्ट)।। िडेश] धारिमण् (तिबहुक्) दिवार् नामा पूर्य-21 म्बामक्ष (विविध प्रथम किया (भोवड) यम्कीलभे (अकालकाम्लह [नवर]) नातालातक क्षणण् (विविध विकि व्यक्षीं) पात्रमें हिक्सारं (पात्राहर दुक्त (कार्य)

वस [@]) भाषासाल व टामा से स्व तक व व व व व (विधि मूनमपूर्य क्ताना भने) अकरेगर, (आसिक्षान कविएट), की नाविका-धार्यय-क्रीयायमारि (अवाहा व क्रीकरकं की अरवन वला) करेगाने अष्ट एम अमारो): में के (याक्षि सपुरान सर्व स्थान व त्मस्या-अविशिवा दक्ष के कि व व विश्व हिंद र कि ।।। श्ची मक छ ० लात (नार्म ल मिल के दिन सहीरत) 01 लि बुर्गमा- में बेले य कर्ष (बेले सन प्रक्रिश) समुख्या (मम्प्राप्त हाना कार्नेका हर्गा) वास्त्रियु (स्त्रीयांचा) आमारत्य र तर (स्त्रिक वं प्राठक) भाग को कुक क्रवी (को क्र कडर म मात्र कार्ड कार्ड) रस में बंडे (लामार्ब यम्य (माहन रहेर)।। भव (देक प्रावायत) कार्या (क्रीयार्या) अभी दि: 81 श्रम (भनी भारत मार्ड सि निज रहेगा) अकर कप्रमानिकामिकः (मिण कर्कप्रम-मुलत्यामा ग्रीव) अति: (अ लवा निमा मत (अकर विरस्त्र) (न्य्रिक के अवि वर्ष-

क्राल (सहत कविष्ण कार्वरण), माप्रियम्पालाः (लावप्रक्रम) मायन्त्रपुः (म्युक्रिक्) लमर् लमर् थिक: लाम (लाका । न्याम अवा-यन रार्य अलि कि कार्य धेय (महित्र म सित्तेय पात,) द्राष्ट्र (चयुंचल) ये द्वार्जिं म्ये (लर्मिकसर्वें) AYLY (SLD) OLEY) (MAYOLER) देवनंग (ध्यामिष्य प्रकेश उर्जा) शिर्मात लड्स (त्लाद्य । क्षित्र इत्रेम्, नद्र राम्मा राम् कार्यार (सन)।। कपाल (कअम ७ वा) अनू नि मन्त्र निकुन्त -अवी अ देश: (का कि ला अर्भ के राभ के मिन्द्रिक व्यान्धार्यक द अर्च [3]) विक्षीर्भ व्यानियय-युक्त-भूकन वृद्धः (विक्रीत वृक्षमत्तेन प्रथम [अवर्] डेउम कन्न वृक्ष काविश्वाना) बीटि (आइंस्ड) भन (डेक मारन) मिहिना विकाछः (विधि विरायमभूर) क्रूप्रमा-ल्वपुर (अस्मायक्षात है। व) प्रसिश्चिमें कर (क्रायम कीश्रम्भ मिक) ल्या अप (क्यान कार्य गाहिल)॥

या क्या के कार्ताः (आया मार्क किये) अवस्य वस्त्रा-41 बाठ: (सबम्मर्वं अवस लवंबास) माम्निक भव्याव-विलाहमाक्न हमप्रावि (भन्भावन मेर्रामा भरकार्व १ सरकार्व रिक्टियात) अवस्ति (अवस्थावंत) देक क्यार (विविध ह्म व्यक) म्र प्रकालक अभिति: (प्रक्रमुक ण्यं अन्न [१ वर्]) अयं अवक्रमा स्वीवस्त्राविष-जवादः (अवकादवं काक्राणालक्ष लक्ष. व्यवविश्वीव विमात्रभावा) प्रका (मर्यका) लया (देवकम विक्रांत का ने (अ(ह)।। [गिरि] ग्रान्त्र एक लाय दिया क्र कर कारिए -91 न्त्री स मंग्रहरिते देश: (जाडिन के किलान मामन निका उस काक्त प्रमूल प्रालंब धर्माडे) नम्बनामः हम्बकावि छि: (निव्दुव विश्वि ह्यक्नाविक-मुक्त) आजिस्वान्त्रेड शीववितः (भूमर्न कल्लीक्रामद्रभी वरात्र [नवर]) न्याम (अर्थः विकारित: (कृष्टियान विकाय अक्स) गर्-भारताका क्र करियः (मम्मम बहत, अक्र उ कम्मधाना) अविजित्र हती: (निक्विजित्र तत-

कारियो) भरत्रक छछी: (विज्या स्तक मानियी) लायी: (यभीमभ्रक) विमालनेडी (विमानम्स करत्र), भा (भरे) कार्या अव (अन्तिकारी) (भ (कारात) अव्यव् (उक्ता अव्यव) ।। [मित्र] उमार (उम उन्त) रे लायम तावा (क्यावल मध्यकांक्ट्र) व्याजिम्बाक्य प्रदेव-भू व नीमाक अध्यवि- मूब् विदक्ता मर्बी (लाक्षिम प्रमीन भीता, सम कारि उ म्बलते पूर्व मार्व मार्व रम [वबर]) म्बूड-म् नाष्ठः (निव कु अभू नी व अर्भार्म) ना (किल्मारी) मा जाना छते- ना स्कू मू म भा ६ म १-काबारि: (अवस्त में कता व श्रें कार्यान कर्षियं लाह काक उम) मा (कामा) डापर (हिंड) प्रमाम्न (निक मिम्ट्रिम भार्व [सर्]) कारी (क्षीयाचा) एम क्रिक (आमान हिएउ) भूव (कार्य हा रहेर)॥ अ। [यात्राव] नीम्लाचिलिन अमावि-लव्माल्डार्ग-न्त्रपट्योव्छ० (विकि त्रोव्डवान अविका-वत्तवं प्रवेच अप्राविष द्रे एएट), आर्म्भाम् ए-

मिश्रवश्रव-मदालागिष्ठ वंश्रव क्रिक् लर्यक्षम सम्माम्भेष स्पाप्त अन्स (अमित्रिंग व वं अभागां भन्ता व विकाद) विकित्यकाय क्षांस्त्री क्षिणाट [वक् भाषा]) भामप्रितिः (। सिडिम प्रिक्मभावा) दुव्यवावन १ यर कर ना विषक (दुव्यवावन क्ष्याच्या भारती), जीवादाहर टकार्ने के व (क्या का मान किए किए किए के के कला (कर्व) दुम्द्रमः (थिय दुम्मेशवा) सस (लासान) वेव दं सवरमत (में मसव्याक तामके कार्यक न जिल्ला जाति द्रायान स्विश्वान में धामकुष्ठ कविव १)॥ व्याद्य (व्याप्त !) व्याविक ने व्यक्त नी सन् प्रकारी (व्यक्तिनं हे क्या भेत्र व भी सर्गा नं भार कार् मिलिये) (करे) धराविक मम्बरी

(तित्रहन्द्) अयम्भन् क्रिक्न क्रिक्निणाली (अस्भावं का मार्थि विश्वितात काल्यामुक कार्मा) अमेग म सक्तार्वः (देश कमात्रं एप ० (क्ष्मंत्रसीर्डं भ्राह्त) मैं अ) व : (435 22 (0(52)11 क्तारा (लारा : [मारा]) यहा (यद्मा) लय द हां छ -वार्षिका - प्रमुक्तालि वृदेशः (आवार्षाक्षकं अमड सर्भ का न के कि माना) भराके वर्ष (अने स सि हिन मारा]) बरावम हमप्रिणिश मिष् (हमप्रावी भरावरमन लकत हा अने) र स्थाल्य मर यह मर्मा हर मर ह (ियर मार्ग निक्य देख्यम व स्ट्रामित स्थामी, [ल्यास्या]) र्यायत (र्यायत) स्टिंश सर- व्रामित्री-मार्थि- दिवा कुछ (कमर्स समया के अर्थी की वा का क भवतासित (मर् एकर्किर के) प्राः (वलपा शर्व)॥ यद्यावि (याराम् क्य) स्त्राण (स्त्रा कित् बीयमतीन) प्रणः (हिण्यः (विक्र हिल्कः) सर्गः (विश्वभीत्) का व्यक्त (कार नक) व्यक्त (विध्या) वंत्रप्रमी (वंत्रप्रमी) वृद्धिः केरपाछ (रिशिव प्रते असे [कर्ड]) व्य (वस्त्र) व्यक्त-

(स्टिमंत्र द्र क्ष्यम ट्रमुंब त क्ष्यम्) डिमामट्रेट अवसक्तक्ष्यक्षाम्) म् टिमाय्वाक्ष्यम् क्ष्यक्ष्यं द्रश्चामम्बद्धाः क्ष्यम् व्यक्ष्यक्ष्यं (विक्रिक्ष क्ष्यक्ष्यस्य त्राम्बद्धाः लायम मृद्धिमें (लायमायन मित्रिमाय) विद्वति (विदाव अर्जन हे कियान क्रिक मात्रा नव्यक्त कर् ई र्यायभीस अपर ([क्रिस का] र्याय (पत किसप्त्रस्त)) कृत्र (चन्) अंबर्स (दुवरा) के वर अरमस (केल दे कामने मार प्रमु)।। की (भावक्र टक्षामिश्र मधावाद्वा अश् (क्षी (भावक्र न सिविव लिखारम्लान अलक्षान मिन भराम्य अस्त भारतका के वढ (म्याना के व) ट्राट्य में के नी क्ष्यमं भ-अर् ने वा वे व त ७० (क सम टमा हम विक् एमर्न की कुरक न स्तिक्षेत्र किंग) यम (नम्पति) भारतः (बीक्क) व्राम्बिष्या सम्बद्भः (म्र महान हिल्ला र्ल्या प्रत्याभ करिया) भूत त्योति : विलामक्ष्मसंदर् (क्रीक्षिक्षम्भारायं इ. में हे अका प्रय 3 (म्यामी प्र भडकार के) (का मार्टिं) (ब्यालाक क क प्रमात) सामक स्मार आरं आरं (बर्भीनं धामक छन्नाहिनं विश्वतं करत्र)॥ 181 अला (८ मरमां) अवंग न्यार्थमायम (माल्मा लाभू (अर्थमायपतं अवसत्माता) भागारं (मधाव मु जिक्त), इतः (अक्षित्) व सु छ श्रीणावर्षत-

(मप बाक । म ब भा का भी (का छ। हिंग । सार्व बा छ ज्युटणा कर्ष्य व प्रथ सन्दर्भा के) लका मर्विष (लाकु अमं लार्रे आर्थ मार्थ) लायबार् (मार्था के दुर्लाल अप्राप्त अर्वत) अव्यक्तिस्य मेर्टिन-संबक्षा सम् म् (पाला द ग्रं (विष्ठ) मात्रा. भी मारी करकन थानि विकिस कल लिकार सार्वित खाना अने सिल्पा हा काने म कर के) मी बादका-केलमार (म्यामाके किं भ्रामाक (अर्) वनीय छन य छनी १ (न छा इन स्वा वित्र जिं। में]) स्य (क्याप करं)॥ [प्रमण । विश्व] अस्ति। क्ष-मावक्षि वर्षा) अत्रान्माविकी (अन्यन्माविके) Cay ((अर्) टाम्ब्रक्षेत्राक्त्रि (प्रवंद 3 क्यात्र वर्ष (क्यावर्रा प्रद्र) यं (क्या कवं)।। पिनामकाविकि विषय म्माप (यामम अमन पिना बिहिन रेम छ व वालिन अस्ति न प्रति) म्याम् सिक्टिणम् (अपर तिक्रेमाम छ स्या रेन)

मा अर्था के परिम क ब क्षेत्र में दे का त्या मा का भिना ? (त्र स्तात जीकिक मर्म क्ला महिन त्यापन हेमापमा मकत त्याक वार कामन्त्र इम [विषर् भारत]) विभागम श्रूरिक मिक्र-अव्यः (क्याप्रस्था मेन्या भिक्षे अवे आदं) बाब्रमहमान् (बाब्रमहमान क्षेत्रणाह) लस्तिनंत्रमत् (लयमें समानक) वर (अर) व्यायम् (व्यावमाक) आका (या कविया) क: (लाम बाक) किल्न (द्वावत्म) त्यार अंदिक (ला) अमेर कार विक्रिया कर्ति वादं।)॥ अवसामकाश्वासम् (१ अवसामकारं कृतायम!) . बग डी क जी अ द गवर (अरेक): (बग ता विकायम् अरे त्यव्यक्ष्य) में (में के में मार्य) पित्मकारि (ज्ञानु स्मिनी भन्ता) (० (कामान) हाक विकानि (अध्यक्त अभ्रष्ट्र) क्वानि प्रसु (सल विवास ककक) व (अवड) न्यासान-युवती सरावव-व्यापातं (अविविक्षा स त्यानंस अवस व त्यानं हमनंदर के काम विकडे]) सरासारी गारिस गीमार (स्था मार्गिन अने अम्मा असम) क्(ल (हमरी म क्ल) अ जिम्म

>91

[लासार] अरित्र अस्य) मा ति लास (द्वारत उद्गाय) अर् वू रिमे: (अमर्स रिम इरेन)॥ यय (एअस्त्र) पूर् एक्षाकियाः (पूर् एकाकियम) 36-1 श्रीक्कम्मारालक्ष्रभागः (क्षीनादाक्तकं स (पावंश मञ्जूब । आअमार्ग वर्ड उर्दा) र भाय-भिगमान (लास कक्षा प्रके लामहार्थ) लाक्त्रो (लाताउन विक्क) दमसः (लाक्य लात्व) भामा अपि विवर् (विविश् क लाअप्तां) भागे दे (आम करतं) यम (त्यक्तत) मृज्यानि बीका ह (ज्याना के किने] में को त्या कहिंगा) । आश्रम: (राभ्वमते) हिन्द (विहिन्डक्षीत्न) र्ठाडि (रें के थर = [नवड़]) मर लगृह (त्रास्थाप) किम्मार्चका: (अक्ष्णानुग्न) क्ष्राम्भी गर्दः (माना मार्किन वर्ष व्याप्त मर्गिन ध्य की क्य करन (ल्याहर]) ७९ (त्ये) मुमानम् (न्यीक लाव (परं) की गीत (क्याप कर्ड)।। मानी लिए प्रवानि का किस मरे (पामात (काकितमर अभी छ हिस्स इड कार्य गार्ट), मारिद्राञ्च मार्वि (अमृत्मे न्जाविकरम

हिल्लाम मार्वाल कार्व (७०१), क्षी सक्ष पिया-अमरेसबुवं (त्याचुम् एक भक्षतं सं व भर्देव मारी स्वान विश्वावं कावं (वर्ट), केश्रेम्बर-सक्सर (अस्ता म वासक अ अंग्रि (आला आई/करह) वासीकृक निष्यत्री जियम व प- पार्भी क मालाक्रिया-म् मीं ने क्षा मार्थ रे मर (विषर) वक्ष प्रवासन न्ध्रांद्यकिकिं (अध्येषेक्र ध्राम्प्रं वर्-विसरत आर्डेट प्रश्निर्धात्रं सत्त्रमां क्रायात् N(wan day elaso(5 1 (015m)) Xuras (बस्याय) बेलाममर (न्या बलामम) द्रार्ग ४ ([pura 120(f] morasan + + +) 11 सक्त (ए समा [विषि]) ल आया अयंती-अडिमिम हिल्ला विम् वा मुनि मी (अभीम अस्माम विज्ञा हिल्लास्त्रिंग लामे अमेरिवं मीलस्ति) विषयामार् वारीला वे मुण्ट् (क्यम-वारिका वार्विश्वां भावेष्ठ), अमस्मानन-मिक्टिश: भन्तु (अम् उक्नाश्ट्रम म भारमाराष्ट्र अस्तिक्य) न नीकामिक मुग्न अर्थन यमरे ([नक्] क्रामाकि कि अव्यक्षाति

लाक्षां), लव्यत्वाहः (लयं ममसाख्यायी) इक्स दम् (नी र क्स व्याम) भारं (क्सम करं)।। [ग्राया] प्रकृष ज्ञाल (नकवाव मान) विलाकाष 2>1 (मल्म), मल्मारि (मल्म) मार्थ- क्रायाद E (ज्यान ' श्रीव्य [3]) अवंपतः (अवंप्राह्म) कक्ष्रमा (के ला मंडकार्ड) मध्य व्यक्ष १ (अस्त्राम्) वैक्षाम्य (वैक्साम्) ष्ट्रिक्टीहोः (विवस्ते कत्त्र [नक् माराबा]) मार्व अकृति व मभावाधामर्मः (अकार्व लाश्व हिमान अन्यक्षम मक्षि) विलाहीता: (जल्लाम न [आह]) र्मावम् क्राडाडाः (ब्लाबान (भी वक्ताव्यम् कि) मिछ् नमः (सर्वार न प्रक्राव कार्व)।। त्मात्र (मार्य व्यक्त्यमं अवर) मार्ट्या (व्यक् 22+ إحصية डेक्न) देक्विटिंगार्थावेश्वात (मार्गवर्द स्रोवड-वित्) वयान्यामार विद्यः (विकाद्यम्याम् [3]) क्र व्यवसंत्यः १ (स्थाप्त सर्व्यांग) में दित (Much) golf (galdelen) mungh: (आन्यामितियां) भुष्तित (लार्व किन्यल)

इकावम छूवः ज्या (क्यावम छूमिय जमापम) राहाकका है। (न्या का कि कि अस माम माना) वंसनाम्याम्य महीं (लाकु आनं स्टाप्वस म्या द सर्व छात जास इर्माट)॥ यव (एम्स्स) अविविधः उद्वय विवल - अदामकरणः (की गरीर उ जिसे म व अविश्वन आत्रम् मण की कृष) वक्तान (महत्त विदेश करते) नेन (त्रिश्स) अवसद्याष्ट्रम् काव्यीमा (अवस व्यव व्यवमार्बे व्यव अना काका सं(अ) (अमर्गिकाई: ((अमर्मिम्म) लाके (हिम्माम बर्ग्यगार्ट), यस नव (त्यमाम) क्रम्मिस (सर्वाहक क्रम्सि <u>विवर्</u>]) २८ लास (गारात) अने करं! (लकिस) प्रकारमातामा-श्रीमा (अभीम मिया टमोडामा बाला डेम्लीय कार्यमाट्ट) अविकावने) माधा (अविकावतमाधक) एमपठः (उमयात्व [अर्थ]) अर्थ सामाजिसामा (अस्प्रिम र्शम) न्यां (निम-देएकर्म-विश्व के विक्टिम)। यूका: (आउडमर) मूका (व्यारे) त्यम डकाउनर ई अक अभूप (हर् जान् काम ' CRUM. 3 CANGIE. म्ल लक्षावि पूर्वार्य) विष्विति (धन्नामा

201

कटनंस (िगड्ड])र्यान्यिक्षा हिमाहिका : (र्याप्यान ्रेन्यात्वन क्षान्य + बीयमने 3) कुछार्थाः कित (अक्स अम्मादिक क्ष्यमाटिक केवार डक्ता) क्षिति (लयमाप्रकारंप)॥ कथा ([ल्यास] कटक) प्रत्यास (प्रशामित) मित्रहेसमः (लडकान् स्तान्त्र रहना) कीनम्या मृत्याः सीन मृत्यामः अववीयन (रेट यार लयम् पर्वाय रेड्स) ट्यस्प्य भी (य (त्यस्यरमवं सकार सका) र्यावस (र्यावस) (र्श्विष् विल्प (१५) है जा हक कि व 1)॥ इसका (माद्यासक) १ वं प्रत्येष: (अमर्वि वंग्रेख) उक्रक्तातीर (उक्षा अ अष्टरम्हि कि) भूगारि (लाबिन कर्म), ए० (अर्थ) बुलायत वात्रितः (अहिला-वत्र वा मिलते) अर्व छात्यत एम स्त्र वा: (अवस लर्य बारमंत्र अधिक लक्ष्यं (अक्षरं (अक्षरे)।। की सर्वाकपत्रत्र भागीत (की नृत्याय ततं भर्भामा रहे) लश (नइ अक्त्र) कि हिमंद्रमर्द्रमः (हिमंग-क्त्र विश्वत्र की वलते) यल वा मुला: प्राण (मिन क लगानंत कर्मा लयमार ३) सु क्यारिट प्रमा

(याक्ष कार्य संस्थात में यह कार द्व)।। आम अस्य: १ ८५ (८म अक्स का अंक्स् अरु ३) 20-1 CP 312 (अंसर्ग) प्राच्याम के त्याच्याम (न्याच्या कर्म हिंडा करिए) मृत्याविभित (म्यावत) वनार्ड जा (१४३) (भाम करवन , [धारि को]) धानमान (वक्ति) हमार्थ (हथ माक्र नपुरक्) प्रमास (स्मा कर्त) 11 लम् सारा प्रमाय वक - किक में में से खें वर (म) या बा वे 201 स्टम्राठ कार्या कर्य स्टिकात कार्य उद्गार क्षीक अव्या गर्म मेटिकरवेष) रेक्स वपम्मवी-स्त्रा मा भारत व व [किए ही ने क्षां व कि के के कि प्रमाश्वीया (सर्वे) व्यक्तिकार (व्यक्तिक करें)।। [मामका] ब्यावमातः (की ब्यावस्म) देर्द्वम-कासामार्श्वसववारिक्ष भार्त (हिर्हत कास्त्रम्स रमेल अवसरमामिक्षेत् राम कत्राह्व क्लिक्षेण) सम्मार्न क्षात् केर्ड (काश्रम् न मुद्र का कर्निकत्त्र [यदर]) त्यानियम् मू अटिमकारहार्य-मकाउनामि (यात्रार्भन त्यत्र कार निवंदर समाममा विसम् वर्यमा [यर्मम]) खिलात (कर्मन्) CMन क्योसिय सर्में (() वं व

न्माराज्य क्यां हित्त हित्त मारा में में वह (menera wall and also men way) 11 लार्भेर से सारात्र या या विविध्य विक्या हा के वी सार्वेशी भर आतिकृत्या विकारमा कार्या कार्या विकारी (म्प्राचा मिर्मेम मम्माप्तं क्षेत्राच द्वेतात्म मेक्क अब्मावं के भ (भारत विश्व के विक्या वि किया वि वि वि सार्वेटित का बार हा के ने करवं म [नवर]) सिय: (अवभात्त हेलाला) हेनिष्यमानमं विभिन्दामाने (कारिक्ष विकित कम विभागमभूय वार यादारमं अवंत (आलाव क्रिंग ४४८०८६) क्रिंश रंश माळ-भूत्या (में रशत्य कर तिवस म्रामक मुक्त निरंदिन) Cupamilly (Cupa a minay) (() () () () म्मनक) ब्राबगाड: (ब्राबदाव प्रकारत कः व्याच (क्या) अवस्ति : (वासक प्रवेश) मा बि (अर्थन केम क दम म)।। लयर संकल्पिहिः ([मारा] लयर संकल्पक लायतं) 021 मन्त्राव्यार्थित् (अपन सार्वितं विकामाअय) अमर सि हासिकानिषि: (अमर जातन आकान), लयड स्मिलाम् हः (लयड स्मिलाम् लाकन)

लाउड दमन मंद्रमाडम चंद्रमा मंत्र मंत्री ([नवर] अम् अम् अम क्रम्य स्म क्राम् क्रम् भूम क्रिक् में), इंग्रं (वदंस्व वदं) लयद्र में लावपरं (लयद्र केंग्र-वर हास) समीहिंवर (लामन कार्केव विसरतंत) लायक्रत्व (लायक्र का कामून लाम मेर सहस्रम कर्म)।। की गांबिक किएगाः (की ग्रेसिक क्षीक्क) समाम-001 टको कू टकाउन म ट्यां : (कन्द भी मा ट्योक न मण : हक्त ररेमा) खल्लामन्डल म्लीमिन्स् : (भूमिर्धम ७ अम्म छ जत्त्व । भ्रामिक इते तम) रममार् (त्ममक्य वक्षात्यं) व्यासमायामार (हिट अवंश लाम (यव द्रमारक विमासक) एक सर्वः ई व्याभानाः (एक सर्वानाः) तिमाने (बार्य इम), मिला: (मिका) अर्था: यहरेंग: (भूका ७ कत्र वालिकावा) मही (ख्वत) व्यकी (पेव (अर्थकाक इस [नवड]) माम : (माकुमप) कलकल एका (कनवय जान करिया) अहितः भीगाल (भिवलास का बन्धार कर्ड)।। प्रमिष् क समक क्रम माला - प्रमा भी मी मू बीने - विवेती करार (त्म अन्ति कप्रक्रिक्स कर कर प्रका कर अन्मर्स्

हामिकाम टमाका वार् १७८६), मूमर्गानि-विश्वस्मर् (त्यम्पात्म संस्था मार्च न्यान बर्ध कार्ड छाड्डि) त्रासम्बंग- र्वाक्षं - महः सिर्टि विवरं (चिवरं) अ त्यंवरं पत् व अत्र मामा अवस्त मुबंधाव Eme augioce) and mada and a han वर्षे लाकराका [चर्चल]) र्यायम् (र्यावम हास) सर्वां हार प्रवास (अस्मार हार मुख्य मा) 11 [जाम] र्यायत (र्यायत) व्यवः व्यक्षे व्या (जर्म ल ल माना क कित्त) पिशाम ह न माण्य क -जिनेत्व्यः (लयक बटार लाक्षेत्रं एक जिन कल बारल), क्टेंक मिकाशिवाद्यादे : लूटेक: ह (कर्ट एक त्रिमंद आत्र प्रमार्थ) एक्सेमान-प्रिमिर्हा (अअत्यं प्रिय दंगे व सर्वाम) एति: (एक) ममाभार के दिन: (माम्याव विक्]) दिता: (दिना) अञ्चय कार्यन कार्टिडि: व्याल (असेव ३ क्यांच्याहितां) न्यांस्कर- केकारंगः (क्याना केटकन) अट्यावर (अट्याव) यम् ला-स्मामि (भाषा छे ९ वाद म कार्ब व)॥ ग्य (प्रमास) वर (प्रम्) प्रांचीयर (प्रांच 3

नीत्रवर्ष) मह प्रमेर् प्रमः (लागिकिम्) को पूक-द्यार पव (त्येष्क्रव भावरे) कालिता मुका कत्र-यक्षीद्रः साधार्यक्षा (राधारम विष्य मधारीक्ष-नानी), आसून क्रमाडितिष्ठ प्रशास्त्री का भाभा-य नि १ ([न ४१] भू ना ना के प्रमान का का का न लाक्षिक आन्यास्थिक,) में अत्राह लाक्टर (Imakissionias y dage) = 18 (11) [अयाह (अक्षापितं हत्त्र क स्ट्रीक विषये [muy]) ७९ (CX) वृत्पावमर् नव (की वृत्पावतम्) लहत्याह्य (क्षान्य कार्ने (क्षान्य कार्य अव्टाइ)॥ ७ व। वज्र (र बनानि! व्राध]) महे (र्व) कर्), वादानाः (अवस्त) द्राष्ट्र (यरेक्स) द्राष्ट्रमात्यन (द्रक्तिसल्ड) मार्कार (त्तर्ग) गतं) मार्ग दृष्ट दुक्त (,ठेंशि मात्र करं, नदं मा बाजानि टम) अर्थक व के खें : (अ अवकानि कर ता) विक्र भान ? (म्रेंश्व (कवं गाम मात) व त्यावि (करवं), कम रे कि देश (वूमि लाद म करें ने अरे क्य बामिलारे ट्यू) अर्रे विश्वाि [तम्तवालवं कार्य] सर्वेशका कमने करने), 2म रेडि ट्यालम

(, व्राप्त अराम, चर्चक बाम (पात्र (ता) त्रक्रीम अ स्मित (दुर्व स्था रक्त) में में का स्था ([नवर] विशि रेकारक लाण्यम् करं,) दात । अना (नर्का वामात्र (म) में में कारा (मिक्साविन मस्प्रायमार्व [र्कारक]) सम्राष्ट्र (व्यानम्म्र क(त)॥ यत जार्नु अरं यस (तारा कार्नु खंडरक स्मार कं ,) दृष्टि युआर्टिंश (चर्ड्स प्रमुप्ति, त्र) र्हे (से (हिंदिन) लामक वि क्व (माश्च रंग) [नवर] अपूर (WILL) रेयर उठम बहम-वलामा (भीश्राचीय भे मकत वाक) व वलीव्या) का व्यक्त (त्या नकीरे) व नी आए (लावा रत्य [नवर]) र्याय(न) (र्यायत्न) त्रीयार्थाः (जीमका) यक र विचि - अब्रूटम का पि पूछा (निम रहक क्य समहत अवि भूके। श्रेमा) मू दिण्यादिन दलका बदाली: (अप्रमान-SATA STELDE BUR EVER BOX OMILAN-ME + (42) 11 नम्त-पूक्ष छ प्रधार्म (नम्त का नमादिए)

या औ: (ए लोक्स विवासमात), अस ना (लजवा) द्यः (क्रांत्र (माञ्चलम) मा (दत (भागमे अवार्ष्ट्ठ), र्यावत् (र्यावत) व्हिक्या कि अप्राच्नांत (अअव क्यादिय एप्पर् माया) तिसी छ (भी भी भा म वेरड्गारह) न्यांबाहका-शाबि (नी वा का कृष्ण) मिठा (अर्थपा) (वर-ार्जाराजिम् समस्यी (डेलाने कर्मर्गरेनंड पूर्ण पर विवागकात), क्लिजीमपत्र -हिन मुद्रम (कार्निनिममल्या धन उ-विष्यिक्समप) यद्विख्य (इक्षवत्यं (कृत्य बार्य) भानक: (क्षेत्र कर्तेत्र)॥ 801 टा वैकाअंगामर्गः (त्र मकत स्थयं) जून मिकान्यर्पाद अश्रामिन : (जून भी अकृतिन त्मानंत्व असक उम्म) तुः त्मनम् (मार्क्स्म) काम्याः (देवालाम कार् दाः राममा वाम्याः (माक्नम म्माम) क्ष (माध्यमं) वैस्थिकामीरियात (म (म अक्स स्ट्रा में म) ए: (क्रा ने पर ल्याञ्च का (से के अस चार कार्य गारिय)

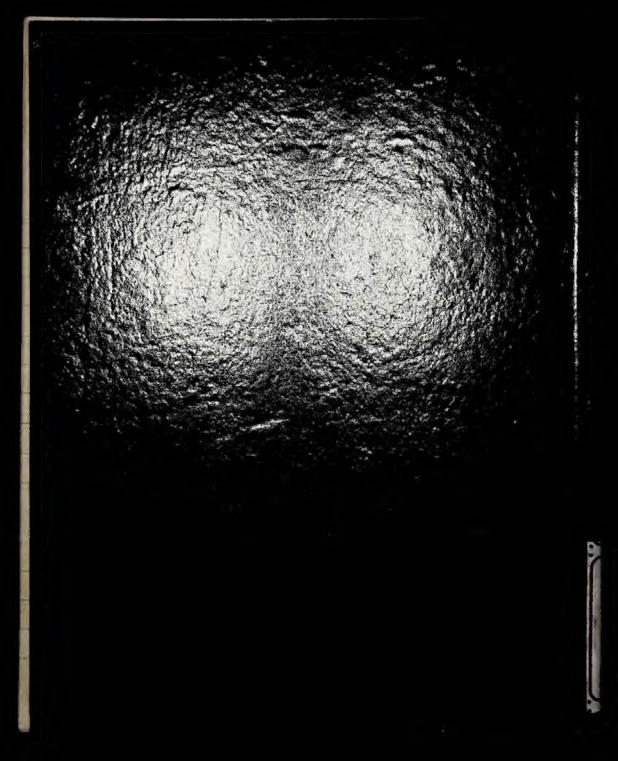
ट्य (धॅरश्या) जून मिकापप्राधाद अर्धादिन: (ज्यभी अव्वित तमें विष भूका र'म), तम (म्याया) सर प्रमंत्र आवृष्टा के मेर्न : (आर्वेश्वे वेदिल वे देवत टिम्बंटि) प्रमाप (तक्त वत्र) मान्तेतः (ध्यामक्त भाड कर्वत [नकः]) (त (मायावा) लापा में बाप में ह (अनान रतममूत्र अ) म्रामिषाः मार्ड (माडाय मदकार्व लक्ष्य कर्वन) वि (व्याचा) ल्पास्वा: (लप्तक्रा) जैस्थ अग्रामार् भमा: (लक्ष अपने विक्) मिछ (अवस्त) यत (with one word (some of) भन काडिल नाडि (एम्साम विष्यं ने कार्यं न [ama]) गर (org) रक्ति भी दिना भी (यून्भवत्यं यन्ता कार्ते)॥ हरण (अंसहरा) म्बंयुक्ति (यत्रे द्वाक्ष्य) क्षेत्रार (स्थापुस्ति) स्ट्राक्षर कर्ड सार्ड न (MAR CHAB MY 1904 (4 MY)) ONG THEO-भर्त्वात स्नामि (अविश्व ह भर्ते व आतल्य व भिक्षायम् । त्यास्तर् (अविकास्त)

8>1

कार द्वि (ल्यामदिव उद्गास्य) रित (महाक) यरमायमार (धराम्याक्राव्याक्)निमाल्याः (मुमाएक) मा (म्प्राज्ञा) यक्ष्यं कार्या : (म्युक्सिमी) त्रि ह में क्या : (म्परानं से के [नवर]) (त अन्यवाः (ग्राधाना अन्यवस्त्र) लाउन (लाया । [व्याचा अकलात्]) अके 6 लाख (-3 2 2 2 M 2 3) -3 4 (32) 4 2 -4(4) मेडाडि (स्पर मह इ,४)॥ त्म (मात्राया) ला मिन्न मार्यकाः (नका उ विस्तामक) १ (वड्) (य (य्राचा) इक्रानिकाः प्रजाः (ब्रक्रानिकेस (अ अभिक्र) [युर्माति मक (पर्]) अवि (वक्यवंसात्र) वैस्तवपाल्या (वैस्तव(पव (साला) (त्रक). (म्म्य कार्या) धारालार (धाराला) मृष्टाने (भूतिहाँ इ'म)॥ 801 व्यासित रेसावयमा (ब्युर्यावायक)लांद्रव (नस्मेत्र) भग्रमेवः (अवस्मिष्टित्) मलातः यर (वादाद (य ्डिया) अमम्भाव वाल (मिलव अस्टिम्म्य मुक्त आर्म आर्म अराम आर्म)

कार्य वमामिश्रद: (वमामिश्रव विख्यक्र्यक) उम्रकेट (वासाक का मार्थ क (वंस)।। 881 य९ (भिने) यहारे: (मिन छत्ने) पिरके: अछरेते: (श्रीत हिक छन् बाल हार्व) न्युरार में का काउत्तर (अस्ति अ का का का का का (का का किर्मारिन , [जिल्ल]) वृत्तावन्त्र) (अविका-राप्त) साउनकी (साउनकी) सार्वेन्स पार्व: 115 (autua Min alsa a Ipa a arupa) 11 80 [गारा] अळी मेर ये रास्त्रियं में प्राप्त : (अने म द्रमातक लाई द्रम (क्रांब प्राचं भाषां के मार्था) मैं मर देवर (आयं धें म [नवर]) matadapai-सक्तर् (एम भ्यास सक्त मपार्य ने उ ब्राम्स (भ रियाम अपन (जारूम) मुन्म व नर् वनर् (अर्मियायस्य) एक (अया कयं)।। रित्र प्रक्रमापिशमण (विष, भूम अ औ-निर्वा अमात्रा) समका (समका वीक्ष) सदा ज्याम (काराक मद्वाल मात्र कार एटट)? रे विषे (वर्ष (वर्ष) धार्मम क्षा (के अक्रम आम करिया) र्यायम् नव ह (मीर्यायम्)

CA (pura) 440 (93A puminaria) 11 801 सद्रा सद्याप (अवंस लभद्रमुरं) मैं: आप्न (मैं: ल-मार्भ) या (अअया) हेन्याप्याने मूअपिन (organic grawer x wailon) the (ormet) वृत्तावन पृष्टिशीवि (वृत्तावानं क्राठ मैति व्याट्रिमायी) स्थे (लास्प्रक)धामात्रे इ (विहानिक करवेटक)म वि व्यास् (अपनि मार्स)॥ 801 त्यामा रेक्स क्या द्या वे के के बिंद (म्या करावान के कु कु अमूर्य) निछ विद्यानिये (निछ विद्याववंड) टिम्ब क्यास्त्र मार्थ क्षितां ((यह 3 रीयक्ष विश्वि कि(आवंद्रेमण्ड) रादा (oversi) elazo (glazzara) 11 80) (म (महाया) र्यायप् वर्णाय (र्यायप लामनं र्यक्ष) ये वार्ष्ट (मांस्वर्क किंते) म एक्षित् (उद्या कार्या), जन (7 2 4/2) (0 7 4 (cus sains) प्रमायकाः (प्रमायकि [१४]) (य व वि (वार्यवारे) सम्बाम्भः (राय हाओ काका अपूर उन)11



EXERCISE BOOK

NO. 3

72744 91013 व्याचीन्यायम् मार्च मार्च प्राप्तिकार्ष् MON TE व्यस्तेष्ठ क्यान्यण अक्ट्राप कार्टिक मत (ध्रियवधर्य) तमा (क्ष्यावास क्षियं क्षितं क्ष्येक) रास्कित्या (न्यासाकित्ये) प त्यत (त्यम क दंगा) ' यह (लारा :) दूसर (इसाम्) रस (लामान) 120 CHURYS (MO) B (MAS [-145]) राज्य (ब्रम्म : १ (००० मन विभाने अथक)।। कीमा वृक्षावत (की कृषावत) वार्षाक्षावहुण: (न्यु शंबुर कि कि के कि लिये अंत्र व्यव प्रक्र) तत (ल्प्रस्थं) (लाक्ष्टिश र (ल्प्रें भाक्षिशिवं ला असे पार) कि श्रम्पिटिका ट्या (श्रम्पिका वे लक्षकं भार " [किसा]) त्रक्रम १९६८ प (प्रारंक हिंदान लिवमन कर)।। त्म (म्प्याना) प्रकार: (प्रका का) प्रायुक्तानाः (सिर्वकारं) ' प्रवाटमां छन्। (प्रवाटमां छन्नामी) मिक्र भक्ष महावाः (अञ्चाक्ष मक्ष), निर्दाकाः (मिर्दास), निक्रमुका: (निक्रमुक), निमममने-अमूम्मी पिकान जाता: (निश्मित खप्नामे डेळकर्ष मंत्रारम् पिक अधाय कीर्य करवन), व्यानमानान-मार्वि प्- वस्थान स्थः (भारा एवं एपर धन विदानन-

यत) " र्कालक्ष्यमाः ([निष्ठं म्रामाना] जनमा र्काप याम मया ते प् [लाश]) सर्मस्त्रित्यं (मिश्रिम पूक्षार्थ अपाण) जाम ((अरे अकम) अमिन-रूकायमण्य मिन्यम (रूकायमीय जन्या विष् वल्य (वल्याकान)॥ पिकारकावी हिन प्रथा कन डावान समा आत् (धारापन माभागमूर विविध लेडियामं दिक भूष उ क्ताबाद अवमर) अस्र विक्रीत्रम् अव्दार्शक्तम् (यात्रामा ०एट्राट्र में द व व्याट्र आते के अव) र अ के द्मा: प्रदेशत-कामायमाम (यंग्यादा वाकिमाते व कम विवित् ब्रूअविड) मललल्ये : भीवक्षाम् (चेंनश्रामा धम अच ७ अ भे वराष्ट्रियां अभाष्ट्र म [च वर्]) द्व: उठ: (सर्व) प्रज्ञानिभाभक् मात् (यमप्र ज्यम्मतिक हाया अविकास (War]) अठाल सर्क मान्य-मुम्मान (अम्बसम् धर्वमी) वृष्णदेवी आर्थितः सटल (उसला) क्यांग्रिक (म्यांग्रिक)।। ट्यकर (याराद्य) जनमा (जनादान ध्यक्तन व्यक्त) भे क - क्याने (भार मा क्रियम में (डे क्रिकि

081

मैकि पाठाइड साप्त्रंस मन्य व सेमत्या भारकार) क्र्य-अर देखाना (वर्ष-म-देखानम क्रांब्मा) क्रम्ब-जाबिकन (अर्व वहत) पिक कमानि (दिक कममार्ष) प्रम्भटम्य (मिलिम कर्नि) मामन्वतः (चीक्ष) यारवं (ला सर त्यं) यर्भारतं (ि अक्ष रथम] के अपातिक करत्य [नवर]) मासुरी (म्यावार्य) भ वर् (आ अर दिसं [दारा]) wवाहितावि (भक्य मर्भर करवन , [जूमि]) जान (अरे) वृत्पायम-क्तर (क्यावनीय उक्ताविव) छक (प्रया कर)।। सर्वात्राविष्याः (अवस्तात्राविष्यं) अव्यात-मकामल मर्बे का: (मिनेक वं मर्वे सकामल मर्केल) भराकुला: (अक्रूनक), नामा मारिकाक् भरा रेस्कि-त्राः (काश्वरिक आस्त्रस्यकाता विवार्व) पिवंदार (प्रवेद) स्ट्राय्य वस्तः (अवस-मैं साम् कर) महर में स्थाप्य: (स्का में स्थाप-न्त्रामी) स्डीमहंभ: (व्यक्तर्य) र् न्यातिश्वर -ज्वः (इलायन उक्तानि) भर्ञार् (भरा-मैकक्षाप्तं स्वाद्र) हाडि (met-DERL W 40 (4 4) 11

ह्यापिन अम् अमिश्री स्वापित कार्या : (हळा मूर्य. 001 करि शिथ्र क्यातुः में मार्थं तस् । अवसार्भेभव लगार्वेन पालसम्बन्ध) महिमाममाखाः (य्याम अकिपानसभाति विके), माआस्वापिडिः व्यक्तिप्रिणः (म्प्राय का अधिद्वामं आका अव्यास (आहिक) में प्रकारिकाई (प्रका: (मिनिम पिका क्षानुभने पात्राम प्रका कटवंग [वर्] प्रत्याजा भाक्ष्मं मार्मक्ष्राम्यां काराः (म्नाराय में भारत हामा मक्स (पाटकव मन् मान प्रकाल विशाल करने [यरेक्स]) नीयर मुलाय र-विरे भितः (क्यावतीय वक्कावि) क्याडे (मिन डेएकर्ष विश्वान कविलाहर)॥ रिने रहि (अटम!) त्यः भी आहि: (य प्रकल क्षित्रम् 291 गाक) मन्दर् (मर्गा) वादिवस्या किर् (वारा वस -विश्वाम आडिमियम) विर्मे त (आविकामल्यक) भी भग्रू का यम इ वि (श्री कु का य दि) भर्ष इ छ ! (अवस्रविख्यमानिती), ऐक्रिप्रविक्रिकिंगः (अन्मरअर क्रिमाण्य हित्र) ' सार्ड क्या : (मर् समा) ar: (अरे भक्त) व नी विवयं: (त्रवाकारिक) ल्याना (ल्यान मार्य क (व्य) के व क लया थ

(क्रामा अ अवटामारक) त्व क्वार्थाः (क्रायांकार क्लार्स इ'म)॥ काहर (शक्तम) सरा ब्राम् मः (सराबाद्य सम्मन) टम्मीला: (टम्पलाप) क्रियासिमानु में देखित. किं (कुरण सर्ग मास्य में ने सार्य कर में प्र-मिर्म्यर्ष्ट्र) असम्बद्ध (व्यक्तम्) दुलमवा: (श्रांत्र क खिता) मळ्या श्रे (म्रांत्र के अभए व साक्ष) मकाडि (अम्मल अवस्थान क विर्वहर [240]) मधाक अम्मविकः (अभाग बाद अक्टि) मार्कित्यरेः (माक्षेत्रामिकाका) मक्षाम् ज्वामिकारा कारा हरा कर (मर्मात्र में साम् त व्यान मार्यमर्थियं नकामित्र सम्मम्भरकारकं) देखात्वः क्राक्साः ह (देख्यातं कत्रव अकाल करवत , [ama]) अर (अरे) बुलारे बीए (की बुलाय(तव बलता करि)।। [त्य भीयमन ! त्याया वा मार्गम्य मिकाकी दे (सी ग्रांची कृटकं मिलाविमाम् प्रिस्प) अवती अवरे (यर व भावत्य वर्णावर्ष), अकृत्वः भवाद भवर् ([vas] Malora banca lasismu) xins (बससर) अर्जुलायम् (१ में भी मुलाबन द्वारात्क)

G 6-1

भर्द मक्षण (इवचं चित्र मध्यान जीवक) लामनेव (armin 24) 11 लगमे सन्यरं ([मळायमम्] लमम्) मनायमात्री) समादाय (समादाय) व्यक्तमम्म (व्यासम्बद्ध) ट्रिक क्षा में प्रस करे हिम-कल ल्याम (ट्रिक क अभित्रम् एकाक्षेत्रं पिछा क्षकर कल स्वास्त्रियासम् वृक्तकत् (भीवृक्तकत्व) एक (टमक करवन)॥ वार्यान्य में र काल सक्य विकार अर्लाहा र काल 621 सार् (लासान द्राम्तासप कार्यात द्रके क्षांत चन्द्र mun अक्सकार के स्थार में भारत के के के किया के के के किया के (६९ (यदि) असी (कामिनमः (अन्यायम अग्र [munta]) on system (TX y said " [REA oma]) क्लार्थ: जार्स (क्लार्स वर्षेत्र)॥ वीब्याव्ये (त वीव्यावत !) पूर्विकारि: 021 लामार ([auris] (कार मेर्याट्य द्रिम पट्टिक)) पुलक्षाकारि: धाम धाम्रार् (किया)कार्ट पश्चित् अत्रकात रहेक [अमवा]) अविद्धि-टकारी: अम् (कारी कारी नियत त्या रहेक, िमाल (भन) (७ (जामान) मिन्दः भा धरु (वित्यम् मा पर्ट)।।

२०1 [ए प्रत्म ;] विर्येत- (अकार्य ताए) : र्राप् (विका धेंत्र 'दमकाति व जीनाति हाका अर्वर्ष) सीमानि (सीमनक) में कु प्रवत्क (ते क त शक्त कथा) अशासुन् (क्यूर वं वस्तन भाग) कर्ण भाक काल (क्यू प्रापट इंदुर्ज क [विति]) भारत्यास (जीवीलाव (पत्) क निवम (अवस्थात कर)।। 981 स्थिक (प्रांचु से अपू) डांच्या मा (क्रिक्समा) शिक्षि - म्यावमम् छ - वित्यक - विव्छ : ह (क्कात्वाम , मुनावतवि , विरवक 3 दिकाला अस्वतको हुन् हेराकिना (पृत्न विभवन कर्ल) व्याविष्य वा (व्याविष्य व्याप्त) लिलाम: (व्याच प्रमान का अच्छा अक्षेत्र) वर्ष व वसाम (वाअनं यरे खिं दुवं दुला गंत्रकेल)॥ त्वा का रेपान्य) (का रेपान्य ;) त्यान्तर (बसरी) पृष्टेम यव (मन्त्रिकायारे) प्रकेशम्बर र्म (तेम् सार्वाव भाग) द्यावर चव केंद्र (द्रेस व विद्धार विश्वभाग) व्यवभादः (ब्लायरत सम कवा) व्याड व्याला (कार्ड

लयस्य उद्रावाद) क्य दा (राम !) रश (क्रास्त्र) किं में हार्रात (क्षि येर्द्र)।। ७७। अविद्वादाः (अविद्राह्म) राम्यारकार्वि : (द्रास्तिसे अ खिलेश) यत्वर (अश्ता) सार् (nuture) nough - estimina (ong eng est कारामारं) दस्म दस्म (जेय: जेय: रस्म-र्जक) लायम्मार (देवसाहेव क्षित्वार) EL SIG (St 250; [OLIMA]) MISTILS (यक्षा करूत)॥ 5 13 214 (21 A 21 A |) 025 (02) dul-बत (ब्याबत) निवत्रम् जल्म (राम कार्यपाउ) कल्लिश्विविक्तिः (कल्लिवं विष्र्य सर्वाविधावा) तिववारि (तिव्हात) पर्पणा-प्रात: (विक इंडम्प्य) महि निर्दिशाध-(क्रिप्रकालं आदियाद कार्डाह्य विका OMA) कि कर्ट (कि करिय ?) 11 जक्ती जम् विष् डा ७६ (भू वर्ग मही व परक्ष मिका लाव) र्य (यमात) वि मैं यह लास सर्वे (विकार्य व । हिडाक ड) सामगढ (हमड कर ?)

७९ (७० वर) ज्या वर्ग प्रमाति): बार्ड: (अयाव अयमे अ मलता विविष्ठ दर्मा) रूक्तवन र् (क्ये रेपा रापक) ह्यांग्य (ह्यां क्यं)॥ नवक्री (नवीता ग्यो) द्योग नय ह (मिलिस्प्रिक्र) कालास्य (कालायलक्षेत्रा) समस् (१४० (समस अन् वेशक) जिल्लाम् माठ ब्रिस्ट माठ (यद द व सीक्र श्य) विद (जनमाम) केवः (क्षिमान) काश्या के कार्या कार्या कर्ण TH 51 3) 11 अर् (mg) काम कार्याका का : (काम कार्य ong mi 15 2 € [346]) (me sm: ([me-अव्यान प्रमात) अवं द्वाव द्वाः (अव्या-(असमारिक लाभार) राक्षां (काम ब्राम (ब्यावत) बमाध (बाम कविलाह) , पात्रा (Tini) (m (outre) year ye (went my) 11 1>1 व्यर्ट (व्याह्म) काम्प्राम् मा दे मुदः (काम्प्रमूल नकार रिष्टि रहता ३) रेमार (रेमायत) छार्वका (अवस्मात्रव्दक) तिमन्नमृ ६-महाय

(रबमगर्याव मूर ठक्ष अवस (अस) मिन्म : (MR MESO SER STILE) TONDER ख्य (जलकाराम) नका व्रक्तिमा नव (अक्सा र्वाय (प्रवं कक्षा) (स (ouma) अय्रे (व्यवस्थित)॥ [WIL] कला (कत्य) मुन्ताममा : (मृन्ता या म Wes उत्) विभात (तिभीत) क्राविष कं कात (क्या वक्वत्य) क्याप्रयः (दुलामुक् र्युगा) ाक्तिश्रीतिक सामा के विया में वि: (की वन माना स्वित्य अवि दे नार्यना व्यवस्त मुर्देक) च क वं या क्षां : (च का व ल प्रांत प्रकारवं) मार्य ०(प (कवं अप) क (माप र के का (प्रकर्ष भर्म म कार्या) अम्र (निवं के वे)रम्यासमार मायंगा (यमप्रधायां) (मुठ् (क्षाव कार्नमा) भूतः (अर्बना) श भूनती वे व (३१ किका) इन्छ (चर्रक्र) कक्ष्र (कक्ष्रवात्) क्र र ((बार प कार्टि) प्रतमास (अवस्त्र काविव ?)॥ म: (ग्राम) इरमे अम्मी (अक्टिक व अदि

लयं वक ड्रुमा) तमाम्बः (वस्त्रामप्तक) ब्रामी: इक (ब्रामीय पान) मार् लयं (संग्रार (लाश) स्कारक) । हात देव (विस्तं पात) लग्र (लाम् क) यज्ञासम्भाग्र (अन्य लामार्य भाग) मार्श्व स्ममं (मेश्यमं मार् सकार् शित्रक (पर साम्यास्य पान) कि।क्निमान लाइ सर् (रिंड क्रिक् केर प्रत्यराक्त) मर् र्य (में मार्य या मा [नवर]) आल्या लुनंद (यि द्राक्तिम्पत्क) अमच (अमच प्रान) म्रात्र (फान करिए भार केन), मः ।दे (जितिरे) व्या (नरे) कुलायत (कुलायत) अनी (गम्मकः) बटमर (अस करवंद्र)।। रेर (अभ्यात)क: (कार कार्कर का) कामिना-(मक्तराया (क्षी (मारक न मार्म माराय) (मार्क-लका कि प्रवर् (रामक लक्षा अप् छिन) म विम् ११९ (विमर्पत ता करन ?) व्याप्त (व्यापा!) धन (न क गांक) नाम छर्ता देक कि भाव (आस्वर्ग म एक अर् ि कररे) जरमक (कामिरीय वाल लामक गाकिएक) त्वाकृष्

(मिसार्त कार्ड) म आकर (प्रयाभ देनमा) कसार (जक्ष) मर् (मर्) काम कराइ. (काम्पाय प्रकारत) सर्वप्रकार (मेर्डका) या (लाम) मैं अरा अमरी (मैं मर लाकानिया लाको माथुं दुरमर्ग) वर (वारा रहत्य) Epid (mexus) asió (aus) (cesesun अर्थिता) यदास्त्रिताति लायर (चार्डाक् अवत-अगिष्ठ) अनु डर (अनु डर कन)।। टमात्रिशृहकलयाड: आमि (ए प्रकल नया टम टकार काल वसरीव स्मि कतारेग प्रमे केस ल लाया व अयन मार्यर) मन्तः (कल्ल) सार् लक्ष में खिर करताति (लास व हिडाक लक करतं) नहाः (अर् रेंडे कि क्रिक् मध्याः मिलः (अकल मिक्) आअल्प्रेशक्रेत् (massissa sejam) grasse e (ouer-अकाम करते), टलाड: (टलाड) मिनवार (NATA) MY: (12312) CMR. P. M. C. M. कांबाहरू), जर (अन वक) श्रीकार्भ कुमायत (मार्मायम्बास) क्रेयर (मिन्हरंद)

यामः य मार्द्रिकात (काराक एउकोरा महिवतं गर्य) १ व्यव: (व्यव अ व) रेस (व्याध] अभात) उठाठ (लाक्ष्मार्ड) लां कं अन्तर (या प्रमार्थः 144)11 wax (wirt!) wire (omsi) and (all) मर्वालकायम्यनम्यः स्थानाडमंदकः (मिनिन (याका(लक्षाकं स में रिंट एप्रे में रियम कर्षिक असम् रईमा) लक्षामाना (मीक्षी) वंगः (वंग्रमिक) मुका (एक्ष्य मेव्क)दुर्मे व-यर (में को चार्ष्य पारं) लाकात हिंदा: (१९८० अर्थ पा डंडु गा (वर्र) अत्मुख् (लाम लाम) Cesasmacaly (12 amagacany) श्रामन् (यराक्राक्र (धाका वस्) हेलनमन् (यहंतर कार्या) रेपावत (रेपावत) (अभूपायत (श्राम्याम भाग) यदप: भगड (मार्क्षण अवसम्भन कार्व १)॥ ass (area ! [arist]) + (3 (A(4) वृक्षवत (वृक्षवत) वाचा प्राचिवरणः (मान्त्रकाकारक्ष) भ्यां (यायत) त्यान रेंगे

(कालमध्य) आग्रं (क्रीक्य) माड: (क्रारं) उप्रम हरमान भ- मिस्मल छा न० (डेग्रान अमु ड म (क धानमानिक निकास धातम्) विस्त (धान् छव) प्रकलानं (कामानं निक्रनं (तिसिन (कार्णम् अवि प्रतास्त्रकाम [नवर]) का जिंत क्यामय (,रा ति म का के क,) उत् (नर्भवा) हर्षाः कत्र (उक्ष ला देन मरकार्य) अवस्वकतः मार् (काल्या विश्वस देशे व)।। मर्गलाडिक सम्बन् (पिनि] धर्मला समिरकेड भावित क (स्त), खरम्रार जीजाय र (भर्भाम-क्ष प्रमाम रहे एक डीक मने (क क्षा कर्वन), अस स निरामं ७ - श्रम् अहिए घरी डावन (निभिन मधा गठ यहत्क अ प्रकाल दिए मा अत्राम अविने करत्र [वनर्]) प्रश्मानिव तिः ((व्यक् मूतीनात्रे) प्रदा (भर्मा) विश्विष्व वायत् (मात्रान कात्रक (वत), कार्यकान्यने बाध (क्रिक क्षेत्र भी मार्थाय) क्षावम ० ([व्यव] है व्यीम्नायत्रे) रेप्र (अस्मात्) प्रम (कामन) अकर कीवनर (अकला कीवन खका) !!

[(र यरम !] प्रकार नकी रमें का ये : कंचन्ड (म्राम हिड मर्या वस्तिरमूक), अल्ब्सामक्ड: (त्रित्र त्याल्यमं लामाक्ष्यं) समस्तिक (त्रिकर द्रायात्या) काडार् (त्रिमंडसाक) रास (रास) भेज्य (श्वं प्रतिक्) में दः (पान साम) देसे -प्रकर (प्रक्राणिव विष्ठायं करिया) गुरं-के प्रिके म के (यहि के प्रिक का कि के त्या असम कार्कित्र) माम्बामाम्बाद् (माम्बादिन भार मनमंद लाजीनंदा काय मकाम वार्टिट ियर । तार्]) आ दिक आ पुर (मुर्गमाव पकसत्त आर्थ े किसा स्वासार माराक पकलार साम्बर्ध) कक्रम (वर्क्षा (क्षाम) न्यासमाळे किलावर (नाम स कि (भाव कि [ज्रिम]) नी धर् ब्रुमायना छ: (बीनुमायत) प्रवत् (प्रवता) ध्रविष प्रम् (काम कित्रिया) आक्रित (हिंड धर्मा) अनूभन (क्रांत कर्)॥ क्का [(र अ(म । माराजा) माख्येमार (न सा उ धामक मरकार) डेमपानमं (नान (अवन कस्ति हक्त र्थमा) वीनमार् मीनमार् (केन्ध्राप्टि) त्रमत (त्रमत् अत्यत्)

वार्य वार्य (व्यामर्क्य) व्यामं वार्य ही: (व्यामं द्रमाठ्य) क्षंत्रधायार महा: (त्रमंत्रमपुरका) 1 म W & (अं के क खिंगा) लिया गर (अं अअ खे) थालं क्रांट् प्रकारीड (क्रांत्रं क्रां प्रकार म्यान व्यक्ते) क्ष्यमा (भाषा १८६) ये दः (यव है। वं) व्यवसम् (arems 21 x 3 3 2 2 2 4 2 (2 1 2) 26 ((पर) ट्यावंशायर (प्यावं व गीयवर्) विद्यास (मिश्रिमार्थं) तथ (त्या करं [नवर]) व्याव्ते (व्यावता) मियम (गमकम्)॥ का। यः (।भिति) कुलावत् (कृतावतिक्)। विषः (ला अने अर्थ कर्ति मारिय) लच (च प्रत्मादं) क् ठाकुछ (पूर्ण माभ) उर् (द्वाराक) य चय विवयतः (प्रिय क्षत्र दिश्म माना दिल्ली। देव क (त्रा) मांग (यांग) वर (व्याहरू) म वर क्यान (त्यामका (अप्रे अपन क्षित वा वंगा), मत्रार् (मत्रामता) हिं) मार्थ व्यक्त छता: (मक्स अपूर्) वर् त्यातु (य्राप्ताक कामां रु दं) मम्परः (मम्पर्शामे ३) उर् काड्यारि (अग्रे द्रायं अवेप्राति क्षात्र्य कर्ते) विशिष्ट-

अभ्रुभ: मर्ट (ब्रुभारि मकत लाक) जर सु यह (इस्ट्राव कि क त्रेय [चवर]) अधिकात्राह्म (अश्वादाक्क 3) में यूपा (अविव अधिक्ये) उर् (अंत्राक) भामतिक कप्रर (क्ना निलादन लाभेका करात्र भार्तित कर्ष्य) यम् मेवः (यम्या कर्ष्य)।। यानामस्यामिः ([ग्राम] अमाद व्यानम-मूर्यामम्) नीजल्यो मछ (ते: (मू भीवन मी अवावि-घारा) मला दिला: (निश्चित । दिख्या करें । प्रिकार्ड: (लाहाइक र्वं प्रियं वर्षा) म्य में माय-मनामाडाव्यतीक्षाः (कन्यूक्षभन्मत्रवादिः (आरिक एकं पका [नवर]) के का समयमार्जी; (क्कान्यामविश्वम), धानमाकानाशले: (धानम-(का आरम सद) ममक (म: (का क्रमारमं हा गं) व्याप् (व्यानीय) व्याम्मी बिलामिण् (बप्रमाश्रम प्रिक) त्यावन (अरियावम माश्रक) मांगांत (मान कार्ड)। म्ला यव (मित्र) (चे छतेत्रवाम (यवे खिष्ठतेसम ब्रुआए) अम्बद्धार (धार्वमण हेन्द्र पात विवाशमात) लाम (चवर है) मर (माउन) जाताह- किमासर न

(अम्म माष्ट्राक का (कार्गाविश्म व व्यम स्ट्रिंड) सर्वा अरत्त्र (में अर्वे क नाअरत्यत्) (व्याप्तिस (लगाि भून्य भावा) अर्था (मकलव) हेवाव (डेलाबेडाल) बाकु जीवि (त्तिनी भाग वं श्रिणेटिय े [मामा])कालातिमंसर्वे वे क्या सर (अहिड री म भार्त्ये भारत विवर् भारत) मना (अर्थप) श्री कृष्ण विकित का निवित्र (अी श्री नि कृ एक या विकिय तका ने शाविषाया प्रमाश्व), जर (अरे) अम्रष्ट् (निभिन्न) अविकायन (नीव्यायतार) (म (ज्यायन) समः (१६७) भात्रात (विषयं कार्यात्र)।। दिया: (दिया), मू अर्ब दे : (मू अर्बू म) अकलकुछ: (निर्मित्र भावमा) यद (मात्राय) आमिवन (त्रवा कर्त), यर (यात्रा) अमामा हिः (आश्रष) हित्थितः (हित्थन) नजातीस्त्यूक्र-क्रमाकामिछि: (भूम ७ त्र्य मठावानि, त्र अ क्या महिश्वां) मन् (अभाष्ट्र), मन (भारा) पिकाष्ट्र महः मिल्मिन । निन्-नी मुप्त व ली प्रदे (पिका आर्य मूर्त अर्म करं नमी, भार वर्षण,

F 81

इसे व प्रायम में ग्राष्ट्र [नक्]) रह (मारा) मिता: (मिना) अमझ्ले: ६ (अडमार्क्स्स्नर हाता) विहिन्य वर (कोहिना अस्मन) , ७९ (००) व्याधन् (नी क्यावन काम) भामा (क्यानकन)।। ७०। जी मुक्ता वत्व (जी मुक्ता वत्र भी दारे) विकात-मुआगिकार (जात अमुक मरावित अल्या) आवयवसर (अवस आवय) में मी में सावयर नव (अर्मायत शासरे) र्वार प्रवार्थिको (प्रवन निश्चित भूकं मार्थ ना (७ व) अर्थन उपन् (अन्म मार्थत), नी मृत्यादम १ वर (नी मृत्यायम शामरे) मार्थ) अन्तार्किथिक विकासन् : (अर्थ) यह -मम् (इव अयम हे दक्षित अयाकाका क्रम् [नवर्]) नीकुमायवर (नीकुमायवरे) आप्राक्षारि अवसत्त्रकुं (क्याद काज्य कालक्य व अवस ाख्य र [०० पत द्वाराक]) कः (क) न प्रायण (प्रशास कर्वास १)॥ भा (।भीते) आहीत हत्मेच प्रक्रिक भरा पूर्वाप्र आर्ष्ट्रापिती (अनु भूर्वक्रम मक्ष्य भरा पूर्वाम मामसूर्य दे तहर करत्र), या (भिनि) नीमा क्रिनि पूर्णय-

मराधार्त्र में प्रविधिती (भागांगे अ ब्रामादिव अ पूर्य अवंस सार्वेत लार्डिय क्षार्य मा आक्ष्य) मा (ग्रिप्) याका देव (अम्पुरं भागं) लाम अम्मावादाविवादः (लकाक लाम्न वयमप्तं लामवासममूत्र) तम ट्विपिनी (आर्थ) करवंत्रम), वार्वाभदरमादिकी िनकं मित्र] की ना हा वं अतं प्रदेशतीय क्राय साझ कर्बेष) मा (अद्र) क्याह्यी (स्पारंत्रा) रेखा-देवी (क्यावम्बार्ध) विवयत्व (अवसक्तिक्र विश्वान कर्निएएरर)॥ [मारा] केळ्य भा रा (देव्य प वार्) अवा नात् : (अर्थकाम्मस्य ([गाया]) सर्वित्र काउत्तक्षः (साईरम्यं अवस सकत् [मारा]) यता प्रामाशी-१ सर्किष्ट: (सदामं लायम झाम्ति १ मरकार्यकार हवंस भीसा ([ट्राम्सात]) इविक्था - (स्रश्रादि-अस्तितं: (क्याकिटकं क्षेप्र व सिट अरिविद्ध अविश्वी विकास इसे), प्रचामि कि सि दि। (मार्स मर् सकाव लामि म् डाम्स् किर्या राष्ट्र [वर्ड]) अहम की वार्षिका अर्वेद्या कुलंत में में (आप्र वर् (प्रभात की गंभा करक म मन्त्र कल विभन

डे-९ प्रव क्षाल क्रिक छात क्रिका भाम , [यहेका भी] (सार्यः (सत्यवंस) कृत्यावतः (कृत्यावत शास) विमम् (देवकम् अर्कार्य विवास कार्य एक दिन)॥ 44 (CANLAI [DIR]) minnings, (चर्- सामासनं लग्रम्म) श्रीत्र (दुन्था र्युता) किमाल (लानिक्तीम) हिल्ला विविद्धि (क्सिंग क्या छि: ममेर मेल) अवं रेमा (अवं रेमाक) खं (लाक्स कर्षेत्र) प्ठा: (लपडें) लगर क्ला विशंतल मिला (लामक लागि हिंग our with is sure sure (ausur sure co करिए) प्रस् (अया उ देशीन श्रेट्य) न त्यम-मार्गक्रम विभनव्मास्तिहि (जिमस् दुक्स क्रिसतं क्रिक उसममें टक) सरकाको (लाड कर्निया) प्रभा वय (देशावरे) नामील (भागवम) दिकाकी (विचिक्की भारती) कार्यमण्य र्मारेवि (कार्याम् मुर्माव पर माट) साम् जा (साम्यार) द नरावर रेक (देलकांबंबाल तास्य कार्य)।। (-) [(र साप्र : विशि] में पर के प्रेंगर कार्य र

(रूप प्राथ व कार्य आवृत्) वेद वैद्योगंद (मिर्डन ब्राम), नी त्येक्के (की ते क्रिके भार), क्किने ग्राः में स्या १ (क्ट्यां स्थारेक में समार्ट) प्रकार के की (क्षान्य स्टि कार कार्ड मेर) दासमाम्बेत (दास अक्षान मृक्षित) वार्यकावार्थ-व्यक्ष (अश्य वैक्साल्य अव्यव्यम्) वेषावप् भाभा) (बुलायम प्राप्त कर)॥ 901 [(र सापव : के.स.) म्याप (द्रात्मिन वस् क) मार्चेला-वन वाभविभूकनकाति वामान् (भीयू कार्यन वासन यिमें थरक त्राम्मां) लिस्तं (लिस्तं) लाक्क् (ध्यक्क किया), मिछ) (अर्थित) रेश वर (चर् रेसारिए) मर्के (मरेड) सक्रमाण्ड (स्ट्रस्म् अध्यक्षंत) यम् : वावरं (अशुवंताम) काउम्म (आम्म कविमा), व्यम्भिटिक (व्यम-वं स्म खिसरं) त्यासक्ष का का के का ला ह (त्यार मावान मारे अ रेखे (र्दं) मड) वम् (अविश्व भूर्वक) छकाहिए वस धनर (विश्व क मार हिम्बमाण्यक) मर्ट्यार्मर् (अवस सामवस) वर हास (म्युक्स वर्षासर) लावस (लवस्पर क्वं)॥

[कार्य] ब्लामिकिस डेर्निक् (व्यावस्त डेर्क) पिकाम ड क्रीटिक मूमारमा म लगम मामा माद्वार ने (श्रिकाम् लायक हिंग कॅमें से बेंग सं किंत किंत लसवंगत्वं कक्षीतं) अल्या सरायणा स्थायक्षीक विका (DIBNY damy wan no aga (]) []] [] किल (पर्वत) दे स्टीयात ! (दे दिक्क विद्व) र्यावस वाट्य: (लाक्स राज्य वाक्स मक्स) वकार्य: (भवाभ वालिश्वावा मुटलाडिए), व्याविभित देपिए (क्यायमकाण) दिवा आशीष्य कृत्र (दिन उक-बाह्य वल्ल (क्ला किने)।। मिकारणाध्यम्भाष्य स्था सद्यत्ता क असूता: (यस्य अव्विद मात्रास्य प्रिक भनेस मिल्सेस म्म व जील बंग्लिस द्रेत र्द्रावट्ड अक्सर्क्रामा किराका: (म्प्राचा क प्रकास कार्य अक्तान अगा (य ला अपराम् अस्त्र) ' श्रेष्टिक स्पूर्-लक्ताः (म्रायां वास्टिकं क्ष्मं मार्थ) हिम्ममः (भारापन क्क्म हिम्म [वर् भारामा] कामका (प्राप्त क्रमानी [क्राम]) क्रमांगरी) (म्लावटन [ट्रारे अकत]) मिनारता मुण्डस.

मरावम्भ माणिक्त मूरी: (अन्य मरमान्य अ अणिकित्य अम्ब दिन जक्सलामन (का अम्बामि (काम कर्व)।। व्यारे बील्या भिष्टः (क्या वत्न एक वानि) गामात्र प्र 201 मर्गः (मपा बेळेसन) दियम् मण्यः (विष्टिय म्बार्म) भामा अभूरमा म्लिसः (निविस भूत्यन विकास) प्रमार्थः मामाभाष्य अव-अक्ष किया-क्रामिडिः (गमामिक प्रम्य भन्न अस् उ कार्तिका अकृषि), ताता अधिकानि (भोव्छ छ देतः (सिवित सिटिन टिम्स क विश्वाद [नवर]) व्यामन-(अम्मक कि: (Wमन मम की का दिवासे न क) मामान में-अद्भः (शिवित सरणवंस अक्षे अपन्य क्षेत्र) सम (ल्पान) समः (१६०) ४०० (ल्प्स्न प्रचंत्र) ॥ क्लावमर (नरे क्लायम) नामा म्लूम टम्म नामिकाहितः 281 (प्याचे ते मं महार्षे का मर्द्र व सद्या हिवालिक मटमार्व) ममास्त्री लाक्षीड : (ममाभन् वाहिष ध्यक्षित्) प्रधां वेसमं अर्घ प्र हताः (प्रधंवे-सन संभारताम) ' ये वे र्या रिकार् : म्प् : (कर्व : यम यं वेषाठ सम्मर्थ [न वर]) ग्रायं वे संग-मूनी भू नात्रि छ : (नात्राविश्व व्यूप्रमं (अय्य प्रस्टर

विवालकात) नाम ब्रुप्रवी प्रवस्त्रम् निः प्रानि छः (पापात्रित अंकामने अर्जुक्षांच कर्णकार्य) न्माश्राह: (र अमाप्त याना) रम साछ (त्म मी को साप वर्दमार्ट्य)॥ भवा अभि (क अभी [ans]) आसीत् (अरे) मिक्ट्र (मिक्ट्यूम भार्त) कार्ले (त्माम अकरि) ज्यान-कस्मा: (क्षेप् कस्पत्र कर्ष) त्यावकार (व्यावित-द्भार) प्रक्रिक मार्थ (अस्मार्थिक के भारत) मर्गिष्टि (अभिमंत्र करिमारियाम), पर्र (MCN;) NAW (37 CLA) 2 2: 2 (CA) AMIS (बसल्पक) (म (कामन) कि ्या म कमानि (क प्रमात्रे येप कर्षिगाटि) दम (क्रासा) कृष्टिमा: (कृरित्र प्रकृष्णि) प्रआ: (प्रभीसर्ग) कमाप्रव (श्रिक् (अर् का) में को में मास (इस । दुक्स स किंदिन ?)।। गुन। [कि साम] विवसमा (कासाव समा) अन्तर : (प्राज्ञान) (म (लामन) लागारं लागारं (त्यम त्यम) तम्मात्र अभागात् (विहिन (क्नवक्षत), धनात् धनात् (त्वत त्वत)

भवाडकी विस्मान, (जिनकार वहना), जना: लचाः (चिक्टे प्रम प्रम) सम् क्याद्विकाः (स्मान् वक्षादि सळाव) कर्य कारह (अस्माद्त निवं वर्ष्यंगत्त्र)॥ मार्श (प्रभाभ :) मर्वतालव्यातः (विश्वित तालवंशाल) (त मर्गे : (((वास्परं म अप के) स्मृत् : (स्मृत् वं कमा) क्रमण् स्में प्राप्त (क्रिकाल वर्षेत्र कार्नि ? [विति]) थिक)६ (मक्ता) अयाभ्यसी गर (ल्पसानं सेरमवं समीरम) म प्राविश् वेरड (निम मूल हल म्ला करिया) निक् १ (ध्यू अर्थ) क्रियासिक्य में (म्क्रिय मग्दर) यना यह (काराबंद अह्र) लश्त्र (कार्य वर्ष : (लयम वाक्रामारल बंद ड्रमा) कार्याम्लक्ष्यः (12 कि विष्टि) अमार्थ चव नाम्ये (व्यासान्द्र म्रार्के मन्त्र कर्यत), प्रार भव (धारासकार) Die (4 m; 25 m) myn (qua y daga) mayo (min acan [196]) nin sa (oursuge sim signing) ounges anagind. (आक्र अखित्र म करवंत) 11 अमा खित्रेस्य (प्राक्रियात्राम् [विसि]) सस बिद्ध

(ourse sign) ou of se (ous ig recon sign of) यस (लास्त्र) अर्देश हाया ६ (उस्त (स्प्राय) 1 x ((see min Ca") on x 6 (owy) Din ((कामार मिकति) कार्य विभागार ((अर्थ अक्स विभारमव कमा) कमरम यह (वर्तन कविव १) न्यासरम (न्यास प्रमं) क्षं रेठका चन (इटिस क्षावर करा सम्बद्ध) अ व्यय् कर (om र क (4)) & oux (count out i) outy कबकः (जात्राव (अर्थ इस्ते वा) कि विव ह (क्सिल) किए क) र्राष्ट्र (कि कार्ने एटर ? [अरे अस्य अपवं]) य सर्वापि (स्रवं व कवि ए भावि मात्रे)।। [(र अम् ।] वर समा (कारान समा) मिरा में स-प्रहान: (स्व के असमध्य हां au [ou सार]) त्यती ए छम्न ि (यती इकता करवत), पर्या (जारा!) मीमह्यीभान (भीभाउव आउडाएग) सिन्द् तिम्बाडि (सिन्दिव विभाषक्त कर्यन) मिला: (यन्त्रम्मात्म) कळ्ळासम्मा विमा (कल्लाय खन्म) मिर्माछ (बहम कर्षत्र),

असङ्ह (मियड्स) दिनाः (दिन) पृत्तनः (वस्त) रामग्ड (लाम्बान कवान [नवर]) व्यक्षेत्र काम कामारंग्द (कार्केष देश प क कार्य ग अरक्ष) र यहि व वाह : (िश्ने म्स] पर्यंत लाम सार्योक उर्मा) सर् (oursula [ona]) ordio: (142) constem उद्रेख [क अप्र 3]) विस्त प्र मिर्द्र (आगारं म्रालत करवतता)।। शिमां] (१०५) १वमा: (ब्यु ११०५) राजावद) मृत्य (अस्त्रार्व मुक्किल मृत्य विस्ता かは(の(54 1 [71世(4]) おおおが (1514の立) कति: (किन काम) कार्य दे पु (ama & 6 र्मात्र मिन कर्मात्र]) रेकार्य प्रविदे विमा (ब्लाव(मब अवि अमुसाम मा १३८म) किकार कार कार कार कार के किया के कि (अस आड इंद्रेस ?) II

>001

I SULK DE ON MORD I

अर् (आर्थ) मना (भर्यना) रेठ: ठठ: (भर्य) > 1 भक्तम् अव (मकत वस्ये) मुक्म (भाविकार्नेग) सरा (महत्त) भवार (मकत्तव) क्रीम्ने (सक्ति विश्वाम कार्यमा) , प्राविश्व (प्रकाम) मून्यम्भाम: (मेममाला) माल्यम् (काममा कार्ना) मकाकालाव एकम (भर्म भीर वाकाममें कार्विण) प्रवास (प्रकल्प व प्रमूल्य) वित्रणाह-लियम् मिक भी वः (काळ्लमं विमम्भरकार्य स्वा लक्ष कार्मा [वर]) अगंद ह (अपर) निष्मार्भे नार्भकः (प्रकत्र अकार (पाका(अभ अविद्यं कार्या) द्रेट (वद) मायम् (अयसमायम) रेमायम् (ज्यानमामा) धावमाध (वास कावें य)।। िमारा] काळ्य काश्चित्री मं ने संद्रात्मारा अवाका हुनुः 21 (कार्यनी काळ्य हार्य अशास्त्रक म ध्यास्त्रक मका नं वर्षक) अवस्तार् निया ने गी । (अव कर्षक यात्रिव का भाव वसारेमा) तिम छने राम्यः-प्रमुद्भावितीः (तिण छने अखात मवस्रक्षेत्राक में बु हैं क कांब्रिह [नक्]) सकाके कार्

(बास्त (भूम्म्याम् दिक्) लाख्तीया द्व (लाहासमा अम्बर्भामं) द्रमा (प्रिंस श्रिमा क्रिया) ज्याक्ष्म (क्षानी कार्य कार्यानी (Davido sei " [My]) mine (miner) स्यालमार (स्या बनायक) रे मार पर (रें क वर्षात्रे) लावत्रम् (लावत्रम् भूवक) व नावम् (ब्रुकायत्व) (अरवण (अवा कांब्रव)।। कर्य (कर्या [कार्य]) मित्रीन: and (and-अम हीत हत र्यंग ड) जीमारिंग: जर्म में यह मिरा का का का (माना म न के छिं व व पूर्व विकिस भाष्य काकाउमा कावाउदि), पिकर (यव दे ने वित्ति (कालाव अवि) क्षेत्र बार्-कें (लाम या का काम) एवं लाप कें वं मंं (कालाकं च (अव लिप्रेस्त्र ३) र चव ला मेन्स् (लात क्षित लाव पात्र '[लाव]) रूट (न्नाप) रिक्मितिमानकान् (रिक्मित् विभावने अनक) क्षितार (क्षित्रमार्थ) ठोक (रोप कवित) न नव हेर् मार (हेर्भाविक ररेखाहिता), जप (अठ प्रव) मुलायन

(४ रेमायम : [वैशि]) प्रधाटन (माक्सिर-बाम द (सक्षा दिन भाक द स्थाउम्) सार (outres) sing (im sis) 11 वृत्तायत (व वृत्तावत!) काम: (काम) निकार (मर्मारे) मः मत्रार् किलाल (कार्ड मः अर) मर्भिडार् (अर्धायममा) कुक्छ (छेर्यामम कार्बे (०(६) विस्ति) कियान ल्मिकोई (ब्रिटिय द्यात त्र अश्व) के के दि (अगिष्ठ कविराग्ड) । (माड: (तमाड) ठेरहें: (अगल्यां (मैं बंदे १ एड क्यां वं अकातं कवितिह , [यहेक्स लाहि]) महात्र्या-मम्बि अत डा- धक्रमशाताः (५६, अंगूमा सर् । लक्ष्या व सारमत्तित्राचा) मेर्ज्यः (आर्य ते प्रकृता) स्थात्रार ते ते ते : (स्थात्र ते क इरेगार्ड), ०९ (०० वत) रेप (न प्रथात) त्यरं (प्रायात) अवं १ नगास (अवं मा अव ड्रेकिट)॥ (छा: एत: म्यान्सिमार्ग (त अन्धस्य) भीय!) यः (हप (द्राध्य भाष) हमयडः (ब्मकात्मक) नापायुक्तकाडिक-एमप्रे:

(आमिका विकास कुशाहिक (असिव) का. LANONS (ONDE ME) MAINS P 32 NOS (अनंस चंत्रमा) यर सिक्षाम (आह कर्रेट रेक्ट्र कर) कि (कारा इदे (ल) लामी-सारी-रमाध्यकाशिलमम्का (मर्न्त्रमध्य भर्य-सस्मिणानी), न्यां श्रेषाक्षणाः ([वरर] श्रीया का करिक ने) मिछा विश्व का से यूर् (। निछा-नीनातिक्वम) रेप्ट् (यरे) क्यावन्ट् (क्युर्क स्वाय) लक्षामंग्र (व्यक्ष्य कर्न)।। मि (माम) (का ([(का मने] (का पनं र का भारक ्षात्रा रहेला]) रेर (नरे मुकाबत) म (वाउम्र (मर्वाद क्षे) मर्दाला (मर्व क्षान (लाम कन) किं न हैं के कि (लाम करमा (कन) राहि (राहि) (मालिका (माअविश्य के के रतं [जारम रहे (म क्र]) म: ((अरे (भा अर) व्या (वस्तात) प्रविमार्चेन (कुल् (मर्ब अकान कारे कर भावन) विता नम (ग्लीवर मिक्ष रमं विषय]) (हर (यार) जमवि (जमम् विभागेती) अवार छाछि । (अवा तक्षित्) मतीकाम (काल्याम कर्वे

. .

िश्या डर्डा) क्या: (बाडाइ) अवंद वंड मार्ट (अवस ब्रमा) अञ वब (व म्रामर् निहिष वार्यमाटि) के का वार्षात (यह के वा अन्यने के कि प्रवेशनडः (भक्त लात्मवरे) वृत्तावनः (प्रव) वा (मूक्तवत्व (अय कवा कर्य)॥ व। विविश्वार अवर (विकार्य कार्य स्था) द्यावदः (त्यारायं) वित्यसर्ट (त्यासरं) अवं (अवंस) डेक्ट्र न काम (डेक्ट्र म काम) आर (निकासन विक्रिमाए) १ जय (जमार्य) आजिमशान्ति (MARINET CMRITHA) NO 300 24 5 (MO) 200 24) वृक्षवन (वृक्षवन क्षेत्र) हेन्त्र पार्ड (विवात -धात (आहि) उन (जमार्य) निलि दिशा (पिवाकात्र) अमन्त्रामामण् (कल्लव्यमा), की दे (की दावक) , पाली म का मर्बं (कार्ट-यह न) आन्यामा (आन व न्याम म्) Eta) ((tea)) la Coma dió (la Coma nuca) कमा (कत्व) आयर्थ (आत्र क्विक १)॥ bi यस (एम्पात) डेएक: वमाविके (अवसवसम ला (ताल) दुक वै सकर (त्या व्या मे वे सकत)

(yo)14496 (yo) काय लायक मतं) खिलान ह नं (क्ष्मवंग्य) काम काम (माठ काम) ट्यारे स्थास क्रिंग (स्थान स्थान व स्थान-र्य) लय दे लाचा: (लय दे लावं) लिय हैं बा-न्दर्य माय भी बमा: (काठ्र भर्षे के का नि माय में भी वा) किव् (विष्ठाव भूवक) भावाविकृ छि हर्पका इ-(कारेने: ह विअर (कमर्वावकानंकानेक हन्नर-भास माने माने माने के कि के कि कि कि क्टिक) वित्राम् (विश्रयं कर्यं) व रूपम (ए हिंड : [डें। हा) मरा (प्रकृत) वर (प्रद्र) नी न वृक्त बन् (नी वृक्त य(न व) भाव (केम कव)।। वर (अर्) नकामुमें पर (लाह वान में माम माह अवसर केन्य्र ह समाक्त प्रवादि (अवस केन्यान्त कथा विल्यात अवसठ र'नता ्विद्वा]) अम्भ काकि (धन लाम) रमण्ड म (रम) चित्र व करवंत्रमा) र कल व (कमत) अवतः स्ति (अम त्या माता) न व्यम्भवर (अक्षानिक इतेमा), मा (ध्यम्मा) कुछ: ध्यमि त्म ध्यमछ (अत त्मान क्रान इरेए दिलायत आर्थिक देनना)

कर्याल (क्रम् ३) क्रियामं क्रियं (ख्रिलाव-काकाक लामन) यमं : (यमम) यात्र लामारमेर (Tal 2, 2 21) (Del) or y 6 (De y sol 2 3) भीकाछ: (भीका दरेए) न विव्वर (विव्व इ, प्रम विश्व (व श्रावा]) रे त्रावित (रेत्रावात) ममा ((आमम भर्याप विवास का वाल हिन)। त्यमानम् वमाविविश्वन एपि (यात्रा भामम् क्तिमंत्र (म कालुआनं विश्वम) प्राथमिशकारे कृत्- किरामतक शाने मुत्र (यात्रा विविध विक्ति)-यम लयदमा एवं स्पृत्ममं मिया विदेशिक) रक्रमम्बली-क-छन्मादिक (एम्सार लयमे दक्षात क्ष्या अर्थित विष्टा वारे (०६) मिद्या: बाक्षम्ता: (यादम रिक अक्रिकार्राम्य [वरर]) यायावर-प्राविष्टियादि । ह (अत्यावस् मदी अ अर्थनादि-यां) लाम ति (विष्टित स् सारं प का नंदिह , [जायूम]) अरिक्साविभात (अरिक्सावत (आपि]) कपान (क्रिक) नामिकिकाण्रा (नामिका म न्या कार्य मक्त ता हिंद अरम) । किला बंद (किलावं क्ष्रीकिंक्क) त्य (त्या कार्य १)॥

असार्काक्ष (न्युगेस्य केक) मतंत्रस्थाद्वित्री >>1 (ग्रायात्म व अन्मार्तियां विविश्व उद्गी) अवस-के वे कार (अयंस क्यू वे प्रमाव:) गाउ (पर् (यात्राराम वन दमला) (अवन: (क्रीडम करवन), लाश्यर मर्क्सर (म्रात्म में माम म्रमम्म) ल्कीति (लग्ने क्रिय चिवर) मध्यामाद्रमः (ग्रायासन आयानं दे वास्त्र) में काष्ट्र महा. (मालक्स विश्वंभने) द्योति। (त्योत्रधात धारमात्रसूर्वक) मिनिट्मिष्टं (मिट्मिष्म् मानग्रन) भी का सामा से के कि मिर्द्य कि एक के में महैं का पान कार वह टिम्पिन सिर्व अभ करम [amr]) अमं (अद्रे) ए समं (क्संमित्र) ee ने कार्य (क्राप्त करते)।। त्त (म्प्राचा) वाहा किक क्षा ठतं (ज्ये का व्यक्त न्धी विवं अन) मामकायान (विविध आक्षिकिकी) पिका मामा कलापीम (विचिध पिका कल अङ्चि) वर्षि (कित्रे कर्षत [वर्]) नात्राप्रश्चातास्याः क्रीम लाम : (मर्गा मामात्म प्रमामकान व्यक्तिन oweren a magus si " [awr]) orsi

र्मावर्षिमान्त्रमात् (र्मायत्रं १४१ विम जक्-ग्राविष्) वल्प (वल्प करि)।। क्रियम] अन्यक्षान समात (अ) अन्यक्षिय अम्मेश्वर) मैं सकते मैं सिमः (मैं के म के न भूतकयाति), प्राक्वली भवाश्वात् (भर्षे क्र-सेल लामका [तक]) ० अरेग अ०. हिक्रिक्सियम्बर (जारूम बाम् कार्यक अ म्यक्ल इक्ष्माल्य) हिका मृणु (Kranda मुण्ड ज्यार अव्यास्त्र) मसामाः (भावने पूर्वक) मद्वा ट्यारियामः (मा दिन पूर्य. सम्दर् विकासकाल रामा [3]) असक्त-विकले: (विश्वास्ति य विवासिक त्म) मन्द्रवतः (यु व प्रकास काव (७(१)) मन्तर : छार्द : म प्रा: (रक्तारिव छार्द व्यवस्त) ((सर्वे अक्षेत्र) वृकावतीयाः (IMI I X X) I M; (Q 20 21 4) अस (अरक्षत) अन् अस (६ अनु (अवस्वीितम्मक देवन)॥

CA (माराड्म) साम्नुकार हे उत्तर है न व कार् इस) कार् मम विवं मा : (त्यार मम सम उ त्यार वं म) हामंग्रा अविधान्यः (अवय ३ देश हामान्) त्रः न्या आ: (कारेन न्या अ कारेन विकित्र) molena-oryl: (mounimes a mounicary) जामसाला: ऋमिका: (अपी उ व्यक्ति [वर्]) विधियमं विषेत्रिकाः (शायमं स्वेशिक कि इक्टा ने साटबंद क सं ल आ चीनं ससलतं व्यवं पदं) co ((अर्) रेस्पर्यमुमा: (रेस्पर्यम्ह) भागात्माः (ककं कार्व) अक्टक (अक्टर) न्यीया का क कि (ग्रा-: (मीयाका-कृ एक के का अपि (विहिन) ने अन्य की १ (वे अव में लंब) वर्षमें ह: (बिकाय कविया) डा है (लाडा भारे छ हि)।। कः व्याम (क्याम कार्क) भराष्ट्राका : (व्यावराम सामा-माम्ये) नकारक व (मिर्मेस प्राप्त) मिन्यां र (प्रम्पा) ज्यासिका के करता : (ज्या ना के टक्क) अक्षाति वर् (अवस विष्य) ७० सम् (क्ये म म प [10]) अव्यक्तः (अवस्व विकित) वंत्रस्तीः भीताः ह (वंत्रक्रेंग) भीमा का निवे) वि हित भन (सब्ते व्यव्य)

आरेषुकाहितिवृद्धां व्यम प्रशाबायः (तिवद्धन

भन्म देलामा प्रशासना माड करिया) अर्थशासिन्छि-तिकाम्मालक (मर्मक्रमं कासमानिव्डिटिक निक). महमय लामप्रमायमाय) र्याचात (र्याचात) कार्र (अवसाम करवम)॥ भावन (भन्म भावन) द्वानन (वीतृष्यम) (ध (कामान मध्रक) मे मानिष्यम्म भी (कार् में मान काश्च काम) सिन् (भेतान्य) कार्य व द्वा (वार्य के गामं) । लिलाभमं प्रवासिक्तभ (लिलामाद मास्त्र आक) भीठ्यं (में भीउम) लाह : द्रव (धामनं गानं) म्पूर् के ब्रिमा (मुकामर के प्राकृत काक) डिसरें : लास (डिसरें रिन भाग) वर्ष भी (कारिये मार्क्स आक्र)सरामिति देव (सरामिति गाम) त्यास्थाई (त्यास्थाद्व अर्भ) अनेड ये अ र्ब (अवस ये अ प्रमें व यो [चित्र]) क्लामार् (आर्मिनामेन माम) जीवमर् रेच छवडू (बीबताब माम रहर)। [ग्राया] ज्यानावं (यमव: (श्राम द्रिमात्रमाव:) बाक्षिणमाराभागि। दिल्लाः (बाक्षिण धान्न) यराक्त विवन कर्नत), अमानवात (ध्राक्का)

ई दिगात समरीकरात (दिन अश्वक मानिक) Wo) त्रकाम, कूर्यण: (Wo तीम माल कार्डि भाषन कर्षत) अतमाम् ठ अक्षिम् भागाम् (भाभाषा धार्ममा प्रमाममा विश्वक के कमा स्मार भना विभार) किकार बामाले वार (मूराना के कार काम करित लाहारक [नर]) अवल स्मी अर् ल समी (इन्द्रामिश्रकः भूमीव्यामे अ भागातम् वनमा करवमः [क्याधि]) ब्रारेबीआमितः (ब्रायत्व (अरे वक्षांशिक) इस्म (बलम कार्ड)॥ [म्प्राका] विक्रिप्ति हामान्छ पत् : (विष्ठ मेसन नरे ललाय दमममें उर्देश)मंगंद मिल्मिश्मिम (अगर हिम्माय दिन्तीय उद्गा) अवाप व्यास (रेवन भीनमन्द्र) दे उत्तर् (अत्र देशक देशमं-व्यक) देसप्यावित्याक्षी भ्राष्ट्र : (अयस किक ब्राश्यास्य माया माया कराय १३ (१४ विक) (त्यामीक: लाल (त्तामा माप्य वाक ३ (ताहा)) पुक्षमस्पन् (नकाउ पूर्व , [नरेकल]) यत्राभीम (वनम व्यक्षाभीममूत्र) विचवण: (विछक्ते कार्नेट्रहरू रेट्रिक्])माम्बलम-रमावय-

० सर् (अवसाल म व्यावन वक्षान्त) कर लय्ये (तकाक माश्यरकारं) डम ((अथा कव) II आभीत् (११) भी वृष्यकातात (भी स्था बात) म्रामा: (प्रावक्ताक) अवस्मारियाः (कालीमिस्म) सिहिता: (मिहिन) क्या निः श्रीवः (कामार्छः अयार धाया) कार्यानामाः (तिभिष सिक्षा क्ष्य के अवन में दिसामिक कार्या) में में में हिन य रे दुरें : (लाश्र प्रमंद हमन प्रमर्द) साम्मीकाप्राव-यद्तः (मह सामा यस् । मुर्क) कमाने (भिम्म (पारक्र) सार ने ह : (सक्का द्रिया र मा मका न कानिएएरमें [ववर])हित्वः (विहिन) भूरेकाः (भूका), अवारम: (अम्र), व्रममं म्यादे : (मदम पिता थनत) , उष्टितः (मुक्क [3]) थायक: १ (लाह लावक मानमार हाना) अन्मायन-र्ने (कार्रमां कायम) विरम् (विश्वत कारिटिटर)।। २०। दिवड दिन: (अवस दिवड़) हत्योरिय: कार्य (अअर्भ हम् 3) किलामित अर्भू के बाक्स्काडी

(त्या कारवर गायारमं व ये गरकार कारि म्लाम् अखित आरवंगा [नर्सा])लाड्बाम्या (अवत्राम्क) अडिका के किए त्या (स्थिश-के कारक) आर वयर (त्रिश वयतिला) त्रामास पुक्ष) (लागुर्क (लामुका) (म (म्प्राका) मतः (वरक्षमार) यर अयवक्ष्रमार (देवम असे व 3 वे का बंगिल) अ डि) छ) (वस्त्र विक्रिक) ० सक्ट (अम्प्र) क समाह (ब्रा कत्नेप) [अकापमप]) कार् नीर्यायम् नुभ स्तवर-उसव्याम् (भीव्यावत्र जक्कामार्थी (अर् अवस्त्र क्षावरवास्त्राम्क) ह्रवन (CHAI EGA) 11 र्ग। सिंगः (अवक्षक्) देक्ष्यराम् (अवस्वसमानक) न्त्रीयात्वाक कि एत्यों (न्याना कि के) त्रिवार (मात्रापन) भूति (भूतापल) नी अभू राभामू (भावम हामांमं) मर्गिव के में सामा अ (बंहें) (यात्रारम् मूख्यापिकंषि व्यास्वर्त) हेलाकरही (द्वातमार विक्त) व्यक्ति मं में में मान् नामानं-बर्म: (काल सर्वे में मासम सर्व हानंव वस्त्र)

यर्भ्यक्षणात्म (लाड्मक इक्नं) गर्मक्रव-सर्गायात्स-क्यान (म्न्यारमं वर व संग. मुखापे क्ष्मभर्भराक) मर्कवराही (अभर्भ-अठकार) खारत्व (लाकार करवंत "[लण्त]) रूपावन क्रम (रूपावत्मय (अरे वक्सन एक) ट्रोधि (वल्या काष्ट्र)॥ सम सन: (त्र विष ! [जूषि]) अन्दारमपारिजः (अम्ड राभविष्यम्) विविध कं हिवा महकू मूरियः (विविध सतायम धानद क्रूममार्म) विभिन्दे: (अरह) अपनम प्रमण-प्रविष्यामिवरिः (आनम-ब्रमम सर्व कार्य) मादिः (वारे) च्याला डार्वण-क्रम गरिष्टः (न्यामामध्य मन्त्राच क्रम 3 स्वक्वानि [वर्]) किलतियः (क्र अञ्चन मसाय्व ममारवाल) धरान (धनायममूकि-मानी) जीव्यावन वव्यक्तन् (ब्मावनी म प्रशादक वाधिवं) हित्रं (क्षात कवं)॥ लक्ष (लक्षा) रेला र युग ल युग (रेला रियं द्मिडान) द्विष (कानभारन) श्वाष्ठककालिनी (अधिकाकाव), क्रम जानि (त्मामम्ति)

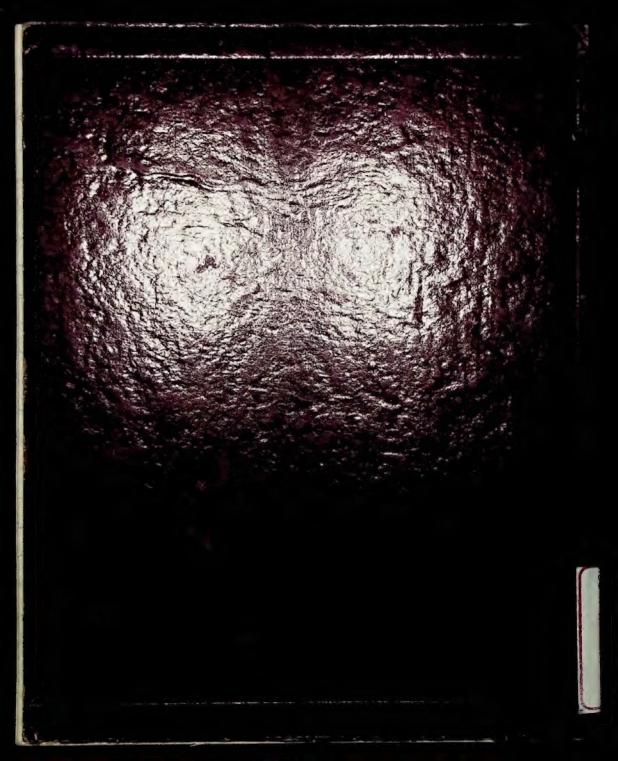
हमार्डि: (हमामान) में काल (काममात) रेवा (रेवाकानं) केष्टिते कमा (क्या मर्गाप) ound (ound) own (cour xily) 3 sal (इस) , ज्या (क्यम म्यान) ह न्यार्थ वर (जर्थ-हत्ताकाव) के व्याल (कामम् त्म) हर्ष कर्मन कता (क्लार्स्स (हर्स्सर क्रियेश के के लाभ (कायमीय) ग्रामां (ग्रम द्वमायनं क्रम) बर्षाक्क्या धर्त्वा विविध मार्थल क्रमा (मामवाक्र मध्कमम उ भेगपुष्ठ विकिन म्वम्बाद्व) लालाह (प्यत्न वार्वाह)।। वृक्तवत्र (वृक्तवर्त) जीममा अवस्ति। (Music Banda a) " on Bana (mina) र्: (विष्रात्म) भाषाम् विष्टः (भाषाम्) (आआते: (Mona मानिषामा) मूक्षिम (भटलांडिं), त्याहिया काहेता डेक्सते: (ध्रम्भ लेक्निम्ड हेक्यन) म्प्रहर्भः यक्ता (वज्यानिभाग धावक [नवर]) देलावे जू (असिलारम) त्रूमीयम-क्रमानिवरिः (स्त्र व वंदेशन वक्ष्यवाचार्तक) नामारी-

(आभा उ मियमारि माना) मर्ल्याहिल (विद्वित उद्गा) में वे में हथा लाड़ (लाइना सप्तिमान अर्व विवास सम्म व्योगत्ह)॥ वाहिका-कार्रक: (त्याना वाह्य) व लाव (१). (न्युर्वन्त दल) मैं माथ्वर में - किंग्यु (भैं मन्त-क्या । खन्नियातक) माने हरमां (तिक क्यादि) (दमाम्छ। (दलायमाय क्षांत्रमा) पावंद पावंद (यार्थ पार्थ) अगर (अगर) लावु के विस्तामा : (one wir much 12 ms (ensig) राममंद्र (हाम) मकावं विष्य) लाकु साबूरे (धरमन्कात्म) जन्म ज्याः (ध्या हक्ष्मधात) धानकारकारे : (कन्न मीनान) विकास (विश्वान करिया)मता (प्रवंदेव) न: (लासाट्रियर) में मने (लायसरीय कक्ष्य)॥ हिल्लामा किया किया किया में (आगि : अस्त) १ हिम गंत्रावा में के मर् (मात्राव उक् तला क वार्त्र मध्य हिमम), हिम्मन कर्ने -लाकियुम् (अस अलाकिमते देख्यत हिन्धत-अक्ष), हिराक ब्रम कार्या पूर्व मूल्यवः

प्रमान कार्य (क्ष्मण) त्याम (क्ष्मण कार्य)।।

विस्रव सार्य) यह (क्ष्मण) त्याम (क्ष्मण कार्य)

(क्ष्मण क(वंस (च्यर्य)) क्ष्मण (क्ष्मण क्ष्मण क्ष्





EXERCISE BOOK

NO. 3

Some moderna भी त्री मृत्यम प्राप्ट भाष्ट्र । अपिता कर्ण कर्ण । भाष्ट्र अपने मार्थ । MONTO वृक्षाव्ये व्यानियां (वीवृक्षवत्यं ननम्द्र) 261 मिशाबियाभी (त्रीमधाबस्य) व्यापनात्रा (अमर्ने हित्य) प्राक्ठियः इसेर्यामा (में याक्ट तिर् कंट (या सक में के उड़ मा) धारक (काउं ति का निकार वन भू नहीर (निमंडन विवाब सामा) अ एक कर मु और (कसमयमना जिम्क्सम्) ना नमत् (नामन कार्यमा) कार्य त्वत्ववृद्धि (तिष्ठा मुख्य अभूर्य वादिन) (Glange (काट्याम) क्विला कीए क्यें माह (किस्न मानासम् न (विहिन काणा अक्सान अव्छ वर्ष्ट्रिय)॥ लाखा (लाखा ;) त्त (म्पडनवा) र्मावपड 201 (क्यावत) आवमार्ड (वामकावम),यादिका (लाम रा) स्मिनी लाम रिस्री (ब्राप्टान मन्त्र ना मान कार्यमा) भवा: (मार्गेविव समप्र कर्षिमार्ट्य) आ (लामका) क्रामां (बन्धवायं क्राय) म्म्रमाद (अन्ना विक्रा]) वर्ष्य-ममार्थ (वर्य ने छप्बार्य) आताह की शृष्टि (क) क्ष या ज्यम क (यम "[लाभवा]) में

के ह्य (त्त तकाय म्हार्स) संदूर (त्रिम सम्बन्धाया) (मक्तक) जिम्बन: (बुलान (तम कुलि) विकि (श्वंत कर्वंत), आवन् (अवंत लावन) वृक्षायतर् (अव्यावत) उद्भन्न मार्भन: (त्रिमश्चाकावीय मार्व मयदमयां महाक्रमेंक) जान आबि (रात्रे सकत काक मर्गक) भवंद अमर (अवस अस) दुरेता (पात क नार्ता 21 (DI लाका (लाका) सकारक्षा (विल्या सारम प्र-प्रका सर्वे (सर्गात्रामवं लाप्तान कारण के प्रकृति के आपं क्षेत्रक (त्यांड क न्यास रत्) अस मत्र कि (न्या वंक-यदादम् (अाजाविक किलान्त्रमृक्ष काणिर्मम् रिअर युभन) यम वर (एम्हाद) मृन्नि (तयत), वहामि (वहत) अन्यापिषु ह (नर् भस्यामि विसास) स्ट्रान्स्ये विश्व प्रिष् (अवस विचि ड अी भावन भूवक) धारमा (धाराम नियान करवन), जर रेप्ट (जारुम १रे) नृष्पावन (धीरुषावन) दिसं वि (जामार प्राचित जाका मान्य कार्य कार्य (EX) 11

[1713] अकार (का अकारत) लाक प्रकृति (क्यादि भन्ग) हमक्कव्रिः (स्टाम्स इस्डिन अअस्ट्रक्ष्यं) नीनाम (भीममर्ग) धमकतिकदाम (धमकवाबि) निहिन्छ (अर्थण कामिलाइन), अमन् (अन् अन्) भूल ९ (अभूल) वदमकमका एका कर् (अमकममका मूभमक्त) विविधिष्ठ (ध्यास्त्र किविष्टित [230]) लप्रकें (यां वान) हिर्कें (हिर्के पना) दिसेश (द्रेयक कार्ने में) विश्वात्वं (राप्पकंस कार्ब) विष्युष्ठः (द्रम्मकप्निष्ट्म, [नर्भाष]) यनम्पि (कल्पकारी) अर्थिति (क्रीक्कारक) अपन (ह्याप कर्त) 11 ० र। लख्य (लख्य : [म्रायाना]) मर्याल्या मृत्र - मत्य -वाका विवल्ल (प्रकाल देख् कर्म भी जार ल्यान क्षिम धर्मा) आवं वार कि (लामं) वाक्तिकी विशिष्टिमा प्रभागतं) काकाबरक्री (The gain sian " [Cxg.]) enjamenten (८ भन क अन्यत्) मर्व सर्दि (अवसम्हैं) किटला- (किटलावंग में से) हिरो मरमी (किया लगाविष्मारक) व्योगमा वन-मयमिक् स्थित्रे

(की र्यावतारं मवीन निक्न ममुत्रं)म्डारं: (अवस्त्राक्ष्रप्रकार्त) तथल (त्मच कर्)।। सकारत (समामित्र सम्माल) वसम् (वसम् ज्युर्ककत्त्र) त्याक्षिम (त्याक्रमां ट्यम्त्रिं) तिव्मा (तिव्स कार्या) प्राष्ट्रक कुन् प्रार्थ-(यत्केव रित्ते) क्यामुक्ट क्याम् (लक्स्पन पिए मा प्रकि वाक वाक वाक टिए र (वाक वाक दीवाना) ०८ (१४४) ल्या मेर् मार लाक (मक्री अपन (४००) लामारा (अन्यान वा बेकाम खंबता) यमारा-भी छिलार (कमले भी छे या) व मम्बर (वम-यम्) मन्तर (व्यक्षता) माद्यी ([माक्क -कृत्यू] याचा करित) कृत्रं क कमापिता (ज्ञान अ कालत मान् ि आता नरेगा) धत् आर्थिर ([भिने अंत्राम्] अमू मधन कर्नन , [यद्यत]) प्रश् (क्लिस) दर: क्रिकेनी इ (अवद्रेश स्मिरिकारक) समाम क्रें (समार क्षात कर)। [यंत्रापन] मनम्बन्मरे (कालनं हेल्स वसन सण्यक) रेक्ट ठे अ के अने के अने क पूर्व (स्था)

राम ७ हमारान विलिय), भ्रमाहिक्वक्रमण् (क्लानकात ट्लामिनामुक [नवर्]) जिसककळातापि-क्रमंड (क्रिक क काम मामापि क्रिक इंद्रा) प्रमाविष्ठ । किंद्धवी निकयं - अर्थ प्रक्रा प्रकर् किसेकी अप अपवर्षायका सरकारके के प्रकासने तमानम विभाम कविल्या), बुलाबत (बुलायत) मारं विरम्पत् (कल्माविभामत् वाटम् मार् [अर्थ]) ष्रिवश्य (अश्य मिक्रिममिक) आव (कार कवं)॥ यर् कक्षत (८४ टकात कार्ष) धरातक आसारा कल्प (अवंस लायल मासाक्षीदं सँ य ख्यं अ) क्या सम र् संस्था अ-द्वि (अव्यावनवाट्य) विवृष्टिण मृष्टुराम-जाश्वर (लासरंप्र लाबमापरं वाल्टा कानुके-(मन, [आमी अंत्राव]) वल्ल (बलम करें) न्यीन्म कर्ना- वात्रक जिला (क्यी मार्चा ७ व्यो क्र १०) मर् (द्रारक) स्मिन् (मिन ब्रिन सर्क) अकर Coundo काक्ष (लवक्षाय च कस्त्र (नाम) घटम कर्षिका) च सः कुरिकाः में लाकाः (१ इमाटक क्षिम अस अक्षिक का करा देखि?) करमाता १

(अवस्था) देपर (वरेक्स) विस्माठ: (विहास करम्म)।। [म्यम] नर्भत्रम अक्टरेनिड: (अनि द्रायनि कार्यान हामा क्टरेन द्वारा) क्कारे क्कारे: (क्कारे क्कारे क्टल्यम) Gené sind 32 (getina win manu suns ecas) अल्लामा : (अविल्लामिश्राया)विष्या: (विश्वि) अवस्थान कर्य करकारी: में हर देव (ता) भारत् क्यारिक मार्थनंत्र त्यत्र भूखि करवंत) सम्मार्क मार्थsign ([746] HZ ye 3 one would gain the the य व्यक्षामा) भिर्मान्य मास्मित्याम् : अवर देव (म्मीठ्य लामक व सार्वेहर्यनाम वर्षन करत्म) Ŧ वृत्यावमाद्धः (वृत्यावत्र) वासीकृष्णा विद्यानः (वाका-के अ पालक) वर ((अर्) दुन्दर्ग हास (स्व र्मालक) GAG ((अवा कव)।। [जारि] हिन् (मर्वता) अनाविक सम्म सम्म रामार न रकति-091 केन्द्रे में द्री: (न्यु भेषा के क्रिक के क्रिय के अपि है।) भेष कि असमी (याकि व सर्धिम) किल्यम-हिट्यक समाधासक (ममक्यम हिमा भक्तभ) ल अरममसमूर्ड (लपडिसार्ड्यूयन) अवस-लावपर (अवस लावप) रेमावपर (रेमावएन गाम) म आसि (मा कार्य)।।

कत्र (प्रमा [विषि]) तिक् (अक्षा) रिनि क्षा-इस: लमामार (लमाय केक किरममास्त्री) के हार वर्ष प्राच (अक्षक वाहा लिए माउ) अक्ष वाहा क्षेत्र के प्राच (अक्षक वाहा लिए क्षेत्र के अक्ष वाहाल् क्षेत्र के प्राच (अक्षक वाहा लिए क्षेत्र वाहाल् क्षेत्र के प्राच (अक्षक वाहाल्य के क्षेत्र वाहाल के के क्षेत्र वाहाल के के क्षेत्र वाहाल के के क्षेत्र वाहाल के क्षेत्र वाहाल के क्षेत्र वाहाल के क्षेत्र वाहाल के के क्र वाहाल के क्षेत्र वाहाल के क्षेत्र वाहाल के क्षेत्र वाहाल के क्ष लामानाम म के (क्या में ज ना कार्य कार्य कार्य कार्य रे १९६ लग्न (लये अप्रायं ३) स्था नग्छ (लास्य सर प् कारि अर) कृष्टि अस्माउक (अम्म पूर्ण) र्यायम् धाम हि (चीर्यायम शामनं कार्य) णार्याम (अञ्च क्राविड 23)॥ र्यावप्र (र्यावत्र) माश्राम्या (त्राक्राणक्र) 021 (मोन्त्रीत् (लोन् अतीत्वर्त) हिंदाप्र (पृष्टिम्मत) केट्य लाज (ट्याप्रम्ट्य) लाक: (लक्ष्यमं माना) कृष्त (त्मात्रभूरत) तिन्यते : (धाव्यामाभनधाना) कृषाहिए (कामम्ब) कारिकाछ: (कोर्य मीमा-वाया) क्रिय नम् (काम म्ला) मली म्भामक्का (र्भ महाव धानकने भावा), र के कार्य (स्थान भूत) मिशः हिल्लाम त्रिन (अवस्थात्व त्या न्यन-

ELSI) " & ore (CALY TICY) or MET DESTITE (बिहिन अश्योक्त वहनाधाया), क्रहत (त्यात मृति) ममर्थार्डा (अ अ माम सर्व विश्व यान दिन्। राजा [नद्]) है (त्या स्टाय का) इसवास: (र्भगाम विश्वाविद्याका) (अयव (अवा कार्नुया) कियाल विषय् (अन्यकाय विवाक कार्यात्य)।। (मादं: (ल्याम न्युक्रिकं) । क्ये में : (लाभ्य) में अवलं व बला हा: (में असने। हमार लवलावंगाम) अ डि (विकास मात्र वार्रिया (१ र) , कार्ल कार्ड (लाव व्राध्यं लगर्भ मध्यं) लाव्या : (अवसावाद्य) भेक्तः (विसर ३) म विश्वन्दि (तक द बार्य गार्ट्य [नवर व्रायां] के प्रिंग्याः (अवसर्वस्त्रीत) काः लक्षाः (कल लक्षात्र) सामार प र माड़ (मामार वार हेंड मा 22/20(2), 00 and (2000) -10: (20-यान) चाड्का-मामनः (अंज्यूरवेत्त्रमृत्) (ता (त्यान स्था) श्रम् व: (श्रम्वकार्क विश्व व्येट्डर्डन)॥ व्यावमाला वाम (अविकावममामक वमभावी)

शरी (अशिधा विकास करवन) के पूजाती (अंग्री) गृति (गरं मंत्र) अवसः (मामः लाए (येम्ब त्यास्म च्यारि) विस (त्यु ति) इस्न लाज (वश्याका) लामा: (द्वात्राव) लाश्याक्ष्यी प्रमाम के स्मित्र प्र (अन्याक्ष्यां अंभ्रायकालव लक्ष्र रंगमा) लामाः (नर्ज्याम्बं) (अया (त्यम) अमास्मिक् : (अमामिक् काल विकाश्याप) अवलक्षः भः हि (अवसलक्ष न्त्रक्षेत्र) सक्तात्व (ह्रायां वार्ये वार्ये वार्ये (अरमद) मिश्व: (।मश्च अवस मध्य) विमार (रमर्प्यार्थ) असा गृष्टि लाह्या (शिर्म , बासा, गरित कामस्य विकायन] क्याहिक मार्थि (छात्रान कार्यमाहित जीकृष्ण क्या) म्यामानपूर (बुमावत छ आ (प्रमा कवं)।। 851 वासामार (स्थान्यक स्थान) (क्षाम्प्रामपः (अवस त्यामवं) भर् अव हसरकावः (भर्मावर वरंस १ सर का वं वा का) असे का मिता (त्रित का माध वर्ष्यातः), जार् अस (उपराय समार (2 हर) सर्वे अरि : (अर्धिक) लिया न्यां (अर्थिष

समम्बाल्य) अवर देवातः (अवस हरकार्य विकास इस) मा (त्ये अविकाश) वृष्णवत्त वव (नक्सान क्रीक्षायरभर्) अक्षा कर्म वर्षिक सम्बेर्ग-हैं (लाह्यां म आड्ड में न साई दिन कास्ते सार ता) सक्षे कुर्य (स्का (स्कारत लाज क्रकाम कार्डमं-रहत), सम: (क हिंड ! [व्राध]) अरमे कर-लाखन वाडि (वरीम असंसरिक्टम काकाड इंड्रेमा) लाळी ब्लायह वर (अर अवस दुक्त्य रेखा-बन थारम) हिन्म (क्षान कर)॥ लाक्स (लाक्स ! [म्राम]) विस्तर प्रयामका छ-भावं (शिश्रिम लाम लिवं भावं अक्ष ल दिनाम भवंभ-० किं) र अम्बार (लाखास्य क(वं प ' [वारे m]) सर्वन्य बानार काल (सर्वन्यवंगत्व) त्यात्र मानी (टम्प्रट्राम्प्र) ज्याममं रेस्परप्रमा: (म्यार्स्स-वित्रं (आका) सस (लामात्रं) इनि (१६८७) स के ठ ल्या (चक्चावड) लाम (बामा उठक) ड(वं: ([oui] मुर्डाक्ष) आ (Cong) ला व्यामस्म 2): (MO) LAR (MR) " NE 19: ON E 10: (अकृष्टि अ भी सम्बद्धि अभूत्र 3) (म डावू

(लामान प्रमाद कत्मालक इक्क [नवर]) मास्-जानकाका-नीन(अमुकारिसम्बिमाने (च्यानान का विष्यं नक दियान प्रमादिन में सर्वे । क्षेत्र रिक्) आ के विक्या है : लास (लास्त्र १९३ विकास आट कक क)।। टम्बे भु (पाळबचाह: (ग्रिंडा का] (मारे व युय-वर्त) अर्थकार्थ प्रदेश हैं (अनि व्यान मी हिं कार्ल-याना) लाइक मन्मामना: (मन मिक् मूर्न काइक ए-(हत), निका किटमा ([ववर] हिनं किलान-स्ल) लहित्यंग्रि (मिहिन यंग्रम) अव: (अवभात्र मूर्वक) निज्ञा मार्निज्या (निज्ञान कास नाहित दर्गा) व्यक्तियों में के कि (व्यक्तिन-वर्षे केन्ध्र सत्ते.) लक्ष्रेयक्ष्रिः (लाहाद्राष्ट्रि) धन दें: (धनड) नवम पन कना कि पूर्वः (अडित्र कल में की एं विसात्त) मानारानि न एवं (मानि दिन धार्डमार्ड कायन), उन्यूष्मिना भ्रः (त्ये म्नम्दिकं) डेक्का दिल (अंदेश लायं द्वास व्यक्त प्रं)।। Set [1214] 1200 (March) offerio: ore (yessery)

[।भीते] तिछा (प्रकृत) यह मणाम (बुकायमण) 801 भीदंगव: लास ब कें में (भीदम आनी ब में भन्क 3) सममा आले (साम् काका ड) म न व आ भीड़ पेन (136 मा भ कार्यमा) लाइल्बंब (लाइलाव) नमम् ६ (नमामव मूर्यम) मठ ७० (मर्यम) अक्स (अष्ट लर्गेमार्च) विद्राः वैनेनेन (सिनं यक्षां य य के अ (वंत [नवह]) भाहा-भाउ-हण्डाम् कार्निका निषमा नाम मानिया (लाड , अरु , वरं न म म म म अस्मर , विसर् , साम उ लिसामार विसर्ग) जूना : (सम त्वान करिंग) क्किनिविधे थी: (अरिकृ किय क्रांडि मानि विभ-व्यक) क्यायम् (क्यायम) व्यक्तमम् (या करवं प े [वाक्षतंत्र]) यम) आर (यम कर्त) ॥ 801 रम (म्पडाना) भुष्ट: केवार (भुष्ट स्केट) (कारिन: अविख्यान (ध्रार्भा विक्राम), मरसमः पूर्वाकानि (अभ्य पूर्वाका)? उभाष्यपदम काम कूरें मिलतार (टिन्म), व्याक्षापन, उ वाटमामाटमामी के विदिनं क लात) ट्यारियः लयं टैं अपु (कर्व धाराटैं म)

का भारत): व्यक्तिक मा ह ([वर] का भारि कार्यक लाहमीठा बमाव:) सममः (हित्व) आहा दिक् (केम्पर ((कमाड दूरमा) (आद्वा आमे (मर) कार्यमा) क्रक्रम (जीक्रक्र) त्यानिवित (कीडाकामता) मत्राडि (मामकत्वन), एडडा: यतः (व्याप्यास्य क प्राय कर्षे)।। 801 म: (ता) मर्बिद्धाः (मर्वेष्ट्रात्रि ग्रोक्) मिव्यम्सम् (भ्रव हा अ (सव सार्व) क्रमा व्याल (कारतंत) त्राकार, र क्रमंत् (त्राक में प्र पा कार्ने मा) कि।क्रिय दिस्थिने (काराचे क्षित्रक्षेत्र भागे. दिवस्त मा कार्या) म अद्यम् मा भवत्र (अगवे अर्थ गर्था कुर अविशिव देश लाअर्व कार्ने म [नवर]) हिए काले म सीका ने किं (यात साम ७ क्रीयम्य मा कार्या) क्रीयाचा मृत्री-रियंक्ट्यमम्मः (भीगंत्र किक्यं देळ्यम मिला-मान्यं) नियमं (अयम्) मन्ममं मर्मावमं (कीर्य उ प्रावतेप्रक्रमातः) मुलायम् (मुलायतः) लामर्भिट (याम करवंग) में ब्रमाम ल्या (रमने र्या गार्क्त दिल्ला) यस: (यसका कार्य)।।

अत्रिकारीत (१२ क्या वन!) इड (प्राप्ता! [क्रिय]) यु बार सामार (यिक सामान) यह रे प्रिंव वेप कर) 21 st (count exel [an sign oug]) यरास्त्री कुं (यर अरवं) मामेव: (माम ड्रेख) (ता । ब्रिका (डीव मार्ट) में में म: (१७०) व मी मा ((कारा ने सामा) क्ष्म व व्याम (क्ष्ममं क्रम gomes via) sa (oussi) sin (coma } Сма सामा) मै अष्ट्रां सम् (क्विस सम में समम) अपुरं अर् (यथ अवस सक्तार (क क) का भारे मर (विभवेषिडात) मम्म्रीड (एम्स क्वारेखरून) ततः (निवर) एत्र प्रके) थावा वसंदा: (ल्लांस्वं प्रकानंबम्दः) मक्तिनः (मक्-र्षेत्र वैकसम्) र अर नव मान्त (लाक्रें दिने लिस: अविव रम्)॥ क्र केलाड़ी (कार केलायम !) किर कर्बास (आर्थ कि कार्ने ?)) भार्मित रताक वर्ष अपनी ? (मिर्मित टार्मिक वर्षपार्म) एन्डम (लडाम-व्रक) कुर्मिए (कूमार्स) धार्मावण् (विषये कार्य) दे दिहास्त्रामार ममा:

(द्राक्राक्रम) म समाक् (वाद्य मत्र) ला करम (िराप्रा मिलक महलामें लाकमें न करने वार्) न्माड्ड: (न्माड्ड) सस प गाड़ (त्याकातं पात्रं भ [लक्ष्य]) धार्म (क्षामा मह) लक्ष्मा: (लास्पर्य मान) लाज वास : (लाजास) मार्ट (migrace, [arra]) orma 2 to orm (ony tensons) (on (onena) x sec & (xx भार) " वर (लाक ग्रा) लाभाष्ट्र सार (सार्मेन भाषित्रीत काकिक) भाष्युक प्रक (कात साला QUM श्रेष्टिश)11 सम्म (क्षाम) क्ष्याच (क्षाम म्हाद्य) अभू क्ष्या (अस्प-काम ७) माणू १ म यव मका ए (धवम्याम कार्न ए क्रांड्य " (व्याया) वात्य क्रास्य (च अप्त कार्य कार्ने माउ) लाममार्थिनः (स (लासन लाक्नेर्नि (इक्) लठिक: (ल्याट्यांग) लाअवाद: खानंद (लाअवाद. महिता आक) र दा या बेलावय (लादा । बेलावय !) के चित्रद्रिका आगेत (के कित्रद्रिक न्या आगार) चित्र -स्टिन् क्रिक (टिमाक्सरका अ हम काम कार्यता) सामें (own) प्रिवं प्रविष्टि (प्रकाशाय वेट

Egnin [ourse ale]) & Le Dour (course Dan) उराविमी किए (इरेट कि १)॥ यर्गम्पामः (म्रायम म्रिका लाम्म हरावंबा-2>1 आभी) विश्वकक्षात्रित्ताः (ग्राह्यत्वं हिड अवंशकक्षा वर्ष व्यक्ष्मण वास) भद्रादियापत -अम्म विलमप् विखब ख्याः (भेराया प्रव विखब मानी लग्छ। देश अमस वं स्थान आज्यमं), शक्तिसा रिमा-सकट विषयाक्तर) विकार [निर्ट] के करताराय लग्रिक म्प्रात्वं में यक त लक्त का क्षेत्र द्वार ठम) र र्याव (म (र्याय (पर (अप)) कामा: (१ केमप्) रात् (लामाक) अवार् मुकिति प्रमुट (न का द लात जा का कर कर में)।। लिया अस्यक्तिम् अस्य मिर् वित्र । विवासा-@21 क्रिकं सम्मंबर्भ समेश नद् वक्षम्) विता: (व्रायास के द्रियम) मी (की (मी कं प्रा) विस्कराव: (व्राप्टाम देक्याम अपन) अंगेर (अंगेरंद) राप डेक भाडिकृति (अष्ठडाय कव्छान के अउमलीय) नामायुक यह साम्र मानि (विविध-लामें क मध्य व में का मर्सर) महा (हा वेप

सर्वेद्वः (अपर्वेव) करनंत [नवर]) विश्वावत्यः क्योगीलः ज्यात्र ह (चित्रका व व अ अध्योगार्थ अक्षीण कारा) भूपर विमिष्ठ (माठाम विकास कार्यम)॥ [म (ग्रायां) न्याना स्वाधिया विकासा : (न्याना ना 001 क्टकरं) की स भाषा ने बिल मा भी व (की भाद भटापन प्रमाभारिक) भ्राकिष्ठ म-भाभाभाभाभाक्षीना : (व्याक ए व्यवसाम श्राम् करंग [वर्]) ्ले (ज्याना केंक) स्वर्ष (अर्प) राठ व्यक्ताता: (THELLE & SHALLE ALS) OND AND (OND WIN लाम अमल्य) सिम: (यक्षात्राव (अयं अप्तंत लाम् प्रमादन करवंप ' [लामका])राप्त व्यायमे प्रमण्य- अव्यक्ति रिगास (व्यायरम क व्याप्त्र वारी (अरे अवस्त्रित) वीयमर्ग्टि) त्मः (बज्जा कर्षि)॥ यस (लामक) मिनंद (सिन) वर (त्यह) प्याद-081 न्यास्य विष्यं (त्यां ड न्यास्य व्याद्धिक) धामका हिन्दा (रूपा रत क्ष धामक क मामादं) अर्थकं अर्थित (क्षेत्र विलिसं मस्मियं) सिमः (अवस्रवं) कि के दियाम-

मामर (चिटिय दिया अलंबान) विद्यु (अस्मादम-लुर्क) ऋषे: मूर्छ: दिवादित: (अल्यमीय दिव) अयश्तिक नक्य अभिव करिया) कृव भी व वारा लयकारं अस्मार्य), देठवर्दः (अस्मार्ट (बक्तारिस्पे), बैक्तार्ट्याः है। वेठव् (अस्मार्ट् हां) भाष्ट्रम् भीता क्रियानिं अनुवित्त-सर् भन (भू भशाभन अवि भर् भाम क्षिता) कामण (कामन आमारकार्य) १ स्मार्ख्य (अवे अवे काम्या प्रमाथ ड्यं में) म्या आरं (क्वल अग्र कर्यंत)।। [माराजा] वित्र हे वयं क्या कर् (विष्ठ क्या-यम्) द्रमम्- त्यामाकर्मन्द्र (द्रमंग्र त्यामाक-अप्त) अभयर दारं भी मत दबं (लाभ के क्या में सर्वत बहत) न करे सार्त-अवः अक्-आळिण टमलत् (बिलिश रापुर्याक सामा व खिमेल लाम्बाम) मेडिट्स-अखिल्पर (अवाक्षिक वादिक्य [नवर]) वसमगीर त्रात् विद्वार (सरमंत्र मर्गिक कार्य) म्हिर (दीन्ने करन्त्र (क्यास]) नका की देलावत (याडिमाण्यक कृत्यावत [त्यते]) अमलाविद्यमः

(कलक्त्रमित्रम) शामकार (भीष्मामात्क) कुट्माश (कांग्रेंस क्षेत्रिक)॥ [ग्रामा] काश्रमायन्तः (काश्रममं बसायान) 001 में सम्मर (में सम्म ड्रम्म) रेक्स वं एर (र स्थावत्) जसर (जसरे करवंत्र [तबर]) एः मार्श्वरितः (स्वामुक्स राज्यान) में ठः (युवयवं) काक् अंक्सेस (लाकुम्म रस् अग्रकारक) ववः सामा-व स्नादिक ए काम (४ न रादि भरक धाना व स्नादि धाना) निस्मान (सम्मे करके प्राप्त) किसान यम्बंड (लाक्सर्व) प्यवस्थाति (प्यव व wherey) belonis girtimo (18 (mis. विभन्न में अप) कता नि (क अम 3 (पन) (मन) outho (outho careened 5,4) 11 [ग्राया] अराम्भार् ह (दिवादाव) श्रीकृत्यावन-091 निछ) कामिकमभा (अविभावत निछ) रकामिकमार ज्याहब्दी) प्रमाथकाउ (कन्नेब्स विश्वनाजा अकाम करवं [वदर]) अठारमा क्यम अरम मे-प्रमृत्वी लोगनी (नाष्यत्र-(का ि: भूर प्रमी है-नीत्र हिमाहि९ एप अभक्ष (निर्मात हि९ प्याहि९

अभक भारात्म अवि आमं डक्टानिक धारह वार्ष्य यम टमां उ भीत देख्या (क)राहः भून स्था समूद निमम के प्रिमार्ट , [only Chy]) किया भी लम् कर (अंदरा ब्राष्ट्रिय) भीक) कि (आंदराज्य-प्रतिमहत्र् (मिठाहिलान , प्रतारं प्रापि -स्मारक) दिश्व (ला यम कार्य (ताह)।। विरेट्स विरेट्स (अडि आआ), दत दत (कार के मन) मिर में कार (कार में म [नवर्]) कत्र मत्रसामिष्ट्र (बार्ड कत उ मत्रसाम्बर मत्तर) वर राम बंध-यीर् (वा हमः (म्रायापन महि एप्रवेद भर्ते त ती हिंगाम विवासमाम विश्विमार्ट) वृक्तावत- दिवा नामित: (वृक्तावर्तक (अर्थ । एक अर्थ (क) अर्थ (क्राप्त करं)। राविष्यमामिष्टः (राविष्यमभूभ) क्रमवृत्यः 021 (वक्षा विकं) रवक्षेत्रम् (प्रश्नेय भाषांत्रम के के सामान प्रतिष्ठि , तस अमे : (तसे परं) बीलाय बीलाय हिल्ला (श्रुपं श्रापं) विश्वत् (विशव्यक) जव प्रम् (लोका प्रिज-बाध (लोन अ तीतवर्र (अरे विश्वर मूस्त्व) एक ((प्रवा कव) 11

कता म ([आधि] कत्व) कृत्वावम् अमू (चीक्ता-601 र(त) कतकप्रव्यक्तिश्रीत्रावि- पियाक्रियाः (मूर्म अ प्रवक्ताने का क्रामिश्वाहरकारी-क्ति का का नावि पक), कत्मा कि (त्या उ) यर्वयर्वारमाः (मन्मभर्व वियय-भूमति व) ध्यक्षिमी विम- आक्षातल । निमानि (लाश्मार्त्रात समाट लाय स्वत्र) वमामामाः साबंद (एक बंसतन) वर (अय) का निरंभंद (कीलामध्य) अला (मर्भन कविय ?)॥ जीव्याकात्त (जीव्यावता) तक व्यक्ष # किलाः 631 (काय काय क्या स्टार्वक कायुन) ज्यामका आरेवाका: (अीमवी वन्न एवं) अमा क्षा कान मीलप्रकार्याम्याम्लाः (लाप्यम्मत्न पिका खकद (अमर्ग्याममें सिवं) काकी प्रमृ सार्वा मावा: (अवसालहा सार्वेत्र्याचा) साम (३ (लाअए १ क (व्य)। मम्किं मूर्मित (डेउम एक का विममा क्ष) वृक्षान्ते (वृक्षावत) सची छाष्ट्रिया (सवी कमा विद्युखर भार्व मिनिन) जीकृका सम्हार :

(वीक्षक्त वनर्ष) प्रधानका कादम माना-मानाम (निश्चिम भामात्म न विवक्षामक भन्ना-र (सन् माना प्रमे) (अमचमा अकतात् ((अभ-मक्षां द्रकम्) मम् द्राष्ट्र (मक्षा भारती विश्वाक कार्नेलिएन)।। क्या कर कृति (कृथा वन मार्य) विक ह न क कूर्रम-हम्माकनी सम् पत्र मृक्त-मू लोव नी न जारमा: (।विकामिण न बीत हम अर्न हम्मक उनीसमाम गाम कार् टाम्बं व मुखका हारा मुक् रूषम पिया त्मालयूताः (पिया नसीन तमन-मैं बर्ग अध्यक्) शक्छ रे सर जब (शक्छ मर्भ रह) अग्रें (लियान मिकार अकर रहक)।। हाक कमम् वीलाए (धार्मम कमम् कार्रा भू व दाए एथे वतानि (त बीत ट्येवत ट्याडाव विकासलानी) तिव्वविश्वदातामानावभूते ? (अर्थाम कद्मिता हे भार), मा कनक-मार्थन-मीय द्याहि: (ज्लुक्कम अ श्रेममीम भनेन थांग आद्रमसत्य) हिंद्र मंत्रः (क्याट्रस्त बन्ने में प्राच्च (त्रमा करें)।

501

लर्यमम्भ कथा-म्यानिवन-मरापुष-पूर्ध-501 शादिकामंड (अवस व अमर्पिव सँमावाव अविदान वार्वा विकिस मूरकापात) व्यक्तिमानिकान्नि (कम्बन्मानिम्म), Стала (ста в मीतवर्ग) , सम (मधीय) खिटायं का कार्य (किटायं वर्गम व्याने ग्रीमा) वित्रवृति (विद्यावं कर्त्य)॥ जिमासी भारतया क्रिश्मिष्ठ मन बावि मन्ध्र-661 उन्नमर्म-कराष्ठि-काकिमा-कृत्राडः (अक्षा आसाम मा या या वि त स न अ त्व स न म न उस्त्र उ क्याकिमामार्थक क्रू आरक) भूय: (प्रवेष्टक) लाहार् मुंद्र (लाह शवं रेशुंग) प्रथम (प्रप्रव) निकृ त्या । भूति (क्यू वारी व लाक्षमं यत्र कांचर ' [लाहा (मर्]) का का-भूनती रेखी (जीनार्वा अ श्री कृष्ट्य) प्रामानि (कार कार्र)।। छन। बार्ष (प्रवार्ष !) जा (अक्षां) छव प्रदर (लामान श्रीवित्र क्रम) क्याचल (क्यावल) धारा ए क्ले व वालंगाडि: (धर्मा माम प्रदा क्रम बीमने)

लाह्य: (यह्य) यम्ब्रिक (यम्ब्रिक) लाख्य केवर (कार्वाटि), काकिया: (क्याकियमर) मूय: (मित्रमं) अक्ट्रक्ट्रें रेखि (क्ट्रक्ट्रें बरम) कामारम (कामारम कामारम) क्रांडि (elacoca) " Immegie: (milany) लाट (काट्या) भीताकाकाक्वर (भीताकाइ रें ते) सामाद (त्यामि धार्माह [नकः]) अर्ल वसी क्या: (मिथिन उक्सामारी) अछाड-मैमीमा : (काट्रमा मैक्सिकात रावप कार्वाकट्ट)॥ यव (हेड रूकाबत्र) वाची (भी वाची) लाख्यमार (लाख्यमं लाम नाम महत्तातं) अभ्यत ना (मिलन अकार हारम समायत [नक्]) (मत्मा विद्यारं [क्या कार्यान] म प्रम-यम लाक्सत्य वर्ष [लाबार्ड]) उमक् त्रिंत (प्रम त्रिंतकराक [श्रिम्द या आर्थिता) त्यावर (र्डाम्य व्यास्ताह) विरं पात्रका लाम (विषि पात्रका) में के (नमम हाड़), देखि लार (नसम राम्प्स)

राठ (, प्राप्त) मैपार्ट्य लाम (प्राया व मन्दि (का मारक दिन रें गार्ट में अंकर्र) मक दिलक (मकार हिमितार) न रह (नर्म भ वानिया) रमडी १ धानी १ (त्यान मनी रामा कार्बे (लाक मधी [लाउमाक]) ामा आवस के वर अम्मी (भी बस अम्मे [(कामा किंव कावंप रुआ] * भाषात्रेता) भन्न (अन्य श्राया) आग्राम (arme कार्कारियम)। वाची कृष्ण मुल्मेवतीय व श्रक क्रिक एरिए निर्मि : (क्य-नंस् क किंद त्युवं उ गुत्र मित्रर्गेगर्यं दिख्य मी हि मिक्) एक म व मा प्रकार (ट्यम व प्रत्ने) अ भूरें : (अवार भारा) हिम्हिम् देव अभार आल्यन : (हिर काहर दिविन किए में विन में के विने में मान करिएट), धराषा द्वान्नमङ सर्गरलंग कु संविशन-वंगं (किम्मान द्रियार्गं क्यारि क्यारि प्रश्नकला न हे जान विलायन वं में दी में खें जे [नगर् कीरमम्])ध्यम्मनाममं एमं ९ (ति भीन मिकांग्राक्ट्र स्थालक) दिल्ला पाल्य पर

, अवंस देळाय) मीर्यायम् ल्या (मीर्यायम - हाटम के एक (भवा करने) 11 मार्गिन (तर त्याव !) अपूर् (अप्तेयम) देय (न्याम) 921 लामंत्र (लासमा कर) मा कर (कत्रापन) CAUSA (CX CAUSA; [21 H 3]) MA JE (JOHNUS) व्याक विके (भाष्य समार व्यवसाय कर) विवत-त्रामाप्ति भेरा मुकापि (लासाम् कार्लन र आदि मूदीर्थकालीय भूवंड का भारत दिश्येष्ठ इरेयार , जारा) प्रभाक कूर्व (यभाया विभास कार्ष्य) मार्वाश्वास्तानाः नाम्यानाः (आम्यूका मार्थित अभी अप लासका कार्या कार्या) इंग्र (यम्भाय) ब्राक्त सामाः हि (यमप्रे देशहिक उद्रत्य [नवर व्राध्नां]) अस्तः (अक्टल) समर्टि (०० मार्) इर १६ इर १६ (सर्वे इर मी सरकार्व) प्रकातिकाहि (प्रकार सम कार्चात) II मय (त्मारत) अयारां में (अवारां) अकर भ्राका-921 नमं रेव बक्ता टमाम १ (म्यक ग्रक उ कम मान बारम १ कप) ' त्यां के आराज्य र (त्यांत व क्यारा हुत्य) हिक्सत (प्राप्तिहर्स) माज अर्धिय-सदाशास्त्रकामाव-

हिल (जार मी श्रिमं संभक्ता) सर्वान् सर्वन-मार्नः (मन्तरहरक्त प्रकृत्यत्रीयाणं) कियान वर ट्यम्मिर् (काय व कर्म (माला) क्यांत (श्राम्ने भूमक) धात्रिवर् डाडि (मिछ)कान वियान कार्याप्टर)।। यत (एअर्र) मांबर् बावर (तिवस्य) प्रवप्त-अअत्वाष्मात्र म क्रक्षा कि (व्यास्त्र के कर्ममार्ग (अन्यम्भद्रमं कम्म्ममादं अमा निश निश विस्टिक दिन भार मानी) आपि दिक् (आपि दिंग) लापाण मिन्या क्या क्या में ताम के विकास स्मेग्रास्य व्यवसावित वार् वर्गे वर्गात्य-जिस्स) रामह रामह (मानती व रामो सरकारत) कृष्टिक कम्मा (भागवसाय मामास्य) भागान-सर्माद्वाकु (अवभाव लक्ष मर्म स्पृ कार्यमा) यग्रम (मड्डे) सर्वे के की विष्ठे (सामन स के के कार्य) हिमाह (कावम शवंत्र)।। भाभिकात्म (भाषाव निक्म्यू भाका) अआ: (अभामने) त्वतीहू छा-। जिसक वहते : (वनी, हुल उ जिसक बहमा), मिरेक: (मिना) मक-

981

अद्भूत्र प्रात्म : (मक्त जासून , प्रात्म), भूत्राकान-वयमरि: (भूभा 3 हेळात हेउस वसन) , दिना-हिगात्र भार्यः (काश्वाहिक क्षत्र कात्रीमं [चरह]) अक्षक् अर्वीवत- सूदू भदारक्षाव- अर्याद्रतारेश: (दुक्स क्रिय क्रियं व मेरिकास मारे वरता के धर्म मार्पिश्वा) याचा- ब्रुवा निष्युती (अश्रासा-क्राक्) ज्याहि (प्रवा करवंत)॥ मक (त्मम्बात) का कि वाद्या- मूदामा: (भी वार्यान (कात (कात (प्राविका)) निव्यार (त्रिवड्ड) क्यून (के के प्रधेत) आवं के वृद्ध (आवं का व का व्टिटिय) धारा: (कर कर) अगिरिएते: (विकिशाला यम) विविध क्रम्रोम: (यत्राविध अधावा) दिवा आनादिकानि (आना अङ् ि दिवा अमक्षानं) अभाति (बहमा करिएएटम) , क्रान्टिर (कर कर) मूका (अगिवं आर्व) मुकार (रम्भू भठकारवं) हिना मक अका नामं (विविध दिन मक द्वा) विद्विष्टि (अस्ट कार्एट्र [नवर्]) क्राक्ष (क्रिय क्रिय मा) काल्यम महिं (काल देखम यस्मान्त्र) क्कार्ड (क्राकेड कार्नालाहर)॥

[माराका] सरामार्गिता (अवसत्त्रम्याम्) लाध् (नक्) ज्याम्यावम (भ्रम नक क्राम्म) मेक्समा (अज्ञाला लाकाम) पण मनमा (मर्गम माम्मा) भर्माः (मिन्म) चित्र एक्तीः (एर वर्गे अपुरक) विभी के ब्रेट (विकास करवंत्र) [73 xu]) 2 g d wo (Cun we cuigny) वृत्रायत (कृतायत [गायापन]) ज्वर (त्रवा करवन), प्रन: (व्यक्तिः [जूरि]) म्ती अ १ जान (म्तियं मानेवं ३) निकाल मे ९ (विस्ति में १० किये वार् सकार्यान् [अर]) वससन्द (वससन्) वाद्य हम्द (प्राप्ति वितंते) आवं (काब कर)।। ११। भा कुलाकात्रतानी: (कुलाबत्तव त्ररे लव्य (माठा) (करमामणं करणं (धार्षिय कमली मामसम्) दियान (दिक) नव भार्म (त्रवीत टामेब्रात) आठाः (विवागमात) टालेव तीत ची- पम्पाला: (तारं 3 भीयकारि सम्बद्धेन) वर (एते) भाममम्बद्धा-विकर् (ल्यामा (आलामका [नक])

जान्य आरेम्भावार्यस्य विक्याः (जानून

आने मूलात्व (भवाक्ष विश्वनिष्ठि) , दिन-भावने कम्म नी हि: पूर्त : (दिवा क्व मायके-(आ अप्रमुक्ता), व्यक्ति देना दिना (किया कार्य विका (विद्यालामन देख्यम त्यादा मध्यानन-कार्यिया) में अयः (में अवस्त) किरमात्: (किरमानुस) (ता में के में (ou out में कि मार अ अकरे रहेन)।। अमल बुका लाबानि-बन्धि-शून अकृष्डिः (अमल बिका विवा विवा मिया समा त्य मका विवा व में रें (काल रेंड) लर्मिड (लर्मेड मर्ग) म्यान: (अवतामव् व) त्यव्यात्वात् : वर्ताट् (त्रमवत (A) राष्ट्र : विनाम भाम) १ वस्यः (व्रायान काम्यादः) ते कुछे (विक्रे वाप्र [त्मा डा मात्रेखार]) ज निवित्राप्त रेत (जात्रानं कालिनिक् मामान) आदिस मार्ग-माराष्ट्- रीमाण्य गुलिय (भर्त्र यशकास वीमाध्यक (क्या विस्त) देव वृत्तावन (अरे बुकायत शास विवास कवित्वाहत])॥ लक्ष (ल्याम्) र्यमाचाप्) (र्यमात्राप) मत्राष्ट्रावेत-क्षरमसंगं (सडराष्ट्रीसण्यं ग्राम्हानं मेंगावक)

96-1

सद्यामकारियार् (अवसायकार्मका भवतात्री) अवासमूर् में क्षिक्यम (अवास में के ने के कि कालाबाह्य (कालाबाह्य) अनुमंच्याना कर्ड (क्षिमंच प्रचलाहितीन लाकमं) भायसमस्य (अवंश लायस यान्त्र क्रिश्न) म प्रविष्य अक्षित्र (म्राम्य , My Mar Mush) Buo (Buollia) GEN (स्मवा करने)।। 601 द्र यन (यर मीन्सामरतर) कामाना: (ong. स्ट्राबंद्रम) किलार्यः (किलायीगर्न) अविधिक-मामिट्यावरकी (अय्यय माकाविक अवसार्वाता निमम) न यय तय-वत्माक्त अर्थितो (निकार्वन व मंत्र व संवनानिन देराम त्रार्ष्त) प्रशत्यक्षत त्या नाम-वस हम्य का स्निक्षो (ियर] अवंश क्षित्राय प्लंब द्रियाएया सतं येत्र-(वाह्न) आती) बीवाक्षा सूब्र मीर्वन ती. (जी बाबा कृष्ण क) निव वर्षि (हिन कास) अमेग्छ: (agricia) esta (CHAI 本(五才)11

6->1

वाकीकृष्णभावविष्यसवस्थान-भाग्यात्माक्राः (म्रायापन हिल्लान क्यान क्यान करण करमन महेंड्स लाम्रायम कार्यता मक उद्गेताह) में बेंबर दुर्भकाक्त में प्रका: (मक्त म्याति के कि क में क -क्षानिक क्षाविक्ष रहेर्वार), ज्रासम्बद्धिकः (क्या-चाक्रकं क्षवं क्षवण एक्टानं लाखान) लक्षानन-द्यात (लाड्यां लायपाटिक) क्यांस (कस्त्रत) लाड्यानं (हित्यं नकाय यमं लाम्यं वर्षानंगामुद्रस्य) ल्पालीआटमाः (यश अन्मवं क अन्मवृतं) (भवानाः (टमसन्) विश्वः (कामाठ भीटल) (लाह्छा: ([म्पराना] ट्याक खकाल क टवंप) ' का : स्थानिका-बाह्यकाः (क्याचान टक्ट्र प्रायकामन) सस मंद में (लास्य प्रवाद लाठा सकाम कर्ष)11 ्रियाचा] माजापृत्रम्कात् : (प्रिम काप्नेमालक (अशादिकार्य) रेव: उव: (रेवअव:) ट्यामा: (हक्तकाल किंग्ने क दंत), कटला मह्मी-त्वल १-काक्यक लगाः (म्पारं गड्मेमर् प्रम् केल्यहरे लार्स्योस्त्य बाड्रांट) ' श्रुवंप्रकाका: (मूनमार्थ कश्रित्य अनामेसात्र हत्त्रां (आसा

5-2

आमृत्यह) में अपूर्व में में बार (मामाति अतिमात्म र प्रायं सहरत का रेत) र हिंत्र मारी र यह-हिंद्रामकी-वेप्ठकिक: मेलमुंबा: (म्प्रावा हिंद्राव राभानम आस्य सर्वेच लाय क्षानंत्र करतेय [न वर्]) दिन वायकाणंष्टितः (भारापम व्यक्तनारि ह्यूनिक विष्ठान लाड कर्निएए), निर्मकर्षकर्म (भीनार्याप रमयायुका), मूर्यमालिकाः (व्यत्रावामाभिनी) वर्ष: एक त्यांबी: ([त्यू] प्रेयती एक त्यानीय पृदक) भाव (कात कद)।। में में कि विमाती - यिमें के डिशिका : (म्प्रारमं विलास करिको फिल बमतव देलविद्यास कि द्विती (आला अपने (अटट) , हर्ने क्यम मिन्सू मान्यू [आता: (आर अत्म असामेशात साप्येस प्रें प्रें विशंक करिएटर), कृष्मक्राविशंभवक्री-[अर] सम्भूत्व देवां कार्य क्राह्मी उ हक्ष्म दान हैं वर्त्र गरह) वाः कतक तारी: वाकिकाकिश्वी: (प्रवितं गाग ट्यांस्थ्र कार्याचं ट्यां राग्राय १८४) भ्राया (कार कर)॥

6-81 साप् कथक प्रवासमार में काता प्राप्ताः (क्या बार्वा टमड्र. टाम्मार्-वं पात्रकानं स्पृत स्पुसर्मेटन स्टास्मा भ्राक्त), यसमहिक्दरिती। विक्रम्म वं के करा: (स्य क्रिल अर्थ त्या व महार् यं वे मार्ग क्रकर) व्यास्व क्ष्य क ए व्या द्या ने निर्मतं -बक्राः ([नर्ट] यंत्रसकाय काम्यं सं व्यस्त PC के काष्ट्र थानं सप्परेस डाम प्रधान. कार्वाटर), मबक्कामियामीनाः (अत्रामा मबीन ट्रिट्मानं भीयानं विद्याश कार्यमा) गाडिस टमार मानी: (लाम्या दृश्नां अकालवं त्यार अक्षतं याद्विट्य)॥ सर्वसर्वं वा बार्कक श्रीयायं वाम-क्षेत्रवं में द-601 क्षक क्षाक द्वां माक मेन्सा: (द्वारत द्वार सर सरव् च्यां का का का निक में में में में में में में में इंद्र (० व् - वर्षे) (कालुक्त का के के विकास का मिल्से विकास विकास के का कि के विकास के वित (मिन्तुन वर्षभात क जमार्च जातम्ममूर्ड) अविभूय: (अर्था) ध्याविमाखाव भू मिवा गर् र मही: (लाकु आंत दुर्जे स्टार्ट डामो सरवादि । खंडा श कार्वरण्डित)॥

6-41

रवकरक मूटारेन का छिन्ने के कर दिरे देव : ([यात्रामा] विश्वकाष्ट्र थानं (अवंत्र्य विश्ववादिश्वाचा) -भारिक दम्मादिमाद्वा: (मिश्रिम दिश्रास्त्र ऐसारिक श्रमं) एन दिक त्यानं से ला : (एन क्यानं में समानं धरमात्रभूर्यक) ज्यानिव्यक्तिमान् वन्त्र डात्मा त्रावाकाः (अवस्विष किट्यावर्ग्य कर बंदि का क्यां धाक्मणा अकाल कर्षत) विविधवसम् द्याः के मार्थेश्र (क्यांका के नद्रंसल लार्थिश्री भप् खिषित यममर्थियां मध्ये इस्में) हारि (Course oux COCES) 11 नीयम् व्यायम मवमण अभित्य भी व्यायम न बीम लणाकू का महर) हो कि दं आ की माम्म पा प्रति (ज्यामानंदन्यं क्यायवंत स्थिभद्यं हित्त) भाकेषि एकत (डेपिक) एकत धार्म (त्मत्र) अह एक कि नित्र (बिहिय भी सक्स्म) अ कि विन

लजंबमालातमन् खानाः (म्यान देवम वसमनं

(राप्रकेष) लाम्मा के लाहि (न करान अर्जिप्ता

28-6)11

(अवि द्यान्ते लामम् कर्व) व्योगाम्नर्-नर-

क्रमात्राः (न्यां क्षां राष्ट्रं अवत्यत्र में अर्च) राष्ट्रं

6-91

हिलानं के क्रक नियम क्ष्यं (म्यानं कार्य कानाम 6-6-1 हिडाम्प्रमासम्मानं में टमाहिक) विकासिमामीयरे-Mad on a garad de de algunde de (Muder र्चित्राम्बे सद्य से बेलिक का यो का किये अर-हिस्मध्य विवास कार्निएट) मामावर्त्मा क्या -रामुसमंद (माथा मायाव्य दुळ्यम बंत्रमं [चवर]) हिरंड सरकारे द्वाह: (मूर्या सा कि लामने-हित्वभभने ([mun]) चीमर रेमा विषय वय-ह्म छन् (नी मुक्त यतं त्रे धन वम ह्जाक) मर्भावानि (तिव्डव कार कर्व)।। रेग्र (वरे) क्लान्ने प्रती (क्षिक्ला व तत द्विon) श्रिममम्पूना (काष्ट्रमा श्रुममा उ मिर्म सामालम), काड काडर (रेमम प्रोक्तर ज्जूनमीम), मिला सियु वी प्रिका व प्रश्वी : (रेमान- अर्थी मिन ने व्यानियं काछि प्रधी डेक्टम-क्रा अस्म अने खार), कार् मम्मेनम आक्रमा क्षिम (र्या कार्ष मक्षे मिर्म क्षार लायत्मनं लामास मंत्री) वस्पारं (र्क्रमाप्नं) मन्त्रेत: (मन्त्र्र) न्यात्माद्मः (न्यान्मम्)

देलसिर्छ - जू सामा छ लगानि : (रेत्राम डे लर्म जाकिंग (मालवं स्मेमारि मिरायने करनं), जपू नार्वे (देक रिंग्रामं दुलाइं) मिलाकाः (दुलायक अनुगंदार्कियं) लाच (म स्टाप) लाक्ष गातः लालका प (क्या से व ला कि के पा हिंद का ला से प इम्मा (वद्ध) लाम (न्द्र हिंदिए) क्रिकेट (अयर् (व्रायात्म का मेत्र मुखं क कर्र कार वरेटिट)।। काक्रम (कामम्द्रम) दिशकाक्रमधर्गे (दिशमूवर्ग-सन्।), काकुर (त्यम म्या) यरामी स में मी छाड (सरा सत्काराम् वाष्ट्रियां अपुक्षा) , लगार (स्थान महाता) कू क्राचिक कुक नामिकाए (कू क्राचिक-म्प्रम्यक्षाम मूल्माडिंडा), स्यार (स्मामस्ता) त्य प्रभी (अवाय ति व का), कार् धामी (त्यान म्हाम) से दूर्या कवा निष्ठ ह (शे यक मानिश्वाया हार्डिकार-में क्य [नवर्]) मंबार (त्याय म्हाट्य का) महिन्य-कारका क्षत्र वार् १ हमका अभित्र भागा म्पाक्ष न्यास्त्री,) ' न कंत्र- हिष्ण्या कर्ना इं (लाष्ट्रिंग व्याष्ट्रम्मं हिए अममसे ता) लक्ने अर्ड

भीकृष्णयत छ प्रिष् (बिह्न कुष्ण बत कृषिक) याल (बलान करके)॥

प्रकर (अक्त [त्यु]) र सावत्री गां वयु (रिक्त-विक्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य क्य

(पिक असमान अभर्भ तिकृत्य वानि यात्राव (आल कर्षत्र क्षिक्ट [यारा]) मिलाक क्षेत्र-में भी बंहों (तिक सडाबंदे सनं में भारतं अभित्यभावभावः अवस बस्त्रीमं [यवर]) सिरामनः-यानियान । लिक अत्ययन , मधी उ भाने प्रम अव्याप्त माना विदेशिय ((my cut) भग्र-(मार्या (ताक सामस् सामक्) रेक्सव्य (र्यात्तात्त्र) ह्यामास (क्षाप कार्च) 11 सामा कर्ड कि का बादर (एन स्थाप समर स्वांश्व कि क. यप मछ ररे मा विकाल कर्षत), यप कल- भकत-मात्र प्रकाषित्रपुर् (मिलिल भावन वर्णन आर्थ-भर्म सम्बिश्वम का श्राव्मे कर्विछ (६) भागप-कल्लिम अधिलय अविलाम उ ल्या मुना दे (मममा कल में में ने माठ: व अ धामका नामि उ लाम अप्र आंब्रुस्सं द्याक ब्रह्माह) माना द-कारमण् जा दापि (काम, हन्स्या ७ जावकापि मकल भवा प्रकास काने कार [नवर]) कार्छ-यमवियामात्रिका लामाय यामावृत्तर (धामक्षा (माभवाजानाने अ किल्म प्रविश्वन किल

(महें बंगल्दं) ममम् कावि (मर सक ध्रुता (महिं बंगल्दं) ममम् कावि (मर सक ध्रुता (म्याम्य) कार लाम (म्यांडेक) हिंद्या बंद्याद्या: लाका काव्य कार्य) वेद (प्ये) र्येत्य प्रदे

281

[थिकाति] रिविह्नि रेका उथाव वर्डि: (अविका भायमार्भा कार्य कार्य मानामी) कार्रह: पिका क्षी भाविकाजामाजिकाहित्यते: (दिकालाख-यन व्याकुश्राय सर्विद्र व्याकुश्रायक्ष व्याक्ष वमका किया) ट्राम्य (अवर्ड ल्याडा केलाः (अवर्ड ल्याडा (ति श्रिम , प्रवस्ते यात्राव वल्ता कर्षत्र) १ रेल्कािकार्देशका एकाविश्राः (स्का धिन ट्यादि म्टल्यनं कार्यमामामदं लक्षायं थर्वप [नियर]) देमान्यमं र्म रेग्री काम कामार (निक्रित हे अति अप् गानि ७ यात्राव भाराष्ट्र) धरमा परिय) मह (विश्व) लक्षा हः (व्यवतंत्र) वार (एके) भीम बुला हेकी (भी बलायत) अक्टिंग (शाम कव)।।

(विश्वक्ष का सबी का श्राक अपिकी भ न का वन का मार (विश्वक का सबी का श्राक अपिकी में हिल्ला निर्माण सब में अपने का का सब में अपने की भक्त में का बात कर)।। या कि कि , छं पूर्ण कर वा कि कि) एक (सवा कर)।।

[मिन] मूजान अछि जाल (मू अ भू सम्मे भेटक छ) करि-हि९ (कपाहि९) मल्लान (प्लीम) म प्रकी (प्राम कर्यमा), क्षक्र मान्या पिटि: जाले

(खिलक मन्द्र अहि ३) हाम में बाह्य अभी

य (मिन्सिक्टि हात्व व म्परावं सर्मि भाह

(अरे. बिक) र्यायत मी मारे (मी मार र्यायत)

क्रमेश्री (कर्द का कर मरकारं)

र्त थाकर वात असम्बर् (त्र त्या गाकृत्र यां लाह्या कार्यो) हारवम (लम्बाममप्रकारक) इवः ककः (रेकमकः) वर्ममाल (बिह्ने कत्ने)॥ क्षां लानं भुवपं (ए मेब्रुथपं [टिंगित]) प्रवण् (प्रवा) प्रवा (प्रकला व्यवि) छे एकर्स-सागी एव (सक्षाप साम कर्निय) न मर्द (मर्द) मीह मीह: मा : (कार्ज मीह छाट्य का म्या कार्य) लक्ट रेक्स नव (चर्स्स लाश्येप्रध्यात्वे) र्यायमार्थं (र्यायममासक) सर्वं श्रम (सर्व द्वारत) व्याच्यम (यमकव) व्यामात्र. सारम् (साम त लाल सामात्क) व ट्या के क (जुला कान कान्ट्य), ट्यान्य प्रमाश्चिमरोता: (लामने साक का मिलाबाद) समया हत (अकलात अवभाग कवित्य), हिरेश्रम्ब्रमाध्य : (अस यितिन अपि ममताम लामम करिय [न क]) आसामादि (लामादि लासाद) मरामक्यादि ह (किश्वा अक्न ये क्यार्थ) समः डव (पक्तालने धक्सन कार्य)।।

(त भूकी क्षेत्र !) कात- विक् मात्य- प्रक्रामिक-81 विके छ छ म स्था यंगारम्या अव (सरभवंत १ म-यात्रामा लाक्षात्व कीक्ष्मा नई लाविक्रिक ल छाट्ट एडामुख्यं याट) में डेंड के (में प्र अमली क्य), अर्थान (अर्थमम्त्रक) अन्तर्भात्र, विश्म (आमर्भाष हिंडा कर), मूण्यूक्ष-माक्षमान (पूर्व विद्य ७ वक्षानी के) वक्षान , विकि (यक्षत ज्यान कान्त्य), विकान भागादिश् (म्मर्वे असे भाषातिक) अक्टें ति (मैं अकरे प्रत क वित्व) वस्त्र माना प्राचित्र (किल्यन वस्तार्प क्रवरात्) जालामाः (नक्या त्वार्ष कार्य [नवर]) अल्बार (अक्त्य निकति) (म्या के क्राम्बर ((म्या व के क्याम्ब पान) लिसिन्छ: (लिसम निकास असम्बान भूर्यक) वृद्धावन (वृद्धावन) अक्रीम्स (अवस्थान कार्य)।। थ: (भिन) क्य धातन : (यक्निके हिए) a1 वस्ताम्रो (वसावताव) ज्ञान (प्रवा कत्वत) भय् मः नकः (नकमान विनिदे)ध्यस्माप्त्र)

मार्थान्यने लगामूल-पर्वित्रितिकाः (तीक्क-एत्में अर्थ अरि अत्में लयप लाभावं सार्वित्रास्त्रें के ध्यत्विष (धाक्षार मम्बर् १'न)॥ कः (कामी भाक) यह (यात्रा) म लावेवावे गाह 31 (अर्थिकास कार्या क्रिय करवंत्रम [नवर]) यह (भारत) प्रकत्मान (भर्तातक) मनीवार्ट (बिवाकसात), वृत्यायत अने की दिए प्राटि (छारेमा बेसा त्यं छन् थार् थार ग्या) (स (लास्पर) के अथा (। खड़का) पत्रीयात् (लाट्यन र्वे कांबेक्टर)।। कुकायमार्थितं : आस्पर् (अक्षिकामन द्वान 91 मक्क) म्मार्तियही (वीवावाव कमा 3) ला हार (मृत्येरे भाकक) , जमा: (द्वामान) मका: P (अभीमाप्तं कमा 3) सम् (हिंद्व मार्केक) वृक्ताविकणक्षल्यः आले (वृक्तावत्व नकी जक्षम्बड) (मार्येष्ठ (हिडार मार gdoney reig) 11 त्व सम (यसमार्थ सामम! [व्राम]) धार्मन-61 अभित्रक्याति (अर्थकान अभित्राण)

सलग (अर्थितास कर्षे [अवंदि]) रेन्सवप्रदेश्व (क्रिक्यावम शास्त्र) क्यावकक्रामार ह (प्रमाप्तंत) में प्रकं (में प्र) मान्नं (auc) one (one) leve (goller u 49) II िय साप्त । विशि] कस सा क्र (क्रिय ध्यम्भात कवि ७ ता), ट्यासर् र (ट्यास अर्थत व्य द्रे उता), विक्षु उत्रत्न (विक्र उत्रत वर्मन अंतुल्या) मिना) य (किसा) न्यवरे न (न्योरेन अछ सामाणनी श्रेडमा, [was]) surary) (surary) non con िक्रें (त क्या काल काम करियार) के नर् अव अपर (निक्तंत्रे अवस अम्) अवाम्य) मि (लाए कार्याव)।। यदा वब (यभनरे) ब्लाब्लि (ब्लाबत) आमृति (अव्योगिष) वात्र: (यात्र कार्याव) अक्षा श्रेव: (भक्त कार्यमार) , प्रवक्षानि क्लानि (जिस्मरे) अक्र अवक्षिक लाम्बर कवा हरेगाट) वीशने: ल्यामितः (न्यायम् देमा मा मिक् द्र्येगार्ट [नक]) डेमिनिम् एक छ। (डेमिनिमप्रमूर अवने कवा 到水(工)11

21





EXERCISE BOOK

NO. 3

JONER 24019 5198. भी मी मृन्त्र व स्वर्मा मुख्या मुख्या अपिता कि अपिता के विश्वा मुख्य के कि Marto P माजनाः (माठ माठ) विश्वी : (विश्वीर्म) प्रायु >>1 (द्रमं या लाष्ट्रं रहक) " अर्प अम्ब्रुम: (अयम सकाव अमे हिस्से) लाख मान (अने रहेक), यदि (उभाका यदि) व्यावन् (व्यावन) may signa ([anewer] on in the star) तरा (वाडा डड्राप) सस (aushi) का हिसा (1881 18 1)11 वृक्ति (वृक्तियत) कामायं (काम >21 कार्यमं थये) ल्याल्य क्यानं (ल्याल्या करिगाह [वर्ट]) मन्न : क्लाम कर्माम (यप्र कियारि , [जित्र]) यदि (यदि) यम्बी: (मम्बू कि ज्याम) बादी: भार (बादिन्न ड्र) 'वर (वाया यंद्राम) के मार्च (के जासनं) वृत्ताचितिर् (वृत्तावतत्रे) भागत्र (व्या कर्विय)॥ व्यानिक का राष्ट्री मेर (व्यान क्षीय मार्श्य नामन) 501 अवस्त्रीता (प्रक्षात्र व्यक्षत्र अवस्त) अविकायत लाखा (अविकायत्तव प्रथमा) मार्वकावत्याः नाम (क्या मा मार्यम् ३)

रामिल (ताल (टला का में करने मा) यत: इबार (1हाउन जाकस्र करने)॥ पक्क कुलायमण् १व (श्रीवृत्तायम) आमन->81 mayen (oustra airegén) cyam-वंशास्त्रा ह भीता (अवस त्मिलामा नव लया काका), श्रांब्य म्विया का भी धा (चा कि कियं सम्बेत्या न्यं १ वंस मुक्स (चवढ)) (अव) छने भीमा (अवनीय छने अस्तिन (अवार्ष अवन्य)।। नास्त्रीत विद्याविष्यात (मास्त्रस्ट्र विद्याव 201 कार्यमार्ट) व्यवः भर्माधाः (छक्-(अवा ३ यामि कार्य गाहि), द्यः (किन्छ) अयर मधी।केवर (अयर नरे मिकार उरे हेम्त्रीं र्येगारि (म), इ लवर (वकमाय) ब्लाबन् (ब्लायम्) प्रावं (अव वस्)।। यात (८४ अटम ! [व् भि]) । किमर्य ((कम) 341 कर्य गाम्नि छ : (क्या काका नाम भावा) अर्थितः Early (mina TA 2402 1 [a42]) \$ el-यम छ भार पद (ब्लाव एवं छने बालिबरे)

में देलाएक माने १ (ज्या) द्रेलात के श्री देश 西京)11 [त्र अरम! वृषि] त्मक्षिप्रेश: (त्मक्षि 3 र्धालक) क्या हिडामरोधः (मिक्स हिडामध्र-राजा) किर वास्प्राप्त (अति इंद्र किर ते) जीयम् ब्लाबत (जीक्यावत) देशक् द्वर् (न दं तर) या (कार्य कार्य में में) ये भी हत (मूकी इउ)॥ उस (लाधान) कमा जामी (कारान्ड) प्रमंगा लायर (प्रदेशक्त कार्ताव्य भार विकार) आमक्षिड: (आरमाङ कर्मभूत्रवंड) WHO (लाक्काक पान र किने]) र्यावमे र ने सामा: (धिमि मिन्द्र म्यायतम् ज्रे काम कत्मन्त्रेक्ष) ह्य: (ह्य प्रकंत्र) क्रिक्ट प लाटहरें (लिया क्या कत्यंत्र लक्ष्यंत्र करवंत्रया) 11 (क्षि) कृत्वावत (कृत्वावत नाएक क्र) एकमरे पामा थाई (अक्सरे पामा भाक, [अश्र केंद्र] के जिस) अरिकारी तिर आसामा (अ) ट्लाटक म प्रति का माम भा रहेता)

समार (वरक्षमार) प्यत्य (प्रचत्रमं) दुर्ववाद्रत्व (दुर्जादिक करं) पटे (ग्राप्त) चार्टः तिमामा भारत (लया समाय द्वा इंग् वाय) जाटम (अयम्भाषात्क) मिलामा (मिलाहात्रा) प्रवित्त मेव (हूम बिहूम कर), बामिडि: (68 (धार्न भी वलवात् काकिसते) त्ररः वक्षा (दिर्द्ध वक्षत करवेषा) विषे : (रूकायतव क्ष्यात्म) घडे व व्यवकात (यद मं माद्र Write करन , जिल तर]) प्रश: (जिल्का भार) मान्य छालाड (मान्डाम ककक)।। तः (८९०) १३ के व से क्या द यस्त के स्ते (त्यारि उद्मान्त्री भागत करवत), विशार्ष्ट इनम् (क्य वर्ष क्या द्या कर्तन) में भें ड म क्ष्म इरवंद (मैन्य् दवंत्र करवंत्र) स्परिकंट म मिरवर (अप) भान करनम), जार्रिम: अर्भमाम् (हेक बाली म काक गरित भर्भ कावम [वनर]) अग्र 6 ट्यावसाम महग्र क्यीठ (making लमाण माममर्द्र के कार्य करवंप) म: लाम (वार्म काळि ३) आमृष् (धवं मेमचेड)

न्त्री वृक्षावत्रवात्र-तिक्षं-सूत्रिवीरी (जीवृक्षावत-बारमन में विषक्त कर्ने (भ) सर्मिश्रिक: [प्य गाकि] अ ध्य प्रकृष् (तिव्हरं) प्रकलावितिः 271 सिमात् : (मन्त्रकाव लक्ष्यम ड्रांग) घाडाए : लाम हिक्ब्ड: (हडासम्प्रेन मिकरे दर्खड क्षितं जाक उत् [नर]) रेष्ट्रेयर (लमधासदाक्क) (सिट्ट: लग्ज भक्किः: (त्रिध्यापुनंत विकायकार क्या ठड्डा) रुमामार्थ लाम मनव व्यक्ति (हिर्मिन के असत व्यवस्ट Ein) [Ced (Me) Ced (Me) र्यावयर (र्यावय) लडी क्रेड्ययमे र्या (Mri & marga sary [Tas]) might e (mru -यमाछ: [वार्म कार्किएक छ]) श्रामिम (मित्न भर्बा) जायुन्ड (अव्नेन्यर्ड) बमार्ड द्वार्ड (यात्र क्षियां कार्य कार्य साथ कर्वय विद्रा ररेल]) कः (काम सम्मार्क) जर्भमः (व्राध्य थारं) ह्या: के (ह्या अंक्स) #: 018 (and CR ancs) 11

त्रमारान (त्र म्यादेन!) १२। क्रियमिन विश्व क्राय (व्यान क्रियमे विश्वकार्य) यमा (भवता) क्षत्रकार् (मके मत्तव प्रश्म) प्रक (धामक) काभ त्यार्थ प्रमामि। छ : (अस (स्पष्ट व अक्षाति) व्यक्षित (लाम अन्) वनाव ([कास्मक] बनक्रक) निकिसामारे (मिरकारिक कार्यकार) न अप्रयु आली मनक टेनक कि जि कि (wm र टकान के प कर् प्र अ कि किमाज ३ अ३) कार्क लार्कम विलक्षांमें) सार (लासारक) (हत (मार) खें (है। से) धयम् इत (सकाय भाग) सकसा (कतात सार्क) सदक्रिण त्यस्ति (अवस द्रांत करंपा-रमाड:) व्यापे (यभा कर), ज्या (जारा क्रोट) नम्पाध (धारम्बाह कार्वेव)।। [aung] रेलाकाप्रत (रेलाम्प) कार्तकारक. 201 तिलामाम-प्रमाविताम-कान्यू-कृत्यायनीभू (जी मंत्रिक एक हिन देलाश कन्दर्भ री नान अक्रोनकावी क्रम्मम् (अन्यते) लाश्यास्त्र हम ट्यास्त्र क्यां (लाह्यां हाया-टबल अक्र मूलका कृत रहेगा) अरित तिले ह

(दिवा दान) प्रक्रवाल (विष्यं कार्य) रहे mm (नदंस्त [mem 3]) ब्रिटा किं (इत्रय कि !)।। कपा वा (करवरं वा [जामी])करानिकी भूमिन-281 नवकात्रिमे (यम्मान जीनवर्श मनीम कुन्न-मम् (र) अञ्चरविती साध्य भूषा (अञ्चतीय इन्स पुष्य सप्तान (सन स्थान प्रांत (र इक्षान) (कर लाक (एकर नक) किट्यादवं (किल्पावं मार्ड) मदा (मर्वदा) अवे था एक : सर्व न-अर्थिमार्टेस (त्याल में सर्वेच अर्थ मार्थ) (मन (की शंबठ) कि (आतंक- अद्येष (मिछा किल्मा कुमानी), डिनामि- इस प्र (कम्प-व्रवास), क्रांक्शिक्या (एस काक्रावर्ग हेळ्यत) तमार्छ: (तमार्विश्म ७ द्वाक)क्राह (क्रम्टम) हट्या (ट्राया काम्य क्रिय कावत ३)।। लिया मालामानि (अ देव अभा म अ देवम 201 क्यानिम् जिल्लु सं अकाउदं) भे मन् स्रामल-स प्याति: (अवस्थर समत लेख दुवस क्यावि:) न भारि (बिशानभारत), जाभित् (जनार्य)

पर् यारेगक निष्णाष्ट्रक मर्ने मर्गाणाणि: (लाहिनीय लाखार वाकिस्वाय सर्वे संग्राकातिः) हकाहि (तपीका सात बार्य गाट्ट), वेद (जनार्या) क्तानर (देशवंद समम्बन्ध) की मन् वृत्यावन् (क्यीन्यायत विदावसात), जर वार्ष (जनार्ष) म्प्राम्यत्वन (क्या कि कि अपर्व) प्रिकारी किल्यां (प्रका कि प्लावंकी दार्श) येन्स (क्यां वादा) लाह (प्रमण क्रिकार्ट्र रिय राजा रे. व्याष्ट्र]) सर्वे व वर्त वर् अम हम्बद्धारि: (वरीम सर्वे ववर न्त्री १ वंत्रकाष्ट्र) सेवं (क्षाप कवं)॥ देकाहिमास्त्रिशक्षिक अग्-वसामक्षाव-उउ ए इम्मलिक नामान हार्च रहाल (विडिन लाम्बर् वर् लाकाढ्रियामा वस् लमकार न मानि वंत्रधम् नानिक कम्प्रमूर्द्र व्यक्षीम हार्च न मन आ), मर्गकर्मा छिन् एवा छ म मार्मि (क्याड्नब अर्चन्हर्मसम् नवीन टेक ल्या व म्यान विवान भागा), प्रशालकी नावने नाट्या (ल्यास्टि आवय्रता) भे क्षिक क्षेत्रसम् ट्रिका मू अक्व- मण्ला पून् बन्धा भिणारा

20-601

(की नं मिन् मिन मिन्छन प्रभावनिष्ठ मू अ(१०) में मर्का स्था मेर्स्स मिर्स मिर्स मिर्स मिर्स केर कार्याल वावर म्यात (भराधन लगाविस्ती) एला भीमात्म (ज्याचा क त्यविकामार्पन भएए) मिक कि लामक - मानि - मयम मिन मानि न सामका ए (मारा एक क्यान दक्षान देगर सामन नदीम अभिज्य भाग वस्ती गा) व्यानीय प्रिक-त्वरी कृष-िकृत मिश्रा-त्सिस प्रमृत्य छारार (श्राय भूमीत । भ्रेश विभीवक क्लाबालिक लाजकार्य शक्रम वंत्रका प्रमात अम्रेलह) की अम्मा अ श्रिका ९ कमक अति- ममा मक- मिरिका क-मैकार् (म्यानं येन्स) गाम्यान लामकारा अर्थ क स्पृत्री का का का निकार का कि विकासम केट्रियंटर), सम्मूर मर्हिन छ्येव-म्भक्षमा दिसार- अर्थेत् श्वांत (म्प्यान भैव्याम अप्रकार्कि मैं अक्षेत्र एम्बेट व रार्वित्व मार्ग स्वार्व देवे छिट), प्रवितः न्यर्भिट - मूक्त - म्रायावि - वर्ष्णान युगार् (यात्राव अमयूश्रम सूर्वाधम क विध्य कथरलन

में डेय हितं कार स्टाइंड) का अक्षी मह्य र (म्प्राचं त्रवस्त्र) काम व्यक्तमा केम) प्रक्रिय-प्रभाष्ट्रभाष्ट्रभीतिल्या १ (यंत्राव मयान्त्रीक यिवसीतास अवंत में अवं) अस्ति सन्दीवंडावा-विनि-वन्त्रभेष - दिश्वास्त्रभृवं विभाव (धिनि हास्त्रम् पे ठीं वे धार्षे वा मा व अवस्था कि मं व मावा विद्विश) भिन्नि । प्रिति । प्रमुक्ष हिनादन) दिन) ९ (दिन) भूआ (भूआ) मिरिनाम १ (तिराम [१९०]) करिल्टे (करिन्म) हिन्य भारीए (बिह्नि वस्त) प्रीमाए (भार्यान कार्विमाट्ये) १८० का का करो करो करा पिछ- प्रक्रम-मिलाक् (यिनि अक अकार प्रांत्र दी शिष्ठायारे निकित दिख्य एक देखारिक कर्वत), पिका-वादिक कर्मार (येनदान कर्म माल सामवंस 216 0 (MICH ON 11) 2 ACTICA E (AT-भूमत्म डे अविकाल [धिनि]) व्यक्ति हत्या-क्ष्यम-क्षक्षमं ए (ज्याविष्य- देख्यम भूग्रिमं) क्र भूयर (क्र भूव) बद्र ही (धर्म कर्ष्म) डेकी न प्रोवन क्योधर्य मन-प्रमाम्बर्ध-नावने

कासा भाग्रापट (यात्रानं स्टा सर्वा टार्पवनं-(आता वर्षेत् सकता त अवंस लामस् पावम-यानि नीला कार्डिट), वादाक्षाम् नाम-ज्यम-ममूलकामकारभाग्यं मीर (यात्राव ट्रिमेर्य लिए पान अभित्र किया किया कि लारे बंदिय लाक्ष्यमं विश्वम इंद्रुगं मैं पत्र त लक्ष्यानार वार्ष्या ह डड्राहर) अक्षक्षा-भानं गार् (शिन अकत कलावियां वार्पिती) नर्मनिर्धि तुन्रक र हार्च रे जिंद बिंड - निम सार्थ-भविष्य मुल्मार् (धिनि नर्सव्हि क्या अवस ल्यासक्त हार्वेत्वाचा स्रापं क्यापुनं सर् स्थानंत म्मम भी विक अक्स लामन दिल्लादम कर्तम [746]) सालाम प्रक्रमा सं मित्र में दिवस में दिवार (गिति अभार लायलया अवस वंसमलि सिममा अग्रेमंट्य (विश्व तर्मल) आर् पु किं (जिल पूर्लि रिटक) निक) (अर्था) सब्दर्भार (अक्ष्य लाबस्तां) (काव्याचाः लतार लाकारका लाम (यस्त कि लाखरमार यिमाछ ममार् ७) सन् (हिस कर्न्टि)

इड (कार्या!) देश (वरे नुसायता) त्वर त्यापिक (एर व र्याप्त मृत्) (व (व्यासन) व्यर्भम-केशि: प लास (ट्याप लाइक्रिये या सम्यान 8250 M 550)11 किन (प अरकः) माद (माद [व्याह्य]) अवस्त्रामाने यह-मैस्यापस्यरेस-स्मान्यस् व्यंताकन्त्राव्यं (अवस त्वत्मामामानी मेंगा लायम नाम्बं लक्ष्यित बिहिय श्रीभाष्यम्), निर्मात् (विस्क) व्यापार बाहर (से मा बाह) द्रामी (लाट कार्य द्राम कर्य) वस (वास दर्त) मक्तिताला (न अक लये अंग-प्रकारक) कार्बिया प्रपरंच व (कार्बिया प्रायंत्र) प्रवंकर (may wa 23) 2 26 (CACED) 02 - 34 (0 24 my) DIMERRANG (LADIN CHRANEN) JACHIA-सिमें पर (क्षिरमाबंगमय) का अरव (सक्यु वं डिगंटिय)॥ ७२। जि.म] प्रता (भर्यका) छ र्मम छाड़ मारिश (छ रमम का बालेशामितिते) अपर क्रिया (अप्र करिया) FAITE I TO DES (CONT STORY TO BE A ME STORY) अभिमा (त्वामा निकास) लये नार्मिक व्यक्त (अलात) विचापर् म वि कूर्यम् (विश्रम् मा दर्म मा)

CHE (ANTO) CONTO (CATO A SINT) ल्या में अपत्ये (ल्या अवस्य स्था क्षिया कार के बर्या कार्या), तिक्षिका प्रश्वतः (प्रम्म विद्या क्रि वीक्षेत्र सम्मा) कर्रिहिं (क्रमप्त) स्विक्षिम्प (यिधियं क्षि) लिभ्यालन्यं (त्रधात्र पा कार्तना) मक्त हिम् तथ्वः अर्थतं (७वर् हितागाविकर्वार्गे अर्मस्यक्ष) अपृत्वः (अपृत्वतः) प्रमण (स्मास क्षिमा) र्यायदा (रियायदा) त्यवस्त (ट्राबावड 23)॥ ल विश्व कार्ना क् सिछ - विश्व स्वाय स्वाय सामा का माना ना ना मारिक क्षाति: (अवस्त्रीय विक्रम व्यवसम् MARICON à my insi muit courage are 1864) लाम अप्तंत्र स्था की जिन्दी अर्था विम मिने मं मसनं सहा ममें मार दी अस्ति) मिर्टियन-मक्तामार्चनी मर हैना पर (एक) रेक्स मार्गिता मेकत्य कार्य के कार्यकंत्र) मार्थ के माद्र्य (ची-ब्लाबर हार) काळे दिन: बाब्ब मीट (काळ् करं रम दीका क्षेत्र के कार्य के कार्य के म ([alt] ami alx si [ass]) Cujayly

(त्यां व भीय) कार्याव मी (कार्याव मित्य) द्वा र (डनम कर)॥ [ग्रामा] करा काल (क्राम) क्रिक म मठ्ड 081 (म्यायें कानां श्वंयया (क्स्री) के ठाक्ठ लास (म्यमाय के उद्गात) य १ मामवर (मार्वहैं र्तम), अप सव धिवन (भात्रा म निकान थिया-नाती [नवर्]) अम (अवत्रे) आवं व सिक संभ (कलवंद्र निम्म मार्गाट्र , [पाराका]) लमर्गाम् दिः (लमास्य) अत्रः (अने वासिम्रावा) यत् विसा ही सी सामावर (सार्व (त्र व व का का का पा ह कर्विभाट्य विदेशमा) दिवंभी शवितीयक्क (अवस उ सक्कार्य मार्ग मी किमानी) विक्रम (विश्वर्यमान) वृत्तावत (वृत्तावत) ध्याष्ठ (निक)कार अकी मार्यमार्य)।। वत्रत्रीधानि (बीवृकावत्र) ध्रतलंब्रा भीधानि 501 (कम्मिव्याम अवस्थीया) न अन्यामित्रीयी (सम्म सम्बद्ध अवं काका) र मंद्र काम्या-क्षत्र पूर्ण प्रम् अग्रामीधित (यूरेताम् अ मबीम किरमायकाक साहि उ टमकार्यम श्रीया)

प्रमान् विताप किर्याम अ विद्याम अ विद्याम अ दुक्स भारा अभेव) मिट्टि लाक्ष (ज्यम व निर्वेस) हर्ण शमान (विश्वर मूल्लिव अछ) धन: धमु (लासान किए मिनिसे रहेक)।। लारा (लारा!) वाचा अपविषय मा भाषा माना यत्त्र क्षित्र (मात्र क्षेत्रीक्ष किं यापनेस कल्लक्षा क्षेत्र मह अक्षाति के प्रकास कास्त्र) अससीक्षा के विवास किया विकास किया किया किया किया यमीयं कालरंबनकानी) जिल्लामुक (galzzzentes) mão nomonas (nusia विकिस कीर्जनाव देश (आर के रेरे गार्ट), मर्गाञ्च लायमे ब्रह् (भिन क्यान्त मर्भन वं अपूर्वं) दिला ति साम द्या मा आ नी नर् (भिर्मे अविकास के मा क क्रिक र रहत (।मान अवम्मार्थितं मत्ताक अत्य कार्यमे) त्यमव्यक्षास्तर (अक्यात त्यमव्यान oursur says in ourser " [= = = =]

मुकायत् (अन्यायत) कामार्ड (ध्वाला विवाक कार्न (क्ट्रिंग)।। लाया (लाया) मन वह (माया माद्र) लाम्य-कार्याव्यक्त लाख (लाश्यत्रीक विम्नेत्र ENSY-arellater) MOSES (JERRAL) लि में अव (अंग हा है दें गार कामार कामार मर्वावर अपार्श्य मिला काल विवास प्राप्त), मक (तम्मात्त) हिसामका क्रिक्ट (हि मामका मं) (भण्डा अट विट मण्ड (भ्रम्भ ति द र 3) न जाडि (निक्रिक देत्र गारि [ववर पारा]) यार्न् मार्वः (अवतत्त्रेवं) के क जिसवं माठी-प्रविचितः (कृष्णा अभव भाग्य भागिक (कलव बालियां) में कर (बार् की म् बार्मा किंग) चीम्मायत्राम (जीव्यायत्रतामक) ७१रेदर् (जारूम नरे) शाम (शाम रे) मखिलाने (प्राची मार्च) वर्षा (विवास मात्र वार्य गार्टन)।। प्रकल् (यरे निर्मास) हिमाहिए प्रेक्ट् (हिए उ लाहर एक अस के) मम लामा (माराव मीछ-यां) बिलाड़ (क्रमम वार् (ब्रह्र))

यम् छा दु छ टायमान समा व रोक का न (वे: (यामान लक्षि क्षायस्थां लायका स्थान स्थान्यें विष्यः अरवत (विली साध्यवं त्रांक मार्मि) मिने (विमात्य प्रति मित्र रंग) प्रकर (प्रकत नदार्य) यव्यकार धान (मात्राव अवारमार्ग) अवरमाम (अवानामी 五元 [246]) PN 2 26 (12 0年 至2213) पत्मार् वी त्वे खवा कर्पाते (यात्राव विकित कार्य म्यापिक) लाप्यान आनं (लाप्राप्त पात कार्नाई सर्वेष्टित महीत्राम इंद्राहरे ed (त्यु) र्यायपर (स्तिमायप्यं) रेतः (यम्ता कार्व)॥ [ग्राया] जानक्षात्र जाक जिल्ला मान-ख्यांगा (लाप का कर आष्ट्र अस्टिं कार्यावrain our alma El in [Jas]) menez-मीताक्षर्रिये देव: (विचि मीलप्यार्म्बीयाने. वावा) प्रया भाविष- विष प्रयश्चाय विश्वन (अर्थ (श्रीम त्रालाख स्पास विक्र ड न्नाख्य करवंत्र " [चत्रका]) त्यावक्षात्रक

(ma a winay) 12 a) 6 (12 a) 12 (mia -xxxxxx) mun a mus wing (mwg लयन काम विकास सम) अम (त्ये) ब्रामीची (Egladuse) (m (on miles) minger on se (anda the area) !! उसक्राम्माय अवाकात्र (उसकात्र माम अदार्वर) याग एक सामि अमर्थ (याग एक स अ कृष्टि अमर्थ-मम्र) लार निर्व (भावेजाम कार्यात) १ लक (ल्यम देव) एक्सार (एर अह कि) अक्सर पृत् ((के सम्मा) विभावम (विभाव) मिर्देश) वर्ष (वमालाक (कार्कि) (माब्टमंद (आवदाय क्षात्रेत्य), जम (धनतुन) ७९ निमार्च (छम् निमारं निम्नि दिन आरम में क्ष) महममहः (मर्म का प्रात् :) प्रमान्य (मार्स्स कवित्व [विवर्]) ध्या वर्त्राम (द्रमन प्रदेवद्याम) करिवर वृत्तावत्र ह (विकित्र वृत्तावत्र वाघ्र) प्राविष्ट्र छ)

(ल्यानुक्रान कार्नुगा) लक्ष (लयमन) सि (mune) (ey à your (luy à a your) riniag (muañua) guzi (gazia मात्र काव्य)॥ ousy ouch ([ound] 18a) \$1 = 5in: (द्राक्तिमार्ष अभ्यत्) बुल्हरस (लेक्टें के) विवात (विकासमीय कार) निवक्ष कार (धवारि) भागि (भावित इरेडि) था। काः ल्या लाल द्यार: (अवय लाल्या सामाम अ दुमा उर्द्रामा) है लाख (प्यामात) मैममो मक्षरं लान (मैं भिनं प्रचलात्र 3) म लास्मान (भात कार्वाकिट्या) माठ्या (क्ष्राया) अक्साम विच वहरिष्ठ (छक् वर्ग नाम मसूर उ प्रिम्मार्थन बात्का) आन्हर्य वार्षिर्य ाठि (आकर्षकाल बार्बन वा धवन प्रन कार्छार) मक् अडि: (अक्ष्याक [oma]) क्षा न (करवरे का) वृद्धारिकी (वृद्धारिक) अन्त विमास (कामने मर्न कविष १)।।

मा (माराज) लाए स्थानिसर (लाए सन् 3 लाह्सरेक्स) कानंत्र : (त्यानंत्र हें: क्यः (तै: मधान्तिया) हैयर (युमेह स्ति) मार् म् जर् (आक्र स मारे गार), यः (यादा) (अ) हा अ वित्रव्यवं : (अडिमी अ वित्राम भीन [नक्]) मन (मात्राक) मिद्रमेक्शः लाम-(विकारकार्श मुक्तमते) प्रावीत्वण : (जकार जामक बार्गाह), इ मार्थ: ([मात्राव] धावसम्बद्धाता) व्यविवन् (निवंडव) विभाजाि प्रतः (विकाश्य अङ्गि) प्रत अस्यात (अध्यक्ष रम् रेस्र) में दः (अव्यार) बीआ छ (त आ यादेखर) न म्यादेख! (व रमायत !) के वित्तार (क्यांन के वितार) लार्म एलाम स्याभ्य (केस व रीन (लाम)-यक्ष्य (दामविषाय शका विषय अगाउनित) सार (स्प्रीम का कु (क) चाडि (बे कर कवं)।। भित (भित्र) भारू म : अतः (भारू म काकि) 801 र्मायप्त (रमायतम् मार्ट) (सम्मा (ध्यु बामारक) अर्ब विमात् छ। वार्व (अर्थ अक्षेत्र

क्रम कर्य आर्क्शास कर्ति) महि व (मारि) म् निर्देश्याक्ताकाः (मृतिस रेक्नियम) द्यवा: (द्यार विश्वतं) व्यानामान् वर (ल्लांस् अमीर्यंत्र) प्रमादि (मान् कर्त [नक्]) यदि (यदि) एवत (त्यतिक) याभावताः (र्यायम सारमं विस्र) भार (हे आर्में ह उत्) विवि के कार (श्व कारात्र) उद्ग विवस्]) रक्षेत्रवित्याभीत (ay stong want they and major ward) नी अप ब्यावन (भी ब्यायन) भन कवा (Си Смя अवस्थात्र) मिन के अला (श्रील AMISTA) The (OLEMER) I OUTER किम (वक्रा करिएयमा कि १)॥ (काहिए (कात्र कार) धार्मित्र (मिस्डिय) विका: (विकूत) छम्म कूर्याई (डबर कत्वत) १ कि हत (क्य क्य) कात्र तमादि (क्षात्र क्र लाम अव्चित अम्बोत कर्नत), लाम (तक्ष्य क्रिय) क्याम (मामार क्रिक लाम्बर क्षिटिंद में लामाये] (काष्ट्र

(लाम (पाक्रममंत्र) (मठ) (प्रवृत्ता) स्थ-मेव-बानिणात्मे (भी, भूम अ निरादित्व) NOIS (MXXX IN) OUSS (धारि) नी का ची कृष्ण मि शा नाम-प्रयंत क ना-या में रामाय के प्रमें विश्वासा के रक्ष क्सिर हेमाय विवित्ताम भूमाडिं हेड्स क ट्रिकें) नशास्त्र (अयम लये-ग्रामात्रक) कृत्याविषित्र (कृत्यावत) क्षेत्र वस्त (गम कार्ने मा) ति दे कः (अर्थ के कि अरम्बं सद् मित्रं अवंत) न कात (ध्यमन मिर्रे)॥ मिर्मिवपेरे (अप्रतांत लिश्व) लायममान्द (त्यारं न्यायसमं) ' क्रियान क्यात्: (क्याय ३ विदिस काराह:) आहे (विवासकात वार्मारः), व्य (वायान) ताका यः (त्याव प्रतिक कारमाना) अनुमानिस्तरं (अन्ममम्मा) नाकं लगातिः (क्रिममेमी (क्राडि:) त्याताड (प्रमुका-सात) व क्या काम ला : (व्राध्यं व कामियं) त्रम्मित्रम् (अवस्त्रम्) (अ। वि: लाक्ष

(त्यात् : क्यान वार्यकत्य) मान (द्रावर सार्वा) रेक्सरेप्र (चीर्कावत लाक्ष्रिक) जामन (त्मरे श्रीवृत्यायत) व्रमम्त्री (व्याय oursained) cupay (cupa a yeary) किट्यारंबी (क्षिणवं मैंगसिंब) तथ (स्प्रा कृष्)11 धार् (भार्ष) मिल्हार्डमिलि निक्तीय कार्य मार्थित प्रिया मिला क्रिया व) समक् (कि।किमान) म दि क्राम: (विसर्भ मा दर्भ गा) लामवाक्षाताय: (लामवास्त लान्यन) एत (मड माड दरेला) धकाक्षयं: (काठवं बाका देकावंत्र मा कृष्तिंग) अर्व लक्ष्यमञ्च (अवन कर अवका कार्य) यए (मिन्स) लिया । भेरं के सका (मिक्कि में (भर्न लिस लार करिया) यदा (अर्था) काम सकार भी (मण्य (पारक्षं) लाग अयात्री (लागे यह नाम्या श्रांगा) रेश्डरत (त्याव प्रायामं गाम) हैं बाद (में (वं) । खें क: (लब म्याम र्जिक) अभ्यामक दीय: (न्याम केके विवे भाग दीय-डाव) प्रभार (भनामक्ष्म) म्मायत (स्मिन्यायात्र) स्मामान (माम करवेत)।।

[लाम्] लास (लड् म्राप्त) टमामार् कालमर् (लावलव विभएक) अध्यम् रेस (अध्यापन WAR) " MARIOLE (MARILER) HEHLY & S (अमारिक गारं) । निकार (निकारायक) प्रवस्त-यत (सिव्यं भाग) विवेश (नक्सम्ब मशीन देव (विच बर्शक भाग) दे : सर (राव्ताक) राजा कि विषय (अवंत क अमित्र गाम [नवढं]) सार्मम्याम् (सारमम्मर्का माध्यकार द्रम (अवस एन्या व भाग) सरा र्देश (शरात विशव कार्ने में) सर्मे प्ट-भी नामा मून मी र ना हिं ने मार (भी ना का का का का अरम अमियमंक अवस्म में के व्यापक व्यावत (बीव्यावता) माना वामी (व्यवमान कार्य)। सेसा ([लासान] सक्षक) मठ०० (अन्ता) अत्रिकावमवसमाम (अश्रिमावतम् अमेडिन वर्ग) यक्षात्व: लास (नक्षत लामम् 28 क) न विश्वा (विश्वा) प्रवण्य (प्रवेषा) वर सम् अर्पार की द्रा (वरी म सम् वर्गान्त्र

उक्र भीर्य) विश्वनण (विश्वन डाय) डेर्ल् (शक्ष कक्ष) रहित्र (अवग्राम) वन्त्र के भार्याम्ब्रि (उत्ते मनीम क्रिक् मस्टिन आव्साव्य) मात्म ह (असम्म) वन काद्र (व्याक् मार्ड त्या) (ट्यास (क्यरेंग) क्षार्थ के त्वा (क्षीय क्षात्रात्री न्यम) र टिल्प (यनयमेशय) में य (त्राज्यं मेय्य [वर्ड]) यत: (हिंड) निक्) (अर्थना) भी त्या (व्राज्ञान दे सारंप का नाइ) हार (यंव रहक)।। यसस्येत्मारे वर् (मात्र ममस प्रमुखामानं द्रम्पर्वे लावे) अक्षत्रस्मामेक (स्क्रिक्रक अन्तिक लामका वार्टिक लाम के) विराधा-मक्ताल्यमा हु उर् (हिमा मिश्रित डेळ्यम 1 के के असारित्य लाहे) े लिक इसी है उर् (ज्याम वस्त्रीय वस्त्रामा जाउठ) मनन-वर्षाहुउर् (भिभीत वर्षाप्क वसुव कार्यक्रीत्य अव: कर्ष) प्रकल क्ष्मिमाद्वर् (की करकन तिश्रित माध्रमपूर्व भर्क थाइ छ [745]) लाभ्यामेक (xq प्रमान लाहिन

delly i out in) 200 706 (215 to 75) वृष्णवनः (अविष्णवन शाम्यक) वरमन जन (स्री क्षि अध्याद (अवा कर)॥ [मारा] अप्रमार्थ वीक्षांमा (मर्च न क्यान त्रवाहिता) कामल में बता (मस्मान हाना) में में वर् (में ट्याहित ड्युगार्ट्य) मर्म-मूमहाल्या-नत्रि-पूल्ल मत्रिम् प्रव् (ट्राम्यात ० के प्रकाशास ला को हा ति व में मत्रे प्रारमी -बार्चा हिमायि र्देश्वर), क्लाक-अस-न्या के का - विक- य में वका प्रके वर् (मारा की बाद ' किक न्या में क्लाक्त क सर्म व अपन वाना लयके व उर्गा) त्रात सम्मान मार्थित (त्राप-भीय विषवपत्रं क्षेत्र में अहर (राप्) वृत्सावन वाडा (जीवृत्यायन वाडा) कराडि (आंग द्रिकम् । यहायं क्रांत्वर्ट्य) ॥ लग [मार्ग] तक्तमार्थ त्रमार्थ (मध्य स्पर्व व्यालव) इव (स्मार्डिशांग) विस्पार लार्मातः देव चिवर त्यामवर लार्मिन यरेम) स्ट्राक्यत अस्ति : (स्ट्राल्या वृत्ते)

अवंश- अवंशायम् प्रमापः (काल्यां कायममाय-विसर), नवनवान्वर्षकू मूसायु (पार्टः (तिका-मि मुख्य विकिय प्रकाति मध्या) ना भीट्याः (वक्षां शिवा (आंद्रेशा के वार्म) मेल्स-व्यायम् (भाष्यम न्त्रीवृषायम्) आवं (क्याप कवं)।। ब्लाबरास स्टब् (जीव्यायत्य प्रास्टब) हिन् मन धराना मार प्रत (धन लागानिधीय क्रिनाश्चम्म) श्रम हिन्द्र (श्वायव व्याम-निर्मा नेत्र) अपा (अर्थमा) (हन: (हिन्द्राक्ष) रक्तियम मर् (रक्तिम र्मिष) यम मति (जास्मान कवारेखार), जन (कामान) स्वर व्यव (अस्तर) अर्थन (चर्म म. कुश्मासर) (एड (मास) चयड (अरेस अमंदिक) म हि लाह (और म इस 'शित)) यर छक् में आर के का (यर छक् व में म इंद्राल द्रिय निवय काव हा।) अस (स्थ्य) १९६ मं प (क्षात्र कार्ड कार्ड) लायं माउं (एडाय-भारवार्य) वेद (र्यायान्ते) व्यायम

@21

(धममात कर , [बारा दरेल]) आर्ज मरमा (ल्या अवस्र) अवं चयवं (आगं वे प्रतं) आरिकाम (काम्यम्स मया द्वेरच)।। मिवस द्वातिक (मात्रा अन्यतमंत्र कालाव) वार्षेत्रमन-में प्रेड (मार्स ची-र्के क त्वा कार्य पार्ट्य) विस्त्र अवंश्वर में में प्रतं (मात्र विकेश अवंश्वर प्रवं MY MEN STING) ME die (Ali se pramo:) इंस्पेक्ट: (हरावटा) टाठर (त्रक्यान्तव, चिवरं) बर्पण्म आर्थि- मुक्स- धराबतः (अल्मती अर्ज्ये 3 में समाय लाम काम बनार कार्त्र क (क्म " [कार्र्य]) रेष्ट् (वरे) ब्लायंत्रेट (क्यी ब्लाब प्रक्त) विक्रमण् उत्साम: (जिल्ला व व स में की) हम : (हम व क म म) marge (moser west) 11 याज्ञायन्याष्ट्रियात्। (क्रमारं लायमः त्रुकें कत्री-हा(य) वंससतं (अवस स(अवस) नक् (नक्षि) किसान हिमानिद्वी अए (हिमार अने द्वीय) नमि (खिंशकल्प) वस्यः (वाप्रावंतुः कलोद्धाः) भूक हम्पकार्व (अविहम्पकायक नक) विक्या-हान (प्राष्ट्रियान काम्यान मस्त्र) र्यावपृ

(अव्यावत) भूवि (अको क्रिगार्ट्र), सक्त (प्रभाग : [व्राध]) नका दे देवा (नका दे ला यं बाम प्रकारक) वस च व (व्राध्य र स्तुर) विका (बामकर) नम् क व्यान (भवन टकाम विश्वरमंत्रे) टमप्ट्र म क्याः (विश्वाद विकास कार्ड म र [एम (उ.) (प्रमाद्वामार मर्बं (दुनायुम्बर मर्धिवं मेर्वेचक् [नवड]) डाइक्यामडार् लाक (क्रिकेशमान्ते रेण्ट) क्रिम् (कार लंग बस वे के व) लय परो ई (Wie THING 24 in more) 11 [मंत्राना] धक्राम्म-मान्वमिनि (डेडाम-द्रमा मार् का मार्म सिता का का करण मार्थ) क्रिं अवस्थान कामियुर्णः (अवस्थिति. नामिती ऋषे हिंछा मनी मर्त कर्ष) ब भूषि गे रें (एउसक् दिये है) स्मारासंहिता (अप्रा दान 3 व सामित्क) मिम: डेम् प्रमप् (वर्णन अवस्थार हात) त्यार वारे (बान्ध्रान विक्ति करिया) भूयः (कन्ध्रेक) टाः रामन्दिषु (मभापत्नं राम्ममक्षतं

कविल्टिन, [र्पि]) क्यावर्ण (क्यावर्ष) वाठकमात्राभाष्ट्रे (वाठकमाग्रं म्निक्रेन) (को (अ) किलात्ने (किलाइ में मार्च) मार्च ्रिमा कव)।। िट अभा वेति] दुष्टा ब्रह्मा ब्रम्भाय - ब्रम्मा का व्याप-राह्यार (देक भूट लभ्युट बैक्षा क्यां है सामे विद्विष्ण), बरड् म्: आमृणार्ज्यक् (काउड़, मः म ३ द्याभ्यस्य) चिक्रम्पर् (खिल्म्सर्ग) सर् हुं (करिट्य) थुरी (मिर्म अर्थना) लाभाकाका विश्वतिक (लाम विश्वतिक भाष्य) sa men manual supplied (sa down win-1924 WILLEAN) ONLY MAGE (ONLY -मिक्रम्मल), देवनामानिकामि (हिमानाप्यक) तिष्ठ नं भेर (अडकन), तिना कूमर (मिर्दिकाम), प्रकेशित्यकर्षात् (लक्षात्र व वर्षात्रम्पर्यतं (म्यामक) अवंद उम गृत् (अवहा समामद्यार) रत रियः (लायमा) अमर अमर (मम्म अम [यान्य भी व्यक्त]) व्यक्त (वसार्य) हर्षतीय-यरायस्यानासिः (अवस लाख्यसीम समाद

लामनाम्य क्राम्य) " अन्याम्य । (त्यात्रा हता) (क्रांस्क (क्रांडिंड) विष्टिनं (ह्याप क<u>र्वित</u>)।। क्रांतिक (क्रांडिंड) विष्टिनं (ह्याप क<u>र्वित</u>)।। यरा मार्डिशी म्बर्स (व्यक्षां भी विश्व) विद्यालया-401 व्यदं (अवंत प्रमेळ्यम) मेप्री लाद्यः प्राथाएडः (स्मिक्ट (माकारियांग) सार्वे (विद्वार्य) मर्ड सर्ड करिकड़ (क्याक्रिक अस स सित विवाम भाम)॥ उम्हत्वं (जमार्थे) ७७: प्राम (जम्बारा) 471 काळामसम्ह (अयंस गामक्त्र) महा स्वा विषठ (काळ-म्मिर्म), भागानाम विवादिण् (अम्म अभाय) कास्केरें क्याति: (केंक्यमस्य). (क्याव्यं) लये सर् (कात कर)॥ िवास] समापी खड़ (अवस देख्यम) भरावसा ! (one white) " Extensió (one mir rou-म्लाक्ष), व्यक्ष्ण (व्यक्षिक), म्याट्यमण्ड-टम्प्रिं (अवस त्यमसमं काक्रमें मंत्) प्रामलक (आर सवर (मा नवर) अवस व्यमल-वटमक हेर्यवममूका)॥

ण्ड: (ड्रायम्ब) मृत्रास्त (कार्क अकास्त) भया-कर्णाक कार्यह (मर्मित् लाक्षित् असंस्थाका प्रसंस) अर्था क्वा ना छ - मू मारा क्वा न (अर्था वि वे डेक्वन अपार्थ MCMALO MAN GERM [785]) MQLOCALANO (यक्षकां दुवस वसाम् कार्नमा व काळ्डर) (कामार्ड: (कामार्ड: [विवान भाम])॥ ७४। टिया व्याप्यामामामा (अवसारियामे अयोश्यक्ष) विश्वास्त्र अयोश्यक्तः (अय्यक्षास्य अरम भुम [नवड]) र्कालम वस्तुराई (किक टक्स के ज वंस संस्था हिंदे) हवंस : अवंस्था नं (अंबस दुर्वश्रद्धि द्वास ग्रास्थ्यं केता)।। ७६। यत (देक लागि :) कामान वसमात्व प्रवस्तान-निका विवालिकः (डेक्यम न मका कि धान निभन टियमस्यवं ३ अस्तक् म्या) रेस्ट्रेस्टिक कासवीब-अध्यान्या के सप्त [नवर] अन्तर वि काश सर् कास बी बालाक लाक सरिए) वंग्रं (वंग्रमंस)।। ५७। ज्यहः (ज्यार थाडाउदा) जम् यम् (व्राध्ने म्यामक्षे क) व्यक्षिक् मार्गाका इ (मार्केस् सम्बद्धिक अर्थ सामा विकार])

म्प्रयम दलवका (अस्मिष् क्ष्य त्या दलक दलवका व-आयी) क्रीसर-बसायम् वम् (क्री ब्रायम मामक बत) जावि (विवागमान)॥ अंत्रिकेष् सर्वे के कामान (डिया लाक केष सर्वे न-691 व्यामान्) वित्रमं क्षतं (व्यक्ति वर्ष यममा [नवडं]) सम् त्मिराम निम्-सन-राय- मिया एक (प्रवृत्ति एम त्या प्रमीय वके भका वस्ति व अभिअद्यं हार्बा अखिर्जे) 11 तिता क्रिया क्रियमण वं भावातिः (क्रियमण वं भर्मा) मानी-केल क्लामाद्राः (अरकातवे केत व क्लाम-सर्वि [नररं]) हिंद्रास्प्रमानः (हिक्स्प्रमानं) मिटेया: (मिया) कामिटेमाली: (की डा मर्ड बार्न-शवा) ममकुठ् (म्राडिंड)॥ क्रायम् म्य मृथि छिः (अभाद क्रियम मामिन क्रिक्र अवस्त) क्रिम् के महत्र वर्ष के देश: (क्रमहमा स्थ्य कर्ती क्ष्मरम् द्वादा अविस् िडक ज्योरकार्यत्र र्मेटिं : त्याप्रमहतिः (की छात्र वा विक्रिक्रारेष) कृत्यामायरमाद-सबर (त्यामप्रत्य देवमक्ष्य म्या 田南町南南河 11

विक राक्षति हम् सूर्या छि: (हिक द्यावत) 501 पिक भूवर उ हिमा न व वाति वाना मूलाठेल Cअस्य मर्थर सम्) काक्रासम्बंद प्रिकार रेड में का-अमुदे : ([वबर] मिछा विकामिछ प्रथ्य अमूर-आयी) व्याश्विष्ट्राः (व्याश्विष्ट्रां) महार्द्धः (उक्न ग्रामिन सम्प्रिम) आठ दाम्यर् (ल्याक् यमं समेख्य प्र)। लायल मयर्थिह: (जमार लायलमन विषयमानी) 901 वामल्या म्हल बर् न टिकः (वामल्या म्हलामा की वटिः टभन ९ भमकूरेनः (की असड विश्नं मर्न) कृष दलामायत्वार्मवर् (त्रामायत हेर्भव विश्वावं करवं खदर)॥ रेक: ठक: (ठेक नृत्याय (तर् अर्वेच) सपा आर्ति-यामा मर्बन सक्ष्र (सक्ष्य उपनेमान्न-सर्वं सक्षानं [द्राज्य ररेख्य वर्]) वाडिलम् व- मूर्माक्षा वं मार्थ- प्रवं कर वर् (अर्छक मुक्त उ मन्त ररेट अवन करकार मर्च अगरे इहे (छ(र)॥

अविमिल् (डिक क्लायत नाता पिटक) CARCANTE: (विद्वा भीता) भवा भवरेता: (अस्तर्वप्रधास्त्राचा) मेळ्ड (खिलाए ड ड्रूनं) वस्त्र देव (भून् ह्छ वसम्म) स्थानितः (कार्वाक्ति) क्यू भूरेषः (इस -काविषाया) प्रापुछ (प्रापुछ का विकास かっての(2.7)11 म्मीके (इम्याकं म्याक्समर्घ) मैममः 901 स अ सर्भें के क का तिवर (सरस अ सर्भें वसप् प्रवास रहे गा रें करतं [नवर]) व माय-मक्तामा दिनाकिताद भी उभक्षे (अम-मक्तिवं वास्तापत त्काक्तस्त हमाउ रहेगा लक्षमभारमं साम करमं)।। १८+ अभू म दिशकश्माय-क सत्मार्भमवाजि छि: (अभू प्रिक क्यान, कम्म ७ डेल्म्यापि द्वान CMURO) र्रम-भाष्य-हमाख-काव्य-क्याक्ताः (इर्भ अव्म हक्रवाक उक्षव. माराक व्याष्ट्र व्यक्तियात्र (क्ष्यार पर्वत्) व म्बल-अग्रामका मृठा मु डि: (अवितिर्धत

अवसर्गर्म मार्थ द्राम्याम कार्य व्यव्याम निय सपुरमाय- प्यात्रकः (सपुत्रम प्रमायमाम्) चिड्डी मृत्रकारि: (अम्डाल मृत्रमानि हारा जारका) मिथा: (मिया) प्राविष्य (याहि: (मधी- अ प्रत्यंव [वर]) प्रश्मक्ष्म भीम्म-श्रकंग (अवंश लायलसनं ल्रमें क्रियावाड्यी) म्य्ये वे वा ना एमक - सिंग) अरमार अमारी मार (अप ३ वं वेस में विविध पिया अम ३ दुर्जाया -माविधारा भूत्रम्ला), दिवालिक् लयभाष-ए व व्यवप्रभागा (अप व करी व व सरं-साप्त राष्ट्राय स्थाप हार्य स्थाप साप्त कर में मालव लामल मार्नेका) मिकारका सम-क म्बं- अवारार-व्यम अस्मित्कः (स्वि अटक्ष्रसम् कर्त्व अवास-अग्रम देख्यम अस्म का मूर्य) , अद्भ : (असिम्म) सर्धामामवर्षात् (अवसम्प्रिक्शम्य) भूमिते: (भूमित्रभूरधार्ग) बसान्त (वस्तीया) कालिकार ह (धम्रा निष्यां ट्रिक. र्मायम लएल्यां प्याद्धा स्थाप क्षंत्राह्म नर्]) ज्य (जमार्का) (पठा उत्भादिनी-

(one assurated) selled one ent (cons यह ल्यान माल मान भी के के नात्ते (के के नात्ते न [Come or anx 20 (2]) 11 लाकार व्यक्तिमा (दुरा लाह लरे व विष्यिका-924 में का निवर्] क्षामत्विताय (मास्वया (क्षामत-बर्यत कुल्ला अर्था) गत्रवे (दुक र रू. बारी किए) अर्थ (अक्स अवार्थने) बम्रमाधिक. भीकाक (वक्सान अवसव दान देखी अक), (थामक्री अक्रा [विवर्]) काम की लिव मात्राचा-मर्व-यानं में भ कर्व (शामवीयनं विभागा के प्रकृतिम मेरिय क्रिक् क्रक्क) मन (द्रक केने बाद्रीक) यर्ममान म्यानी (प्रविकान म्यान मार्ग करार्थ व्यवका उ अवंस में भवं) अवधानहत्त्रि (आवं व मं क्या विन्य-त्यात्रतमे (भाजाबिक धाम्मर्थ केलाए लाडा-माना सकत्यनं त्यार्गतक), धराविस्मकल्ल. ब ट्या नाप मिन् हुट्ये (निन् हुम का नि ने क कलर्न्ड (प्रव देसापरायुक) , प्रशापिक उप-भिष्य टमानं स्थात्तवरेष्ट्या (त्याव एक में मेस ट्या के क स्थान (संग्रह्म) ' च द्र्या क्रिका कि -

कार करिया का अ- विक् हरणे (कार्ड करणे डेक्टिक मानिस्म की हिं सामिश्वाम विद्यालासम् आक्रामक) कारी के स्थारकारत दिशानं का हितीया जित्र हरणे (अन्य टमार्स दिया धामका वि प्राम्य मान्त्र अछाडरन सिमिन विष्यव नमकानी), नावनी-प्रायः प्रविश्व - पिकाणं यस ता कु (को (नाव दोनं अवस भर्य मा मा मा का ना मा दिस अमरेन हाना करे के) लामास्य महामहरी- त्योलारी वात्र कार्ति ही (क्रमास्त्र अनंस क्यम् द्र ट्रम्पत् व्यान्त्व कामान सम्ह), अ अनम्माराज्यभूत- व्रिक्ट त्या-सरस्ति (अन्भार्यं माड प्रधार वात्री भ साम त्मभागातं व विश्वामी) मत्ममामभंवम-भूर्रभागार्भ मार्केटको (प्रवेष काम पर्न व्यक्त स्वय कल्ल्बरम्ब म्रीमम्ड) व्यापमा-बमा-डामा व-मर्गाणंग्र भूसकावती (वृष्टिं व्यास्यक्त व्याचा व मूर्वाम्य मकारां मान भू तक (मा डिए), जाका विधिय- टक्स समामणं-कामिडि: (तिब्हन डेमाध कम भीनामसूत्रकान) टममरको (की डा वड), जरमाम प्राह्मे वामनं-

मीजामामानी (अवस्म एवं कार्ड कल्लामा के के विषय मित्रामं का मामकारिय) भवंशामार्थिक प्राप्ति क (भवंश ल्यान् मार्थक कमानं कलाव्यं देखामवर्षक) कार्नेक्षान्य वाटा वार्टिक मात्र वाटीयक-धरास्त्र, (लश्रिक्न, लर्बासमं देवस सम् प्रामत्त्र) आभूतो (तिम्म), म्याविदक्त-अरिवाक-सममामामिकी वर्गे (अस्माबिपका उ लालामक हिंदा मैं में मुका सभी गार्प्य कीवर खक्त (किंगू) दिकामशी सका प्रकर-सामिले (पिक मशीनार्तन द्वारा नामिक) नीनामिकाक एको (नीमाचीक) तिला ? (तिब्ह्न) विश्वतः (विश्वतं कार्वाट्ट्रिंग)॥ लम (लप्रदेव [ठास]) समा (म्यूमा) संमदा-लिक का यक: (काल्यां लाक्ष्यम्भारं) अस्त्रीती-डाय-व्याकृषिः (विश्वक्ष धाखादतीय अव्य-वरमव मूर्णकाली) आएम अवी (मिक भेगानी) मिया (जी ना मारिक) ध्रम्मार्थाः (ध्रम्भर काम कार्टि)।।

[1012] ngins Laughing-yié 201 (निश्चिम मरीया टामण मृद्धवीमार्थनं) विकासारी: (विस्तारि [विक्र]) अर्था अभूमता वे- सर्वावनं व-में स्थे (व्रायां सिंप्यंस लाम् ममें में मन् समक्ष्रमाक)॥ [12] (अवराहिता (अवराहिता) 一つシュ समय ध्यारीक में के कर्ति) ल्या क्रिक्स भू (लाक्न् टंगुस्न् हार्न् केंत्र्क) सरमा वार-सिम्पट्मार्थ: (प्रत्यवस मन बारिक कार्ड-बार्मिया का) cmहरी- भावनी- सम्भी- ब्लामि-कालेंगी: वका: (comहिंगी , वर्षा 3 वाजिल्ला विवासे माम्यामिक) ध्राम् भी; क्षित (अश्रष्ट क (संग) व स काक्य-त्यानान (व्यान काम्यान व के काक्ष्यन भाग (मानंत्र [वन् छिने]) मार्शकायत-कारिष्ठ (कार्रामेश्व वार्य मारियान भावने कार्ने एएएर)।। मनामिक्र खनाक्यापि- श्रामेशाक्षेत्रक्र नामिः (व्यान सम्बंस प्रांत काम नात्र कारि मनार

ति। भेन दिश्वत जाक म कार्यम है कर दिन रंत्रकार [नवर]) हिमहिट्येकर (कामन) (१९८ लाहर एक जनका एक प्रमा व्यव कार्यों।) लाळीका प्राम् विकास : (व्रायान में तिने था हि-यावा सर्च विश्वाय मा कर्यावार)।। स्राट्यभव्यास्ति क्षितिका हु जळाते: (व्यायं करिक थी। हिं धान्स स्टा टक्सबंस-मभू प्वतं वितामनानी [नवर]) नीकृष्ठाय-आरेकारि- निर्म टेन्ड्रक-बमकावः (हाराव लाहिजीय समम्मी मृश्किक जीकृष मिन (कारि मान्याम प्रिम्ह म कर्तम)।। अगर् अल्याक्तरहेष-प्रद्राधिक व्यक्ताव: (द्रायानं त्यावसमम् विशव निम कारिकानं (मिण्डाच व विटास कार्वाटर), ones. त्व देवाला म् कार्य - मिका जाम कृति: (142 विदाय evenin out a promet aga galmia. मेमान अभाम कर्निटिंग)।। अला नवतानके नीम् अमिक तमारि अनारिकी (जिसे त्यारे त्यारे- मकीम भायमे के पं व्यम् -

मिके समार्य कार्या) जार जार (लय अप) 221 men Cuy meretement comen (dis a country (स्प्रमाम्बाम्बां समय बसरिक संस् करंत्र)॥ धरा वार्ष्ट्रभणकाल- (भारमा भाष्ट्रमाहारि: (सम्बार्षम् काम्यक्ष कार्म सामवस लग्न-भागकं (मात्य मत्य द्रव्यान् इम्रावर विवह [छिति]) मन्ति हम्मक-पाद्या छ: (आर्नेका उ Pस्टिक सामान (भुवंत यां) ग्रीक मुर्केत-हिंगान: (वसव मन्य काक्न कार्बाहरू)।। िशिय] । चार्यामका विश्वका स्माप्तिमा छ-विनाभेजार (मक्षकार्ये का विश्व निहान लामार काकर अर्द्ध लाहा करते पामत) मूटम (भूमडारम) विकित्याक पूरेका : (विविध श्चिति लेका सर्वेद माना) रे ठार (लाक स) याची मुकाकिकार (मक्साम सामनम आर्यक), अहम द्वेष छळ्याचे भूक्ष्रे (लयहारम हक्त बंदे हक बाब्र हांबा लाब्स) धानीय टमारी नार्य मी (मून निवस्थाना वर्षेड मक्क मार्बि), भूमीमाग्छ म्रामिक-मूलीम-

291

व्यक्ति मा अर्थ व अ अम्म अम्बद्धान) विल्ल-वि (शाहती (विकासित), काक्त्वमामना क (यानम विभादिक) मास्मिन व न्याः (नामन्तमन् नाविकानं) मन्द्राप् विनाधिनी व् (अम्हार्टारम नक्षित्र) अमेथार द्व (के का अर्ज श्रें गाम) वि ते अ (हार्ज कर्न (कार्ज)।। न्त्रभूतम् सम्मत्तन व्री हला ननकावि: ह जार हा लेका- मर्ग मा रका मभू अक्षेत्र हैं (जिसि भूसर्मधा धामन पूर्त हम कामन [नक्र] के अपराक्ष्यं आती स्थातन मिर्मास्य भाग समामाता समाम कार्एटिन)।।

2031

के मुक्त मूक्ष नमकारमाल काम निवानमा (भूकाका की बादावं में समस्य क्रमीट्रि सरमाने स मैं वप्-क्राट्य वं ट्यास मर्म [ति दर]) अवित्याले स व्याल-मंत्रण अपरी हिन्छ: (ब्राज्य के एक क्षित्रों आ अक ताहिस दीला काम देख्या ।। हमके विधित्र देखानि विषये में विभित्र कि विभि 21 मराम्य विद्यार एवं ती कियां वार्य् रात्रे में प्रक्रा जियार हाज्य स्वेटिट्य [विकर]) टिम्पित्रावे-हित्क-माधाबिकारि द्यादिनी (ज्यान अन्य मुमन हिर्काराल काल्यामा केकम् चिले हिर्म Couled ougsoss) 11 यही दिल्ला हल म- अच्छ बीर्ना एक अन् (द्रायन कार्यम्य विष्ठ तयत्रयान नकाय्य क्षेष्रशाम न उ हक्कत अयु ने प्रपूजा [वन् छिति]) का विताय-विति श्र कामकार्यक- टालंडमा (काडमेरियां कल्ल्य सम् एक मं त्यान प्रमाद् करिया।। व्यी सत्रात्रा भू रे अर्थ व व्या दिना करता दिना के मामिकार धमलात यर उत्त्र म्यूक नकि

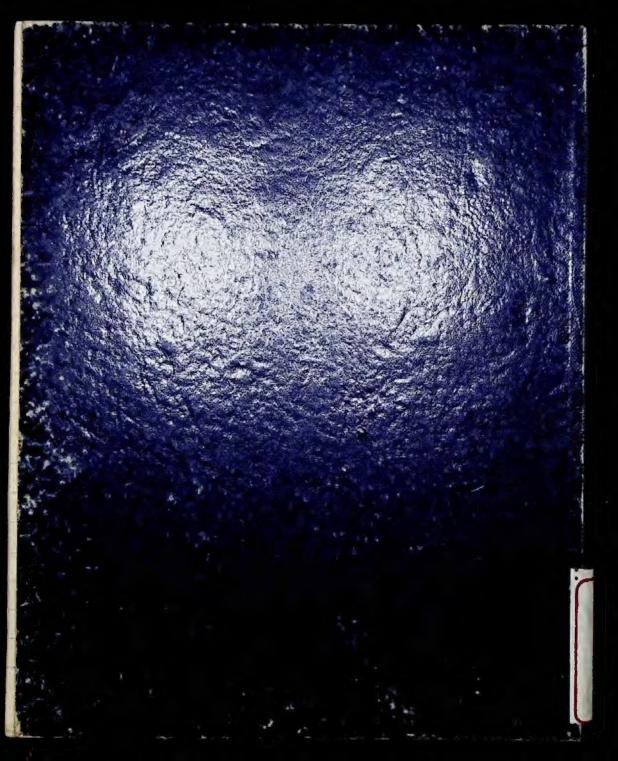
डेक्टन मुकार्य स्मार भारेखर [140])

मन्य कर्नारेक कर्यस्मात्रका (ज्याम कर्न-म्मात्य बंदे सनं क्ष्रतिके व क्ष्मीं विकासाप वेष्ट्रिगाट्ट)॥ नवकाक्यक मुळीक के निक्तारिक्टि। (जक्षकाक्यन-यम अन्ययम् वसीनं क्ष्रिया समक व बेटिंब दी। की विष्ठु जिला क करियार [वर् जिति]) असंसाम्बर्गियार्-सरायात्रे स द्वाल (काल्यां ल्यासम् = (अपूर्णा व सका भावप्र यम्) " र्वन-मार्चित्रक्म (मृष्मात प्रमे वसम्बन्त) म मी व क कं क (क कं क म क), भी म मुख - अ में मुख् (अर्बियक मिलाम विकेव ३ ९ येव) में कार्यः महत्यान न्यतं क्रियम्मम० (मामम्म मरीन स्त्रम्भम यकं भ भूयन किन का भूभन (क) मूर: (मर्दा) हिलाकालम (बस्राक्रमधारा) धार् वर्ग (लाक्ष्रापुक अनुकारिय [नवर]) बें वे हें ते वयी-उति एक में व समका हिं। (च से में में हैं ले कर्मत ययनायालक व ववसनं कर्मां के पार्व पार्वनेक) धराम् दानि वालवनार् (जारे भूरणान ममुख्यम)

काक त्या क्षीर (सत्यक्त का में में या) देशा

6+

(क्षत्रे कात्र), भाभिका द्यम प्रमान का विमान अञ्चलक्षी० (ज्यान देमन दम्म म्यान म्बर्भयमम् अ दाम्तिमानावा विल्विण)॥ लका का में के म- यही तिक सत्पर बंद (व्राया व 21 रापान्य प्रमुक्ता काक् में या क कार्य के का) मरा को कर्म मा बा जिल्ला में म मिना हिनी १ ([वर] प यी य प्र करी तिया अवंत त्र्या मार्थ मार्थ कार्य कार्य क्राभ लाई वर्षे खट्ट)।। 201 (श्रामं अर्बेष्ट्र विष्टित व के कि क क्या इटमें थी। हिमाना हमं त्रामा अत्य कार्ये रत्रे एएट [नर]) मूर्यमक पत्नीका छ - म्रामिरकाइ -मीला क्ष्य प्रति (व्यान मिसिक दे क्ष्य हैके-वर अर्थन कम्यु का अर्थन (अपना मार्थ कार्य खनम् कि सरा आ बार (अरान बनम्हरमंत >>1 (सार का वंस्तीय) विक बक्षम्मा निती (एक यक्ष्यास्य रिप्रय प्रतिम [नवडं]) ध्वंप्रवेश-टम्प्रम् मर्टिस्पर्ठ- १ डा १ डा ६ वा ६ वास वटम व (अभाग्तियां द्वाद्व विभागमें ये यतं)।।



adun 64 Pages No. 4 Name (ME DEWAY THOTE WEETING School_ MOTAE D Class _____ Sec____ Roll No___ Subject_

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

Song Song S न्त्रमार्थि बज्रा भेंबरत विश्वास्त्रिकारिहें) व we work २२। अनीन लप विनाम प्रश्रास्त्र- टक्कि ती ए (जिनि नी नामम् कार्य अम् विमाम द्वारा धर्ग (धार्म क्वीक्कार्य उ युक्त करवंत) काक्रीकताल-वानिष्र ([जाराव 当月にたいし」を確立しるおんなり ありるなとなるはら ([ववर्] अरम्भात] मकाम्यात खर्तत्भूतं विद्यास कामि एएटर)।। २०। पिरामापभूतीमारा-नमपभूतिमात्रवार् (छपराव भन्न कन्न मूल्लाडम मद्दा ने मध्य प्रतान्त्र अमार्ज्यो मंक का श्रिवां में क्या हिंह) भाष का आत-करेकार (जभीम अम वसम्भ्रम्य प्रामेक) मिर्दि [नवर्]) डेक अस्पानि ल्यानिकार (व्याप्त के उ श्रुक्तान्यं काल्यन्त्रीयं)॥ 28। बेळेरे भूमं अपि छि (बेळे से ले में में मर्सर वाया) विशाविष-क कार्यानी (जनमा इ टिस् अर्भे भी भाषि में राति विश्व विश्व विश्व विश्व) नत अस (अक्रिन) प्रशल्लाका- प्रिकृत्कारि-कार्रे - विकारिती (कारि कारि अवस्तारिकार सामन जीनक का अल करवं न म समान्त्रीय छ-भार्-कान खेपका स्पार्विष् (यरेक्ष किनि

पड़र लाकर, जम्ड उ लाम किस दिस्ता न प्रिक् जल विकास का निख्य)॥ २०। िशिन] सराम्हर्णनशं इस्र म् म् स्थी ठ द्राहिः (अवसादिकि कल्लवमम् जवकं एकोमानी) रेटम्बर्येशकार्कः (ज्याव्यान स्पावंत लक्ष-अक्षितां) सक्कामार्गाद-सक्ष्म ० (क्यो क्ष ७ म भी स ह जिंद स्मार मका क कर्य में।। э । जिय (जिस के) क्या व त्या मार्गः (क्या वत्या ने लीवार्वात) सप्रमू भूत ल्ला डिए (स्प्रमू भून-(आहिक) ' च्या जारा बें थ (तो : (च्या जार जा तेंगा (यं के) लाक्न (अर्थ (अर्थ आक्राय) क्ष्य (अराक्षि (कार्य में क्या हिंद के के कर) स्मी का या किया : (भारापन हिंड अका ह का जिसि में वरिया टर अवृत्य) स्त्रार्जिकाद्ी: (स्त्राप्तिनं लयरं भ में (अवं) लयं मानं (अवं प्रचं)।। >1 [[अर अक्स मृगमर्गम् मार्गामे] उउद्भूगार्थ-प्रमाह: (एर प्रथम मीमब लक्ष्मानेकापप्रकर्क) भाभवारे कथामुका: (भाग्य के कार्ट त लानिक र्यमा) पात्राविद्य सर्मिन दिम्पान की-

सर्भारका: (विचित्र अवसा कर् क्षांच (क्षांक स्माला है। कं अक्टां हिन लाक के कार्य करा ।।। १७। नानाविवे प्रशालकी बक्षान क्षाव हारियाः (अभाषा विविध अन्मान्तरी वक्ष अ अमञ्जात विद्वि [वर्]) माताविविद्यरा कर्य वर्ताकाव-विशिवाः (विविध अवसामकर्य वर्त ७ धाक् विद्या विकिन उत्तरमञ्जू इत्रेग्राह्य)॥ ३ २०। नामाविद्यम् मर्ग-कमा-निर्माने भाविषाः (व्राध्यं भाग कर्षानं अवस व्याक्ष्याने मूतिषूरी [नवर]) यस मश्रीणानिभाडि: (तिक तिन अभीव विभाषाना) अति। भेव विभष्टमाः (जिनेकस क्रीबाक्र के प्रक्रिम भाष्क)॥ २०-२) १० वं मा अला व - (अमीन ना र्या तक (हा किला: (छात्रा मा निक वर्णियमिन भागी विविध अभिन् कार्यम् ख्याम प्रवक) यह कि: नव (आलार्क) णमं सम्मान मात्री प्रामिणार नृमू सीरिक ए : (अग्रंडभी, असला शाम ७ कृतिन कराक्रवर्षने-स्रका) अत्यक्ष (चा केकियं भाइव) भक्ष्यं (अक्न क्रांक) म्मयही: (अविक करवन)

एत (क्रायाम काका) की ग्रेमि छात्र काम्लकार (न्युने यान काक के जा हायन) " एम्स्सार (अनेश-वित्रामंत) काक्ट वर्ड (प्राय न कार संस् [12 41 10 13 (10 (2 4]) H १६४ केप् (द्याम अक) हिस्तू (हिम पं वित्रश हाजी [विकासमा वार्यमा (हम])॥ 551 सी स्वात्रः (व्याचात्र) अभू ६ हवं मु किरिया (व्यान्यतमन अपुर विकास) व्यान्याव्या (व्राक्ष के क्याप् विकार रंग या प्रमा [12 प]) महित्रा द (अन्ता) क्रांड डिल अर्व अठमा चर (इराव वार काल मर्भया ड्रमंत्र) रिवर (जयन्य क (यम)।। (प्रम क्षिने कित (क्षित्रक क्षित्र क्षेत्रक क् काट्य व व्यावासा व्यस्ति]) अन्देशासका वर्ष महिट (क्या मान्य) बद्भ: (बस म्या) म (अन्ति क्या कंपर कंपर में) वा (क्या) auxentegné (auxinte e e en en en) 11

281 मामेका मानिक-मान मूलो हीए (जिनि प्याविशिक यट्यानंस भैवएनं प्यानं ट्यानं वस्त) वहीं वहा नु र (त्रमर्वकाडिविलिकी), काउम धमहार (जिलान कार्ट) मारे लयकार (क्या निवडी) सार्वित: लाम लयक्षार (सर्मि ललार्मि)।। रका अव्यूष कु कि काम मार् (जिन्दान दार) अहिक किट्या न म्लान विकास १५ एटि), स्वाणस्कूत-मुनीर् (सुन भूक्त मूलत्यवं न्जन डेमल पर्रेगार [नवर]) वास्त्रायाय भी - श्रकं शिय क के कह्या हे गुर (क्रम्माल व डेल एक मुका राव अ विकिन क्रक् (mier out socs) 11 २७। मिकाक्टोन-कलाताः कलानी-हुं एगणं पाल्यम् (वर्तनं भीत्रेक माश्चिमाया अवनेना हैं के अक्रम् यमग्रिक क कर्म (वंद (भगत्र [वर]) मक्ट्याती वरेकी क्रम्यावनी न एमक्रमार् (यरणकंत पुर्वासिकं मामित्या मन्न मर्मेळ्यम त्वभी व अअसाम है किन साद्य विवास किर्विकार)॥ रवा लाका का के में के आ- यहा त्या न या प्रया दें

(किस कार्ड वंस्त्रीनं अन्य स्विका मक लियं हिल कार्य करिलाहर [नवर]) दिवाक्विन ब्युटमत्मेय (एक के किए व्युटम म प्रमाया) ला दिर्म माडि थाडि छार (व्राज्य दि में रि पि मा अस्ति प्रकार हिंदिक ड्रेम (ह)।। इन। खक्राक्य क्याहिम (मिशक्र क क्रायं क्याता-मुक) कार्क मृत्याने (कार्क मृत्या) मिल्लिम (कारंगवन्ने-यां) लासका प्र-आर्डेडिकार (व्रियां लासक वा असे कारे लाभ भत्रे लार्व देख्नां [चडर विष्]) म्यः (सिवंदेव) त्यार्म वी क्रिकार (सत्यवंस मृखि ७ भी विश्वान का ने (७ (६ म)।। २०। अबी ए प्रर्व न (प्राच-प्रमी मा भार्य- वीका नार् (जिमि समला मर्न मृत्रामा ७ मीना पुक करेगक भाष करिएटिन) न नामान्ध्ये कल्लामानार् (याया लका नं त्यास्त क्या मर्से द स्राचा द्वाराव अवस एकर्भ काल्यक स्थ्रिक (नार्) मामा हमी म मा का वि (द्रमा का का वि वि वि ख्यां अकाम करते एउट) 11 ००। अस्य रेक क्या त्या त्या त्या त्या क. त्या मक मार्क

(न्या श्वास्त्र अवस त्या सव व्यास विषय प्रदेश में प्रमाय के र्यालाह निवर विप्त) क्या निवरी -मिकिलाक कता को मन मानिती (की की की क प्रकट्ट डंड्रा सर्जाक क्षाप्र प्रेम क्षिम कर्त्रेंग ट्ट्र)॥ 021 जिन्न हे जा कार्य के मार्ट तियार भू र (शिष्ठ सिनेरेया पंत क्रमार्थ के सा राष्ट्र वस द लयहीत्यात हाना सत्परंदिक में माह्य वा इंद्रांगतिय [चिवरं]) सका विषत- (अपृष्णी प्राप्त में एक कार्य अप् क पारं (व्रायां साम्य त्याल आमं द्विमतं व में भी यहा करि करिय का अपन अमं छम् बंगु मु ह्यां हा के का के के के कि है। ७२। व्योक्य में पृष्टि बाला दि- प्रार्था अ छ - बिह् अर्था १ (किंत की नेश करने में जिस ते का कारि कि के अब सर्मकां डील्य द्रायां (याद्राम डर) व्यो कृष्ण पर जा मून हिर्चिण (व्यो कृष्ण जारारक मिल हिर्ने जासून अधान कर्वन [-140]) एक मार्ट वर्ष व्याचा व व्याचिक द्र त्रें व्यास परंस असार्व करवंड)।। ००। प्रं नामाधाड्यां क्यां क्यां देश्वताताताहः लाख्वां

(अ) असम्बान ति छ छ का छिमान कात जिति छ छ भने-अहाछ टेमकइं निम्य वयम करवन [नवर]) मिंचा क्षीली में करणांति - अर्थिता विश्व पार् (क्षीनांतिक ज्यादि उ रंग ए छात्रा अवय किरमं दुर्दा शिर्ध विश्वत छन्य भाग्रेक स्त्र)॥ ० । मंदी लगा कर रमवा ना मन या-का मन या गा व्या छ। (ज्या शर कार कार कार कार कार कार कार विकास दिवा कार्या द्वार कार्यक कार्यक्ष भार [नवर छिनि]) मारा (मर्गा) ज्याप सम्मीछि-HANCELER (Things or order of 10 HANNIG) इन्हिंबर (सिममा चेरह नंदिय)। ०डा [शित्र] अन्नात काम (अप्तिमामात्म) या का लाम में थार लागेर (मी मा क्रम आर लाम का शुर लय त्यम हिममंत्रे) म कामजी (कामिट लारवंपपा [नवड]) असा असक मर्वाचर काम-ात्र त्या व्य रण भूगीर (क्या का क्या क रास्त्र क्या क (सरामुकें व व्यक्षाप स्थार्व हर्मा याति)। ७७। (मलालाय-प्रशायमा अक-केलायका भी रे (व्राज्ञ कुटलां टिम्मित् क्रीकिक के मार्ड सक्ता

(पारक अंसाब्यां हर आरेप कर्व [जवह]) अर्थ अर्थ (संप्रस्त) इसाम्यास- (कासक हे वे सक्त-द भी (टिल्ला व टिम के का स्थाप द निर्म के भी क बा कि व अकारं रंड्टिं)। ०१। [जिति] अभारेव: प्रकार्क कारिक स्मोन्परिक: (अर्वार्भव व्यभीम भून म काडिवानिषाना) प्रर्व-(प्राहिती (भयम (मक त्या दि प्राहिण कर्वन [यवर]) असा कस्तर्ये प्रकार (ज्या कार्य स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ वी अठा र भाग:) जय जय (रेण अठ:) वि हा बिरी ए (भाईअमरे कत्वं में)॥ ०७। [िनि] यक्पविनीर् (मक्नेनेनीना)= न य सुवाकिनी (तिवी म सुवक्षानिनी) भ्वतिमाण् इंड (ख्रिम पा किका व भारत क्या हा क्र के पूर्व) ज्याली व्यक्तिरियः (अवात्मं नी अवस्थाना) मन्द्र मिला: (मल मिक्र) हाममंडी ए (काळ न क (बंग)।। ०२-801 [18नि] बिहिजारं करें करें। (प्रामंत्र विकिन मी छ का निषया) दिल: हिल्म डी १ रेव (मिडम अमरण

ट्यत हिंखिए कवि एटिन [अबर]) असीम अप विमारिम:

(ममसिनामधनी), स्तूल्बन्नेद्र्टे: (अल्लब्स नेति महीतं [3]) सहीतं : (मेसर्वं) शकीवयतं पार्ट : १ (१ न्त्रां क व प तं के अल हाना) विश्व (त्यार्ट्य) (ध्यत सँया करंत्र) व्यवा कक कर्ता त्या की-सन्-सर्वे भानमार (ज्यांका के एक वे व्यवेत का का प्राथतः कराप खान काल्यमं हा क्षेत्रा क करवं प)।। 821 की संसा रें महत्तार या प्रकः (की संसारं में महत्त र्रेष कार्वि), प्रश्मिर्मी क्रिं! (अव्य प्रमुव उ मून्नीयन) उउद्वहत भीमृ देश: (बिडिन वहताम्य-मारा) व्यक्तिमिक्ष (किमि मर्ग कारम ज्यामन-धान्डव कर्पन)॥ 851 थिए किया किया किया (अवसीव विभवास् क्रमम माया] अवन कार्मा) व्या मिता (व्यक्तिम मूर्य त्याची कर्षत्र [नवर]) भूतः (प्रवास) व्यवभायमार (व्यवत्त्रं व्यम) डेल्कारिया र'त), मिळार (र्षा] पर्या) मकावस्त्रम् (स्टूम अवस्था) सर्मा (स्टूम अकारन) जब द जब आवंप (जियं कराल व्यास्क भारत कर्नित विषय]) अम्मिले (यह हिल

लाम् म स्थित का कर्त ता दम , वाद्य दर्दा काता : लास (व्यानं कमा लास्पाष्ट्रा यार्थे के मीयरं-इम्लाब्द अविकासत) वस (राम राख्य)।। ८०। करि हि९ (कमन ७) अभाभार पानि (धमावर्षामण-बनाय ७) अण्डा छार्छ- बीड्रम- (५ रास्पे (५ व्या द लक्ष उ वीख्या (एक्षानि विकास) लक्षेत्र -अवस्थ बार (लाक्षानं लापम् मकाव्यावी) में कि र न व व द्यार (दृष्टि भार करियमा)।। 88 | विस्व दम्म भू भारिक - छाई छ (भारा विका, स्व, स्मित्रा व भूमा सिवां अबि भू) ' सेन में स्थर मार्स-यक्त नकामाजा (भागं भारं भारं भारं विकार व वक्षति गामन देनारात्र), वह : ([गाम] उदिद्वारत) विधा लाक्यामुक् (ध्राया लायक) आक्रिमिकारि (मामानं स्प्र) भक्त कार्यन वियाभा इमं [नवर]) ब्रमारी कार्य (ब्रमा-महित मारा लाक्स क्षित कारव्यम भ [(य मूक्तीयमं]) मूबाह : क्रेडि महर (मुक्ती मास साम्य) पथ्ठ (चर्म्य लाहिश्म) श्रीमंत्रसम्बर-जान (जिन टमार नामिटिक) पूर्मे छाड़ी

(र्दं अर्डे अत्म क्रिंग) व्यक्षवयम्पर (य्रिश अस्त साम्यक्ष) र्याद्य (व्याद्या वय (कर्) लस्त (मआम्सर्क) अमेडि (लामन करे)॥ 8 ६। (वा: (प्र अ(म !) अद (मह [वे. म]) (भारत्वार डावारिभू (व्यरीच अर्गाल वनी हुण) प्रन: (हिउदक) स्वितित्रकारिये (ति। स्म व्रक्षात्रे अवस विभूकाल) कसम् (कात कव्, जिला इर्त] अमर् देरमंडाकि (विश्तिं मान भी बे रिक का कि) में एक का में ने के का में ने वर्षक) देशकामस्त्र : (व्यार्थेस अभव लयार्के कर प्रम द्रांक एव सार्वा) पुलेर (विमन् रे व्यक्) जिस्का वाय- हुकारिक वानी (वस्तीव क्षत, नद उ धनक्षांकामिरक उ) यिक्षंड रें में रें प्रेष् केष्यं (लाट्र में रेंद्र होता कार्यमा) मार्ट (मवर) चिर्यात्रास्ट्र (लाट्रमा खिने मर्गेडिक) ठिप्ठं इव मिन्ड (पूर्व काम कार्येश) मुसाया (मुसायाम) 11 (so xiz) Il

8+ 1 2: my (con super) for (+ 2 45) 80/ल्याक्यां साम्य के न्या (क्या (क्या क्या सम्बन्ध व्यक्तिति व्यक्तिक का के विकास a: one (one cors orgy) mine (mines) न निस्टिंड (काल्क्रम कार्येक मत्त्र रंगरा) inam (ing will) any menin (org में अभूत्र समं) महत्रमंत्र में राम्त कर्मा अन् उन्नाडिकाम (कार्डकार रामा, कराम उ my englassi erwant [746]) and Epol mate (21 4 5 f or CHALL) 1 ganon one (लन्ने के वर रात) क्या की कार्य देव लाक (लर्च क्रामंत्र थर्म अव्यव इस) थल : (लक पड [काम]) शायात के का मास (याना प्राह कथे (अ किमात) त्या हम्बर (देखान) कार्रेंग) असी (आरे १६८०) र्य (चर्) र्यास्त्र (र्यावरम) 12 क (अवस्त्र कवं)।। ८१। ब्याइती (जीव्यायत) एवत : (हिडिक) (CONT TO MANTALAL MA) MANY

(masa) came us one (camer-कार्यात्क ३) किम मान्य कार्यात् (किम मान-स्टिं कारु मारु भावता करने) प्रवासामार्सिंग ताशः (क्री सं का एन ही सामाध्य विस्ताहरू [नक्]) समार्थः आक्षाष्ट्रव्यक्षात्मः (रंजनमं सिमार प्रितं कर्य माठ) द्रास्ताः (द्रास्तान-मार्भव द्वार्ग) राक्ष्ण: (अजारिक) मर: (मर्माड्) थाव) क्ये वार्ट (१९७ व क्रमेमी लयम्) आहु र य व अन्या (कामसाकार) भाव कर्विक असल्य उनेया) !! 8 1 [मिरि] सर्वसर्व अपन का हि अपार्य: (अन्स तर्में क लागुल का वि से कार माना) द्वित (याप्टी (एड येसक पुर्म के कार्ना [नवर]) रिका के ला अं कांग्र : (रामनेस त्र के अहम हिरका) (Musé (Mustas) Mustus (Muse थ गाम अम्मिसायदार) मर्सिक् मेर (साह्र ० कार्येण) अविलिंग) वामाव- मेमर्वा आमारिकार्ये-बिक्ष न्याति (यमका रेरेडाम) व सम्देव किराक के व विकार का प्रमाण विक मेरिक

रिकार) भारतमान्व विकाल (विविष् विकाल दुर्वनारेप कर्षेत्र ' [र्राष्ट्र]) वाक्रकोर वर्थः (a) signame (re) (musgra 18 4) qui (gus 24) 11 8गे। की दानाक्ता (जीवाका अ कीक्क) निजकनंग (अनं के आ क्या का) सी के अथे : (पा की के आ के क्या में क्या में में निममक्षः (काल्लिक् म मार्चे प्रदेश) राष्ट्र (ल्यासारक) बंभक (वंभन कक्ष्र) प्यामार्थना-यत-खिल्या- मह-टमाडाम्बातः (तमार्व, अम्मा, मन, (अठग , मस , टलाह उ व्यम् अव्यक्ति दर्गा) वक्षण्ड (ब्रक्स कक्त) व्याधिमः (व्यावतव) विवर डम्ठः (वियर ७१७ रेरेट) त्रभ०० (त्रभा कक्र [यगर]) अर्था : म्राधाना (अर्थ अकार भी हा रहे रहे) यम ०६ (यमा मक्त)॥ ००। रेर (अरे क्लावत्र) अर्था (पर्णाम: (भूधा-क्रिज करे वा (५२०) मड) वंद (वंद आर्थिय न अवस) म्रट्ये: (स्रम्भतिष) म वि विनामि (अंश कार्यमा), त्यमं: बाटकी व्याम (कामसम मलं नमा इरेटमड) भने ? (भने भारतम् क्रम ड)

म्बलिस्री लट् (मूनली निकरी) म आरंग (परम कार्नेडमा [नवर]) व्याभ्रममाला व्याव (अर्थ अप्ति किरित्य) सममा काल (सतम् अप्त 3) की र्यायम (अर्यक्षायम कास) म खळाड (omm श्वेष्या) जारा (व्या !) अस्मा वर्ष (वर मीत लासन) रेक्टर (अरे) क्रमार्थि (मकुत्र) कः अफलरप्र (क अफल कार्यन?)।। ७१। र्यारे वि (प्र क्यायम ! [आम]) में बकार अठ० (म्मिलीकर्क कार्य) रवस्तः (यर में मिलाक) मामे के के क्या हाड़: (लामरंग मामे व क्रमेश पं हेल (मन्त्राया) समाक् आलंह (कि कि मान 3) निर्याक्ष (स्वावंत्र कार्क) म क्रिंग्टर (मल्ल्स मार्ड) ट्याक मिनामारे : यम् म (माठ माठ ट्याक मिनारक 3 तिवान्ते कार्ष आमिलाहिम), भश्मकमृष्टिः पडि (मैं बे के प्रकार मिल्म मिना ह सिक्र प्रमुख मानिए हिमा), मिला छ रामे रेमा: महि

ल्यासक) लाकुका भु कि (ल्याम के का क्रिक्स हु।)॥ लक: (लक उद्र) अर्टेमर् (अ्टिम टैस्टिका स

८८। इति इदि (धर्मा) में बळ्यारिष्यमें: (में बळ्]-अलेडि (लाम) अडें ([लामने] शिवाता) भ बुळित् (कार्क कार्टिट) वस्त्र सामा (द्राया(प्रवं स्प्रमास्त्र) । काठ लाक्सो वे (स्वय-टबल धाममने भूर्यक) मिन् मि (मक्षक) म बी मार्ड (त्छ) कान्टिट), जू (अन्छ) रेप्र (अरे) मुलायन-बत (की ब्लाब (नरे) हिंबए (हिंसकान) बरी करि कस्ता (क्या) कमाम्य हती कार्व (कि क्वांव्यम रं)॥ ৫०। [८२ प्रत्म । जूबि] क्विति वर् (पिका काम) क्षा कीर्विन्दाव्या (जीवाकिक कीर्विन्द्रमाना) वस्ता (वस्तात्क) व्याप (प्रक्ष कव) न नी मान-विविद्य (अक्रिय वत) जिन्न अम्मानाः (अविकिश्व) वस्मालक) किसूर्यण्यम (यक्तिके पात्राक्तर) लाम्बर (अम्मिक क्षे) प्रवट्ण के अञ्चल (मरीम टेक टमायम्मड झल टमा धामाया) अर्थः समीन्यतः (वसकाकप्रयम्न क्रीयादांन स्तिमितियं) रिस्मि (रिक्मे) शामिवार (इवम कर सिन्दे))

ट्यमाळार मूलकानि-डाय विषय का (ट्यम, यक्ष उ मूलकामे डावम्ब्याप्य विकास करिया) करम (ब्यह्म) बात्वाई (दुम्पांच क्यं) ॥ ৫४। श्राविमन-वन्डावमूर्णि (विश्वक अव्यास्त्रम-मम् विशेष), वाक्षेत्र विकाल (वकान व्यूनाम-विश्वल), फ्लायकाक्रम-मीतन्त्र (वाहिः (ए छ का क्रम अ मीस भी में मोग का कि मिले छे), ष्टिलाइमेश्र (क्रिलाइमेश्य) र्थाडालय-निक्निम्त्रापत् (क्यावतक क्रिम्पर ठका छ (विश्व क्रिक्टिम)।। e द। [टर आम! विषि] नव बस्त्र भू त्यु निक् क्यु-. यादिकारंगर (प्रश्र वंश्वर्षितं लामुकं अवेश रुक्ट दिया) नक्ष्राठाकर (अक्ष्रमं) किटलाइर तवतवक्षितात टार्नितीस-वर्षत्र: (अडितक्वा किलान लोक अ तीनकी कारिका कि टमावंतामाभ अग्रिक्षिंक) प्रवेदार् (हिंगमा) अवकमा बनी छि: (भारतम कत्ता ते पूरी अवकाटन) दुवर (ट्राया कर्न)॥

उछ। जननवन्वतिनी-विद्नीकृष्मूय-(भारतक्र-ट्राहि: (मात्राव धरमवस जलकारि मिनेस व्यास्मारी यात्र व समयकात सम्मान सकान करवं [नवर]) समाज-वेलिबस्यान-मेक्ष्यक्रीयमः अस्मा (म्प्रांत क्षियंत अर्थे अस्थित्वाति थिय थिय भावित मार्क कृषि , मक्षी अष्ठि एकी मार्थ गड मूर्ण हेर्ना न कत् (करे) गार्टका (न्त्रीयादा) धर (कास्पर्व) आर्थ (अति) कास् (विदाल कक्त)॥ विश्वास्त्र (की वृत्यायत) अर्थ ५०-अम्छ्रीः (मक्स याळ ससस्यी लामें क सर्दिन वा प्रितां) दियामुक (ये Стиво) यद्गाक्त्यमाठीक्यम (द्रांत सर्माव डेक्यम अपार्थ व्यासमाउ व्यक्ति हेक्यम), मर्डभाष (अन् खास) सर्व ग्रंड क्ष्म (सर्व य प्र कार्यका) लागुत महीं वं (अवंस सहीं) अव्यक्षाकी मह (सर्वकानं भूक्षाभ्या वस व्यवकाउ समाहक मैकिसाम् रामक) मर्माठ (मक्ककारं) में ग्राम-की जनवार (मनक उत्रकी म मार्ग व्यापमा ड) प्रताकावर अविमर् (प्राक्षम्क उ प्रमीलम)

यक्ष्यलसम्बद ([लवर] यक् वित क्षायलस्य वस ल्यामाड) हमद्रु मरानमानि (हमद्राव अनंस लापपाचा अने समज्ञेष)।। ८५ [न्यारा] निजामन्यार् (निजामन्यम् का) तिव्वार्ध विवासिक् - दिवा व डाआए (येत्राव दिन) लगा है: त्रिवं इं वृक्तिमा कर्वित), क्षालिय-मटमशाने प: ([मिति] अन्भन मतान्म) पियान् मामान (दिश मियडमान) त्याम् मियडी ० (विक्षातं क वि छिट्न) मिछ। भाष्टिक म्या- प्रश-पिरा मर्भात वृक्षार् (धाराव मकी निवह प्रामक्ष श्वाक्षिकारि अवस रिक लाकुक्रमधूर विक्रमात्र उर्ड मार्ट [लवर]) हार्यसमाई (लक्षान क्रीकिटडिं मूर्याचे देवसाधि उत्ते) व्यह (त्यू) जीमा ब्लावम पूर्व (जी क्लावम ए विवरे) हमामि (डममकार्वे)॥ ७०। लाक्सर्वेष टम्बेस्त्यं टम् (लवेषमुतं लाक्त अवस्थिता भार्या) विभिन्नी (भन्छन्मम्क) न्या मा में ये प्रमुक्त (न्या का मा के के) ता अ -(क्रावेड्यार (लाल्यमं त्यावेड्यमाव:) र्युर-

म्बाकव-मरामार्चितिमानिता (धम्लाधक म्मर्व् अवस्थान क्षायामा) क्षाय अमार अमार कार्य उद (आम अस मैं अथ यावाद) माराह (माराव साक्र) अक्षेत्रः (शिषे १ करवं ५ विश्व]) अस (अष्टा) जार (अरे) व्यायमीयावमीर (की र्यायम्बिर्) व्यक्तिम (वाम कर)॥ ७०। प्रशिष्ट अष्टम्प्रमं कूर्यापि वालिलाए (बाराक (अयामें के के के से से हिं छ न में के म हिं है। में में में में कर्ष्त (आएत: (श्रामक्त कर्ष व है। [3]) में क्रमन अवंदिन: १ (धेवंस) रक्षित्र क्षेत्रवं अवंदिन) पुष्टिकार (मायत आर्नमा से यं के मंग्रह) मर्के मुल्य निर्मानकन-प्रकृष-म्लालनान् ([नवर] यारारक तक्षानं मात मर्काकित मार्भ कर्ने एए भीरवन खसारि मं: अ हिने वर के प्रकेट उते विशि (अदी) व्योग्याम् वर् (वीम् भावत बाद्य) रेजः (बाक ठरुमा) मॅम्ह (लप्पांप्त) त्यासुई (मरमान् मिक्रं) महनं (देवीन् इव)।। ७२। स्यालानिक वार् (याय विस्वानिक्षी) कार्छ-विम्म - नानामिन्यो करेगाडिः (धीने कार्रियक्-

शिवर रापु गार्ड पाडिशांग) किसाल (कर्ष) चिहिनाए एक छीए (विहिना क्रायं में करका) निया-में मराड (शिष्टा मिक) में सर्गाने भी) असकार ([गिति] सर्व) की ना की सर्वा विषय दिः (की मार्का त क्यी के कियं अते हिंद्र का खिला को अं मह कर (den serpin [746]) myerño syló (धारावं भिंदी) अमु अपुठ अनेवावि विवासमान, [लामना (मे]) भी ब मावमह वर (व्यक्तिमावम-हिंसिकं अस काम (क्षाप्त काक्)।। 95 | 58 (लाइन!) (अम्माश्रम अवंस सराकाति-तैत्य-स्वामक म्या किताबा (स्रायं स्वामां कामम् धारह माधायममूत्र त्मायमा उ धामान नित्रिम लाश्यामुक्तात्वं व दिल्ह्यं) ययपा तमव् देख्यां हिं देव का अस्ता (। हात्र क्षा मार्ग्य यी बार्ग ने प्रकारिके उसवरकी कि केंद्र हे क्ष करवंत), अलगाडिदामसामा (याका मक्का माम्का) अवसर्गमार्ग (ग्रावं अवेश अवसर्गमतं) बिन्विमा विक्रम (मार्स अवंस क्रेम अम्मार्थित लयमभूत) गत्म (च इंस्स) अवस्प्रयम्ब्स-

उभागे हैं: (अनंस्प्रसम्मा) रेम्परमहीस) सार्वास्ताः (सार्वत्याम् रावा) (म (कपताव) यय: (अस्ति) व्यम्पि (आममासम क्षिर्ट्य)। ७७। जीव्यावने (त्यीव्यावन!) ७व (त्यापव) अवपुर्व अख्य (लाज्य में अर्प कार्य ग्रेग्स [लाम]) सर गात (मक्षाक प्राय (मालाक प्राय) ए अम करिगाष्टि), ध्यामा: म मान्वर (मिला शत्य लक्षाठा कार्यमाह) वस्त्रिका म लामेका (स्त्-निकारक ए जादन काने मारे) न विभावित्यामि (क्ष्म १ हार) ककड (काम कर्षता) व्यव्यत्मा-काम (अवस कामा काम ड ट्यम अव्हिक) लाम्य (मर्म कार्य मर्स मन् मार्ट्य) देर्भाक्री (छल्या अम्मर कार्माह) र छर्मनी मार (एक्ष्र अख्रां) कहः ध्याम (काका 3) न अवन् (व्यवम कार्नमा) यमना किं (कार्य क कार्य कि) ज्या लय: मेर्क (यह लाय का कि में कि तार कार्ष थार) मार ([लक्ष्य] न र कार)क्साल (क्रमड) म हि छेटलक्षा: (corma छेटलक्षारणा) न(र)।।

७१। श्रीकारमाविकार्य (मन्प्राविकारिकार) शर्मा- जार्या-नद्भारं (भी मधी क्रिक) श्वयत (भी क्षाचत्र) छ कि व्यात् (कक्षित्रीय) महिरस्थिय भः (मर्मे भाषाक्षां कार्ट) अभाव: लाभ किए (मिक्स आव क्षित्र कि !) II का र्यायत (र्यायत) प्रशान प्रमिन्धिः (अवसासम् सम्बेर्ग्याम्) येद्रा अमावाव्य प्ता सन्धे-मकी बंचा की का कि बादा द अस् अस्ति के स्पान म न्त्रक्ति) मः (अपसरप्तन ७०। व्नावत्म (की कुलावत्म) मक्तु मक्तीवालान्यू ग (सरणक्स में में क्षिम्ने) ' सडाक्रम् शिक्रम् (a) sigia our alma (miles) 4: (our ma) CAIN ONE (ELYCALM) EYED) 11 ए ए। बी ने मू मू लं व्यामि मू रेक: (बी में मू दे लं व कर वाम-हार्ने), राम-विसामिहः (रामा-वावेरामाम्बेम) देशात्राह: (देशासमा) (खिनस्त्रीम दि: लमक्षेत्राम् लमके व काक्ताट्य 'लम्ब कृष्त (जिनमभी अपूर्ण) अपूर्णिक (म्यास्क सक्षान कर्राय द्राय म्यान (पाला वस्त करवं)।।

त्। सट्याइद्धः (मायन्या) । इक्टिबुर्कः (स्वराप्यप्) वप्रक्षां का सून अभू हे- का समहि : मूकी सा (बळेसत केंग्रंब ' वार्से प्राक्ष के का प्राप्त प्रमं पर ता) लर्य माठा (मूत्रांच ल्यांसम् करवेत्र)॥ ७७। अम् किमिटिम् टिम् ए खान्युक्ति हैं (यादान कार्डि-वानी निमित्र हिर व्याहिर का दिन समास बिर्धि कटन) जिल्ला के कार्य विश्व (गिरि क्रियान-रार्मेन् भर्मा) अर्यस्त्रीयिलाक्षिः ([जनर] म्रानं क्ष्या विकार का का का का का का का ।। केक: (क्षानं सार्य, भाषु व द्यानिविधां। ११- वर्ग [ाराप्र] क्षियां सार्यम् व्याष्ट्र काश्वासिष्ट सर्व-ह भरका विण न म्मून), छेट्या मर् वानां मेरेन का मुनि कार्डितिः (दिल्यस समिर्दे कल स्वेस सामादे के अ व्यवप्रभाभी), स्मिन् मिन्द्रित (स्मिनीय-र्येत्रा-र्येक्सक्) मित्रिका-रेप्द्रः (प्राप्ति) मेंच्छा) काम: (क्यां मर्म ह मेंच्या) रेपानमार्श्व ह ने-सर्मन । चिम् कि नी (कुला करान मान कराम व्यक्तिक कर्णि अस्मार्थिक कर्णिक)।।

११। व्यास पिकास द्वान - पिका प्रास्त्रामू ट्रामान (। मिन विविध दिश धनस्तरं भाग उ धन् त्यातात । विद्वार्थिया र्रमा) दिवा को लाय न्यू अन्य उक्त कत- निकानिती (प्र कुट्ममं रस क्षिरी त कार कार कार कि अध्य सम्म कार्न कार् (१म)।। वरा नामार्भमाम रक्षामाकम् वामानी हु का मार्च : (१६१म भी में दिशाकृत स्तान सर्वाचन अस अस अस मार्थ क्षीके किं अकला तिला हिरोसे कार्य में में क्षेत्र की करंग-(क्स (मार्किन रक्षांका) सीमा कराम धूर्तमी (मीमाभाग मून अकातत काईछिएटर)॥ नित्र क्षित्री हिः (यत्री मन्) मीक्स (क्षीर्फ हार् मिकाकरमः (मिकामिक धक्य क्ष्यं) भूतः बीकाभाग (यनस्य म्यान कार्य वार्य मक्षायय करनेय [नवड]) वास्त्र ६ (वास्त्र) त्वाका आता (ट्राया क संम्वत्हर, [क्षेत्र विशेष] क्षेत्र (विषय) क्षितं क्षियमें की (खिमेडसाक खर्में एक म् क्या (कार्य)। विश दिक सामासप्] है।हिं (कला करा) किर्मार (अपिक मार्व [म्पराटक]) त्र के मान मरामिवर (देते से में के अप का किए) र कर्ता मि में आमि छे

(इ लंडा मिश्रोके संज्ञाप्त) अमे (समर्वे) भी उपर (आठ्य) कर्ते वर्द (ध्य) स्तामास्य (साप क्यांद्र (वर्द्ध) 481 वटा [ग्रिन्न व्यायता] अपुरु (अपुरु) समर (सम्) रिक्नेन रिक्नेन (एम्स्य [नवड]) जारेखर (लहें) देव (क्यात) का का का का (ज्याप का कुर्रें) मिम्रा नं ८ (प्रिम ने ब व्यव :) प्रिक प्रत्य वं ६ (प्रिक क्रिनेक्टलं प्रकार) निव । कुर (रहम कि,) दे हि श्रु ही (अदेश कि कि भा करत्र)।। १७+ ११ [। धीरे] अवस्ति व काकाउ बातमा (अर्थमां क्षेत्रममुकाहित) देवसाल- समहन हिटिरमणा (मसहरक्षति शिक्षाम् कार्न), वर्षे वे वे ते ते वे काम ते के) वे वे विधा-अर्थ- लाम किमा मार्म (अवस्थि के लाम किस् भीया प्रकारन) स्ट्रास्ट्रिस ट्या लामा मार्य (भरामार्म् भम्क) कृत्यावत वत (क्यायत क यमल्यित) हाकं १ के शु (यटणवंतता विष्ठंप करव्म)।। विष् ित्रित्र विक विक (र्मायात्र म्यात म्यात) याराकर्प (कार्वाहिक) सर्वेग्रेट सर्वे

(अड्स सापाइस (अच्चर्यात्र) द्वारुक्त (द्वाराम-र्वक) ज्ञानित (में मित्र मात्र करवेत [चवर]) क्या जिने प्रशाः (जिने त व प्रशास्त्र) munily (mis singin were) !! १०। रेच सुकात द्वीया (यरेक्व धन उतीया मणी) मा अव्यवी (अव्यवी टम्ट क्यांग्या) पियासिकर (अर्था) र्यायमानम्भर्छः (र्यायटान नकास अवंत्रायत) सस (लाम्परं) ला : उत्र (अपरत्र) Cमना लक्ष (टसबाटमामा ड्रम म काइकाय करें थे)। bol यः (योते) काकी मार्चन छ भ सम्म न त्या द्वारिम : एसरेक्सार्थुर (त्युनेस्टिक ने विका का में ये ये त्यात्म क्रिकेशंश्यक) र्यायममाईवा ६ (व्यर्गा-बरमं मार्चे) मक्र पाली (वक्साइ ७) आ (किंड-सद्या) सत्तास्यति (लास्यार्य स्टब्स) जला ((छ) आस्मिमं मास (आस्मिनं [नवडं]) (प्याष्ट्रध्यमं कान (टप्पाक्रक) एक्टाक्या मार् (क्रिंग प्रमंड) धर्ठ (आहेक्समर्वत) समास्त्रमाहकानं त्यारम-जनू: (मिरिटी (अभिकाम्बन्धः। निका (५१२ क् म (भावंस लाब माने म कार्मा) देसा वर में कार्

(द्या एवं भाग या भव छत्र)॥ ८) मः (मिति) वासी प्रती देवा कियम टलिक भाषी मेलि (क्री मंत्री के किंव अम क्षा प्र तका प्रकार क्षा करण्य प कटवं । जलकारं मार (अवसीक) सार्क यात्री मेहि (सार्वर त्याम करवंस) । अस्व वर् (स्थाय वर्षात्र) मर्ड (आप्यप्रक) में में याना (सर में प्रं थान मन्त्र करवंत्र) में त्राह्म व्यक्त व्याप्तिन म (इ ७) टमायी मार्च (वर्वर मिन्स मारकम) त्यामुर्व (अस्थापुरं माट) स्थापुर्यात (असम मिल्यन भाग के बदान कर्नन [नियर]) यः (। योति) मार्फ (मिन अपीरमं छि) जमा मानी में वि (क्रांत्वे मा (यह नाम कात केतात्रीन) अयम मन कर्म) म: अम (अक्तान जिनित्रे) व्यी मुला बत्र (क्री मुलायत) आर्मिर (साम कार्ने (वन)।। 621 wzg (ansi) +41 2 (+ca) xar (x fur) केक टक्स में या में का (कंक टक्स में का मार्थ) लाइ कं कं से से (नका विसे से दर्मा के कि (किट) केशरीम करमन (देशमा अमान) भारतन. (प्रितास) दिअसर् संड (काश्रम (पानेस) साक्रे

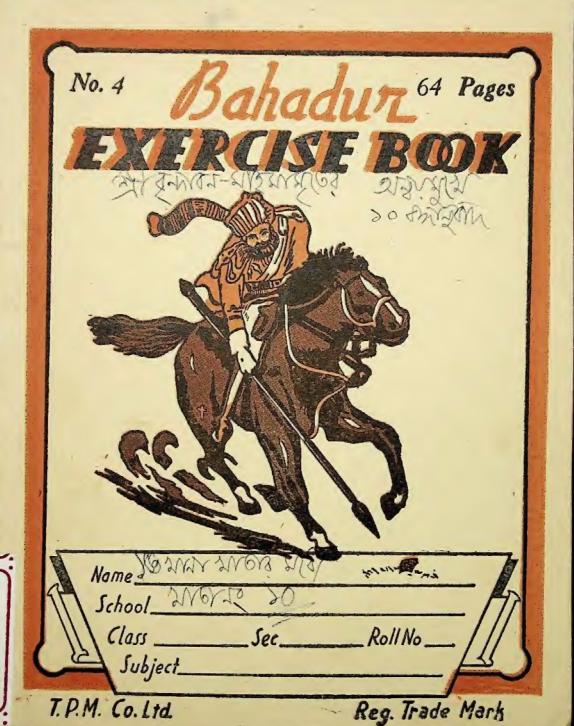
tunis gest (tunig Cura arandado) माटिय (हिड मार्ग) कारिका सराटिशक र एरमी मामी-मर्वी (व्याचारिकाय माम्माण माम्माण) अ उत्तम्म (विकाद कविया), त्येशिक व्यम (organi gain) (sã) Igangaio (organian) काकि द मार् (प्रमाशिक्ष) दे द्वार (व्यवस्थान-भित्क) सळ्लात्यः (प्रमेषे क लक्ष्मेल-मंत्र) की कृष्ण विश्व (की कृष्ण यह) निवय्न अभि (का कविव १)॥
धर्म (धरमा)
क्रिया (भरमा)
क्रिया में]) कृष्ण यह (कृष्ण वह) का निवी भू मित (यमू माठी तं) क प्रमु वि भी क्राया- धार मण्टल वर्त्रप्रि: (भारेराभवन) अम्मभी वृत्ते: (किंग अभाग कर्दिक) अस (अक्स) एकि: (एक) अक् जा श्रूम वि तमना पिष्टि: (भाम), जा श्रूम उ वित्मनमीर द्वारं) त्याव टको (त्यावक) क टक्ले मार्थ- व ट्या विभात्र-सर्वित् (असर्व स्वा देलावा वन्म व विभाभ-सम्क) जी गर्मा स्वासी कर्ण (जी गरी कर्म न) भिरमाही (क्षात्र कार्य)॥

► 8 | क्रानेलामन प्राक्ताम् ज मू व माने ९ कृत- कसूक-में य- त्यामा यरं वेले व यी यनं य मू वं य रा य कि त (स्मारं लायमार्थे कार्यान मर्गे व्यव्हा क्षेत्रं रंप तिका अरम अमेक्बा वे वेपवासन सप्तंत्र देवन मार्बर) (व्यु (व्युक्ष के क) मालुका (श्रिष्ठ विका के माने के मिन अन्ते) हिन्द्रि (विहिन जूमा बहिल समाम) आक्रीतर् (हेल त्यान मूर्यक) अन्य मर्ब करण काला नायने नीना-रे पकी स्य म की कि मक्त मनी मूल मुकायाने (कल्पाताल भूमर्व यम्भ, क्वानाम) भीता उ विम्मी प्रसूर धावा मिनिय प्रभी वर्ग उ कुला वयद्य सिम्या कार्न एटिन)।। म् ए। हिल्लाक्ष्या स्थान में अर्थे विस्तान में से-वसी करण (मूर्यानं यद्य) लर्ये यस सम्म ठक्त वाका हिल्लु । हिल्लु । किन्न किन्न प्राचित । किन्न । किन् (काकिस उ सम्बंगरे) गीव न्छात्र यावर (प्रमात अर्था अली उ मुठा कारिए (६), अभीका आम-मछ अममिन के नी- कड़्य (मर्भारम अमनारे

ट्यम्पत उस्त किल करिल रे छठ: विदर्भ करिएए) र अर्थि बोक्स सार्व में में में दें विके विकि विकास के की -सर्दा सार्वत्याम मेर्डि र्ड्रिक्ट [नवर मारा]) विद्यासर्वाशामिकारेषाः (तिर्धत अरकायन उ पुण्यामुम्मा) रेसमोर् (व्यक्त्रायंत विष् (अर्]) र्माय्ये (व्यार्थियायत्ये) से व (शाम करं)॥ ए । प्रमीम : (कार् भिक कार्क्र) न्यावम वमन् (की रूका यत कामक) कात्रक ब्राट्म हिल्लोनिक तर् (क्यारं प्रियम एक्सा हिस्से के (अ १०) १ (अ १०) था (जमरी में) भर्व (भक्त यक्ष का) जमा (वार्षेय क्यादिस्नेश्व) स्थांपं (स्थाप कार्या) मुभर् करम (भूरम काम करवं म)।। म्व। मार्ट (मार्ट) वर्ष्ट्रभा म (म्युक्सायतम् केला भ उत्र [त्राज्य षष्ट्रिय]) कामान्य यार् अवंडणः (धाराक्षते विष्यप्तं वणवत्) म टमार भी (मटमामुन्न [नवर]) भेड़ सर्मम: (उसार्यनाभी शाक) क्रथ (क्रिस्ल) क्र्यायत (र्केम्प्रिट) सिष्टि कार्ये (शिष्ट पाद म अभ्रेश रहे त्व १)।।

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 4 Kanchas or = 1 Chatak. 5 Tolas = 1 Powah. 4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 5 Seers = 1 Pasari.	5 Chataks 1 Kunka- 2 Kunkas 1 Khunchi. 2 Khunchis 1 Rek. 2 Reks 1 Pali. 2 Palis 1 Done. 2 Dones 1 Kati. 8 Karis 1 Airhi. 20 Arhis 1 Bish.	36 Tanks = 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Secr. 4 Seers = 1 Payli. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda.	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Querter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight. 20 Hundred- weights = 1 Ton.
8 Pasaris or } = 1 Maund	16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund	BOMBAY MEASURE OF LAND SURFACE	CAPACITY
JEWELLER'S WEIGHT 4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna.	20 Dones = 1 Sall. BENGAL LINEAL MEASURE	39† Squate Cubits 20 Kathis 20 Pands 6 Bigahs 1 Rukeh.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel.
8 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas or 16 Annas = 1 Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti.	20 Rukehs = 1 Chahur. BOMBAY CLOTH MEASURE	8 Bushels = 1 Quarter. BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME 60 Anupal = 1 Vipal. 60 Vipal = 1 Pal. 60 Pal = 1 Dundo.	2 Bitastis = 1 Hat. 2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu. 24 Tasus = 1 Gaz.	12 Inches — 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard. 5½ Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furleng. 8 Furlengs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE 4 Chataka = 1 Powah.	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik. 32 Raiks = 1 Maund.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Sect. 5 Sects = 1 Vis.	BRITISH MONEY TABLE
4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	BENGAL PHYSICIAN'S WEIGHT	8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound. 2 Shillings = 1 Florin.
INDIAN MONEY TABLE 3 Pies = 1 Pice	4 Dhons = 1 Rati.	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings & 6 Pence = 1 Half- crown.
2 Pice I Half- anna. 6 Pies = 1 Half-	10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara	BRITISH MEASURE OF LAND
4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	80 Pharas - 1 Garee. UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood. 4 Roods = 1 Acre.
INDIAN MONEY TO STERLING 1 Anna = 1 Penny.	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva.	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M. BRITISH TABLE OF TIME
12 Annas = 1 Shilling 1 Rupee = 1 Shilling & 6 Pence. 13 Rupees & 5 Annas = 1 Pound.		20 Bisvas = 1 Bighs. PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hour.
CEYLON MONEY TABLE 100 Cents = 1 Rupes	20 Square Cubits (or Gandas) = 1 Chatak. 16 Chataks = 1 Katha. 20 Kathas = 1 Birha.	9 Sarsi = 2 Marla, 20 Marlas = 1 Kanal, 4 Kanals = 1 Eigha, 2 Bighas = 1 Ghuma	4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year. 365 Days = 1 Year. 365 Days = 1 Leap Year.
100 Cents - 1 Rupes.	20 Katha, - 1 Bigha.	2 Bighas > 1 Ghuma	52 Week = 1 Year



Lynn mous engl 2/0/20/0 6 6 1 स्तिता: कार्न (पूर्व हत्र जात्मका क) मी जनाप (मूर्नीकन) लसमाय के आस्टिया: (काका के के प्राप्तिक) के या वे प्रार (र्मायम दरेख) ध्यमनाम, डाबर (काड म म्या डायम) किर्त जायम्स (जायमा कब्मा (कन १)॥ प्ति। जीसम्बूलायम (क की ब्लायम!) विकल्पाय भन्ता (अस्त्रक्ष्मात) वामे (रामान अवि) क्रायसम् दार्च जिर्मी अमक अभवाद काविमार , [अधकरामें]) सस वैठं यव (विसित्र क्यास्य) अन्तुर (पक्राय का अमे)॥ २०। द्यानमे (१२ द्यायम!) जब ज्यामी देवि स्था इम्डिं लाल (त्लामु कामने, चर्के का यिकार बामित्म ७ [ययर]) प्रशामित्र आमि (अकिमाडिक इरेट्न) मार (जामारक) व्यादा का कं नेगर (निक क क्रेर व मार्ट) आर्थ अपर क्र क (निक कर क्राल अर्थ २>। लडं (ल्याम) मर्म: ल्या (ल्या ल्या हरेट्य 3) निलाक्कानकारंते (हिनकान डेम्पकक्रामानी) व्यावद्या (नी व्यायत) धारिषु (विरिष्प) निवर्जानि किर् (वाजकविव कि [नवर्]) र (वः

इसर (इक्क क्षील) टकर्मामि ह (ला ड कहिस कि !)॥ करा म्लाबन (जीन्यायम) अम्मक हूरेर रेन (मूलाके-है न्यरंग) अपवंदमकामणा (धः (विक्रिक में मारवर्ग-बामिनाना) पिन् ठक (पिड्य उस) आ सूर्व कूर्य ९ (माने लूर्न करिया), अमूर्व जी र् अमिन मि! (अलूर्य मर्म् वालिव अवाद्य)मराष्ट्रिल १ (व्यक्तिम अस्थिक) निविष्टा का सर्वी विः (हिम्म में कारिया-उद्रेश्याविश्वाका) लाक्ष्य (समाक्ष्य [१०६]) सत-(अस्ति: (अलंबक वड) यमक्त्रम (विश्वंम (वं) कारल कालाइ ते : (आरल कालाइ त्र) आकार हु (अर्मेबार इर्मा) वालान (मिंब्र सार मेर्ट मार्टिम)।। २०। इत्सम्बद्धनाम्याम्यान्यास्यान्याहित्यतः तीन्याः (अकियामलाम् ज्रे, छत्म उ व्क्राना पिछाना मिथिए-त्ममम्), व्यामम् प्रेड्ट (व्याप्ति व्यामम् क्रम्म) न्ती नं मा ने कि कि ने कि ति हो है। (न्यी नं कर ने रेकि-इक कुट्यू मध्रकाना) मृष्ट् (मध्या), मिन्नातक-प्रवः प्रविष् निव्यवं (विविधि पिक) प्रस्तावम् निषी व अव्यामाने में द्याहिक) र प्रिकाः (प्रिका) चित्रकः भूतः (अन्छ-आक्रमतिव शवा) हिन्द

(बिह्न [अवर]) हत्सू म अकू इंग्रंबित (अधन्मानेन म्ट्राम्म असूत्र नाती) क्लायत् (सीक्लायत्य) अन्माहि (कामि मर्सन कार्ने छहि)॥ २८। व्यामिकारमार्गाङ: (मन्मरमेड्डमम्क) नामाइष्ट-मम्मूनी डिः (विविध म् व्रमम् रमन्यमपृत्रकाना) विकास कर (कार्य विकिय) र दाम स्रामिति: (इटमड़ डेन्नामम्ङ) मूटिन : (अभू त्र) वानिमं छन्निका-जरूय देन: (डेडम मला ७ जर्म ना कि वाना) बीड ० (जमाण्य), व्याप्रमम्म तिः (व्याप्रमम्म) यसर्ताः (भाक्षित्ने) आव्द कामपदम १ (का नारल मूर्आवेष [१वर]) का निका : (धम्मन) इस इमरी इमा (इम अवादर) बना में छ १ (अदि-(वार्ष) व्याधन (क्रीन्यावतन) क्रायाचि (कीरत किन्छि)। эс। यव (लार्य !) स्वाक्षाचारसम्बद्ध है विया (कार्वेषयांस लूकमारीन अवीत्वन भीक्षणीठीठ) विद्वत (अरे खिट्याक्र धर्मा) कः भूवववः (त्लान् दिव काल) वा (अभवा) मूनिववः (भूनिववं) भूवणाः जातेः (मेंबद्यां विभागमाना) लहा मा । भिंदा पा

इरेमाट्टम !), जमार (अठ वस) जमार (सरे मूचली इरेट) हिक्छ-हिक्छ : (काछिडी छरेमा) न माता भम्-दिलगी (जिया उ के दे क्यम् क प्रश्यण कार्यमा) प्रका (अर्था) ब्लाइते (बलाइत) पृत्र पृत्र (००७-पूर्व) तिवम (असम्बन कन्)। गे । जी प्रम् वृथावन (त्र श्लावन! [वामि]) प्रथा-मामाहास (काडिलम् अपमकर्षक्ष) , तिव्वार्थ (मिन्डन) मरापूर्विकाए (धनदुर्विष्ठ), प्रश्काम क्यार्वपा जिल व राल (अवन का प्रक्रमी पिन तकाड व्यम्भव) " महत्रवीत्र (व्यक्तमम्म्माञ्च) " म अर अर्भरेमक अर्थाम्ति (अर्अर्भर्म विवक [अवर]) प्रकर्वात्रम् (अक्षा म विभू अ, [वृ पि]) नाम-सम्ति (क्या मार्डियी म) आमे (क्या मार्ड) क्या र क्क (रूपा कव)।। २१। यः सर्म ध्यर्भाष्य ध्यादिम क्विंन-भम : (मायां काकाष दे के ये प्राचिमं भम् महत्त कार कूलल काविण इरेखाइ), अकामीम, मिसिय धाली ([रम काक] यक मूर्डंड) म अविभयमना हि-बामालिं। (अवस्परम्मामवं नी के कि ने माने पृथ्

मारे), महार्थ : मार् भामते : विव्या छ : (त्य मार्क क ट्लाम क्षा माधा हा वा अरम का व धान कान करन मारे [यवर]) धानिते : (प्रविश्वकाव) प्रम् छर्त : (प्रम् छने काले) कि स (राजारक अर्थिकास कार्यमार्ट) दे का (अमे अमे) (चर्येष) में लय्य त्मार: (अवय त्मार-अक) व्यर (व्यामे) जक वू म्यावम (जक्रमा र्षायाम) देवमास (अनेप्रवर्ष र्यु नेस्ट्)।। २०। [जाम] त्रमू ९ करित (भीत्र) चित्रात्माने (त्वंगम् ८४०) विसम्म्यम् (विसम्मर्गितं मक्स्म (क) प्रश्न दिस ज्यानावर (डेरकरे विश्व-ालिकान नामं) कलम्म (फान कार्यमा) हो : प्रश्लंत (शिक्षणं भर्माल) समाक काल (शिक्षाय ७) क्रंड प त्रु (दुरम् स प्रम्म) " आत्र्र (क मं अत्र) कटलायं कं भेग (य कर्म विभे में करते में) लक्क-मानितः (नम्त्र लल) प्रश्चमलम् (अभागमन्त्र) के का आवं के आव द्रावंपृत्यः (न्ये के टकतं ला अवे क क्रेनिविधर में निक्र में में अवस्त्र करिया) व्यादम् (व्यादम) अधीरशीय (अवसाम कविव)।।

कका उल (कर्म) कमा (कर्म [क्राम]) देव यात्माकि उन्ताक त्यम वर्षे भयाचे : (त्लेकिक वा त्वे पिक दिश्र भारत्ये छा जि पृष्टि भार मा करिया [2 वर्]) मालाकि - आमिम्- दल्बका हु व्या आविषे रूपमा-टिल मार्किट दिन कि मिन मिन मिन मिन मन म इत्य व्यासिक हिंड मिलिन मस्प्रिक प्रश्निक्ष-अरम्बे लिलक्रम मा क्षिमें ३) चाद्मक करमार (बी ग्रीकृष्कं (अभए(न) भूमकिं : (भूमकिं) तिका क दी दार्थ वं (धारियक कक्षाया ग धाछिषिक [प्रवर्])हिय (अत्रविकान् वान, (विकिय टक्सिविकान मुक ररेमा) म्लायत (इक्स्वित) रक्षार्व (अपमक्त अमुख्य कमिन्न १)।।

and was made wared

> । रूपा (करव [लाउमु]) लादु जे सक्तिः (लादु मन (बासाक्रमेक) का क्ष्यमंगः (का अस्वाबानं क्षाक्रम-नम्म), मूरः (तिवृद्धक्) समु स्माम पा जिमकू स-खारवे : वानिक : ह (मुसु उ त्यम अव् कि कार्य में न लार दाशिका वा विल् । कि रर्मा) रसम् म्लाम् नामम् (राभा, न्या अ मार्थिमारकार) मूमा (र्मिस्टर) मिनदामें छ- असी-मर्भिन (मिन जिम्न जीगरी-र्काक) कुममंत क्रामंद (क्राय कांत्र कर्ति कर्ति) हिन् छे सम्बनः (हिन्काम अन्मक्टम विश्वम डर्मा) र्मार्य) (क्यरियावत्त्र) लाम्तमास (सप्रकार्य १)॥ 51 2/5 (4 CA [OLLAS]) (80: (183) OLGAPO (कार्यम मक ४४मा) व्यामाअत्र १ वर्ष यस देख-लायमें जीता मार्च टिर्मका द्वारिश (लायमें) , जीता उ स्पर्ति अवसाम्भे असे अ का का सा अस असी आर अस में असी मार्ठाए (तिमा ररेता), कता (कान कत्वरे मा) अर्थार् अर्थार् निर्वार्तामिक्यूर् जाली (मूर्के अप् जिमान डेडम मम्बद्शानिका) विप्रं क्ष (विप्यर) अर्डिकाका (अर्डिकाम क्षिमा)

ह्ना व्ली (ह्नावता) समितिशक: अप्र (दाम करिए असम श्रेब ?)।। ०। युध्यम १ वर्ष (वंस्तिय विश्विमी क्यांबाहा) जी प्रक्षी वं स्वामि में वंग (प्रत्यंत्र मू स्वति मुका), क्र नार्डे व्या १ (क्षेत्र व कात्रा कार्म) त्म निकार्म ; (अव-दक) रार्ड त्या देग: बरामंत (रार्डित्याम-हाया द्रामीया), क्र मुक्ष भाषानं प्रामेक हा (अमार्श्व यम एमं मार्ग भारति का कि द्वाना क्ति [चिड्ड]) एक जारा में भीट्रं: जाबका (पिक अपन भू शी मक मध्यवादा मु टम्मा दिका) अभगत क्षित्र अधिक के भिर्म किया मिन में यहार माया) (स (व्यक्षान) रे व (१९३८क) ४०० (प (डिसे १ कार्ने ता ८५४)।। 8। याची आपाष्ट्र व ममरा भार्ती सं उत्हला कृतः (म्यान हिन्तित की यात्रक आत्रात्र अवस-शर्म व व (अ अड ररेयार्ट) न निर्मं व आ के विन-टल्लाकरयप अभने: (भाशत टलेकिक उ त्येपिक मर्मार्य वाक्षेत्र वाल भिक्त रहेगार्ट) सर्वत्रिक् ([यद्वात व्याप्त] अवसर्वत)

काक्रि बादर बादमंद (काम बादाहिलाक्ष हिंद्र कार्टि कार्टि) लच (यरे) रेलावप (रूक्तियत) विश्व किए पूर्व प्रकृति हो। अली (भिर्माण टिल्ड हिन्द व मिन्द्र का मान्त्र में अध्ये) ख्यारि किं (इत्रेच कि ?)।। 0 । अव्यक्तां (ब्युवायाय) वर क्षानं द (Сму कर्म कर प्रध्याव १ क्या) काः में ट्या बाज् एकी: (के सिक्ति लीन अलेगानिन टमरे (same) , od church (same se (भेक्तर) र थाः स्वामी ग्रेडीः (स्वामी जन CM रे रेक्ट्र [चवड]) लक्क्टबाटकार समात्रीय (काक्ष्यक्रमें) त्राप्ति हानामं (मैज्ञाम्स (जातकार्यकार्मर) संभवप (अयो करिया)क: स भूत्यार (कार काछिते स सुका भारे में।। ए। [भारत] क्यारकाम क्यक लड़ का रकाय १ देव (विकामिक सम् अत्मनं क्यमक्री) अपने शास्त्र-यसि (मारा लयक क्रियंप्यस्य [नवर मार्य]) रेनीय व क्रि-रविलाएं- माध्यक वर्ष (तीलार्वन- कार जाडिक दान पात्मीन जमार सर् में भी भारातिमं ्क्यां का के अमें कर से से से से से अमें (क्रिय करें)।। १। हिमहिम् देवण व्याव्यः न-कन्नत्वा व्यान-मान्य हान्यकारास (मार्न हिन लाहन एवं क कालकं विष्णका कर्ने में सम्भेक्ष्य कियं प्रांच्य व व स् क (व [गवर महर]) किक १ एकाद्र क था वप ६ (का किक भे ल १ (का दिन लक्सान दुलश्र) " क्यांचार्ते अ ध्यार (ज्यांचारं Сму. में स P (प्रायं) अवं . (व्राप्त कवं) 11 PI आते में मर्बे ने सर्वे ने - जिसमें व्यायाये - में स्वार्ट ठाने (म्रायं सर्भवंत लार्क क आवृष्य अवस्त्रवि ्यमर्यातं सावंत्रवंत [चवरं मिथ्]) चट्टं-वृक्षावतम्यकः (अरे वृक्षावत्व प्रवीणवाी, [CM]) प्रकाश्च (प्रकाश्चर्यः (प्रकाश्चर्यः अ.) सस (ourse) प्यः (प्रमाण्यां स्थित कार्ये)।। DI [man] let le de in ([led oned paris) समाक्तारे (लिक्षित्व कर्वनी) अनं स्माक्त्रामुकाम (लाक् मनं दुक्र (यव इंद्रावाह) वं स्थानाः (म्यावाव) मारी (क्रिस महाबंस-मार्-मे (अर्थे देव मं क्रिका- व्यक्ति (अवसत्ते त्यस मडावं प्रवं मावं खंग प्यं

लांकिने के के का का प्रति तार किवन अमेतिक) अपनं (क्षीत करं)॥ >०। जन्मक्ठ-तयणक्ती-क्षण्यीकावि- एमण्डितीवरमः (लकार्क पदीम वक्षामिएक ट्रिक्ट क्रम्मिन वर्गन्त -कार्यमा त्मार्यम्मन ३) यात्र व्यात्र (व्याय वरम) स्रिश्च रिया हो : (म्राज्यं अस्ति अस स्रिटक व्यवंप क (बंद) म सत्त (क्या में) में ज्ये (में ज्ये] [अर्]) काका (जीवाकी) वम् हार्व (जी कुलावता) यू वार्ड (विदास किन्टिस्म)।। >>। क्ला-विक्ति (जीक्नावत्र) देलाका comहितीछः (विलाक्टमार्ची) भराविम्लाछ: (अव्धविम्ला) पत्रकंतुम्हः (पत्रीय वक्षेत्रप्वं) व्याचाक्रार (ल्प्साम्) अस्ताक्ष्यमार (अस्ताक्ष्यमा) अस्ति (त्या गंदारक) असं (क्षाप करं)॥ > 2। डेसम्बर्व त्यभामम्म प्रविभक्ति मानि (मार्न कुम्पाम अवसम्बं द्वमायम् सनं सक्ष्म-त्रिकें भु: भ्राममानी ने नं मंग) चामालानं मिल (न्या भारा लाम कार्य) विकास मेर (क्या कार्य थार्थ) 12 के बार क्या (ig के बायप्रक) टिमाह (बलया करते) 11

>७। [जारी] प्रचर्मनियीत: (अर्थित वर्ग्टल [नर्ल]) मर्क्षावतः ह (मर्विच क्कार्यक्) निर्माण लास (लार्बप्याय रहतात) भसा दृष्ट (याद्या चड्र) रीअवं (लअवंत्रेम)। स्माय द (सिस् मन) दिष्टाम् (देक्षानं प्रतिमं) छ व प्राप्तिनं व (मिकिला एक सम्म रहेरमा कि?)।। 281 र्यायप (एर्ययायम : [ला.स]) धाम यामन (का लाइ यद्य अम कार्ड वार लग) अके आम् प्रिं-वर्षः (छक् ७ लामक गर्ने मार्ष्) विक्र्य (ब्रिटां व कर्षित) मार्गित के कार्यक (कार्यक साउ (मन लार वे प कार्य गाहि) " लाव: (लाव पदा) - क्षेत्र के कार्य में कार कार्य यार (@W. हो ड्राज्य में-भरम् बन्धा रिक ड्रांस विशिष्टी त्यास्त) म हि अम (अभा कार्य अम)।। > वा दा क्यावन) (तर क्यावन!) विभि कृष्क्रकर् CALCY: (COL से से साम् लेम के उध्यम् लाक्ष्य -थानु) ें घात्राचार त्राज् (निवर्] ध्या व्यवज्ञात) भग्निम्म (कार्क कर्म) क्रम (अरे कार्क का) सर्वाक्ष्रे अलाः लाल (अमंद द्याप्त) म यव

संबंद (लासन एक प्रावंत्रम रिलक पत केष्ठ]) (प (आसार) किए विद्यामाप्त (कि कार्वाव ?) 11 १०। र्मारम् (८ रमायमः) केर्मायमः (म्याभ्य द्राम्निगंभप् मार्थां आका नद्रंभा) (म (कास्त्र) लाखरे प्रजार विसं (काख्यां रै प्रवास (कास्तरं सद्य) अप्रतं (बाप कार्युक्तरं) मार्ड штиг (ста штиг) म् करिं। क (कार्ट म् करिं) St (Still) Ch (outrie) to of I expan (To 22(2 3) !! > 9। (म (कामनं) मवकत्कारि: (क्लिरियन्त्वमम) णक (रहेक), रेकेट्न मिरी ट्रिके मिर्के मा उट्टक) म्यावं १ (म्यावं ३) य रं मञ्जू (रंगा या कक्ष) े वे (क्षाण) म्याना स्वंपासे व-सर्विष्य (आव: (अविश्वाव आर अस्मिन स्पर्ने मः के अ (द्वारमन ट्लाड) । आधिन: ट्रा डरवर (त्वामकारवर । स्वरम्य दर्दिया)।। अन। इट्यं: काम यद्मार्ममानंद्रमास्म (मार्म व्यक्तियं ३ हि उ चर प्रतियं वा भीम (भार हेर्भापत करन) न्यावत द्वाने छार्थ- प्रामार्गांगः (र्भावत्र सत्परंस कणं दस्रीभर्यातं नेसम् वंद्रा) राष्ट्रियां (ज्या वास्त्र) भक्षीयं सकी वरं नामाक्रिय-राम्बाही (सरप्रम र प्राचन में का इसके, अस (साला) CA (का लक्षे) एकतार्क (क (त्याप्पर्कार्य) क्रामि (हिए) भू उट्ट (डेमिड 2326)11 १०। किलाव काडि-मा डार्क वनालेलाक मार्च मिला का हिन (मिप्त क्लांब लाता व सत्ववाचं दश्चेस व बंग्रमानी भरा भार्त्य भागतं निष्या द्रिम्हिन), क्राकां भाष्ट्री इंद्रमंद्रकारी: (भाराव व क्रम्मटन न्षाड्यी भावा टकारिक सभ देळ्यी विष रूप [ावर]) रावेडावपूर्णः (ग्राप्त किक किक कितानं अभी भी ([१४]) बेस सन्। (वंसमन्) अवास्त्र (आवार्त) तम (लासन्) ञ्चाम (स्परंग) हकामु (विद्राल कक्त)॥ रंग प्राप्त का मा: (स्त्री ग्रेश्व) वर क्रांचं (त्यु. कार्वेत्रयुग् (कृत्याक्रम्या) र्। यास्यामः (क्याम्याम) करम् करम् (म्य करम्) मता (मर्थता) थः (धारा) डेक्ट्र मिछ दिखामिड इरेल्टि), दिन रेक टमान्क (पिन टिक टिक टमान्काल क्रम्मार्भक

मर्था) भ : वमि (भारा क्रिमाड क्रिक्ट), विक्रम र्म दश्रमण्या भिक्तर्विकतं न्या मित्रमे किर्ने मः ्रिक्रिशी उ असमा डामास्वे व्यीस्मिरायन मी हिं का म [न बर]) लायम्पाष्ट्- अक्रामी स्थ- वंश-हुंबा- एक्टिं या म : (ब्रिटिंग वाको वन् न क कर-अले व रंग में एका मर्ग का मार्थ के का व्यक्त करहा) o उसार्द्य जिल्को (के अकत अर्द्य भागरम्) अस (लासान) द्वानसम्मिन् मृत् (द्वानसम्म्यारी) यम : (हिड) बुष्णु (निधम इडेक)॥ 521 शक्तिकारें : (क्या का के) वह क्या कंड (अर. लक्ष्यमुनं क्ष्णानं त्रव) , सद्रारम्य-सर्वेत्रमा-कत्रत (अन्तर सर्वत सर्वत्यावं वृष्टियोसनं) वर वर करं (हिल्मे कम्मर्य) भा काम्म लामाम् त्यान (लामन कराम हम्) महामहारा (मूमर्ग्तळाशिक्षि) भः स्मर्गः मन्यामः ह (Сму सсинальная मेर डाय) वि схушта; (एम् लवित् टम्मिन्) 'स: भाष्टिसमं: (काश्यास्ति (अर् करिक विकास) 'देश हिसा. (क लग्न कार्य कार्य : (मामार्चि लग्न क्रीन हेनाम) वाः थाः भाषायं वंत्रास्त्रात् विकतः ([नव्] केकार्य-वामबायक टम् अमर विवादमर्घ) दम दार (कामन मकरहे मुकिता क ककक)।। १२। नागम टामारिया की ना कि ना विकार का छ : (क्षा असम्भ डेउम मर्मित्यं विकास्टर्षे विष्टिता-कांस) के असी कासा (अ क्यां की वासा) क्राक्श्री-1 स्थान- में कु का कर्या कंटा पुंत: (से ब्रु ध में 1 स्था भ CO. मास्य के के टाम कार्ग (मानंबर्ग) र टम्प्य म्य अर्थः (अतीम स्मेन्सर्मेन) व्योत्थं: (अत्राह्मः ल्लायां) लयकार सम्बद्ध न सराका शिक्षेत (लाल्सर्वं काष्ट्र कार कारियरामानरवं) क्वं ही-(विश्वान श्रुक) अह हि: सर्वा क्रियार्थित: (सर्सेशर्व लहे अध्यास सार्वे स्थाया) मिल्याम् CA (mund) विभि०सम्भ (शिकात विभि० कार्यमे लमार्था) मता (मिंबड वं) दिए एं (क्रिक्ना कक्रेम)।। र । सम्बिक्स म्यावः क्या लक्षानं (ग्रिस्म ९३ स हासमर्धात्रं व्यक् देश्रिकाल) व्ययसम्मासाक) दें ८ (लामसम्प्रमारकानं लाक्ष्याम) र्यावप्रं (व्यविलावम) GIO (विवास कामिलाटम), रेप नव (जमार्कारे)

अक्षामक्ष् (अक्ष्यं लाम्प्रियक) क्षिपां हमं ० (किलाइम्नत्र) डाडि (दिमाप्त कविष्टित), यः (भिनि) जिर्ञानीत्र द्रश्म जात्र नामि जातानीति एल (अर काम्नेयाय असमक्ष्रं भागाम्य पाण्डाकिक मकीमार्न मिर्द्या) मिछ : (अवस्थान सूर्यक) वार (क्याप) (कारे वर : (वार : (कारे वर :)) (अकटल लड: ८ मक् वर्ग केंग्र (लड तं दे हे में व्रे में अप (इक्षे) असमें (१९१०) (शिक्षि असमें विमानमार्यम् विकान काएन) , ज्यो नमः (क्याम द्राह्म क्रम्स कर्ने)।। 28। र्व्यायम प्रि (मीर्वायम) प्रस्टर् (प्राविष्ठ) यर्व वर्गमिति मूप्न - काका आरावाकिस टिमेस्पर् (भूमर्ष रापुर्विदं क्यानेक आसमारात्मात त्मुम्त) लयं प्रकार (लयंभन प्रिय कार्यत कार्य) सम (muna) अभ: माम (अम व्यवसाद्व रद्दा) 11 र द। सक्य-रे बेनर (स्थानेस रे में क्यु प्रते के [चरर]) (म्मिक काडिकां का कंप कर क्राम्य उ त्यामनकारि. प्रमात्र), कार्यामाः (क्षीयारी) छ९ (अर्थ)

1

ल त्मने १ वेष क संभई (लाठे अधुने क्या आए अमे) के बंब ([ourses Erich] shopme son) 11 १७। व्यक्तिवन (जनापाल बक्तर्य), केवाब (देनाई काता) प्यांत (त्यांत्वर्य) मर्दे पं यात्रिकः (सर्वे विध्याम माना) इर्दः (क्षाकिक के) समक्षित्रं (ष्टिक्स क्क) में मार्गाः लक्ष्रमें स्वे - प्रयं प्रद्यासर् वे . ([3] व्यात्रममं व्याचा नाम नाम कर [कामन]) स्मः (हिड) सम् (सम कर्क)॥ ११। कारी म स्पद्ध (अवारीव लाम्माप्त) न अभी-हटला क्लक्षिक्षेत्रकः (प्रम्म स्प्रम्स्यम् देळाल्व मीछिंगान्सिंग प्रकेति) व्यस्त्रं भीम-माराक्त-रूप्त्र प्रामिश्र (नामाक्त्रीमक, नामयलम् ७ तृषू इंशा विवं इप्रमृति वी के अवर) भर्भ (मल्य कार्न (णहि)।। रिन के टका भी भड़े (मारा का कि के से क त्र प्रदं व (महार्मा) व अक (म्रास्त्र केट-मानी), हाल्बान्छ। हम रि (भारा नमी लियों व मै प्त) मामामसमसंग्रं ([नवरं माद्रा] त्यारा क्षामल भर्षे बरम लाई भूर्त), का शामा: लगाव किन्

(क्यांचानं अं क्याम अल्पनं) स्मंगाम (क्या कर्ते)।। २०। कार्षम् मार्थानिलस्य-विसम्मण्यन् (भाराक कार्क्रमूरकामन कर्नाने अम्राय मश्रक्त रक्षमञ्चरम्र (आला अपरेशिट) मर्चे वर (चिवर मारा] काक्स (पड्य) वाद्यां मा: (क्या बादा वे) स्तिमक्षीत्- सतारत्- हत्ते पूलामर् (मितिनू भूत-Сми ति र एकं में में अस) टस (outha y कि () हकामु (आध्यमान कक्त)॥ ००। भासा हवं भ- वं ने मार्ग ने भें से मी के वार (व्या वासा के आस में मिं के स्प्रिम में में में दिवं हुब्त क्रान्त मारा के Ста का व दिल इस [अवर]) विकासिक कडार-मैं डे हिंद (व्यू हैं के के विकास अर्थ हिल्स इ उन्ने) व्यक्त स की साम्हरास्त्री (दिन सिक्स अभीमार्य इत्राम्भावं कर्त) र दं मं वसी १ (क्य के किं अप कं मारित) यावे (क्या कं)।। ७२। सक्त-मूक्ष-मूलीवल-लप्कसल् (लीक्षिक (अम्बद्ध क म्मीक्स अपक्रमात्क) व्यासन-(यद्यत्रे [चव्र]) में प्रः में प्रः (अवस्य) रणा हप- संगत्ने (में प्रें प्रमेष ३ स्तर्ते) स्मान्ति

शिमाल (मिटिय डारब) । क्रेसिट (आस्पेर कार्नेम) क्रामर् राम (क्रामम कार्ड क्रीकृष्ट) ट्याएए (ल्लाका मात्रेक्टरे)।। ०८। कला (कत्र) सम (आमार) रूपमं (१६८) वाची लदा व वित्ता ष्ट्रम दा जिला कूर्य । प्रक्र निः भारिः (जो ग्रेश म अपना कि हिल्लि अवस्मार्य-मागादंद क्रवार्यां) दुरार क्ष्रंत (ट्लालमात र्युन्त) र्यास्त्र (र्यायत्र) यन्त कर्माव (अने का क डम्ट्र न)।। ७ ०। रूलावत (रूलावत) व्यान में राष्ट्र मीता-याने छ मा प्रक्षी न ए (अकि पर्न विकिस नी मान्छ सत्यक्त मू भूव किमियुक [अवर]) अमन न अमिन-बामर (मनव्यानित पीछितिकाकी), श्वीमाः लमारिमामर (क्षीनासिय लमारिमाममस्दिक) भा बाह्र (क्षात्र कार्न त्वहि)।। 681 मित्रका निम्भागं कमाविष्टिन मुन्द की वार्षः (तिम तिम देन भूने) नानिक विकित भूनक की जान वह नाका ना मित्रः (अवस्थवं अवस्थवं क) हिस्सरी कृष- समार्ष-अश्मिक - (बार् आरिका मा दिक् (हे मा प्रेक , टमार्क

रामाम्ड , डेर्मार्ड उ डेकापिड करन्त्र [240] डेकारपत (द मास) सम्प्रम (कल्क्स्म) क्रा उ ट्लाम (क्रिक्स में E क्रिय रहे मा) रेपारायय के उत्ति के (रेपाराय के उत्ति प्री (र)) प्रदा (प्रवेदन) ट्यम १ (बिरान करन्म , [ज्याम (परे]) टम्में न्या मर (त्में व क्या मर्थ) कि टमानं स में व (क्रिट्मा क् यून त्म क) डिल (अक्र कार्ब)॥ os [ब्रीसंस्व देखा] लयम (क्र याम !) लर्ज्या (उँ तुम) अधारमय (अधारमने द्याने) यस किं (लासान क्षिण्य कि । [मभी वे द्राष्ट्र]) समा (विश्वी यक्ता) वार्या (क्षेत्र के दिय कार मा दे कार्य का निम्ह के कारक जामावान कार के दिए क्या का क्या के किर्देश्य (कार्ने कर् एकन ! के विश्वास्त हाक]) डामा । मिति अमे में दम ' व्राप्त हाना) सम । चुं (कामान करमंग्रम क्षां [मभान दृष्ट्]) करवन् उम्ह मर्यात्र (अकलक्ष्यं कथाउ वृत्ति स्मार्छ. स्मार्थ क डिं (0 र । लाम् बदं र स्मार्थी लाम्बे € रल काथ्यां एत अरे में इंगे ने स्व बसे द्व कार्य ट्या का दिवसार द्राधि दे का वर्षा कर्त

लान है। नं में प्र कार्न कार्न कर कि । [मोर्क क्षान करक]) दिवृद् ठकन ठक (तात (धिनी मर्ज व्याणे ठकन , उत्राव क्षाया) स्र एड (लामान हि उद्वां [मन्त्रेन कुछ]) कर्मि बिमा (अंदे अ हकायने लाकार्त) स्थांस (ब्रीस कार्यक हिटिया इत । कार्य दिवं सम्मामी कार्य हरूप बार्में लतात सराष्ट्रिय दे आर्ट दं) केदा (ज्येक्ष) देख (जदंसल) क्याम्मिक (अभीनं बद्ध) लाक्ष्य (लाक्सन क्ष्यातक) भीमार्ने ए: (भूमा-कराम हारा) अर् (डायाक) भूठी हकारि (अराद कर्तिमां- विकासमास व्यामाट्य)॥ ०७। ब्रक्षान्ताः जमनाः (ब्रक्ष्याने जमन्त्रे निम्प]) में का में वे पर्वाः (लाज व प्रवार लामें व वर्षाम्न) E लाए १ (त्यामुक्षकं : (चड्ट लाम ट्यामुक्यम्) म वर्णिम मी (भूमा क्रिया) क्रमण : मा मा (क्रियात न सामा (क) उर्दू (कालक्स काने एक) ता असूर पार्टर (सस्य र प्रमार) व (अन्त) ट्राम्पी मान (अमाहि-मैं में) का लड्ड (क्यास) चढ्रा (चर् स्रामेश्वरेश) हाजान हाजानकः (हतान करमका अवस्मक्षा) मिछि: व्यास (माने ने रम्मार , [यावनर]) क्मारिस (त्र कुलाम!)

(कूमि) कर्मार्ड र्मा वियान: (अवस मार्मियं अध्व) कर - श्रीकार व (क्रिक्ट कामारक क अपने क में रिक्ट उस भी कार व (ज्रामि आभातक अर्थ कार्य (कार्य) सार्वित लियदेक: (अवसमार्वेमप्षेत) यान्ते (मस्याम वर्ड आर्ड)।। ०१ [गर्माने] विकियारी दिले किक अक म अख्न ना मा स्रोते-हर दिन मन कम मुद्र मुद्रामिकार (विहिन भी मेहन-मार्थित हिल अव्ह त पामामान अति से मेम् लिया अम्बन वर्भी विटक) अर्थर (निम अर्थर्म) पित्रामं (प्रदेशम कार्यमं) असा (प्रवृत्त) बेल्यात (त (मूलायत) वासित्का क्या ममार्गि (भीनाका न मिर्म याला गाली) ग्रेनि (भाम कर्वत) सरभाद्र (नदं के स स्पानंस) के एम (क्लामक) भागमाल मामिन (भागमा विश्वास्त्रे) भभ मनः (arena 123 [nout it a wo out])11 ७ मा अ किकां एकाल्य ९ खर्म (मोन् । श्रेकाय उकारा छ-माण्याचिकाला (गिने अछि पारं छेष्टानिक माक्रमतानं मिका अवत कागा विमानिषा ए दिखा वन आक्त करवंत्र [वर् गिति]) क्रमलारिकशीस (क्रम उ

ट्रिक कर असम्बन्ध का) कामा कि कार्न करान () (ब्लावता विशेष मा) का व्यक्त (कार चक्) कि (कारी (श्विल्यानं) म्यतस्य किक त्रिन्ते (क्येक किन १ १० लाम-इन्ते करन्त)॥ ००। लखा (लखा !) त्यमासिवाहिवनं मुक्ता (अस्माय में में में में में के कि कि में में एउंट्रिक करना (से स्रानं ज्या वि वि प्रत्या के दे ज्या हिया क्रिये कार्म सम्भूसम ७ मूम्प्रकल विद्वार्थि। म् त्या (यक् हारम) मूना (अरेने क्या), वव: केक-व्यातक काहिए। इवही ([पवर] वारा इरे ए अनक अवस टमा अ विश्वाव का विती), का आन (ट्याम अक) कमकला किया (अमेलाका) ब्राया हारी (ब्यायता) क्यू भी भी (तिकू त्यू व वा उत्ताला) डेसप्रम् (व (भामड) नामर (नामवर्ग) नकर् (अकरि) मिन् (मिन) उमान (उमान कृत्राक) त्वक्त (त्वक्ष म कार्ड में कार्ड में रह)।। 80। द्वतः (० हिछ! [पूपि]) कृत्वावत (कृत्वावत) कर्रमञ्जूष-कार्रकार कुरूष (कर्रमुला कार्यकार-भूका (का कि) मुमक्ष (यूर् का निक का मा दिया मा

र्कि (म्याक्षरिक्षाट्य यापनंत्रकारम विसर) र्का प्रामाम् अवर (क्ष्म यर्भे वर्ष क्षिय हैं तो -रार्थ) ' दुक्यमकाहिल्मुक्रसेंबर (बाक्रिक्सारं डेक्ट्र वीठ र मार्ने रेंड) न की यं राम के जिल्ली है (क्या का कं काळ्या समार्गिक [चवर]) विधाव्यं द सर्हे ही अनंतर्द्वर (विह्याम् कं सर्भस वर्भी हारो-सक्ति प्रमानंकात्री) सम्परं (सत्पनंस) वर भारत (एका प्यालिश्तं वक्षाक) यात (भार कर)।। 8>1 मिलि मिलि (मिल मिल) धराला नका छamisé (150 cupiralgi la Risaig) " Carelo-इसमध्या दृद्धः ([लद्र] (क्रममं लर्मिकरर-(na gan) on de na san) or so mas (out of a se) efind (einto. इक्त) र मामाया ([नवर] र माया) 1918 ह कथां (सप्तिमी र्म Cha) ((सप्तिमी अप-कर्क खिलिस (प्रविप्रभरकारिक कासंस्) " पत-मैं किका के एए के ए प्राप्त में विकास के) नामकावि (नामन कार्ड) कि लाव्य दीम (क् प्लानं त्यानं विदेशकात्र (अप्राट्स्नं व में बं [ext 5g 20]) 11

821 र्यान (में (क्यावत) मिल्यामीय सर्वसर्वन प्रमान कि आवं अभी। (भवभव अनंसम्बें विश्वि कि आवं-(भाषाकाया) मिलाम् वर्धि- अयुव्यममा९ (हिन वर्षत्रणील कप्पव्यम्पा) अलेखेबण जालाः (लाममीर्य वियमका मैक.) " ट्याना मासाः ([नवरं] अनं माल्युलिन माला) क्या आस्या - में बची-व्याताः (क्या माक्ष्या ३ सेविण्यान् के विवस्ति महिंताः (कार्यमें) में कि बागमंदिकाः (यने वर्ष व ल्यां या वर्ष विष्य प्रकाम) निकार (प्रक्ष कर) 11 हत। लार्स (लार्स ;) र्यान्त्र) कम सर्वे के करान (ब्लावतावं कतस केन्स्र कास)।स्यः ([म्राया] अबे अ दवं) शुक्रामें बंगार (अवस लामें बंग वयत:) ट्या प्रातः कव्ती जियापि प्रकल् (पर, प्रतः उ इनक्रमार अमेरतिक) अस्तिदिक्षको इव (लक्षा-मैं किये गामं) लातक (कार्य पृ कार्य गा) प्रवासा-ल्यामध्य दिक ल्या क् कर् (तयत्र संभात का की बी हिंच किटा के स्थार विद्यासम्बद्ध कार्य के कि के कि के कि कि ट्यामर् (कामहक्रम), व्याचि (धार्मर् (व्याविधर्म-वस) वर (अरे) टम्ब्रीयर (अव उरायवर्र)

हाम देखें (डिअर मैं भणिक) सेम (म्याव) ह्य (सम्बह्ह)॥ 881 वर्त्रवर-मूल्लेकाछ-लमर्सः ([1र्चात्र] का का प्रते भागे त्या ने सामु सं का आई की म का मार्थिं) क्रिं: ७ व कि: (अमूत्रण ७ वृभे वा विश्वाना) मिनाः मिक्कि (विद्यालय साविक कार्यमा) नवत्मवतम्यम-कला त्रोक प्रसार्विती (तव टर्णवतम् डेक्स कला टिमेल्य प्रकारक मुक्त करवे विवर्]) स्तार) (स्तर्यं साठीक वर्षे : (स्तरायं क्या व्यर अव्य दुलाएम (अमवसममं स्त) रेसावयायके हिः (ब्यायत्मव् लगा धा वर्षत्र करव्त), नगा प्रस्कृतिती (क्यो के क्षित्र की यम तार्में) आ (मंत्र मेल) का कार्आ विभाग (त्याम अक विभाग) अपर (अर्थप) हम (कार्य) द्वार (१९००) १३०० १ का में (कार्य करणा कक्त)॥ 801 क्षिम्म्युं ज्यादा (ज्याद् क्षिम्म्यूंत्र) वेद् किक: (ब्युक्क) थराव बराव (कार्यां प्रेरीक रिया)

हिंगका (दिल्यां महिक काल्ये संत्र खिंगकारमय) सर अलायर रेपर (टब्बक सलाय) खना क्र के. (कारुआरं थमतेक डद्य [नवर]) के क्रमार (व्राज्यात्व (यश्रमा) रेमा श्रम (ज्यानिमानम) थरेति धनाठ (व्यक्तमं धनामेश इक्त्र)॥ 801 र्सावए (र्यावण) (आवंश्रीय (आवं व श्रीयवस्) me cury su come (one nuit con on contrat-मम्कं), किश्राम मिलासु वा एवं दाराश्यव- निला-मनं - तिलार्ष - तिलाम मानिका किलाम् मुम्परं (निका लम्म. विहित ब्राम् डेन्भवमानी, निकाधीमक, निकाधन्त्र-हमें कार्व े थिको प्रचाने मात्र कि कि कि प्रावं-मै अस) (म (लासकं) स्यः (१६ अ(क) (स्यावनंद्र (न् के करवंत्र)॥ छ १। विकिन न कालू बी क्ल-विकिन व्लू ९ प्रवर् (म्परम्य कि कि नि कि विक्रिक कि की अरमार्व विकिय मार्जियान अकाम करन्त), विकियन्त-कारिं छि: (भविषि परकारिया) क्राविधाना क टक्स् मनंद (के तक मान का के न कारम द्राष्ट्रिय) मकाम करम्त), विहिध्यव सम्बद्ध (प्रायम

(प्रायम विकित नव किलाम अम्म), रेपर (परेम्भ) विहिन्द इमेर धर: (बिहिन क्लार्कि क्लार्टिश) (ए (क्रामं) मन: (हिट्ड) विहित्र गेर्ड (विहित्रका न उर्यापम कर्नम)।। 8 PI [ए प्रत्म : व्यात्र] अक्वेश्वर्षः (अकेविभार्य) ट्रिट्ट: र्ये पर (द्रिक लादम व सर्थ स्पर्य) , लापक आवं-अनंसाम (लक्ष मानं (लाभीस अनंसामसतं) काल मध् (व्यानिस्क) देवनाम् काल्यकास्त्रिक् (हिन्सूर्या-समं क्यानमा भिक्षेत्र) सवं (क्यान कनं) देश (क्सार्य) क्ष कुमर लगात: (कुम्ब लगात:) लयं हैं में (अमू उर कार्ने मा [जाया अध्य देव]) अक्षिम बीका-क्रकर् कामार्ठः (कामबीक क्रम कामार्ठः) कमर (मल्स कर [नवर]) उन (छात्रान व्यक्ष) उत्र) समर् सद्यास्त्रीत (सद्यासम् क्षेत सम्मन्त) वृक्षवत् (भीवृक्षवत्रश्म) (अक्षत्र (अवत्मकत कत्)। ८०। मामावर्षमानिक्टिममुक्तिमम् (देक म्लावटम मामावर भारतम् ११ अमाएं मी हिंदानि विद्वार विदेशहों वज्रीक्तिः ([देश] विविध एक लणाने) भाभाभान्य-भय छल मूक्तिः (आभा, भल्न भय, छळ , मक्त) भेट्याः (अडम [0]) मध्यः १ (एम ब्राम्म था वा) टमाल्वर (अँदमाल्क [यवर्]) प्रायंक्षेत्रं: (पाराबेद्यानं) अएयः (अअ) ' र्घेषके एः (र्थे) ' की देव: (छक), अमूर्व: (अमून), अर्क: (काकिन), अन्यम् इं मारी: (अभूतव् अध्यानने) प्रावानव-अविक्रिमामिक: ह अम्वर (मरमयम् कमी ७ अर्वामिक नियं प्रकृत्य (विनिश्चानी) म मधारमा अस्म विहिन्।।। ७०। [दुक रेगावय] र क्यावया सक्ते वह: (माप्यम. कुल्यानि। विवाहिए) की एं की है भ टका प्रमाहि: (सटकारम - भेडार प्रमाहिं) वर्ण मेराटमार्गाह : (क्या दिल्या में नाम में मान में भार में भार है: (विविस् वर्षेत्रमें एकत्रमध्रमां) लाम्बर लिक मिवर (लिक प्रमुम व लाक्नां लिक द्वारममार्थ) प्र क्यार मार्थ- अमान- अन्ध- मक बत्त्र त्ताः सराम लवं (मिन्हन विस्विभीत भूका भवान उ भर्नामिकाना द्रायां अवंश टिम्मार्त् विकास डड्मारह चिवर [B []) अनम्बरम्स स्ट्रांस्त्रम (अमारं उपमनं

अर्थ लायानं यकान्त्राया) सट्ड के प्रत (क्युकेटक के मार्ष निश्चिम कम्एवं) विवनी कूर्व (विश्वमण हिर्भाष्य करिएटिन)।। ८ । रू कमर्ष्य- प्रायम- लम्बुकाव्यक्ताः (कनर्ष्म, यावम उ काबविव सर्क) मर्गः (लाकाम हार्ब) लाकट्रम: (लाकन्) डिमक्एं: (आक्रुमप्यं) आड़े-में कु मा (भ्याम मैका) मका पुरुष्टी कंग (सह यक समन्त्रात्व सकार्व स्थावेषा) , असा विकासिकः (निक) विवासिक) कर्यादंवः (करणाव) कप्रत्यः (क्सम [0]) पिरेक: (पिया) विविधिकाष्ट्रवाष्ट्रवार (विष्य देर्भम का खिना वा) त्या का । (विस् किवा [लवड]) रापुक्तिमा सामित । साम मं वद्दें सिवं देक्त्यम का हिन्म सर्क्य) वामका : भूमिन-खिंग (कामुण्य वीमुखं (पालामां) लार्केट 6 (९०. र्मावय समार्क कार्रुगार्ट्य)॥ ७२। त्याक्वमारिश्म मिन्न विकित्र मिन्न आमार्थित । स्थाप आमि स्थाप आमि स्थाप अमुक्तम निर्मम विकित्र मिन्न आमार्थित अस्थार अर्डिमें १) अग्रः (अर मर्मेशकं) वद्वे विहास-पामुका (बेवेसने शुक्रिंतिश्वां लयकि [नकर])

उद्रश्मिन- त्रु मक्त- मक्तानीने देव: (यस्मयं क्रमस्याद्र want the man of mother than मर्मार्य अवक्षाम भ्रम्भीक्ष)ममामितः (सर्म अका श ग ग कर्क) आणुका (त्राबुक) छेजूरं (ममूत्रण) कम्भारेबी (कम्भकात्रम [(क्या का में किट व वर]) उस (उस ति) मरा (सक्ता) क्रिनंदेश्यास्त्रेक्किं (ध्या प्यादिवं दुर्न-नामी) मिर्मेद्री (मिर्मेस्या) कालाव (विद्यास्थान व्यक्ति)।। e 01 जन (त्यरे निक्यू मध्र) अन्तं क्रामा तिक प्रश्लो (अत्रिक कम्म्या अम्य) व्याम र् दिलावकी (पिक किरामाय प्रमुक्त), त्वनी पछ । निकास प्राडिण-सरार्थात्या (त्यु, व सर्वे अव्य प्याद्व र यामन्-विकासक) राष्ट्रिं (मत्यत्व) मत्राद्यारतार (अन्स टक्षण्य) व्यामक त्या क्का स- त्या में ना-कार्यो (ज्याने अध्वया मूर्यम् लोन तीयाविकार), पात्रप्रमें (लाक् यमं पात्रप्रभाष्य) शत्रा मात्रत्राम-मासव बद्दे (क्यां का कि क मासक । हिना मासव में मार्थ के) आव (की त कव)॥

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR BENGAL BAZAAR BOMBAY BAZAAR BUPOIS WEIGHT					
5 Sikis	INDIAN BAZAAR WEIGHT		BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT	
JEWELLER'S WEIGHT	5 Sikis w 1 Kancha. 4 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks = 1 Powab. 4 Powahs = 1 Secr. 5 Secrs = 1 Pasari. 8 Pasaris	2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Palı. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Arbi. 20 Arbis = 1 Bish. 16 Bishes = 1 Kaban.	2 Tiparis - 1 Seer. 4 Seers - 1 Payli. 16 Paylis - 1 Phara. 8 Pharas - 1 Kandi. 25 Pharas - 1 Muda. BOMBAY MEASURE	16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight. 20 Hundred- weights = 1 Ton.	
Few Fight Figh	40 Seers)	8 Dones = 1 Maund 20 Dones = 1 Sali.	201 6		
INDIAN TIME 2 Bitastis 1 Hat. 2 Hats 2 Angulis 3 Tosu. 3 Feet 3 Yard. 5 Yards 5 Yards 5 Poles	4 Dhans = 1 Rati, 6 Ratis = 1 Anna, 8 Ratis = 1 Masha.	MEASURE	Cubits = 1 Karhi. 20 Karhis = 1 Pand. 20 Pands = 1 Bighs. 6 Bigahs = 1 Rukeh.	2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel.	
2		4 Angulis = 1 Musti.	BOMBAY CLOTH MEASURE		
60 Dundo	60 Anupal = 1 Vipal 60 Vipal = 1 Pal 60 Pal = 1 Dundo.	2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh.	2 Angulis = 1 Tasu.	3 Feet = 1 Yard. 54 Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furions.	
MEASURE	60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina			22 Yards = 1 Chain. 10 Chains = 1 Furlong, 8 Furlongs = 1 Mile.	
Note 1 Manual Seet 1 Manual Seet 1 Manual 20 Manual 1 Kandi. 20 Manual 1 Kandi. 21 Penny. 12 Pence 21 Shillings 21 Pounal 22 Shillings 21 Pounal 22 Shillings 22 Shillings 22 Shillings 23 Shillings 23 Shillings 23 Shillings 23 Shillings 25 Shil	INDIAN LIQUID MEASURE	4 Koonkees = 1 Raik	3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer.		
INDIAN MONEY TABLE 3 Pies = 1 Pice 4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola. 12 Mashas = 1 Tola. 13 Paddi. 14 Pharas 14 Pharas 15 Pharas 15 Pharas 16 Annas = 1 Rupee. 15 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 12 Annas = 1 Shillings 1 Anna 1 Penny. 13 Angulis = 1 Girah. 1 Girah. 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bis	4 Powahs = 1 Seer.		5 Seers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maundo = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Penny.	
2 Pice = 1 Half- anna. 6 Pies = 1 Half- anna. 4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee. BENGAL CLOTH MEASURE UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND 1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling 1 Rupee = 1 Pound. CEYLON MONEY TABLE 100 Cents = 1 Rupee. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola. 8 O'llako = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Gare. 10 MeASURE UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND 1 Anna = 1 Penny. 20 Kachvansi = 1 Bisvansl. 20 Bisvansis = 1 Bisvansl. 20 Bisvansis = 1 Bisvansl. 20 Bisvansis = 1 Bisha. 10 Square Cubits (or Gandes) = 1 Chatak. 16 Chataks = 1 Kaths. 20 Markas = 1 Bigha. 10 Cents = 1 Rupee. 10 Mashas = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Markal. 5 Markals = 1 Half- 60 Pharas = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. F			MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-	
4 Pice	2 Pice = 1 Half- anna.	10 Ratio = 1 Masha.	8 Paddis = 1 Markal.	BRITISH MEASURE	
TO STERLING	4 Pice 7 = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna.	MEASURE	80 Pharas = 1 Garce.	1 1718 Sa Yas = 1 Koog. 1	
2 Haths = 1 Gaz. 2 Bisvansis = 1 Bisvansi. 3 BRITISH TABLE OF TIME OF TIME 60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Day. 7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Month. 20 Marlas = 1 Bisvansi. 2 Haths = 1 Gaz. 20 Bisvansis = 1 Bisvansi. 2 Haths = 1 Gaz. 2 Bisvansis = 1 Bisvansi. 3 BRITISH TABLE OF TIME OF T	INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath.			
1) Rupees & 6 Pence. 5 Annas = 1 Pound. CEYLON MONEY TABLE 100 Cents = 1 Rupee. OF LAND SURFACE PUNJAB MEASURE OF LAND OF LAN	1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling.	2 Haths = 1 Gaz.	20 Rachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME	
CEYLON MONEY TABLE Cubits (or Gandes) = 1 Chatak. 16 Chataks = 1 Katha. 18 Chataks = 1 Katha. 18 Chataks = 1 Bigha. Cubits (or Gandes) = 1 Chatak. 18 Chataks = 1 Katha. 19 Sarsi = 1 Masla. 20 Marlas = 1 Kanal. 4 Weeks = 1 Month. 12 Month = 1 Year. 365 Days = 1 Year. 52 Weeks = 1 Month. 100 Cents = 1 Rupre.	13 Rupees & & Pence.	OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND		
100 Cents - 1 Rupre. 20 Kathas - 1 Bigha 2 Bighas - 1 Ghuma. 52 Weeks - 1 Year.	TABLE	Cubits for	20 Marlas a 1 Kanal.	4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year. 365 Days = 1 Year.	
	100 Cents - 1 Rupes.	20 Kathas - 1 Bigha	2 Bighas - 1 Ghuma	52 Weeks = 1 Year	

No. 4 hadun 64 Pages 2 2 Souldary Name Joseph Mare Joseph School_ Worde 35 Class _____ Sec____ Roll No ___ Subject____

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

Man war 1 Man Melo Alemanda we are and metal wing and 890 68 । भूपत्रामा । क्रिका स्टिक में द्वा : (अवस दे आ एतं त आडेर्ज्य विक्रम टिस विस्था देश में भाष में खिने) के लाम (लाम सर्दिक) हा साई बी हाना (सर्म् श्रें) पत करिवास्मातः (करिवस्तु-असूर), डेक्का भ: माडिव्यापम: (विविध्य काडि अपात्य व देवाम), भा त्याक्रम हाष्ट्र ही (कट्राक्र शब्दी) मार । ख्रुक मार्ड भारी (मेर मर्डेंड रामा (नेभून)), बर: डार्स (मिर्सन व्यवम्यम्) मिनः या (अने अपितं) स्पष्ट स्वस्परिना टमाकी (आवंडामसर्वे काम्मामान) कामुमर (लड्ड अमेर टमंब) लावन (क्षाप कवं)॥ ००। जी शर्विकामः मान नमारहान जान मार. या एक वंस (कारावि में देन का कार्य- (की वंग वा मं मार-मभागानिक लाय हे सार क वंस्तर कार्या कार्या (कार्या):-औरके वं मार्ड मारात्वं सेंडि न कुर्ने वं पर्नाट ल्याक म्या कि वर्ष लिस सर्वे दं (म्यारेन का अपन कार्याक व स्माति काराय के सम्मात के कार्यान मासकत्मानि र्पाया विषे क्षेत्र व हराम मूमिलून), व्यक्तिम् ट्योननवरमा नामाविकिकतम

(काल्य त्मेवन म्लाम् आविक्षा नियक्षन भारताम् सर् अकान (छक्री सर्द भामाक्त विष्टिवण दावन कार्मा ((विवर् भेत्राक) वत्रमावत क्लारि ह (अन्मारं अव्यम्भ मूळ्यता), माभी सक (विश्वासाव परंसेल] माभीमाप [रिशंस कार्ने (कट्टर])॥ ७०। चित्रकामत्यं मार्को] काळ्यम् के हिं (छक्षक्रय-वर्ग) अम्मार (अमड क्षकार्ष), सराभूम्बीर (अनमा मूलवी), अठा लिल हाउ भाव करिए । मे आक्रियों वाल पेर (अर्थात्यं डेकानिए अस्त निर्धत उ मि । त्रेक व्यत्र त्योवः का कि नामित्री) विकासन्त्रे प्रत्यार बार् (मानमा किलाव असन), देवारीक क्रामिन्द्र काम हरी (समझल अप्यत्मनं कामा हतं लामके वा [चनदं]) अरंश काम वमं कक्षित्र मर्वीठार (प्रायम कक्रममाना अर्थनां धाकरामिका इस) का क्रम श्विष् (क्यम वकी भी वे वर्षा अधारा मरी) विसमकारायमी ? (रायक्त ठाने सर्ज) वित्ववी (श्वेत कर्यम [(माधा वारेखाइन])॥

कार्य भारत क्ष्रियां इत्य क्ष्यार (१०४) में कार्य मार्टर न

उन। प्रद्या क्याविव क्यार् (द्राप्तान पर्यम प्रकृताम सिर्द्र सक्ताला व यानं अपूर्) में में कार्ट (प्रवर्ध-मूत विभाग), हि त्यार्थि प्रक्रारिकार् (भावे शासन वस्त बिहिन उब्दंशम), त्यर्नी विन्यस्य राष्ट्र ७-सर्- एक मंब- र के बाल के (बार में आप काक या कर स्पुरित किनेव व हैं वे प्रर्दे) " क्एन मिरे के क्ष्र में वे-विसम्बारेषु किराक्ष्रेपर् (कर्मम्भासम् हेर्ककाल बिहित कर्यम् ७ डाल्स्यं पिन (काषा [140]) वी ना आ जिस भूका - मु क्र का सक्त - कू य दार्श कि का र (स्टिंस प्रामुक्तमं वे व व स्वर्ष्ण में के देक्य में के म्हन . विक्का कार्वाट्ट)॥ ० ७। मी बहारा डिस वी का अराकि माना ए (उंप्यान में अराकि सर्यावस साहि में मी अपर्या) असी म् वर्णा वे हें एं-विस्तिकी (विधिष्पर्ये विशे मार्ग्न वकां प्रिस) यत्य क्षेत्री दे य में अर्थ (यमें यम स्टि यत अर्थे य अर्थे,) कल्न्टाम के बर (क्रिने अस्म क म्प्लें द्र प्रक् मारं

डालकाम्ड), जावरकाक्रत-मभ्राकाम-वद्गात्रास--

त्यारिक हाति (काक्रमण अम्माकालाक गामं देळात में में में त्या विकार हिंदि (कारान सर्वेश [वार्व]) ड भी किरि भया मातारन न मया रिक वल्ली उत् ९ (मबीत अप्यक्ष भाग द्रश्नं वर्षी प्राध्वत लम्भा (अभिवल्प : अवस म्याप्त्र)।। दर। कृत्यूम् निद्धिरीयने कार्यक्षं : प्रामक्ष्मार् (भज्यम् मार्थ र्वे दे व कि शुरे सक्षादं क्रां वित्र लाश्यावंस का व विकारं में न्य) (क्रमं: कर्म-मूममुस्मे (अम्मूमलव (प्रकाविष्यं क माजावना :) समा (सर्मा) सम्भेष (स्मिलिस्न) देव: वव: (देव १०:) धनडी १ (विष्मे कि विष्टिम), ध्वात्मामाक्रम छह-मीम-मू ज म् मी ना कि रक्ष्य मुकार (हक्ष्य व्यक्ष्य सक्य मुका भीन उ कार्क मुक्स निरमान का ना उपराम सर्वा के करत्य कार्य गार [[वर्]) बी ज ज लिय - ममराम कृषित्र कारिश्व जारा कुला (विसि पक्षा दर्भी मुक्त स्मूराम ७ क्रिन मृत्ये भावदाना (यह उ अधार अभाभ कार्ने (यह र)॥ ००। त्यामकर मूलका वालिए (व्याप तार अर्ग ए। प्रधालकारंगः (प्रथ किंगे में प्राथ) कार्यकार (ज्ञाड लर्मेशमद्वत) मॅंड: एकामकर जॅमकार

(। जिति तिइ छन नू लक्षिति क्षेत्र किन्टिस्म), उउद्गूरं-वामान्यम् अवता (विम्मूम् स्वादित भूष्रेष्ट्र लर्भनं विक्क) अटबाइ वका कर्न (इक्टारम् वर्म स टहा अ विकान कार्न एए हिंस), व्याची लक्ष कार्न आहरी (अर्वाचीन सम् अवस्त्रमुदक) मर्वाचिमा प्रभावार् (मानेत्रात्राहिकालाद्व मिलूनेषा) दिविष् (अकामा कार्किटिय चिवर्) जीन्द्रमाः (क्रीनंसास) हत्रेलक-इ अं ठ क मा (भार भरभव वका उ का मू म क) प्रकार को निकार्कार (प्रवेषम व्यवस्था कार्य मा) जरमार (जरमन्ता अपन्त कार्टिय)। ७ २। क्वाहि (क स्माहिर [क्वी संसा]) प्रद्रमारी (प्रद्रमारि-विश्वतं) धेरे भी विभावेदा शुक्त (ये भी विश्व लर्भ विश्व मं अ मू यहमधाना) पर्मुक्ट) भागरर (उनमाल्ये जिस्लामा कत्त्र), क्विं (क्रमत उता) मर्यामी: भाविसका (लाणे मन्यापपुरक बक्ष्य कार्य तं) रकाम् मिष्यानं (की छन व का न मान कता) आदिना मातार् (छनदारकरे लाराम करवन), करिनिष् (क्रमन उस) त्यम्म वर (क्षान्यरकारवेद) क्रिक्य क्षिमपूर् (त्या क्रिम मक्रमे) देख्न (ज्ञानमभूर्य) प्र्वाविष्ट् (द्वाप्राकरे

देखे अर्दत्व लग) (अयो क त्यंत्र [निष् छिति ७]) क्यार्थ रेड (क्ष्मक्षार्थ mm)) क्षाम्यम् मिर्द्धी (लायम सका अध्यति) प्रित्रका (त्रिसमा ड्रांग) (बासपक्र कार (त्राक्षक अक्षल कर्षेत्र)॥ तरा के लाभ (कमप्र) हत्वस्य करान्त्री ६ (मा अवादान प्यत्यंत्र देव देव प्राप्त के स्ट्रामियाका क्रिन करम्म), इत्र (क्याड) प्रम्माक्षाम् (कः (भूमाक्षे बन्धानं) प्राथमीर (भाग कनारे एएटम), कु विर (कभन 3) बक्षानकुष्ठि-महा-क्षानिड्रिः (यक्ष, अनक्षाम, नक्ष उ साम्याम अर्वास्त्रेष्ठी (रमता कार्ड ट्रिट्म) उठम (कमपत) लर्मकर साम्राध) (लर्मकर्म (लाध) दक्ष (जात कर्मरेमा) खारिल महामुन कर्ष्यमार (सालक्स जार्श्व क कर्ष अमान का ने टिक टिन [नवर]) के लाक (कमप्र का) लाहिकिमं भाष्यमु (असम्मापन (अया कवि क वि ए) भूम मरि: परवी करे : (सृ प् व स्वाना मासू मका सम् पूर्वक) कालिमी ? (व्यान मिहा व्याम्य करें छिट्ट)।। ७७। कु व्यान (क्याउ [जिति]) नामा मन मनं रमनन-मरामंग्रं (क्रिके क्षेत्र भार्व क्रोमंग्राम । युपम व

प्रुकार्य असम दिस्सर्) समाव्येक्ट (विद्याव कांबे एक हिन), कून वाल (क्रमा करा) क्ष पृश्य प या कर मारि छि: (क्रिंग म अ वा लमानि वा मंत्र का मेंगा) व्यक्षाक्ष्र (व्यक्त्राम कानेल्डिम), किकिन देखा किरान वार्षि वर ([वान क्षीमिता] CANA का टिश कमा बामित अयवा मा बामित) व्यामिन (भर्म [छिमि]) (अभ्ने (अभिन् भार्क) भिक्षामा: (आबाकाव) । अमेर वह कैर्युर (। अमे कारवेष कार्नमार) में कः (ध्रमें के के विस्थानरिक् (आड्रेक्य कायम स्वरह) रेंहेडी (प्रिसे केर्ड्र मेर-७४। [जिनि] नवमल्यम् (नवीन मर्ग्या) व्यक्ति अम्बन्धाः (वाण्यमं कम्बन्धिन हिंड) जिएका (की ने प्रीक किंक) जा: जा: बर: माहिप: (विधिर्य इंड मार्थाल) आयर् वाबर (यन मान व्यवप् कानिगात) जाः जाः बूलप्राक्षेमावारिक्जीः (९० तंत्र शिवित सप्परेस रेकि उ याजल्ली) णः जः विधियाः त्येपक्तीः (विविधि विधियाप्रम

देन भूने माले [७]) जाः जाः प्रदेशः विकिष्ट्यीः (डिडिर डिडिस में तर्वे क भावें का भी भी भी (मल्य करिया) जानम प्रश्वाक समावः (काप्रमां सरावटमच देक्षीम प्रव) लाइपाप रेष्ट्र न अप्या (निम धार्ममम् एवं मान्त समर्था इ'रस)। क्टा लंबर प्रकार कर्मानम (मिस्मास सभीन श्रम् अर्दा कार करिया) का बा लका (श्राक्र-क्रामार जब लारमंबर (स्थाना साम माम माम के हामें बंद लगे प्रंपु भी वक) यहा जब (प्रक्रार्) इमतार् (क्रिश्नाटक) जिलाः (भूलल विकार्द) गतार्थिः (मस्पर्वशासा) अंडमेर (मान्विस कार्ने) स्ती- जव्याले- विष्ट्र अव विष्या, (सी उसी मारी ररेए कार्ड प्रवंदे विष्यं कार्वा कार्ने के क्रिक्स (क्रम्म :) दियाना) इ लक्षिकद्वदं मनं मं (१८०६ प्रंम ट्यां सका न-कार्यमा) कः व्यम् (त्यम) व्यक्षित्र (व्यक्ष-टमें जान मार्थी गार्करे) अव (वरे) रूक्ष यत (ब्लावतम) समार्छ (धारमात काउम)॥

७७। मित पिटन कार्रिया किया विकार प्राप्त किया के प्राप्त (मिल (अणियर यंग्यन असंस छाक् ३ विसंस) र्षितात कार्डिट) असामता अटः (क्षार्वास्त्रे भादभागाकि) कः जली (अरेक्स स्कार) रेताः (र्भा काकि रे) रूपायत (रूपायत) जारि (विश्व क स्त्र)॥ क्रें। अस्तर काट्य (काट्या) से हा के के के के के विभव-कार्याकमाम् अयः (ध्याचाक्रक व अनं म ० विन त्या एउ में मारा ने कर ना दिन ने ARM MENTALL MISME वार्मियात्र मिन्द्र अस देवं रहु माहि) अवाया ध्वं भावा विका - प्रय का त्या देश का छ। त्या व्यम : (क्यांस्यं आर अटल के आहित श्रीतं काळ्यं मिलाबिक के को ला वंड दूरिंग म्रमंड अरंग दिवस्त भित्र उद्गाद्य) वस्तुनंत्रा क्षात्येत्र ([यवर] अयम खेताना वला) त्यराष्ट्रीको वाल हि (कीयतभावा निर्वाश विश्व एए ३) न प्रताक् का एम्रः (ग्रामा के खिलें स्पत्न लाजार पाक्र मंग्र (चर्में) प्रकला खिंगः (अर्व मार्थिंग का किये) व्यक्ति। भ्री

रूक्रवत (को रूक्तवत्र वेराप्त) विवसानि (यम करवंत्र)॥ १०। केंग्रिय प लामकं (मारा लग् त्याप स्थय इंदर् लायुर्व प डड्मे (एकस्त) कि १५ (लाम स्वास) [पा अरे (अस्य पा कार्यमें) लियामें किया (हिमंकास) आवावनवं विवास्त (लयर लकान) लाक्षिवतम (कार्वाचित्रम) झदिकामु (वी (कल्लामात्र) मुठेव (निमम नम्प्रिक), त्मिन्मामन दिन कार्ड (म्रामं क्यांनं क आरम्य मिन काडि विम्नमान नारी. rice [rass]) Housencon (misso (mongo क्रामकर किलावताव वार्षेपाक्ष द्रेटिट विरेसे की) मिर्मार (मूलनम्) भिमः (अवकाष) अक्रामिनमा (अनं मर्नम र्यमा) भवा (त्यन्द्रात) की बर आर क्ष (अयम डे दक्ष भरकारमं विवाल करवंत्र), जर वन्त्र (त्ये क्येव्यावस्य) मूध: (वस्या कार्ये)।। ७ ने। भूर्यमा एउ- विश्व क् - डायमम- हिस् वी (भ्रायास्य भूति अवस दुलाएम विक्रम अर्थ्विय (स्तासमं) र यज्ञ-(साउटप् (ग्राम्य अन्स सट्यान्स) र व्यानासिक-स्मारिना छ - मृग्- यामा छ जाउना दि । (देन स्मार्गाहिक

अमु ए इस, कारे, मारे, मृथि, बहम उ आरं अमृत्यन द अनुष्यक्षित्रामा में द्वालिक) व कात्मास्य समास्रिकावं-अरं साम्मित्रके (म्राराएडं लाके के कारमाम् भागत Bau gard and shall order or men on men. कार हारं म कार्ने मार्ट [त्र वर म्राया]) थि: म क्षार्या है: (लाम टितास्त्) से पं कं का हि: (आ प्य न् कंग्रेस का क्रकं said (agin) predo (aginhung) र्मायप (रेप्यवप) लाक्षंत्र (अरंग लाक्षंत्रिक विवास कार्ने (ए हिन)।। 001 लाउन (लाउन!) त्मुमा सम्म हमत के महः (माउन (अ, भ न् का आनं हमत या नं कर्य अ) अं वा सार्मिया मा (साई तिवं अवाकाका अक्ष) म्याक्ष्रमें विश्वास्त्र ध्य प्रद्यः (लस्कमनं नायम्) शास्त्रावं मर्गमनं ल्यार्मम् द्यारं) कः लामे (त्यम नक) लाहु छः (अम्व) म् स्र : (भरा व्यायम सक्त), अव्यामकर-मरात्वामाविखाः (अलामहर्म मन्द्र अन्वासन देवडवयंसल [प्वर]) कलले तीनाविदः (कलले-भी या वं अवस्त्री साध्यक्ष) र व्यवमाः (यव त्यायमmetal [sp 2m] AR (Algin

यायी) रेस त्राक्षक: व्याप: (क्ष्मकं (अर् मैंसप्यं व्या है यम्भाज्य र हम) र ला र दम् (र ला यद) देता वि (हिस्साम द्रेश्व इस्ट्रेम्टिय)॥ 9>1 की मुकारम ९ 9>1 अक्कास अम् अट्ड १३। ७१२ (७१४) अविकायत (अपक्रावत) वक जाव अम्भ कि कारू व्यालात पर (क्षाकिन म प्रवक्ष लाइक्ष्र अवस लार्काता दुरात) कण्टुल्क्ष्यत-<u>१ यर के बराय प्लाम् एय आर्य कि कि प्राचित्र</u> लमें क प्रतिक अक्षामक (लमें क प्रमें के ल क शाहु-[चकर] (प्रमें के प्रमाण के प्रमें के प्रमें के ल के शाहु-यान्यं) नकर (लाहित्रों) खिल्याष्ट्रमंचर (लाखनं. म्बरंस) विक्रमम्बाप् (चक्रिक विक्राप्) (प्यं क्षेत्रिक (प्यां व क्ष्णासवय) कि प्यावं में मंद (12 cmis x 2 Lui) golla (golla va soj) 11 १२। जिलाः भव्यवक्रान्यू विषय विषय कराः (की वार्षा-केटकने अवंश्वरिवं त्रामानक्षेत्र में स्वरंत्र म्राटातनं क्ष् मिमम वर्षिणाट), अन्भमं वित्या कताम् कि क्य-मीत्मक्रमः (अवस्थात्वं मर्मात वर्षाम् क्षाविद्व

इस व नी नान अर्थ भारतात्व त्रव का कि विशे वर्षे गरि [वर्]) अवस्य वस्ताना (भारत्सव वस्ता विकास का : (म्पर्नारमं हिक वर्षेत्रमं अवकावं समाममण्याव देवसम् वटम सक्त सक बंहिनाट ([aut]) डाब्-शिवादार्थक) प्रतिक के अपाः (प्रश्न प्रक की के बंबा (अर्थ) मन्ती: (मन्त्री मन्ति) स्मानि (कात किन्।॥ १०। भारत्मा कुमापितः (अवन कलल्यमा अ) कीरतः (की कृष्णम) यव थव क्षेत्र विश्वासिए (य प्रकल कृष्टे लाएड(प्र देस मं डमं) र खुमा माद्या : (खुमा मार्च अपन्यभानं) अवास्मान- वित्राक्षि : (अवास्मात उ लका प्रदेश के भव भव वित्र प्रिक्ट (य क्रम विमाभडभीनं व्यानिक्ष इसं [यन्]) नत्व ममंद्र (प्रमण्णकारण) विलं (द्वरतं) विस्थि पर्वेष (म्मर्म तिम्की नम्भी) यर यर (एप मक्स) विमामिक (एक्ट्रेन देसिक इमं [कारि]) ब्लाबन (स्त्रिक्सवर्ष) कावस्य (कास कार्ये में) रहतत्वाद क्रिक (क्रिके डामामिक हिट) व्यानेमण् (प्रक्री) उर (ज्वसम्मरमंत्र) जायरमं (क्राप्त कार्वे छिटि)॥

१८। मः (।रामि) रूपि (मिना हिट्ड) मता (मर्था) विकाः (क्यमध्यं) उभागारं (उभागंद्रक्) श्रम ((कामि) करा (श्राम्य कामि हिस करम्य) मः लय त्यादक (नर् ट्याक्समारक) मेंका: (मेंबरे इ,य) म: (। त्रात्र) लभवतः (लभवायवं) मार्काकिव्यव में वर्ड (ता काम में वितंत्र) विश्वा करंतम) यः (छिप्र) - व्या (इमवायं) जिमेली (जिन and 5,4 " [mis]) A: (1914) Himse (Mard) क्षेत्र करतार (वीक्क करतान) उन्नि (डन्स करवंस), म: (छिति) छेकाछ: अनुकार्यः (अन्ध्र अष्टाम रिष्ट्) लिक्यो : (बम्दल लिक्यमुम्) व (अवंदि) म : व्यिक्षेर् (ए व्यिक्षेक) व्यावम् म यह जना (क्रम व की ब्रायम जास करवम मा) , नम: (र्मान) स (क्षव: (ल्पामं १९व) थ (उं (उं प्राम्मारिय)।। वहा टमकार (म्प्रमार व मिल्ला) लान (न द र समावटन) हः (हाम) हः पर (हामिस्स), नगर धार्म ह व्य (व्य वयम्म), नाभिव भी: (वक्ष्यवामन) क् वसी: (वक् प्रवासकात) विभवित्राहि (क्रारित्रा-अहि) (अप्राह्मार) ((अ) प्रतिक अस्त)

भगामिकाति (अड-अन्ध- प्रमुख्यापि खंदा), आस्त-म्रूलाविल्: (मिलिस टेपक) प्रश्यकी) कुकः यव (चार्क क्रमसंस [नवर]) चाह्रका (क्यामात) माहिका नव (क्षां मा मा लाय [वार्च या के वर मी) ए (जारामा) हत्यावम (ध्यू (ध्युक्तावत) मुरूर (सम कार्नमा) म लयर (क्वार्य इ'म मार् ' [मन्दी) यस (लामानं [० उरं प्रकातं]) आ लाभ (त्मान प्रक) मिका लय हिंछ : (मिक लयं हिंछ मंद्र) लस (दुर्ग इदेक)॥ do I mus (ones) when the con (ones) Eigh (हिट्ड) की रूक्त रत उड़ (की रूक्त रत् असमि) लासमाई ही सू वर (ति ठ) भाई पे सूर्य [७]) सूर्य विकास-यमा अवर्भ का प्री भक्ष (आ ने भू न विषक्ष क मर्थin ingus) course (course ason) on the (छाम्क इहेक), व्योज्ञानमहत्त्व व्याम (वीय्मायम हास्ते म्यम्ब व) (म (काम्पन मिकार) कसल्यीमात्र देमकाषात्रु छिए छे (कसर्थ-भीयावेश संभे सिवड क्रियात कक्ष [वरर]) म या भारत कार्य (व्याकारत) भूता रियमा कार्टः

(अर्डिके क्रिक क्राइस्त [काठा खकाम करेंग])। १०। लयह : याई दिन्दे : द्रांडिय व द्रि प्लाबंब ने प्लाबंब ने (म्प्राटम्बं दुक प्लानं बनेस लयह सार्वेदन् आने वेस्) र राटमं कामान वार्यमम म म म कार्य मिनी (मात्राका अवस त्यान त म्यास वर्ष सत्यानेस व्यक्त कार्य के OBENIA ONDIE [746]) ONLES: (47 CM): व्यातिक सम्बद्ध - प्रमान क्रामिति : (यारामा लायक दुवसका आत्री लायक व्रिक्रमान्। लामका क सम्बन्धा के प्राप्त की जे हन्ने अर कार क [विद्याश्रम वर्षाम]) क्या हिंद (काय मेंगम-स्रिक) ब्रायम् वात (अव्यायता) विश्वकः (विश्वान कर्वत)। विष् अर्थप्र द्रिल्मा बंदमंदमः (प्रिश्ने व्य द्रिल्मं ने एकान विश्व राप्त) राद्याः एकात्याः (त्म यावन-म्मादमं) मूटालं म्लाममं क्रामि- मर्म् मती मा-यहाड्डि: (काल्टाम्ब व काल्याम कार्याहरे मुधर्म मीमाठकंश्वाना) मधरु (भमम) न्त्रे (न्येर्णा वयर) व्यक्तिमासल र oras (oremi servas sques) decinias

(वाप्रतिषेत्र) वेष्टिर्म (वाक्षेत्र) क्षित्रक रायार् (CT COLY BEEN & LIND) STER (OUTERS) OLIMINIO (काम्युम्म)॥ १२। करा ([आध] करक) अवद (अरे) मी उपमन् यम: (इश्मिक त्यर) आमी (नर्) अस माजिषाः (तर प्रमात) असताः (वताः (यत्रकानं तिका) कार्येको (डियं के कार्यमा) लिंह: (डिक हिति) व्यसमा विक्षि (व्यसमा क्षेत्र [3]) विमा प्र कार्ठाट्ट (तार्मे आ कार्डाट्ये) त्यर (काक्षां-भूरक) जीवृक्षा विश्वत (जीवृक्षायत) भव कि ह (Crawa xICa) orallerain (organi लाक्ष्यकारकारकारके । भेठः (भ्रम कार्यमा) लाम्बर् (अवस्त) (अस्ति (द्यमक्दन) व्योगिवा विमेन के विभाव (व्योगिको अरह अम-मैं अपित) चामुरमं (ला चे कुत्र का कुत्र है)।। ००। आअसे अप : यह (क्याम आआत्रा वायमा) करा लास (कलपत) प्रकार (प्रक र्ट्राट) gris: En one ([ours] gris u sga) किंदु (किंदु) जी बृत्ययन श्वी जनामन राम

1.

(कार्यमायम कार्य कार्य कार्य कार्य) डिक्री हिं प न हैं (out है हिंचु में या मार्ड)!! (आक्षाको) कः लामु म हें वः (क्याम प्याक् समस्त्रम् क्षित्रम् (लक्ष्माक) में असे से (ल्यामक क्याम्) आक्षाकी करक्तारे), त ह व्यक्ष (अभन अ उर्देशान मारे), तम दिश्वित (क्षिम हार्यस) एक वस्त एमक रमस्त्र कहित्या) , ७९ (अ० वर) प्रश्नित्य कुल कर्न , (अपायक अक्रे कर्माममं) रूका वनर (वीर्का वन. MANY) CA (outered) and and yo (marine outhing) !! ४ र जीवृत्तवत (र क्लावत!) निरीतः अली अवः ousé (our onquir sou sque) nichmisa-कक्षा-क्षापि छ ने लाक: (की श्काम जामुक कक्षा उ अस्तार छत्यं आक्षे अवसर क्रम (देडकर्स लमेल्य कर्तिमा) लयममातः (चक्रमात व्यक्षमं मर्गमान याम्ता) प द्राक्षण): ((कार्य द्राक्षर-(यामा) मार्र)॥ - प्राच्या (त्र कुमावत!) प्रदर् (and) DY (carried) miggéria: (mighino)

१० 1 अ डांडे डांडे (राम रामं) भुश्व: one भुष: (व्यक्ष्मेश [नक्र]) ग्रिश्च रैक्याली (व्यक्ष्मम रैक्ट-हित डड्माउ) र्मायम ! ((८ र्मायम !) लड् (our) as (corres) might no: (might no) इति याकं (नइसंत प्रायोश्य द्रष्टाने न कार्ना) ० व (कासान) अप कारमावित्र मं: मार हिम (अमू अर जानम ररेन कि ?)।। P81 र्मां दिए। (र्मावत्र) काश हिमाप (करतंक एप) दाख्य (यात्र कार्यमाह नियर]) येस्र देख मति १ (विद्या, पर्मात) द्राप्टिं (द्रकारंप क्षिमाह) असम्पर (प्रश् कम्पर्य) लमावे-मक्टक (जलायं मवंटक) दिलाखः (अतिलास्ये म) मम (ज्यामन) पठव (रेश्पे) त्यंबन वन व (अक्साच यत्र)।। ० ६। (४ स्थः रेसाद्ध (४ स्थः रेसाद्धः) डा (हामां) रेक्स साम्यास्त्री (र्क्स प्रमास्त्रकं) व्यानियाय्वतीर्वाची (व्यानिय्यकः) अभवादिः (अअग्रिय) यम: (नरे ग्रिक) किं मू देलका: लक (ट्यास्पट देखामा ट्यामार ड्यं क कि ने)

1

भन। लडड (लड्सां) विषाद्वक्षित्रः (लक्ष्मामाहास्) लाकुर्मि था ([3] अज्ञार्थ कार्य) मन वर ळे (ख्रिक [own]) र्माक्चर (क्रार्थिय मात) त 2 व कर्राम (त्या म्लारे जाम कार्यम [240]) अन (ब्लावत) वाश्वायाः माम म वय (की नाश्वाय मास ३ जिल्ला कविया])॥ प्ता कर (क्यार) इंद (नरे) व्याकातात (व्यावता) समाहक सार्वे शे देवं कार्याम (अम्मलाई मुक्स) क्राचीक्र भावितामात् (व्योग्नीच क्रायन विनाम-मस्य) वहमा अभि (वात्क) न वाना उ) मृतेन अभी (यरकिक्ट अभाभ कर्न्गड) ति। विहः आश्री (मिल्डिड रूपे माहि)।। ए ए। इस्तक-क्षमम् काडी (इस्तक उत्तम अरम् नाम काहि विलिये विष्टो) क्रम वयः नी विनाम विलाही (क्य, दम्म, टम्मित उ विमास्त्र अम्मकाम्बर्ग), आदिकव्सम्ली (कमल्यम-विश्वत्र) त्ली (अरे) ममाणी (खनेम्पूममार्य) कुमा किलित (अरकुमा-यत) (स (कासान) मध्य (चक्रसात्र कास्त्रां)।।

+ श मक्श्वन विकिति प्रार्थ की मू (म्राम्य काछ-की जा न मार्च मार्क विद्या वित्र मार्डि) द्या का नम-कूटक (क्यावतक क्रुक्स अर्थि) भागम कोर्ल (स्पारं) त्मांच न्यात । हिस्मा (को (प्या व क न्यात-वर्त कि(मार्यू भन्न) अपा (मर्वाप) धम यू ब्छार् (लामाने में खिलामम्ब इंद्रम)।। २०। अधीक्क लास्त-मर्विम-(नाड-प्रमातापर्भः (का मंद्रक एक न अम्मला न मार्चित्रात कामान ष्टिक के र्यावतार तथा करते विवासमाने कणान]) कर्मक (से (वर्स अर्थ) म त्यामि (कि दूरे विहाप कर्दिता) न मास्तान त केल (त्मात्रक्य मास् वर्षाम् उ मलात्माम कर्नमा, [किमा]) उष्मुनिमः व्याले न (माञ्चमतंत्र प्रकात करितां)।। २) [जामी] क्लावनक्कुवी विकास (क्लावतक कुन्तु मन्दर) विश्व (विश्ववं), अध्याप व्य-मामग्रम ((दिष्यम वस्त्रामत्व निमम्), तर्मन-न्यासर् (त्याचे व न्यासवर्ष) वर क्रिसे (त्य प्रिक) गामस्यमंद (गामन् में अप्यं) दिव ((प्रवा करने)।।

भर। मसके कारि: धाने वास (मन् कारि मन्त बार रहेक) मा (ज्यामि) अर्घम आर्थ सम (यह कर्या के एक्ट) रेमा वयक व्यम् (यद वृत्तावत्त्व) वाकीलपाक्रिपाट्य (क्रीमिन भाम-अत्मनं स्रम्भ नित्रतं) से में में भी अप कामा (रे मार्थ रार्च व्यक्तिम्) व्यस्तान में भा व्यक्त (स्थिकत ता र्म भर। अर्थमा वाली मम (वाली वर्षम श्रेट्स 3) क्मावता कार्य (श्री क्यावत रहेल व [कामान]) अश्वालमास्य पाटम (क्यांका का का न लाम पाम)-प्रिया) में में हो अर (मैं मा के इस्त्र) व्याला या सरमा का लिस (लाभा क मनकी मा रम [काक्ष हर्र प बढ्ट]) प्रवक ट्याह : व्याल व्यक्ष (टकारि न स टक मान 28 क) । २०। मिरियामि) मूर्वपात्र मर्अर् (भिर मर्अ अर्अ निवाहाद ७ रम्), भिर ह (भिर) एरः ककटार (अरे नारी व कका धर्मा करा का का ना पीम् (में द्र तार्थ डिक्क उ डमं "[किसा]) महि (राष्ट्र) देश र्ष्याद्यः व्याम (त्याद देशात्र्ये

mery a sis) " ed own (comy [amg]) भक्षालिमंद्रक (क्युक्षक लिमंद्र) म बद्रार (ज्यान कार्ने बता)॥ 981 ८६८ (मार) लड्ड (ल्याह) इड (बमात) हितापः काल में ठें के वः (हितास अपने व में भारे and sq '[out]) rug (rug) ed dinin ण्ड (व्युडिसायपांच रे आ सताराद्य) लार्डाक (सब्भायार) मुलावत (मुलायत) बम्मिट् मत्त (लाक्षणं पाद शह्र (o आह) वक (या अं रेंगुट्स) सस्त्र ६ (या वं मक्स सक्तर्यक) विप्रति शक्त (विप्रवेष) त्यात्र कार्येष)॥ क द। कार्टमूर्यकार्डिति (कार्टमूर्यक्रमम्, व्यादि का अध्य) " व्याद्वा र क्षित्र (व्याद्वा के त) टमाम्मप्मप्ति (मानी पिटिन अठि) आमक) मिस्र १ (अका स आमक [अवर]) अहारि मर्नी-मः टामे पर (कार्म, प्रका उ वास मृः म सामी [सूर्याय]) वृत्वावम् विमा (बृत्वाव्येणणीण) अवं (अम (कर) म देश (प्र (देकाकं काइंदि आदिया)।।

on our (acri) ass (any) rensaram: (कार्यकताम) मद्राहिकम ब्राह्म- भावक हातानः वामी (वार्ड देसार्यमाधी, वार्डेड, हसाय हर्यांड) रू भारत अ अप कड़ : (कू भारत म अ अप व व्यवकार र्क्रमा) आर् काल कामार क्रांताम (100. (क्षत्र विश्व क्षाम्म दीवेष क्षिक्टि)।। १०। लडिके क्षाय-कक्ष्म (व्यक् द्रायमकक्षा-नानी), जूरे प्रशामक (अमरती (अरम कमर्व-की ज़ंबक), मूल्लेंब-मीलक्षी (ट्लोंब क नीय-कर्त) त्ये (अर्थ) मक्क त्रे (मबीम किल्मान-म्लल) अवटन (निस वटन) क्र वल्ल (क्रमड) सार क्य तिवार (कासाव मात प्रमा मंद मृष्टिला कार्रिक)।। २०१ कमा ([आहि] कत्व) कृत्वावत भूका-महिकागंड (इसावतिव सूरक्षामात) विश्व (विया म म् छ), व्यक्तिम म वियम - किटमा मर् (व्यक्तिम कल्ली विश्वम, कि टमा नक्ती), तारे नामार (तारेन क अग्रसम्) के (त्या) व्यम् हि मंद (व्यम्मेयपक) मूका (अछित्र भार्ष) (सत्य (स्मा कार्यर)॥

१०। रूलम्बन-स्वक्क्षाति (रूलाबान नवीन क्टिकें हान तिल्ल) सत्प्रांड-साडि-साडि- त्रामाना र (प्रत्यवंत क्षेत्रक्षेत्रं) धर्वे व स्वाला क्रिक-व्यवस्ति (भर्वे विद्यार काका म्राराटन व्य-स्थाने दुष्टायुक रंगे पर्यंत) धार्यका- के किया (क्षीया का किएक) भ आ (मिल्स कर्न)॥ २००। आचार्वेटांगः (चल्यंस्ट्रेस) ज्यार्कतार-चयवाद- रैग्र्यर मार्तात. (की मुधकानू मार्सिनी उ व्यो बालक्ष मकतम्) तवतव कुट्यु विश्वासः (तिक) तुकत कुट्यु विश्वन-My) CH (OLENE) DEG (DOCH (M) रायावालिव (शवसम् त्रवं नाम) मुने छ (Come 18814 2000)11 २०३। त्यरामाश्चित- छन्मम- देव नामार (तर-जिल्छ थिए अ छन्तां (मेळ व पक इंग्रेंक) में हिं न्याम् ७५ (मृष्टिक निवृष्ठ कार्नेमा) प्रनः (विकास) ल्या (ल्यक) ल्याद (ल्याक) द्राप्त का कित्नागिशिक (ब्रायम् व हिसमं कार्यिक सत्ते) मसमं (अर्वम क्वांग्रेंच), जम (अपट्व)

कर यम सार्व (जाया का का प्रमाण) के (का का 1813) (अवड्ममेम् लागावृद् लालक दं) मार्यमन (हिल्ड लाटक हिर्यास्य कार्ड (व) गल्पा(लपकड़) सर्वत्व मराका सवी एवं वसारक्षे (क अवसमर्वे व्याकास बी क के व बेस मामारं [18 विक पर्मा भारेर्य]), जाभीम् (जमास्त) उम्भम् (जाराक मन अक्ष) ह्लाबन (की ब्लाबन । विवाल मान वंग्रिमाट्य । व्या) र्य (प्य ब्लावल) टमान्ती (लान् क नी सहत) (को (त्या) माम (कं (मामक्रीमालक) तथ (अका कके)11 ३०५। ट्योमाट्यम् अयटमाट्या (मित्रामा) ध्य प्रत्मिक (मे क्ये मा नी) न नामि व व व द्या-सार्वेदीमार है की मार (श्रिमांग) क्या स ट्यावंस ुक्त्याव- यार्न्टिं अवस लाक्ष्मेश्वर [3]) अठ्य (अपटम् लाडम्मान् (कमर्वाविकार्व अटमाडिक) हिका सीमाध्ये वर् (हिका भी साधार । इसर) । इस्तिष् (क्षांत्र का केलिह्य = विकर् भाराया) श्रवस्ता : (निश स्तावम अवस्प्रमूर्थाया)

ममूक् अम मारिक- मरामाक मुलार (सरामाक ममूर्क अ काश्यम कार्य क (वेप ' [पर्यात]) अने वेर् (स्विम्यत अग्र) अ ब्यावं रे - निकासम - सम्म-व्यातकात (क्षीय्यायत निक्रकात देवाम कमर्यस्य असब रम्भा) जागरे न बिराखी (लग सक्य दिसर द्वामिमा । भिमार्घम)॥ >००। स्किस्वर (स्वर ट्रियर आयी) क्रियावान्छ ? (निका के लग न म म कि [क]) त्वेषकारिकः व्यवनारिकः मानिष्-मणीय छ सर् (अम समर्थ- तेषका मम्बन सटपानंत यन् रेपडियों) से का (क्राप का मुनं) ख्य अत् (जमत्त्व) अस् (अर्बस) असु क क्रिकेस: (विषि भ्रात्म क्रम्भभूष्ण), वर्ष एक : भ्रात्मका: (यायात्रम वर्षटमारम रापादंसा) यायान्द्रम् केवी: (मिनिस मिहिन ज्याकार केमलामा) मिकामकान-बसाः (तिक बसामका के विक्रा) भिक्षा मंत्रवमः दम्ब हाद्यक केसरः (लिवं) थिक थिक अर्थास्त्रेत-मैं अपतं अप्रंडरम आंड्रेंस्र) ें थाः (अड्र) किट्यादी: (केटला के आस्ति) किन्दी: (एडी-भने एक) साम बीरत कर)।। MARK SUB OF STANKED

>। क्य (त्यं व मात्रीयत्वं माद्री) क्राक्रेव (त्या म यक सामीनं) का प्रविकाक्ष्य के हिंच कहिं। (दिरकाडि जि १ क्ष्य में ब्रम्था हवे योगं सत्यं वेस) व्याद् रज्ञा-ममाखार (सूक्षाला कारिक सम्म) भीता क. । मुख्य - में स्था माण्येल - यह सरा द्यान - में त्या के अध्य द (छ्नारमं अस्मिम्बक्ष भीत्र काछात्रका स्पीर्य म्हन (य्र) वकार्य भी नमंद्रिक सर्भवंत के कि प्लाहर भारे एक), जीसमामालू हे त्या कर म- कमक माने-क्तानि विरिक्ष मुकार (म्रामान मामास्य देख्यम अमे उ माने मर्यूक वकारे किये मूका कल प्रवाप मिर्माह), मुका अव्यक्षिय तिया विष-मूम्ममाव् (मस माति मुकाममू (रेन गाम समा कि मानि माना कार्ने भारह)।। रा िशिन किरमाय-गान्ति-मस् सम्म सम्मण् (कुलान एका अधिरामक सत्ता नेस अपटकानक-में समाक) अदार्थन (बक्ताक्रमहावा) (आअमें शुर् (अमृष्यं करि एट्टिम) व्याजिकी मिन्निष् (द्राप्ताक

असम्बद्धार (शहरास्त काट्ट सर्पातंत मेरिकामत्र सन्द्रिक काट्रकार केम) काट्रकाहं मेरिकाए-अर् कत्र कार्न कार्न हर कार्ट (यात्र वार्ड छट) काकी सक्षी वं का बाबा स- वस मं महा- मिका रक्षमं का लाहा ह (लाम्मनीटर क्लाडाव में जैव डाव क्यांत प्रिं कम्य विवाल कविशिष्ट [अवर]) मिक् व्याक्ति-मूर्नक्यावि-करकल्ला- हाक छन्नी समान्ती १ (अर्गल जा ब प्रामं या विकास कर्री में क्या (र्य प्राम्य प्राम्य वि 1 एडा उस कार्ड कार्ड (०८०) 11 ा जी मिना में के मूटकारे जूस कव वर्ष (जी मार्क म सर्पर्य । भेक दी अं व है। वा व्राय व पात दर्भ मा केंद्र इरेट्टर), भारिती-ानीकिनामण् (भीनांची क दलाम्क) कपामार (कपाममूत्र) अमार् त्वीः (विषि मम्मम्मकाल क्षेत्रक र्युगाट्य) विष्ठि लमं केला- ८ सेर- विकास कान्त्री (वित क्री ने की ने ल्या के वर ट्रेंड व डिकारमं भावत) य वरका: त्यारिकाराष्ट्र-निर्माक्ष्य न अभिते क-टमालाई (विति निक कारि आम्हाना विमेनेगायन पकरि मश्राहलम् मश्राहलम् त्रोकार्यम् भीमानम

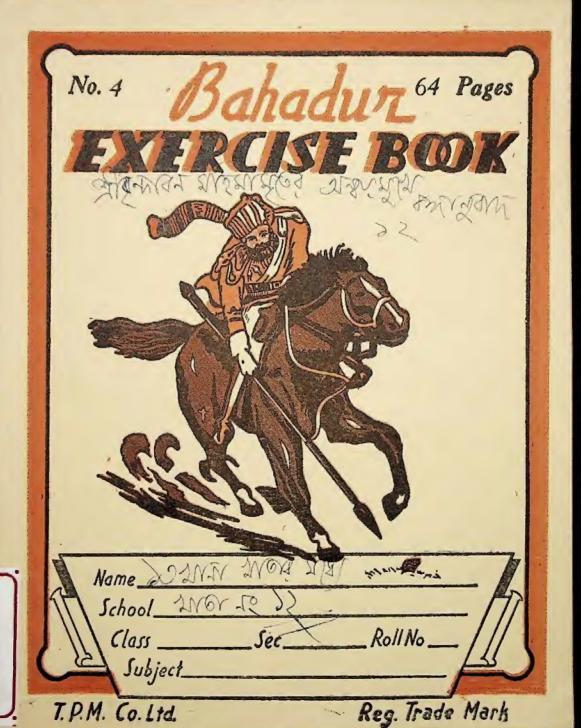
कार्एट्र [नवर]) हाक्छ छा छन- एन विभन छिन-र्का (सर्पारंस अवह व लाक्ष्य में के बिश्च संका) तिरहात् (अष्टम अरे) प्रात्म (श्वाम काव्यारहत)।। 81 िल्याम के से ज साम्मक (तक) रे मा वम केन्द्र-र् के का मिका (रिका अपने के के का शिका भारता म (gly sig " [mis]) mula (mous) sta-(कालेमामादं (कल विभी जाममूद्रं) प्रत्यो (मियम) दिन वाना त्यपिटारे (पिवाका जिव विश्ववर्ग पुक), मूटलेवतीत्में (लोव व नीसवर्त) ट्रिंग (ट्रिंग्रे) मानविष्मान (मिक मानविष्मानी (क) श्रायानि (क्षान कार्व)॥ व। क्नूमी में (कून्स न हान टप्ल) निल्ममपा-गम्ब्सिकर्वे (। विक लेगास कल्ल्ब्स्सार्यस्) मि कि क रके त्यान वियाम श्री (हिंद कि त्यान वियाम-नानी), तिलाविकिकारी (विकि।तिलकारी-मस्मन), मूटलोब-नीटमो (टलोब उ नीसवर्ष) क्षित्र मामान् (भ्रम् स्थाने में सिया के) डल (क्याय कर)।।

का िकार निर्धातिक के त्या (या के कार के के व. का की (मार्थ- स्वि सं का (हा प्रकेश (मृत्य क्रायम) ७। जिस्से] त्रार्मिति क्रिली (अन्त्रामान्य सिरा टिम्पेस्याची) अं अंश्वां क्रिसं श्वां कर MYLLED (Estation of an average (असरेटमर् अदाकाकायन में नेमोर्स्ट) रेमाश-मकी मटाएको (मकीकने (िवर्) वस्त्रमण आठी बेस्पायाल (यी में बेस्पत्य) स्था ्ची क्रिक्स कार्व) मठ वर (अस्त) संबंशि (क्राम का बेलिट) ॥ dI marcough 1 500 ([1213] to cour, ony अरमक्षा अविका) मिला वि- सर्वामितिः (ग्रामन स (वरे । मुंब के तिस का कड़का है व कर्स पाद का के किट्ट) थिक (काळायम्ब मानं व्यक्त- नामारं काडी मानु र (म्रायं काम्य कांच्यं क्राम काल्ममें निष्कास देवरानिक इरेक्टर), निष्णानमा दान-मार्क- मिक् ि (मिण धामका समादामं म्पराव लक्षित्रभा किकानेका भवं दुसमं इतं)

प्रिका करकरणांचकर (मित प्रिका किलानक राम विद्यान मात्र [नवर्]) अविमानत्राप्ति) (क ठरर् (कीर्यानमारे भेरमन अक्सान भीताद्वि), श्वी बन्न एए (तारे वीवा वावानरकरे) अर् (ज्यात) तिकाकाकारे : (अहर व न निक) अम्बामभवकार्य) छल (स्मा कानि)।। ०। इड (वर्) रेलावयातः (कार्यावात) अधानाः (अीना की वं) उप्यम् हत्र वसपत कता- उत्रवाकार्थ-वाम म् मा भार की दी विलाभ । अठ छार का दिया भारे-लीलाभंडिणः (नवटानेवत् नवीतकळ्लकता, व्यक्ति अलं विवागसान नव नव क्षा, क्षी, लका, विलाभ, अर्बु अल दामा, क्रिम करिक्र भीता उ विशेषकी मध्य [नवर]) मार्चिमार्वः त्यमनत्त्रेकः मूर्धा अप जिस्रा टार्स स्मान्न अ- त्या है: प्र देखाः (त्यायलसर में क्राथपक लक्षेत्रस (भ्यं त मीर्ज्य अवस्ति वे काष्ट्रधाना मार्क) सप (mini) the surie (123 Car) लगान (रवप कार्ने में हि)।।

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
4 Sikis 2 1 Tola. 5 Sikis 1 Kancha. 4 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks 2 1 Powab. 4 Powahs 1 Seer. 5 Seers 1 Paseri. 8 Pesaris or 40 Seers 2 1 Maund.	5 Chataks	36 Tanks # 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Seer. 4 Seers = 1 Payli. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kendi. 25 Pheras = 1 Muda. BOMBAY MEASURE OF LAND SURFACE	16 Drams 1 Ounce 16 Ounces 1 Pound 14 Pounds 1 Stone 2 Stones 1 Quarter. 4 Quarter 1 Hundred. weights 1 Ton. CAPACITY
JEWELLER'S WEIGHT 4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 6 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas	20 Dones = 1 Sali. BENGAL LINEAL MEASURE	30) Square Cubits 7 1 Kathl. 20 Kathis 7 1 Pand. 20 Pands 1 Bigha. 6 Bigahs 1 Rukeh. 20 Rukehs 1 Chahur.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quert. 4 Querta = 1 Gellon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quarter.
or } = 1 Tola or Bhari. INDIAN TIME	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Ditasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
60 Anupal = 1 Vipal 60 Vipal = 1 Pal 60 Pal = 1 Daen.	2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu. 24 Tasus = 1 Gaz.	12 Inches = 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard. 5 Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
7 Deen = 1 Hafta, 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee, 4 Koonkees = 1 Raik, 32 Raiks = 1 Maund.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Secr. 5 Secra = 1 Vis.	BRITISH MONEY
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	BENGAL PHYSICIAN'S WEIGHT	8 Via = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound. 2 Shillings = 1 Florin.
3 Pies = 1 Pice 2 Pice = 1 Half-	-4 Dhans = 1 Reti. 10 Retis = 1 Masha. 12 Mashan = 1 Tola.	MEASURE 8 Ollaks = 1 Paddi.	2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-crown. BRITISH MEASURE
6 Pies = 1 Half- anna. 4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna.	BENGAL CLOTH MEASURE	8 Paddis = I Markal. 5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garce.	OF LAND 144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd.
16 Annas = 1 Rupee. INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath.	UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	1210 Sq. Yds. = 1 Rood. 4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling. 1 Rupee = 1 Shilling	2 Haths = 1 Gaz. BENGAL MEASURE	20 Kachvansi = 1 Disvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvan = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME 60 Seconds = 1 Minute
13 Rupees & 6 Pence. 5 Annas = 1 Pound.	OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week.
CEYLON MONEY TABLE 100 Cents - 1 Rupee.	Cubits (or Gandes) = 1 Chetak. 16 Chetaks = 1 Katha. 20 Kathas = 1 Bigha.	9 Sarsi = 1 Marla, 20 Marias = 1 Kanal, 4 Kanals = 1 Bigha, 2 Bighas = 1 Ghuma.	12 Months = 1 Year. 365 Days = 1 Year. 366 Days = 1 Leap Year. 52 Weeks = 1 Year.
		And the last of th	



Long new no Melyo) म भास अस्त स्था न। कर्म (कत्र) कल्यांसे म प्रमक् कू छिण्य (प्रवेखाणात्व र्का कंड्र) रेमा क्षार्य हेना द (की के मा वाप व कारात) यस (लामान हिंड) दे एके: वं तमन मापार (क्यम वं तम क्रमतः [3]) नकता वास्त्र ई (तका ये सावास्त्र इंद्रांग) सीक्षारिक टार्स (सीक्षकं हिलाकर्षक), नामिण-पदवरमे वितित (रिपरंस क्रिकां विभा समाया [3]) सं ल यीया- मर्ने किंग- में सरा आ कंत्रिक्त (सं ले यीया " स्मिन कि सर्ग व मैक्सर त्यव्यिक अस्त) द्यानिकार्यः व्यक्तं व्यक्तं (क्यीयान्यमं स्थे व्यक्तं) व्यक्तिक दिवय (कार्य कर्ति १)।। >०। पि ८०)। कर छम् कर्म महाश्रित छन (कर्म अपूत्र ति। श्रेत खयत मन्छने ना नी), मरामार्क (अयम-आरक्षेत्रक्तत्र), मृत्या वतः (न्ती मृत्या वतः) ग्रम् छते-त्मा श्विष्यं विमा यव (ध्या भाग त्मा छने विहान म कवि ग्रे) प्रार (ज्यास्त्र) क्षेत्र (मिन्ह मेर्) श्वलक् तर्पर (तिल्यं प्रदेश अद्भाग अभाग कार्यान)॥ 5) जीत्रवृत्तावत (त्र भीवृत्तावत! [ana]) य वृ ं को दें। (प्रस्प विस्त को का का का का के कि (त्वासात्र) आनंपुर लामस् (आनंप्र पठ ड्यूगार्ट)

[128] वान् (कामानं यद्य कात्र कार्यमात) लक्षिकार क (लाक् मनं लाभस्त्रीनं) क्याद् मरंभाष नंत्र्वरं (क्याद (क्यार कामनाय कार्न कार्ड) " वर (लकला) (बर (यापे) प्र (ज्ञामे) मधा अभा स स्मा प्रका न त्या न त यस्वमर (अन्मिश्व माम्सम म्मान क्षामन्त्र डेसड धासम् इक्क) न यव न यव न (म दड) रेप ([जायम र्यास] न नगए) कि प्रांभ (अमा त्माम) आमसून १ (अवनसून) न आह (अरे) II र्श की कृष्ण कर किंगि (की कृष्ण करत व प्रमुख्य) धय क्रित अली (ट्याल्यन व कुर् अ ि उ) यासवान्त्री (लसवान्यानी [3]) वादाकिक-(त्यार्य): (त्या यं क्षकित्वं प्रतिकी भ्राष्ट्रें) कपानि (कमर्ड) डेक्ड्र सर्कार (एक्डर मनक रें किं) म देकार : (मिक्षा माड रंगमा)। २०। इन (अनं) चेक्। वर किने अव्य (मी बाक्र-क् (कव विपर्वत) अ व्यायत (युक्तवत !) व्यर् (व्याप्त) याम् (व्याभानं व्यक्त) दे क्रक्तः mensi (mount munery ery in) ong ch-कामिकः जाभः (भराज्यं कामिक ररे एकि)

अय (न र्यात) दें (वेंसिट्र) (स (muri अवप्र सम्बर (लाक्षां के (अ समात)॥ 28। लाश्यर्वे हेम- यक्षं क्षं येन दिन: (अवस्यार्वेत्-श्चिल विभवत देवनमान) वादा के क विभारमः (अर्थाश्वरक्षकं विभाम मध्यक्षणं) वस्ति छ-निक्यू. दी भी (भारत व निक्नू समान असकु उरे मार्ट , [यरेक्ष]) मुलारेबी (क्वीक्सायम वाधाक) प्रक्रिका: (लाइ एम का का मा मी कारहन) का ने वि (काम करवंस)। २०। वृत्तावन (बीयूक्तावन) क्राधा क्रियन पृष् (क्षेत्राक्षर काम भागमा रहे ए द्ववर्), दुलहार केन उठ् (कार् में के स्वत) में हं (रिंग) अविवे (अक्ट) " लममर (लमराम) " मीमर सर (अपरुभ पीत बन एक) कमर कूम ए (कि कार्ययत, [निश]) त त्वामि (क्यू व्यक्षिल मानिक हिना)।। > ० । व्यो बेस्सर पत (न्या केस वपद) स्थानिक केस ता (क्युनं करिंड र्धाय (प) लड़े र्थे मिट्ट (कार् दे दि सका म) " कार्क क्षेत्र पढ (कार्य मन BASSAN [0]) ong smu es courses (ong min क्रकार (प्रिष्म स्था मार्न कस्म)।।

> । सकार्यक्त्रमण्ड (स्मा कम् भ्वर्म निमम) म् ट्राम्याम (प्रमुख्यम लो ए अ गीम वर्म) क्रिक्ट यरा दुष्ट वी क्लाबर-राभवं-किल्लावं-शिमू नर् (अर्मेर्यावम विद्यावी अर्थ स अप्र कि सिलायं मामवं-मम्म) यम (कामान) आहे (हिडमार्का) नमर (विश्व कार्ने (एट्रिंग)।। > 1- 1 कथा (कटन [ouin]) दुम्म: (ट्यामं रम व्यक्त र्यंग), न्यारेनी- मिक्ट्रिने (क्यावतानं इन्द्रमम् (र) कल्ल किलिलास (कल्ल मीनाम मुहलता), करका भीता खाहिः (भूचर ७ रेष्प्रतीय-रापु वं प्रांत काष्ट्रियल्य) कि प्लाव में संभाई (किल्मान्यू मन (क) मिन्यार्थ (अर्था) क्लाए (पर्भन कविव ?)।।) के प (कट्ट [आर्थ]) क्रम्यत (अक्रिकाकत) अग मन (काराय छ आर्ड वाकामनाटम व् ररेगा) लक्त् विकेत् खलत् न्यमत् वा अलि (किंधा लस्त, अवस्तत, निका न्यस्त कि न्यास निक्राम कारण ३) भार ठरं या-राग्ने सीय लगा हि मार् (कमर्थ-हलस ट्रिनं भीय (अ) निष्टिनं ट्रिक्) अंड: (प्रमेट्रि) ENCY (CHECANES) 11

२०। इकिममा कारि ट्रायम (टकारि टकारि श्रास्त क द्रावतावा के स्राकं स्टापकंस) व टार्न कार्या सकर टाम्य कारम यवर (टाम्य क कारायम्) किसाम (अमुड) ब्रममम् किलाया **सम्भर**् (ब्रममं किटमा के में समादक) संबंद्य (म्रामा क्राप्त कर्तम क्रारातक) अमरनाः (अममें अप्त) असामे (जित्याक्ष्मित्री अकल्परे) अठाडि (क्षात्र (अने इ'न)॥ १)। (भारत रूकायत द्वारी (भारत म व्योचकायत) CH (munia) ला : (अमर्त) अमर (अन्याम) टसर्य बाहा बर्थक में बर्माः (सरप्तरं क्या बंग्हा-स्पर्वत्व) छा: त्मार्ग त्मार्ग-क्ष ष्टार्विनी ना: ((अप्रक्ष अनं म सर्धिन के ल काष्ट्र व स्थान) अप्रत (अप्रते 20क)।। ११। तिक् यह रीश्रीय (जीव्यायत क् क्रम्पर्य) आमार्गतरयमः भी क्ल-विलाम् (विकिय केलान, च्ची कंस व डियमम्मामी) व्यक्तर्र वं (अवस प्रत्यक) प्रमुक्त्रे प्रमुक्त कार्य шили соигодии) ил за ने (ours निकार कार्य नाड कक्ते।।

२७१ थार् (कामि) मुन्ताय तम (ब्नामत) प्रवृत्त्व वर्ग-स्कार काल-म्पिल संग्रमणा साग त्मे जाला जा : अभूत स्र्यं कायमके उ सर्कण स्ति भम् लासन गानं टम्प्रेस् न्यात्री [चर्ट]) (कादि वक्ताव्यात्याः (क्ली हत्यनं का छि। दि। मेर्) की मंदी भार्ष स्वीयम् न-क्समर्गः (का अवा करका में सक्समर्गित के) मुलीवा: (भूमीवन [७]) प्रभूष्ण व वरकाम भीगृथ-अभी: (अ अवसम्बं इं रामिक बर्भार्व) आंग्र लय मंद (यां सेवं अव क क्लंग [मूनरानं] भारो ६ (कार्ने मंड का अकाम क (वंत , [अरे]) मार्मिकारि (नामिन अमू भ) आत्री वृद्ध (म भी म रेक) एकामि (डगर कार्ने)।। 281 अव्योज कर्न दिवा भी खब प्रतर् (या रामा किया दक ७ भी जर्म दिक वसन अस्थित क विम्म दिराश्वम् द्रा न प्रद् त्वती दिशालिय अन्य छन न सम् छूड़ा -बिट्यामांडिक् (विका भूक्षालांडिक त्येनी अ दिका समं में में के कि टिलासिका लाम के व र र में हरू में [वर्]) जारे (क्षांक्वन - मियात्र प्रकट्यापाय क्यू नप-क लगर (ग्रेन प्रतरम कर्त जाद है उ एक वे वे प्रक्रमण

\$ 3" (we any colo "[out]) \$ we all (& weals) टम्डे न्यास हि आतं - हि के शिमें के (समूब क न्यास बन् (अर्थ प्रिक क्रिक्समें में अपने क्रिय करते)॥ रवा जल्म (जल्म ! [यंग्यान]) कि हि (का म मात) (आबर्कः (सिन्वर्भमते) मूषः (मिष्ठेव) लसेवं (लाक्ष्या क्ष्या) इस्वावका ले सेवं हैं: (डसेर स्वामुहादा अर्डि में कार्नमा) आर्च राष्ट्र ८० (विलाक ट्रायम कर्निक केन्छिट), क्राहिश्टिन म्राम) कार्वकी छात्रि त्या सर्कर् (मिन्सम र व्यक् हक्त जात्व (अमा कर्ने (छटि), कून कार्य (कार भूगत) डे मद- नकटमाभ करी- म्लार्प्रवर् (पदीय त्यालवंसपु-यम् समस्व ड्रमं द्रिमव विष्ठावं कविरुटिन [१४९]) क्मिहि (त्यम मात) अक्ष-क्ष विभाग (भार्य (क्षी के कि कि के सत्यंत विकास सर्कारं धावस्त क विकारित , [अरे]) ब्लाबन् (बीब्लाबन करे) अर (वर्ण वेशम्ली (निवह के कान कार्न)।। रत। याम् किस्य प्राक्षिक समारे (क्रांस्प रिकं अक्रिके (अभिक्मरेर मांशाक लाड कर्वि भम्भर्त) च सर्धातः ([नारा] च सर कर्षेण) तिकात्रेश्वः वंशेऽ (पिक दमदानि करलक्षा व मरमक्ष, [नवर]) इ हिमानम आया काणि कुल् (भाषा अ कि मानस्यम क्रमाट् क्षाति: अस्य (आस अरे) सिक सिका (लाश्त्र) र्यावंश्र (क्यरिकायत्य) क्यांस (का अमं अम्य क्षिक्टि)॥ 291 ध्यर् (धार्म) कवा (कट्य) अपनाटनु व्यक्त (अग्रेगट्ड ७) द्वीरेगर् (क्वीरलाक्त्र) प्रकं पिर (प्रकं) म विव्रम्म (म कार्यम) ज्याने भार्म (भी मारी क मनं ररेट विम्म ररेमा) कु व्याव (काम) मडक्-जटम (डेउम क्लाक उमर्याल) निषक (डेलटमम. अंत्र) सम्भेड (लक्षिल प्रमंत्र) सिम्म मेडे प्र के असर (कार जिलेशस धल कर्षिक कार्डि) टमक प्रधालास (टलाक अर्भण) ट्रामी (ट्रामी [146] मिन्नार (अर्था) टक्की रेस (यन्तीन गाम) अन्तरमहः (मार्के ड्रां) विपार कार्य (जूने व्यालका नी हाडाव) शका त्वानित (जीग्रिय के कीग्रास्त्र की मुलायता) नियएमानि (यम काइंच १)।।

१५। [भिन्ने] इतिकादार्गाविक कुलिडिः (भीम न स्टु र्मालयं द्रावा त अवस म्यार्या) काममन् कारे : (कारे कामर्वत्), प्रमप-विराजेम् कारी: मरी: ह (क्लंक कं कारि-POUL [0]) BBURG: (BBURY &) Congg: P (क्लीड प्रमुखादक) विर्वेचि (छिवक्रायं कटनत) हम्म भारता असूरि : (हम्म अ भारता अहि) हिमारें : (हिमाम) पिरेंग्ड : (पिन) क्लि: (वक्षांत्रिया) वृष् (आहे वृष् [भन्द]) कुन्ति व मिरा जिस्वा (कुन्ति एवम सर्वा सम्पत्त (ल सन्द्रम्यान्स) , वा वा वित्रवं वारी (की ना ना न कर कार्य कार्य) सी मार (हम मुक उका (एक के) डाल्याक कर दुर्ग (एक रामक द्रायां) धानुत्व (धान्माला) आकर्षनुत्र सम् (विकिन कैल के में सिंब सामा) विवंह मंग् (विक्षानं करंग) में के वादिः (मित्र वाटमाना) । ए। वा प्राचा (पि क पिक) कू यम ए (अभी (तीम कप्रम शाब) मस्मी सम्म (अक्टी क द्रम [नवर])

पर्यायव: (अम्बियायकावा) व बर्द्रेस्य-म्म म के कार् देव कर्त (दिश्वमक त्यम म्म-अल्डांबा लचके व करंबन) वास्ता प्र (क्यांक्रंब आहिए) इतः (तिव्हन) मृत्यावत (मृत्यानता) ल्या (वस्त्रें के अध्या ((अर्थ क्या के कर्) (स (ourse) कार्य: (कार क्ये)11 ००। कर्त (िलाध्रे किए) अंबर अंबर अंबर (अवस्थित) उत्य (क्ष्य भूत्रम्त) की बत्र पूजा की एवं निकुल्यू (अपन्त्रेमालक स्मुक्त किंदिक) विस्म (अदम्म) विष्ये कर यामें (दिल्य मीयाममिंड के श्वर) जुनमान रेय क्रममान (मर्जा ताक्रमा इंद्र) म्याहिम (म्यह सं क्याह:) स्वर (अयाग्र), अस्मार्य (असामान्य जीषाम) शिक से अ प्रत्य है के (आड़े। से के से अस अस 3 क्रम क्रम [नवर]) कि विस् (विका कार्य) कामर् अस । भयम (अहम अविभारते क्रियान कार्येम) न्युर्यपाष्ट्राल्य (न्युर्यप्य) क्र क्षार नद लायमम् (क्ष्वल्प याम कार्ना) सूत्री मार् (सूती रवेच १)।।

७१। जीलाक्ष्यां वायक (क मीश्रादावसर्ग!) मूम्री-या दिक मार्थित (का अभार में में में हराए में केसी Cure dis (०८६) काडा डे छ- सकतंत्राहित्ताव-३ कि के दा वे (ब्यु माना माना कर्म कर्म सामा वंश्यर श्रेम भिष्य स्ति व्यास्य सं स्थादिता असी करिया (इस) , ट्रायमार वर्ष (तिरिष्र) अप्रें चे हिंग भिया (अप्रें भर का दिं मम्ब्रुक्ष भावा बिहिन हुए। निकान कार्यमा Prices [765]) Radigirled ma (overvie वार काल व्यक्त वाकित प्रकार दे विदि । [आयति]) प्रम (प्रम) मुकायति (मुकायति) ट्र (कास्पक्) अप (क्रवटमं) मील (विश्व कक्ष्म)।। ०८। मच (एमम्पत) हमं एम्बरी सम्मार मः (एम्ब उ नीत त्मार्डिसम् विस्रयम्मात्व) अकार्य (अर्थाणं) भूतका वती (भूतक बाम्म) , प्रामुगः (त्र प्रत्यात्व) लक्ष्याः (क्ष्ण्याक्षिता) व दिल्य मन् (मालाम असमारि), अपनारिक्टे नर् (अपन अ द्विन अमन), से इ: स्राप्त (अवती के दुष राम) [व बढ़]) म्य हैंगः (भवसीव) व भाठी मार् (मन्य स्वासव

हिमीसरा) भेटक (अक्रा कार्व) (त्रीम् (यक्रा कार्व) (त्रीम् (यक्रा कार्व)

००। मी अहिका के कार्यः (मी येच्य व मी किंक के) मी मे म-हिस्तिका का नव : (की मू भ हत्सन का छि अवाय र छे क्या म-८२०) व्ययदेव: हत्यः दे भी छर् देव (माराव भाषी) लय ह सक्या ह वंद (त्र विधानं इनं) विसाक्या स्था हित्यमार्ष्ट्र हवं (यासन हिसम स्ववं बक्र सलाम -सायद (समवं रम समत वंद्र गेर्ट) में विसंस्थान्त ([गिष्ठ] मानं वंस्तनं त्य्यत्व) श्यदकावं वः (१ मर कार्युका माना) अयुष्यात (अयुष्यान प्रकार्यक) लाइ के का न्यं (लाइ आने प्रमंश्ल का का स्य कर्ष्य [अवर भिनि]) प्रविभन् पर (प्रविष्डम वस , किलामे] [(अरे]) की ब्रम्सिय १ वव (अरे ब्रम्सिय की प्रास्त्रे) यक्षिकः ([लास] सम्यक्ति थः स्टेर इर्मा.) GCA (छम्म किन)।।

081 कड़ (क्यान) दूर (चल्लान) आर्य मार्ड मार्डर (तिस्म मकामारी के) वार्क म्ला ७४० (धार् कामा) [मका के क (स्थित प्रेम) ए छ) खाड (ए छ), मार्ममार (मार्ममा ममा) आके माडा आर [WLMY [725]) 24 your 72 (22 yells 67) इंड्राम्ट्र (त्या इ कु क्लिंड) य छ। यर (मक्षत) यात्र (लिय अठ वर्षमा) मा (तिरावन) म्यूरिन: कार्म (यूर्कि अस्टाक) प आहे के का का (आहे को आ पा का हु में के कि (धार) काक ह यह (कार्य भारत) असंस्थर स्थार मार्थ (क्यास अवं स्प्रमासक) क्यार्व प्राच पर (व्यीकुमाव(क) ज्याव आपि (वाभ कार्ज्य १) ।।

००। क्टा (क्टा) क्ट्रि (क्टा) क्रेंच मंद्रामा अरास्ट्रिश्च-रेशिक) अने स्थि के प् लक्ष्माः (लक्ष्माय क्षां) र्यायप प्रमुद्ध (र्यायप-स्प्रमें द्वेष) अर्थे अर्थे (अर्थ क्षां क्ष्में क्षियं क्षेत्रक अपूर्य प्रमु (विक्रमाय क्ष्ये क्षां क्ष्में क्ष्में क्ष्में ००। क्ष्म (लियाम्] क्ष्य) लक्ष्म्य: (प्राक्षेक्ष्य लाव) रामा भाषाः (जीयं कार्य कार्यमार्भ वं त्या विभाम The syla [oung]) on son a sour (प्रकृषि अ अकृष्णिमाना) विन्याभारतः अवमन् (ति किन बसर मूक्त कार्वर १)।। ०१। मराख्नेमविख्यः कः ज्या (अव्याख्यमविख्य (कात डाल वात्) कदा जली (कमा उ) भूतकाकिए: (प्राच्याक्षेड) व हाहि (क अप ३) स्वर्म क्रम्बानं: (लक्क हा केंग्रेड) व स्पाहर (क्रम् व का) ल्याल-गर्गदाक्षव्याठ वासा वितः (क्रम् (काळ्मन मर्भरकारं व्याचार्य मामक्ष्यमं) क्या लाला (क्या) किलो (क्षिका । यित्रेम (न् किंठ), ध्य (वर) कदा धार्म (क्या उस) भू हर न् नड : (मेक्नास्त उन्मा) रेप्यम (प (रेप्यक प्रमान (विष्यंते कत्यत)॥ ७ । धन ह कि वस त्या सामन- प्रमा डाम गृर् (भारादिक मर्भाषा अमु कृषि उकम्भीक अवार्षे कर्त) " शिमः अमृग्यामुक् (म्प्रां अवस्थ अप्रेमिश्वर रिट्टात अधिव व्यक्ति । अड भारमा की ए (अमड उ अ अम) अमड ममना निर्दिश (यत इस्रामात्र [प्रामा]) में हिं तर (मिस मे उन्तिम्हित [नवरं]) अमतत्म्यम् (म्प्रानं अमत (भोग्त विमामसान [वर्ममा) किसास (विचि) (आनंत्रीय र (आमं व या अ मार्व सर: (while ? मं) इलावत (ब्लाबत) देए विकालक इरे ग्राप्टन)।। ००। मप्तामिकी (धारमम हेमरम) स्मारे म: (टकारिटकारि) रखपाठ: यठ्ट (रख्या रहेक), प्रकल द्वन पारी (निभिन अभा ७ पार्क) बाहि: (कार्य ने) लक्ष्याम् । लक्ष्याम रहक) न मंक्ष्र (माछ छ-यार कारि: (अनम्कानीन अह कारि शूर्यम्) द्रमंद (द्रमं इद्रक्) वि व्याल (क्रमान [क्याम]) व्याकात्रत् (अव्यावत् विषे) छक् १ (छाम कार्येख) न अनु केटम (अमर्थ इरे दम)।। ८०। च्या : (डिल्झ. बस्यम्) दुर रेको (मन मन र्षां में) आए में (त्र अप कंक) ' लस (लाम) विकिटिकाः (हनके के) असमम्पाः (असमम्पन) मना (म्र्लाम कक्क) मान्हिक्टिमा: (मान्हिक्टिमा) ्यामाः श्रः (त्याममभी (प्रव लाक्त प उद्देक) छछ : रेष : (रेष्ठुष्ठ:) अटर्न नव (अक्त्रिर) थार्के दूः अर्

म्यू (लाक्सम् भीट्रासम् कक्त) व (कार) क्ष केंद्र केंद्र अविले असा : (कें सुर के का-यायक अवि कामर्यानं इद्रक [क्रिये] अविवस्तात-(का के कि कर्म के कार्य) लाकी में हिया : लाम (काक्यांते) स्प्राम्बेह्द : (भेरहीय लाकराते) कार्य मिनेह्द : (भेरहीय लाकराते) द्राम् द्रमम् इद्रम १ वर कार्य (व्यान [कार्य]) व्यारेबीठ: क्वीब्यावन इरेख) याए न दि भामि (अपकाम उ विहानिज श्रेयमा)।। 821 सिमाः (स्राप्तिकं) येमर्भ पत्र एत्या (येम-मलित ना कार्यमा), क्राहिं (क्रमत्) विधामें : इ वह सहितको (विक्रां) चाक्तं सहित दाक्तासल मा कार्नेन) लान् रेष्ट्रार याते क्षार भूत लाने भूतः (कर वार्धात । शिक्षाम कार्ने ति अप्राम निकरि) ट्रियमात्रे म बाला ह (तिल प्राक्षेत्र) वर्षम मार्थमां) DOLES (Call 284) ound (ound) y outed क् क्याहरे क्यम र क्यम्बर (अक्य विवरं ल्या अ खेळीस र्जिंड्ड) दिल्या प्र द पर्व (काम मिस्तिंत एमकसभी पा र्युमा) ममापादकः (मामा अपक प्रस्ता टक्ट्र) अपकः है : (अपकः दर्मा)

अग्रिका अम्बर्याम् के: (क्रीक्षिम अम्बर्भ मास्त मित्रमार्थातं) व्या (अरे) ब्रमायान (क्षीर्मायान) र्य (याम करं)।। १ र । क्या (टम अपत्र) तिलाक्ष्माम अमार्च प्री र्च रे (प्रिक्र लाक्त्र मनं लयह मार्ने एवं का का मार्थ) अम्बाल्यो के की (प्रिक के की बार्ज किंश शाम) व्यास्त (इरिमार्ट), जद समीक्षाकरं मानमं-क्रिनी क्षी प्रदेश किए क्षित्र मिक्र कार्मीन कम्म काल भारा अलड्ड कार्र) इम्सवन (अर्बन्स-यम टकर [क्याम]) म अत्तर (क्याम मार्थकाह)॥ 801 समस्तर सम्भात्र- विका नि दिका सिगाई दी लि (स्थाटे त्र आ ने कि त्र अ स ने त्र कि हो सर्भाम के के दी अस्ति) रेम् (यरे) हकारेबी (यो हका बन) जगारि (विवास कानिएएन), उस यव (उपमानने धार्या) अमामा क कर्म (कर्मी (मिक) कन्म भीमायक) ट्या के कार टिल्स (ट्याप के क कार सवस्) व्या क क्या द्या (कि टिला व में म म कि) व्यक्त में (व्यक्तमं कार्न विष्ट)।। 88। इलारेकार (अक्लिक्त) क्काटबममार्चिमीया (क्षेक् किं किंत स्वामिन्न के अस्ता का अस्ता)

स्त लाम (त्यात तक) हिता किल्लाकी (हिता किल्लाकी) मिना भेका भने लाले वाकंटमिन मिकू ट्रासि: (स्टाइस । श्रेश में द्वापंत आंत त्यां त्यां मर्ने द्वं काडिकाल केल धरा मामावंद क्षेत्राष्ट्राका) क्ति, विकास (विद्यालन) मुक्कारी (भागित कार्डमा) था माड (कं श्रामं दुरे कत् प्रिक्र काबिक्टिम)।। १६। र्याद्याष: (क्युर्यात्यं लक्षेत्र (व) लक्ष्माक्ष्मक्रम (लप्ड लक्षाव) क्ष्मप्रका-श्रापी वंग्राकी राष्ट्र क्लिंगार्थः (विक्रा अवस द्यातिनं चेक्ष्यकं म हिमां से के क्यादः साक्षित्रक (काराष्ट्रः भर्षेत्रे) टाम्नेनारक (Cura a munay) and (am pound) किल्लान् (किल्लान), प्रानम्बर् (प्राम. मुलाम (क) वाला) (पली कर)।। ८७। [मिनि] नकिकालं क्राविष्ट: (अपि क्रालंब काहिषाना) आर्मन (वेठ० (निमिन (वेड्यमक) आक्रममा ही (अरक्रममा सूर्यक) मिक सीमा कमाहि: (पिक बिलास कला काना) कर काली (काम विकिन) साईटाएक (कार्नेत्र कार्ज) मेर्नी (सानेत्र कारेलिटिय [त्वर ग्रायं]) कामश्राम् विकय-अर्र लोका के बानि (एड का कर कर्र ए एर ना रूक (अस विश्वमाजा अकाल कार् (वर्ष विश्वमा)) का लाज (क्याप नक) सरास्कार्यान् (परेत-के अ रही (किल्प्से) के स्परंत्र) (ब्लावत) विसम्बि (बिलाम कर्द्रत)। 801 क्यामस्त- अत्यस्य त्याः (क्यान्यन आर अम मैंग(यरं) र्यमान्य स्थायन हि (यात्र क्रिंत पालितं खर्म) वर्षाः (जम् विभ्रेष का किल्मने) यह (टम) मार्चन व् (СП आस्य द अ СРМ Ф (वं प) , Ма (वा विकास) naped gar golden after or deline सार्वेद्धः (लास्तवं प्रतं च्रकः) देववः (लर्यव् (अप्त न कार्या कार कार कार के के प्रमाण की का आक्र कि रममा), जमार (अठ प्रव [am म]) आयः (अम्बर) मार्ट (अमया) मूड्डी (अर्गेमाम) । मिलिंड: (मिलमीम) म (अभम) बालि : (बलामीमा [मात्रा रे रतेना कत])

द्यात) रेपारंपार (त्युरे प्रावय एक्ट्र) से अवंप्र (९३२ ला अंग साल) लाम (लावप्रति कार्ने छाड़)।। 86/ व्याकात्त (व्यीव्यावत) (प्र (क्रामन) म् टन्ड क्रीमार् पूर्वीमार् ह क्वारि: (क्वारे क्वारि: मैं से ' क्याद क्याद टैनी है [नवड़]) क्या के न पूर्वाम नामा (त्यारिः (त्यान्य व वामा विषय टकारि टकरि मूर्यममात्र) का प्रद प्रमु (NCNO2 24 CM BYN 28 26 1 [446]) अविश्वासायः (श्वीवादावं) मामसायं (मनिर्देश) विभ्रुष्ट् भाष्य (विभावने का यह है।। 801 देमीन मर्माणं अलिय-न दे र्याकरी-भीना (मिनि अलं ममूर्य व मतान्म डमी उ हकन क्य (क्या या वर्ष) मान लमक्व (मिनंदन) द्रामाल दिः (आविक्ष) म्बीए। मेडमाई वी छि: (मूमर्न समक्र मृद्राका (नाकि) थक द्यः (कार्विश्व) ल्यम् क्यादं : (जनावेत्रीम कामत्यल) अविवयर

(अनू अं) कि लाने विकास उत्रः (क्रमरम विकास छ मान बारंग्य ताम विक उद्गा) क : लाख (त्याम नक) मास- किलावक: (न्यास्वर्ग किलावं) कार्यक्यः (क्रिक्टिश्वम सार्व) मुक्तायत (क्रुकायत) जामार्ज (जमने कार्यकार्य)।। 601 अर्ड कार्म: (अअध्यय्वे में ते अप्यात् (टिंग लक्ष्रीम (म्यू) र पर दरं (त्र के के के यन्म) । ति ह हाबा: (तिमर्सेत्रं हाक) र मा व्याका: (त्य क्रिक्य वाक्ष्र) माः ह त्यां कां क्रिंगे: (त्यांच क्यांच त्य अक्ष द्यां - [नवं]) माः मिक कत्राह्मार- भावभावताः (मिक्क द्वा व्याक्षान्क (म प्रायम् सकार) ' ता: (वरममेनमंद्र) य: (लासात्य) लात (१९ व्यक्तात्म) में मं के (मारंग वर्षा रहेर्ट)।। as (आवं का अमार्ने कः प्रवर्भ के ल पात्र केंग्रे की (त्योव उ नाम्मवर्ग विदिन स्वीत वर्म म्म क्षेत्र उ नायमे भारते), ब्राह्मते (ब्राह्मते) अरग-म प्रामा की मानियादो (अक्षामा कल्लीर्यान डेम्प्य नी ना विमा स्व) न वूर्न ट्रिम्प्य व मार्निश

a>) ट्यांच क्यामारिक-प्रवट्णं- सं अः आवश्रे का क्या (याराति वर्ष टार्म क नामम, यारावा विकिय नवीत इत्रें भारम् सेल व पार एवं सर्व अर्थ अर्थ) रूपांत्री ([यंत्रया] रूपायत) प्ररणप्रतामा । नीमाविशासी (अकायमूनक कम्पर्वाम टेम्प्रम भी आवि आरि मिवं व मेर्डमार्टिम [नदर ग्रायान]) व्यवं क्षमं राक्षतं (टिप्य) मिकास्त्रम् (कार् क्षि) किल्ला (किल्लानं मेंग्रें) टारा रे वर्षे सर्वि (लप्यामक लम्बमकारं में महें) (१ वास (इस्ते (अप्त) अर्ग् (बंद्राई (लाटी ख्या कर्त्य)।। ७ र। लड्ड (लट्टा;) मच (टमस्यत्य) भारत्यात्य में (स्थिश्य व स्थिक कर्ता) व्यक्षां (व्यक्षां द स्थार-ब्रं) कृत्त कृत्त (कृत्त कृत्य) विश्व : (विशव करवंत) मन (त्यम्यति) र्ष्म र्षम (त्याक र्या.) धरमस्यासम्बर्ध (अयंस-पिका सोव ड मानी भूका प्रमूप) विनमि (माडा नार्यावत्र) में व्याल विका (नि १६ त्यस्ता] व्याक में क्या) मो स्थाया में क्या मर्द (लर्म क्या मर्म स्था अव्यव

माद्र डड्मा) सर्माभी के व त्र सं के य व (व त्र मं प्रक रम मण कारिएट । [र्मि]) यार (यह) ७९ (व्ये) र्यायम् (अर्थमायम्) म यव द्याम (प्रया भा करं) [जारा रहेल]) जब (रामान) लमापि (बमायहि) प्रदर् (अक्षार्य) त्याचर (मिय्हम)।। ७०। आक्राक्षाक्षेत्र (अक्षक्षक क्षाक्षिक्षक) क्षेत्र-हित्वमध्य (विश्वक त्रेजम्बाविश्वर), भावत (अन्स्वावत) राश्चरं वीमावत् (त्मर्कावत्रक्राम) अकार्तः (प्रिक प्रिकार्तिन अर्थ) अञ्चलक्ष अर्थि (मक्ष वं इं । उ विभिन्न तिने व मार् (विभूमाय का क्षेत्र तथे) , प्रवीप्रवः (प्रचारमा मर्युमानी) कामभा वा (कालम्य [एपम्सत]) कर्य प्रवाह (कर्म पाह) प्रवार । अप एक (त्या अष् जि अभारत्य कमा आम कि निस्त ?) मृष् (त्र भूष् बन! [ब्राम]) जासन, (त्मरे-र्यायत्यं काक) कर्वार रेक्ट्रि (स्मिन्स्रीय) प केंक (आस्त्र शरंदिया [अंदे]) किस्त्र (स्मिन्न्यकारं) प्रकार क्रा (ब्रायम सर्वाय हिवकात सम कवं)॥

ast car. (a. zimit € 81 लडंड (लाउंगः) CA: (= यामां) प्रडंडियूरी-में भु शक्षेत्र मातः (विष्य] त्र वं भाव एका एक कार् रीन कार्न कार लाम) , कार्म प्रदेशको (कार्य मन अल्यास्य) काक्ष कृष्टि: (मिला काम), मध्यापे (अस्त्रम् क) अभागार्डः (विभाविकान), क्रामकृत्म (यहीत्राक) अअभिक्तः (अअभिकाय) र के न मीह (अरे कूरामें एरस्क) राज्या छात्रा क्षेत्र हिं : (निक्र न क्या अव कात), का नवा- अद्भारं रवी (कर मणंदक) मर्वाकः (मर्काम [यवर]) प्रविष्टाम प्राम याभीन (मर्टाक्स (यग्र भर्य अकारन देउ म रूरे स्म उ निला अकि निगर्क) प्रकार प्रकार प्राव : (कार्यमं लक्त स्था कार्जा) के लाख (क्या प्रकट्ते) न अमरी: (अअवायक म रूरे मा) कुमारत विके (इलायत राभ कर)॥ वटा या : (त्य सात) अी न किन खी अमरी न मिना छ (क्षी का क्षीत्रभीव मन भरिका), रेम् (अर्क्ष) मान् (म्या) ल्यास्त्र), (ल्यास्य मं स्थाने) लास (त द स्थाप)

कार्यम भेत्रक) मध्या हाम : (अध्या प्रमाण क्रिस्म हिः (क्य म्यानिधाना) त्रम्यिक कस्याम (अविनेत्र धान्ने कार्मे) लक्षियाप्र शास्त्र (लक्षिय शास्त्राञ्चे) रहें के कि (अमेश शर्म) लाक्ष्य (कि सर्व) रासा. अरास व मार (म्यानाम आर अम में या) भारे (क्षा के प्-मूर्य) तिक व त्रम भाषी (अर्थन क्षेत्रानं भाष्ट्रभाष क बिर्ट क बिर्ट) रू लाय माह: (जी यूला यह) दि तिनाला (एका अस) गरम (मायम कर)। वणा राम् रामे (यारा!) विष् जात (विकाल्म) व्यक्षित् (अरे) कूरम्य (कूरमिड प्रियं क्राड) ममन् मूळ (द्रमण जाल कर), नि हिक्स मार प्रत्यं (का क्रिक्स में के सम्मार्ग में मर्मार्ग) बंगंड विस्थिति (अरमल अमू उन कन), कमक- मर्द्र लम् (क्रा मिनी का का प्र सम्स्य) र कं कः व्यक्तः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः वर्षः लाम कर) भ्रमाय सार्म (स्रम ७ लाम स्क) विष्माविष-प्रवीप्रावं वर्ष (प्रभाक्षा जी व विष उ दुक्त मैसार्वेचा) ससा (स्थाप श्रांता) संदो रंथ ! (लक्षित) अस्मैं अई (अस् अकान मैं अ) आदी (स्मीत (सर) कर्षित कर्षित) लासुन (पर्)

र्मात्र (क्युर्माद्व) काक्ष्रक स्मांद (काक्ष्रां लर्षे बाद्यमं आर्व) का संस् (कावन्त्र कर्षे)।। एन। याक्रियाकी प्राचित लारे (चिनि निक्रिस भार्य) उ मार्टित असूर् क बक्त कि का निर्मे का नारिक वाप्तर् (कामापिकनिष्डम अविश्वम्थ्यक) निर्वयायम्). दिस्ते (आल में प्रें काश्यां मह यां में मिया है. वासलमंड ([थुरमत्ये] खिवासक्षामा युर्ध्य क दि मा (२ न , [व नर]) प्रकल की अप यं एवं धार (तिसिन डेलिनियदममूद १२एउ) थाछ) उम्रस् (कार्व मेटन) मिलाइक्ट (अमाम मार्य ट्वाहन), मार्डिय एसम् दामार्थि-। दिवा वन मारे हु एम स्ति । (विहिन ट्रिय एवं भेम पिका वन काम मतेन छ हरासी ने सक्त के हुल कात बन रकते [क्राम]) ष्टिस (क्षाप कर्व)।। ए । प्रश्वी छ। य- तिक श्र छ। य- प्रश्ना गान्धरे- किल्पा न क० (भेराश निक कडावाभिक भूममडाव ७ कडावम्मड लकामहत् क्यांच मणां) व्या रे या रे प्राय (त्युरे सा र प्र प्रकासीया अकास कार्यां,) शिम : जातम् विभ: मीबत् (भव्यव जातम् अ वीवत

मकारं मध्य [जयरं]) मिमः (अवस्तवं) वात्रात्यानम् ग्रंड (नकाळाळाथ्यत क्ष्रमंत्यं) श्रेशक्रियं मंग्र वर्षः-मक्रम (नियं हम अयम कन्निकं रवरन क लात्मामुक इम्रेटिट्य , [लाम्]) मम्बामान इ (प्रमुवानं भीवप्रकांचल [त्यम्]) टम्प्राप्यवाकं (ट्रिंग उ रीम विस्त) सर: (ट्रापार्ट रेंग ट्रिंग) हमामि (हमन कार्न)॥ ००। नवकनक मूटलो न्तील इप्रकर्म्तील० (पदीय मैं वस्तं गानं मार्टियां त संकल्ताम्साम्बं मामं देवस मीलवर्) म नाम्बाल्यमं निमाण्ड् (न दीन धान वान त्र ह है भार कम्म भी हिंड) हेर्न का एक जी यह (सत्येस देलान मीमा सर्था) असु ७० (विकित) , का क्रिय । प्रिम् मण् (म सीम म्मन मिक्ट [कार्स]) द्यारी (स्मा कार्स)।। ७०। अव्यव्य महाकिक- वृक्षवमध्यि (अव्य व्यम् मित्र भू साम्यक्ष की मुल्ला वत) नय (रूप- मर्द्राय-मील छाटमाः (मबीत भूबर उरे व्यतील मार्न गार कारियाती) कटमान्हि (टक्पत्र) मिया-ष्टिलाइ टमा: (प्रिक क्टला व- मॅम (प्रेक)

न्य प्रदाविताम छाल्याने (जाउन कलार्जा विलाभ-रामीत राक्ताममूर) स्वं (क्षात कर)।। ७)। क्यायम्बार (की क्यावत) स्यमकारि-नाम (मिठा तूलत काली मामाम) डेकामा आ (oren's gara) some is (or it a till us) टम्बेयामा में करेष्ट (टम्बे व प्रायम् । काष्ट्र अग्रिकाती) व्यक्तिस्य (अवस्यस्य) वर हमंद पुठाक्ष्यांचंद (प्रका क्ष्यांच मर्हेक टमन में भाष इस्टर्) सस (काराके) थिकार (हिन्द्र) (स्र क्ट्र पह (ट्रिस (भारत इंटेन)।। तर। कांत्रवस्मारिय के व्याक्षिक द्रियं अति व कारि अयात्र नि श्रिम हिस्टिम आने भूने करिएट), क्यायम वम विश्वत् (प्रामा क्याव (मक्रम न्त्रम् ध्र कार्य विश्वत) व करक प्रस्का प्र (ध्राप्तम् कारि भूगते उ मन्कल धारे न नाम अम्बद्धा [यद मात्राया) असा किलाय (तिछ) सम (spenderun alejpe ! [3 gam]) Eric लाकामिक सर : (काकामिक कामाविष्में) ट्रम (कामान) तिट्यम् अस (धारमार्क) 262)।।

००। मडे दूमर् (यद टम) स्मार्थर् (अध्यास प्रायंस) व्यावत् (क्षीय्यावत वाद्य), व्यव (वरे म्हारत्ये) मर्गनम्बरमा (प्रक्रिकानं लगम(ल न वरमा) देश (वरे म्यात) सक्त (अभ्नेत्र वर्भा ९ (अर्वा (अरमन दरमा), अय (परेम्पासन) भी भी मार् (भी के बा मिन) मून्यमार् (अन्ध न्यमा) कार्यम, (अरे म्यानरे) असम्मा (अभिन्न) अवर इंद्रमार (मन्म इंद्रमा) वाय (न मार्य) लाशिम्स (लास्म बाम्ब) च्यम (च्यम) व्यास्त् (अभाग्ये) सदम्भ (कमालव) ववर् 32x) (33x 3xx) [200]) Was (22mak) त्येपकी-मूब्रमा १ (विपक्ताणान अयम व्यम त्रा [म्प्रमं] त्राक्षेत्रः (त्राक्षक स्टूस्त) । व्रिमं विष्ये विष्ये विष्ये विष्ये विष्ये विष्ये विष्ये विषये काम्मणक-व्रम्मत्र (कामव्टमव् यन विष्रकृत्न) कीमा नुमायम् अम् (कीम्मायत) भमा म (अक्षा) मार्किक (अयमभासम्बद्ध) मुद्रे : (lasia aca y [Topac)) and one (con a) दिक्षत- क्या किलाव में में मा (क्य मार्से किलाव

रंस (पतं) विभाः स्थार्थेश धंकता स्थान भद्यि -Curaminan: (Tay and a dain (म्प्र ३ सक्ष्य स्त्रम् माममून्य मह त्या प्र मारं आतं व स्प्रेयम् आरं विस्) का ही: (भादेगाम् र) लड: (स्परंग) कारक्याम (हेल नाम्न कार्व्टि)॥ त ए। लहें (तर्) क्रीर्यावंश्रं (क्रीर्यावय) ' ध्यांच्यामारं (प्लंड क माम वर्ष), अकार्यक (अकत्यार), वर (भरे) हमं व हास लाम ह ((क्रानिह में) व व व्याप्यमाः लाम ह (त्यर द्राडात्यं जिम्मणीयप्र) क्यालियान धवसद्यरं (त्यम से अ अरंग वं त्यं) विमाह (त्याक्रम्य करं मने (ज्यू अम्भव आर्म्स), त्वम (अवयव) भारे (गार) महर (यक मन ७) वर सममुक्त मकः अकाति (देक अवंत्र व स्पर्व लाभानं मदाकृष्ट्र मध्यत मिरिया अध्य [वादा उन (य)) वर (अन) मर्च नर (याणकेस) लामकत्रेमर् (लामकत् बस्ममंत्र) MO) के अ के कि का मार्ग (सार्म अके के अ अभ-वाकीय छाछ । हिलमार् म नव विपकार (कामकालरे G CON MAN कार्रिय मा

तता नक्षार लव (म्प्रावं प्रिनेष्य काराद्) सक्ष वर्षे दिवार (अस्य कापुर्या) दुवस (दुवस) लगम (लगम) हीरम (दीन) कर्माने (कटम्बं) व्यव्धः (ज्यास्यं में [किशा]) लया देवक देळा (वार्म करम् अवस रेळात) मर्गेरत् (द्रित इत्) मतः (म्प्रां क्वास्पर्) वत (यरे म्लायत) ए एएवः (विक्ति कर्मे. भार्य) मर्टमामर अम्भूयहि (मर्टमाम मरी [उद्]) सर्वमम्। त्यात्र में ह ते : (स्ट्र असम्मार्य अर्भर्याणः) अर्थ (पात्म (प्रक्र अकार विषयं-CALLA) अवस्य प्रवाद्धः (अन्त प्रवास) भे त्याप्त डिडि: (ज्ञान ७ डिकिन) अत्रम् ि (विकास रम्, [लारि]) २० (१ अद्र) अव टचक् (अवरे अवसम्भारं चीक्रमम) भेटिं (बलमा कार्व)।। ७१। धार्मिमाधीलामा (एम सर्विष्यतं वस्तः) सर्वः व्याली णकु कमार्क मार्मः (ति भिन बि हिन मार्के मध्यरे) मुश्रम् मं में में में को मार्ग है किया कार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के लाममं पाद शर्में) वद्यमें (शिद्य त्रममंतर) लाम (कि कि विमा म नाम (क्षिक क्षिक कि के काम लि म विभाष्य भाष्ये भूर्यक) प्रविधानि (प्राम्तीहर वारे गाटः),

क्रम (इंच कर में) सिमासिता कार्य (या कार्य) (क्रमेट (अव्य Exects), orthographic (orthographical) लाय दुल क की खढ़ (अब साय मा सुमामन) " वर ((अद) अन्तरं अद्भेषतं यत (कांस अद्रिक्त अवं दिन कां किए) लाइ (लागुर) क्रारं (लाक्षां कार्युंगार)॥ ७ । यः (। यति) प्रतिनिर्माताः (प्रति प्रति प्रति । तिक्याताः लायस्थार (क्रम्ब लायस्यर्द्ध) अवंसर्वतः ल्याह: (अभिकाकाकाम्य) भः भ (तित्र) प्रकल रावे अच्छा मुली मार् ह (मीरावेष मिश्रिम मार्क मठ दुरकत्वं [अवस श्रामक्त्र (नवर्]) मः वर (भिति) मम् नामक् अम्म छ नवर मद् नेपमक् ह (डमबार्यं अर्थित अवस्म सर् छन् चाम्स [अवस्त्रीसम्बक्त]) सः (छित्र) सत्प्रम् मारी (प्रत्मित्रण भाग्यक्ष) चीत्र काष्ट्रत द्वी (की नुसार (म) र नी राजि (अयम हे एक समयकार म विकाम कविराटरिय)।।

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR. DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 4 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks = 1 Powab. 4 Powahs = 1 Seer. 5 Seers = 1 Pasarl. 8 Pasaris	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pali. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Arhi. 20 Arhis = 1 Bish. 16 Bishes = 1 Kahan.	36 Tanks - 1 Tipari. 2 Tiparis - 1 Secr. 4 Secrs - 1 Payli. 16 Paylis - 1 Phara. 8 Pharas - 1 Kandi. 25 Pharas - 1 Muds. BOMBAY MEASURE	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundredweight. 20 Hundredweights = 1 Ton.
or = 1 Maund.	16 Palis = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund	OF LAND SURFACE	CAPACITY
JEWELLER'S WEIGHT 4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna.	20 Dones = 1 Sali. BENGAL LINEAL MEASURE	39} Square Cubits • 1 Kathl. 20 Kathis • 1 Pand. 20 Pands • 1 Bigha. 6 Bigahs • 1 Rukeh. 20 Rukehs • 1 Chahur.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon, 2 Gallons = 1 Peck, 4 Pecks = 1 Bushel.
8 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas }	3 Jaubs = 1 Anguli.	20 Rukehs = 1 Chahur.	8 Bushels = 1 Quartet.
12 Mashas or 16 Annas = 1 Tola or Bhari.	4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME	2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu.	0 A . P . 1 T	12 Inches = 1 Foot, 3 Feet = 1 Yard.
60 Anupal = 1 Vipal 60 Vipel = 1 Pal 60 Pal = 1 Dundo. 60 Dundo = 1 Deen.	2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu, 24 Tasus = 1 Gaz.	5) Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Baik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer.	BRITISH MONEY ,
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Sect. 40 Sects = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund. BENGAL PHYSICIAN'S	5 Szers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY TABLE	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
3 Pies = 1 Pice 2 Pice = 1 Half- anna.	4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal.	BRITISH MEASURE OF LAND
6 Pies = 1 Half- anna. 4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garee.	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yda = 1 Rood.
INDIAN MONEY	3 Angulis = 1 Girah.	MEASURE OF LAND	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
TO STERLING 1 Anna = 1 Penny.	8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME
12 Annas = 1 Shilling 1 Rupee = 1 Shilling & 6 Pence.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hout. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week.
5 Annas = 1 Pound. CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubits (or Gandas) = 1 Chatak.	9 Sersi = 1 Marlo, 20 Marlas = 1 Kanal	4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year.
100 Cents - 1 Rupes.	16 Chataks = 1 Katha. 20 Kathas = 1 Bigha.	4 Kenals = 1 Bigha. 2 Bighas = 1 Ghuma.	365 Days = 1 Leap Year. 52 Weeks = 1 Year.

Maldip

No.



4

EXERCISE BOOK

Name_

Class______Subject

School___

(भर्माह]) यहा (भर्मा) अक्ष्मात्रमें अं (अक्ष्मारकार) अवास्त्र) वक्ष्यभाभक्षाक्ष्रे (स्वकाव भाभः कार्त्य लाक्तमं) अमस अप्रम्थितं (अर्वावित मम् छने बालिक) , सक्रम्म मा (प्रार्थिक कर् (मिरम्स अवस भाई अर्पनं दुर्भाक्ष्य [यद्]) सकत भाभति: कार्यों जान (अकत पूर्वतान-कर्क ३) रेंबक: डार्ड केंठर (र्दिस आहेंकास् ररेट्य) भा (कामारक) मरक वर्ममा (काकाविक-(अरलीला) क्यारेबी काल (क्षीक्यारेबी 3) क्यर जिल्ल (किंस ति क्राम कार्यित १)॥ व्। धमामकन भावन् (गिनि धमाम कार्डमत्नेन अपलय कर्वत) प्रकल भाषा विपायते (प्रव अथमन आस मूर करमत्ते), सत्पवाक मूर्वा छरेतः (wromin ध्य बामक् अ ध्या एवं प्रकार का बा प्रकारिय-विमायने (अक (अवह विख कि मेरी द् व करत्र), सर्मक् क दावन (अन्तिमन श्रमं अम् अम् वीर करवन), प्रश्मिका विकासिक (चिन व्यीमाना क्षिन जीवन धक्त (वर्षामि) प्रा-भाविक भारत (धरा भावाक मने तक व भावित करतन [अरे]) र्यायम् राम (अर्यायम रीम) मण्डि (अरमेक यह य)।

0 > । भारका- कामक किए परेशमता (कि क्या का कर कर अनं लायम गामक !) क्री बेला स्य (क्री बेला प्र!) \$ o (218) you (xan [oversi]) mor ga (भाग), विवादेय (विवा), प्रदेशक देव (अवस्त्रूष्ट्र), जारा रेच (जारा), प्रद्रश्रव (सर्वक्र) कालावर (काला) अंतरिवार देव (अवंस प्रवत) अवंत्वर (अकं) यदम्यर (पिक त्य), खारेवर (अपरे), प्रवेशकारियाम-यह (अर् असम्लाखान), अभ्वत्र (असमभूका), सर्भू व वर (सर्भू [व वर]) आठावर (विव andia wir) RA (5,0) 11 १ र। [भिन्न] नब्रा अप व्यापा क्रम (मधी म (अस्य प्रसं अंगेल हांचा) । से अ अपूर्रियं -कार टिम्बर्स बंस्मारं क्याबियदं भावम् के सरामम् (म) हिन् हिन् एके अभा- मुस्तक (189 काहर देवल ममरद्र किन् क कटनन), की बुलार न भी में (की बुलावत व आह जाता) लासिक्यायंक्या (म्यालासम्बद्धं) लास (क्यट्टल्ल) टम्बंडक्यार्भावं (जनाव-

केष्ट्रसम्मास्त) अस्ताहरू (क्यांस्यासक [कार्य]) डिक्र (ट्याप व) किलाके सर: (श्वामान्त्र में हिल्ला मानुसर) स मंग्र (थर्मिक उठ्ड)।। विश्व : (८४८व) की दम्मद्रिय वर (की दमा-र(यर) लगवा: (लगवान क्योक्टकन) मर्वामी (मर्व अकावं) - मे न्यानिक ध भी सा (भे न्यार्थ व व्यामकर्त्र भीका) न म खन्मकर् भीका (भम छने का विस आम्मर्थ भीया), त्रीत्राधार्य्य भीया (त्रीता सार्ष्ट्रियं शीमा) व्यान्यममप्ताप्तिका (अने म इम्झिम् वा या या मात्र निष् विश्वलान Markey) & Comparation (Comparation (Comparation मार्भिन व्यामार्भिया [नवर्]) तत नामि वमः-अहिम्रकाम् भीका (तरीत लालक किलान-Смиста выдана भीमा) अविभम् ि (विवान)-21x.), 00: (0021) 0125 (0m) वर यह (टमरे की कुला वम (करें) आअएं (कास्त कार्न गार्ड)11 अप्त (12) स्थ 981 अरीमानीयाः (८०० उ ७८००), अयात्रीः (अमर्थ नम्द्र) भव्याली विव (भाराय अलीमात्वरे) यतः (वरमप्ति) असमग्रविष्णाविक विक्रिक्षिणवः (अरम र का तिसार्य हिममं विषय पर र राष्ट्रेंग) जि छन् मनंबर्ग थिको सरमा भी गाः (हिसंका प रा मेर छप्यानं यं सर्मान्यीय रेत्रे में) ब्रामा लाहि (मिन मीछिटमार्स अक्साम्ब इसं) ला खारियन माराहित् व टेमका प्रामार्कः (मार्न मम् किन्न हित्रमाध्यक लाहिनेम व्यवसाह-असेका [चिवर]) व्याभू सर्गाष्ट्रमंग (मर्वावव हिमानं वस्तं वर्षावं है वर) सा र्मंड ((अर्) डेलाड्बीम लवानः (बेलावन-द्धि) अर्थ पाछि (प्रया निम्म् अ अकाम कार्यिट्टर)।। वरा जीसर असामें रेष्ट्र इंदर्भः ([मारा] क्या शंसाक (क्रवं) लिक्षिया त्मा भा : (विष्टिक क्यी खंद दे अत्माभी) द्वीर (हें वित्र) य ब रासा (क्याक कारक अपने हिन क) बेंगा: (म्रायं लिसम् करंग) लेका महर्तः (मिरा) कार्या) वर्ष भर मात्र एतं : (वर्ष अक् विवित्मक माना) मर्ममर्गः (अयम सलायम) अक्षिष्यप्रभः (मीत्रित्य श्मिनं वं अंग्रिक्षियं मारा देशाम् [नवर]) मड़ भीनं अ छ म ही: (भारा कम अ इ वि मड़ा निर्

विकानेपालक [mun अर्थेल]) इताः रेखावप हेवः (- १ र मार्य हास्त्र) यत्म (यम्मा कार्स्)।। विन र्मारेशिंग व्यमी (वर्ष्यायमहास) रूमाहर (त्यान म्रात) मिट्या: (मिया) देखनील मानिष्डः (देखनील-धार), कु आहि (टक्सर मात) का धुनरे : (भूवर), कु हत (त्यात भारत) ते हुर्रा: (त्येष्ट्र वंद्र) न कु ह (त्मात मात) रे मू मानिष्डं (ह न कार माने) कारि (क्यम्हाएं) युत्राखं-डीट्वं: (स्थान्यकेम्प्रः दीवक) क्रम (त्यमधात) मुङ्गाड: (मुङ्ग) कु व्याभी (त्मानमात) अया ना निवरि : (अया ना मा) कु लाल ([नवर] का नमात का) कु ह लालक विकार्ष: (कात आत्मक आमिक [यप्रधारा]) विमिधिका (विवाहिण ररेमा) विभम् ए (देवन स विश्वान कर्माण स्त्र)॥ ववा क्षांबर्ट्स (क्षांबर्ट्स) फ्राम्माः (छक्रक (त्या के क मार्थ न मार्थ) त्या हि (कर त्यर) अग्ममार्गा अस भारते वयः (देवस मूर्याना ने पिरा अस्माध्यम् । , कहर (कर कर) पिर्वाः अीव्यादिः (पिक तवनी छवानी धावा) यामिपिणः (विव्हिष्ठ) (क पार्म (क्का) प्रजूसमम्हणार् व्याममामण् ममानाः (काराय उ व्याममूर

लाइमन वातक लामक आटं लामवसर्द्धां में भावत) टकिर (क्य क्ये) टिम्लाममा: (प्रिलाममा अर्थार अस्याहिक्षित्र वार् के हिंड), तक लक्ष (लाय कर (कर वा) व्यक्तिक दका: कल्ल क्षा: (अक् स्मान (कार् मूमीयम कर्ममा कार्य निर्मिष) [अरे मान] के (नडाहरू) क के अधार (। हा हम में पुर्व (क्रार्क) राष्ट्र कल्ल का : (अहं कल मात्राविस स्टिक) वासिका-रक्ति (क्या कं किने भारता साम् मार्थ भारत के भारते । बलायका: की: (मानाविक ल्लाका) दक्षिकं प कार्टिय)॥ १ । यस (ट्यम्बात) तक व्यामी (क्यान क्यान) रिनाः (Смремину) अभियाता: (८ माक वक्ष्र) न्यां के कर क्कारमाक्रम्भवं भवाः (चीवाधा क्रिके वाविसमः क बात्का व व्यत्भव्तेष्यक) भूतकावाः क्षामाः (अका शादं है क स भर सम) आसा: (आ भाममं र) विया : (धार्म किया) व र अठ मात्रे ए प ए मार्कान वयातः (हर्तिक लम्भा वस्तीम महत्वन WING) 28 21279 (28 MBS) WW (200) अन्मिक्ष्र हर्ष (द्वा अअकामार्ड) अमृताम (मुक्सामि) प्रकायंगां (क्षित्रे कार्निट्ट्रे) १

20

मा इंग्रं (अर) रेम्पियी (क्यारिय रेसिय) यस (कामान) मिन् (मांने) दिला (भान कमन)॥ विश मन (देक रमार्थत) काहित (त्यान त्यान रक्त) भार्नामक्तित् (प्रकाक्ताने) हलमाई लकाते : वाली (अहड क्यार मूर्य जारमभा ७) जारे वर्म कह: (कार क्रमं मी कि नामी) , त्क कार्य (काम त्काम क्रम) जानम् पिक माध्य प्रवाद । (अपी छ पिक क्रिया अप्रमृक्त) क सुना श्री टकारि ! (हकारि अस गारम अटलका 3) डेक्क्छ: (अडड मीडिमम्मन), त्कारि अलम् -त्यारे क्या भी भी वं से से का लिका शक् द्या है: रेन्द्रा: (कान त्यान म् एक का हिना में क्योरिमर्भाक स्मिन मू भी जम सम्बद्धा किंगे ने भाग व्यावका 3 प्रायम [वर्ड]) एक लाक्ष अन्त्री दियास में कि -प्रिक - सर्ग सक्षे था : (क्षित क्षिप रे के अकी म्हिलं योग मिष्यंस सुनि में कियं (युक्त ये में के का कार वस्ती मं काल विवाश कावं (० १०)॥ FOI कि (कार तार रूक) धमारे लामी छ वि मू-मुजाराए (अपर्भ) भम्म्यम विपूर्मणान) गुजिछिः (दी हि माना) वि त्याल सम्पाः (देशाम्ब कार्य गार्ट) टक अली विश्वकी प्रवासिकारिकारिक प्रामिश्वास्त्र छात्रः

लाय (त्यात त्यापं र्वाम्य सामि त्यात त्यात अव अ मिर्केशास्त्र भागं मार्च मास्व रेप्टार्ट) टकारि राम अवामार्थक मिन मामि मद्दा कर्म मी मूल कार्याः (टकात टकात ब्राम्य धामस्य म्वत अया म बाली ल्लाका व स्थान काड्यान्य देशमार्क काल्या ट्यो नर्प अन्यम काम् एट्ट) , टक हि (त्यम त्यम क्य) ला दे स्व कपक कं हः (करिव व दे शक्षियं भागं करा हि शिक्ष [नरर्]) व्यात (व्यात त्यात द्यात र्या दीनरानिष्टितः (दीनकरार्यम् नाम प्रमुख्या कर्ल) मिर्दार्ड (लाडा मार्च्स्टर्ट) ॥ ५ >। टक हिं (त्मान त्मान व्म) (आर् मू न दिवा मून. क्रामक्ष: (अर्था कि प्रिक म्मार्थ मानं कारि-कि नि के) त्य व्यक्ष (त्यात त्यात क्षा) ती त्या व्यव दंश : (मुट्यारम्ट्रमं मी हि मक) विषि (क्या त्याम रेम) की बात्रकाविष्टानि-निक्य-हिणः (जक्रमभीन धत्रम्ते. कारी वर्त अग्रहर बाला भाने कार ह), क ज्या (कार ट्यान क्या) कान्त्रीविधामः (इक्ष्यक नाम भीवन्), कि हि । छित्रान्य ना छा : (कात कात क्र मानिड क वर्षे (परं प्रामं के का वप्) र (काहि (काप काप केम) प्रवेशकार्यत (संक्रक समुद्रे प्रेरं) लके क्या लाः

(लक्टिक्ट म मी. हि. मंद्रः) रकाहर (त्याप त्याप रेक्रे) यर-मारेन काकमं के हवं कह: (देवस मारे मी भू का बार्य win klusk sugly lying- [sas]) alu (aras. (यात्र ट्याप रे.अ.) धनायेकाताय: (धना वेदकारं, प्रेरां वक्यर)॥ १- र। मच (८मम्) इसर (नइस्स) आयस्याष्ट्रिय-स्पर्जेस: (साक्ष्यापम वंसमन्द्रियः [3]) प्रमार्थे क्या-क्ट्रीम : (अठ्यक्टर मुक्सारिटमाडि) भाश्रिक्त्र (जस्मार्विय) धामकार्यः वितिधि धामकर्पः द्रमन्त्र) विषित्रक्षार बीहनं (विषित् मी किन्यंम) ला (वर्र) मच क्क्न (त्ममीत्म) अवस्य श्मिर्का वृष्ठि (on o extausouse) ouesaysé merin: one. (मिटिये लाकिश्मित्र) मैन्सिसाः (मैटिश्मिस्त खिंशक क्षितिहरू) य द्रमंड (अद्र) र्याद्रिय चर (की व्यायम रे) मन (मर्गा) मम (कामवं निकति) TO TO (WASTERSON TOY) 11 १ ०। [ग्राया] । मादिय अय अस सम्मा अस्ता ति । लकाइ (लाभ्का विष्टि भन् भन् भन्न अस्तर । भामकां से स्थाहिक) र हमस्यारा कां राज्य-शिक्ष्यात्र वर् (ग्नार्यात क साही सर्व सम् समामक्षेत्रकार

देशामक रंप्रकार) विश्व द्याहिका (िक कर म्रायां) शिष्टिय कार्य [3]) यद्यायमार्थाः म्प्तः (अप्र यम मध्याम् मार्थ) ल्याह्र (ल्यां क्षित्र) कुलाकामत (अक्लाक्मक्ष)। विविक्तार्भियान (कार्न क्रम्माम्) भागाम (क्राम कर्षिकाह)।। ०८। लयक्राह्यामका लम्मे में ययप्रियं चार्ये दिन से अधिगाटि), वराकी वसाम्यामः ([मार्ग] दुक- मॅंगलक्षित्व अप्रंयत) समर्थापृष्टः (मक्ताक अहा वर्षां) अहिवर (मूटमा हिव र्रेम्ए [नक्]) जिल्ला विमामवत्वान क्ना -भू त्यूनम् (ट्रम्यात ड्रियाटम्बरे विक्रिविताय-आग्न भक्षत्र के के प्रशेष व्याद्य वार्ष 50(3) (अर्घ देश्यम सर्वेत अपान् भाष्ट्र त्यान प्रम् हिर्हाश्य पार् लो क्लावतन) प्राकामि (कात काक्लाह)।। P & | [ग्राया] सक (या क्वार्य (सर्ग (अर्थ प्रमुक्क म) लाश्यमुत्यं (अयमसर्वं) त्वक एक व्यक्त (त्वकेन टमात्मत) काळे व्यय ५ (काळे व्यय) सार्वे ची की प्रं (राष्ट्री नी ने प्रसास) लाह ए : (लाहर) । प्र छत्।

(यम विष्ये विषय) भिष्टिय ने या ग्याप्त वाल (ये. छ.-क्ष हात अममर्द्रक) है प्रेंद (विस्व में कर वंड " [33 3 M] MISMUS: ([नदरं]) अभ् भाग ह: ला संस्व ल्या । ह: (मनं सेंबर्य व तबक्त सप्त मा के मार्न मेंद्र) मृजमम् : (मरीम किल्लावकाल) धाउकामे (खिरा के करवंड) ' वर (अर) धर्र धर: (प्यापान हिंग का) । इसे ([मान] द्वां का के ते। (हर " [owe (अ)]) रेसारपर (मार्याय वीम) भन्मामि (मन्त्र काम्लाह)।। PRI [वास] अस्टाउ (अर्षि अस्ट विमर्ड) सर् लर्बन मैं: आठो सक्षार् (मैं: आठोक स्प्रांतर भागुत्र स्टिल्स अक्षर्) अक्षर (लाक्ष्मर र्ज्य) यहत-विशेठवर्ष (भक्षाम्) अनं त्रम ट्याहः (अज्ञ ब्रायम् अ कागाव क) आद्रीहर (द्रमार्थ शर्य) विदः र्द्र (व्राध्वेत लाट्टरं) क्र सावं रंस सता अहत् सर्वे (चा क्रा सर (विकास काम्य्यमां अवसम्बं लिक्स्य) के-्र (लाडु केंस्) अंड 6 soung: (अंडस comg: [विवामधात]), रेयाचे (नवर् जमार्वितरे)

इलाइय- वयर (अर्बेला वयशात िकाला के बेरहरों-५ १। देश (१३ की कुलायत) तयत्व निक् त्यक्ष्यु (काल्यम क्न्यमम् र) भवारमेन थिया (oveni changement) " sistantenis (अवस ट्यालायम) " ल्यान्त्र द्या का । ह्य व-£ सर्कार्य सर्वेड (दुलास स्प्रिंग् क्रेस्ट्रिंग क लात्यव संसर्वं म्सर्यानं सक्षतं) व्याक्तरं टम्बायिक- प्राष्ट्र आवंदितं सर: (आदं व भुष-र्य प्रम्य । स्टिला ने असे ल लामि (काराष्ट्रिंगे) क्ष्यान (सर्वा) भावाक सालाकार (मलायम्मल कल्ल वंट्य विश्वत हर्नुगा) काप्रकर (अव्या) विश्वाछ (विश्वक करवन)।। ११ मर (माम) सदायलायाई (अयस लायम-अनम्ब), मवसम्बर्ध (म्याउम) जसम् (1200) Nisó (ma ary) 3 2d (1151.) यका टम्मेम न्यट्ट: लाख (अंक टम्प्नेयार्थं ३) अवसाधावाह अर्ट (अवस अवकांत कान्तर [वदर्]) मह (मार्म) स्ट्राक्यामित्रम द्य-विमारिक मूमशहमप्कावः (अवस आकर्ष

क्षास कलन समाविमासिस काम्कीम अवस हमर-का बंद्रकेल वा मुना साम्य) विदे हमं संग्रात्ती-सिमंबर वर (क्यांकार्ककालक अवंस प्रियो सिम्मम्मायक्षे व्यमप्रमं स्ट्रि [सामुख र्येटन] ।। मा कर्ट (aug) क्याद्या aug (कर्डा म्मालक दिन कार्या) प्रका (यर्पा) कार्छ-यर्ने विया क्रियम मर (ण क्रिने दिक्र व्ययमं) लाई यह स्थान्य ध्रंप्य वस्त्रास्त्रात्तः यग्निक्षित् (अवसविद्यानमानी), अवूनः न्युरंग्डा १ वंप कराय (ग्राप्त) : (क्यु कंप्या कर (क्युनं कार अमा कुट कर्ष्यमुनं त्या छः [वर]) काडिमार्म । विविष्ट - यर्ग निष्ट (सू म् काडि अयार्याया स्त्रीमाडिकावंड अयादन-कार्निरी) परवाहें यवात्में शे (प्रमुक किंगे में कारे भार ट्यानं रेप्न) वस् अयवर किटमार्च (जमारं क्याडिश्रमं विसरं माम्यु क्षित्र खिल्लाचुनं) स्मंगति (क्यात्र कर्ने) 11 ७०। एमड कार्याट्यं (दिक क्षिणां के एडकात्र] मिक्षा क्या कार्याम् क कार्या एक ।, एक्स टमेन्ये नर्थी- नहीं कार (द्वाराक्ष पर क्षव्यमुन प्रमान्वं लारेकाछ हार्रेशास्त्र), तेपकी तिरिष् (छिति विविध खिल्यान लक्षां हा आवं) विविश्व त्यान वर् (व्याव विका प्राह्म त्र्रीमेक) मामीर विष्या (शिष्ट न्या सम्मान प्रमास्त्र साम्मा) लाह-इरम वर्टिसेडा मुक्तमार् (क्राइन कर्त त्येडमार ह Branc 5,2 [vas 1013]) Rosetyin (Wingrig ? र्जा सताद्य्र) क्यार्सिहः (रैं से क्यामुक्रें) अरं लायं व (अरं आरंत) द्व्यकुर् (कायकामन इरेशार्ट्स)।। १ > । यदार्वमी लेक में खिल भाष दिक्र के विस्ता में मीत्री : त्यु नं का अ कार्य सपुरां के कि ट्या का अपूर्वत्र [छिने]) प्रशिष्यमम्मार्भः (केरह्मीयक छन. (कार्कम्मय [0]) मीनुहें ह (मन्द्रकं द्रलकं) मूत: (वाक्षावं) पूक्तः निमर्वणे (वमन विभेष्ठ कार्व टिट्रिन [पनः]) अलका श अरम्बर अमृत्राभिकर साम्बस्य (प्रका प्रिंस में से से सामा व लाम्हरीन प्रार्ख) प्रवाकृषितं : (भाषायिक याकिभामाती) . खिल्पाद्यः (रे. कि. थि. थि. अग्रज्ञ) खिल्यकारं (अक्टिन) विभागक की १ (विभाग देर लायन कार्य एटन) ॥

951 यद्भ लाक्ष्मारमार्द (व्याप्त का प्राप्त सम्प्रामा लाट् रेम) प्रकालमा काट्यमानुता लाम् (छिति पिका मम्बदास भारतम्भ वमन अविकास कार्यमाछ) में में डें - एक से अह समें पु कार के वर ([कार्ड] डिमाय निष्म हार्मन कार्क निर्मन मी क्षिमा) मर्गिर (ज्ञाम शर्डेक्ट्र) " क्रिकाक्ष्रमाता (व्रियां क्टि-ट्रिट्स] हम्मरा व स्थाप्त इत्र किट्ट) व प्रियाप. सर्जे इं रवप्त (रवप्नायर मक्ष्यं में रे प्रवेशन (MIRE अपेटिट [नवर]) अविधिते वेत्रेय । त्मा का मारिकार (म्राया मार्मा कार्मा हुए। कार्यार वयम खिला व वंदेशम (कर्म य प्रवास वर्द्र मेरि १०। में हाक द्वारवाते। क्षाय जाय के हार वी के हिं (इन्याव दिल्याच सक्ताच्याईक के दिस्ते ' दे क्लाय नरक छ अन्मस्टिव माञ्ज लाक्सायंता) में में कर्न ([184] में के ता क्य-र्मात्य) सपु समंद (सपु समं) दुरां इं (र्मान्य) लाद के ६ ट स्कु (लाल के श्वंप कार्य में न्त्रीयामने दे लये (िट्ये] मामुश्यं लस्टात्म) स्पृ-म्माहकार (मानु व भवत्माहक) स्मेकार (न कार् सैक्रिक्स) त्रायार (ल्याक्स कार्यमंद्र्य) विस्थाकी व (उन्यात ७ छी विश्वकत महूल [2वर]) यूनिमिन.

हिम् कि । हिन्नार् (द्वारा हिन्नाराम प्रकृति क् कार्य यम् तमाज मारेखार)।। २ छ। [। छ। ने] लम्म छन अर्डि छा छ स- ममर ट्यारे - विसव-ह्रिंद्यः (डेक्यम ब्रक्तमाश्चिमम्ल मडनाविन विस्ट मील बेरास्त्राचा) एमर (मिल्ला क्ष्याक) के ए के प्राप्तः इव (त्र के स महा का माना) १९ वर्ष के स्वा ६ (भा के कार है. काइंटिटिंग) वस्त (चित्रं वित्र] अवस्त) अस् व बे मिन्नंबस - किसाक्व वर्ष (म्यान्तर दुरकि लर्षे अस्य द्यास्त्रक् कि भूष त्यत्राहिक) में छ.) यु ए। (प्रत्य (लाग्न संप्र य में स्वाद्य) लाक सिर्द (लार्ड श्वंदिह्य)।। गढ़। सर्न ([1812] प्रवृत्त) यास्त्र अपने कर अड़े-रित्य के कार (की श्रिम वार व तमने वार्षेष्ट्रमुक ग्रह्मायमणः) समदक्रमाकी वक्ष (र्वेम्मायन सक्षेत्रमण्याद्यं) २०: ४०: (४० २०:) ००.०. हल ही ९ (अर्ठ-६ क्रल डाय वि हस्ते क्रिल टिंग [つ至6]) は如如りを必んでの一首重度の対心では立刻。 दियात्मः (माम स्मिन्स्य करे क कार न (भीक्षर अवाद्य विजास मलीत) ज्यासम्ब-

ध्याकुर्यं (सँभर्त्य) व्यक्षिरं (पकादु छात्य निम्भान हिमारहन)।। ग्रा लड्ड दव (रामा) रेसाड़ाय (रेसाड़ायां) यमारमाद्यः कार्रे (िकास] ज्यम त्मस्यां भागियां मार्थिय) " अपूर्यम्य प्रमा विस्तं (त्यात्रानं क्ष्मिं व द प्रम भार) व सम्मामार सर्वत ६ १ ([ल्यास्] एमंत्रे सदायत्र आत्ये विक्तारि ल्यान (रे म्हिला (वं व) (मा भार म (तमा भार) भ आर्थेर (विटमानवः] (जामानं मत्त्रं, वास कर्तिमान) लसकेत (अवंदेव) में मैं स्ट्रिव् : (लाइ असे लस्त्रिम्) लसंबद्धः लास मैं कर (लसंब् मर्वेटरं लयेक्ये र्श्वाह), साठा मूठ रेव ([अवह] साठा (मस् अ में जिस्स काम करतंगा ' (अद्यं म) हैं (ज्राम ७) मण् (अम्मात्य) म विभूम (भाविका भ कावि उसा)।। १ वा व्यक्ति र मार्थेय (प्र स्ट्रास्त्र निर्मायम !) मरामू ए (((क्रामे] क्रान् मृदं) , अकाहः कार्यः मार्म: (मर् सकान क्षे वर मान (प्रक्) लगवार व्याम त्याहर (र्यम्मपुत व्यामान स्म) त्यान अकाम करवं), अर्थ लाभ अमिर म मक्तार्विक.

र्बनु (mu हा स्था क क्या के का कार्न क कार्य के ष्टित् । हाक्ष्मात्र व व्यव र्यं भाद) मक्ष्णात्मात्मात्मः स्वं (विश कलागरोब भार्षत्र क व्यू र्व क्ष्य मर्ल कारान कर्या टक्षत के वर रहत हे दे वार न करवंगा, [लक्ष कार्त]) लाम बंपूर् (लाष्ट्रमां प्रधाना न बायुम् [व्याम्]) अमाबादस्याद्याः (अमाबादस्य). अभूम) मिर्ने : अर्थ : (मिन अर्थ माठ :) भार (menter) at a (a set a d) 11 ग्रमा र्मायम (र र्मायम !) उद (COLNIA) (अक्षेत्रक (अमेवधर्म्य) असा 'जन (यक्मार्) विषयक त्या के (का मानं सपानं स कें के प्रति) विदंति (विद्रानं केव हर्गा) विकि मिटार्यादि (कामकल विकि निष्विक्) त हि कलाये (विधायं कत्वंत्रता), वटमाल्याः ([अर्गम्] नक्षिति व वर् मासाम्प्रें छ) क्राम सम्म (तिम् मन्म न्म अप) 1 किला ((कार व पक) अनं सर बर्के (अनं म ण्य), प्र (प्रामे) ७७: केल्युमनार्छ: (द्रायावर लार काल हिल्क के से बार अवः) ख्य: (लक्ष) हैं (लिस) द्रव्यसमाध्रं (प्रांक्ष्यमा)

सारं (लास्पाक) म क्रिक (सार्वाभा कार्व वस) 11 २२। यमि (यमि) रेर (अरे) स्थानन जीमन्-वृत्रायम पूर्वि (की क्यायमक्राम) ममस् (तिरिम्न) । भूत्र हत् (भावत अल्य वामर्थ-सामाद्य) असामाजिन् जिस्राहिष्न मधान १ (and so can a simple of singer अयम । हर्ष्यप्रसमंद्रत्य) त्रावर् (व्यक्तक रकार (अयेल्य क्षा रतं विश्वर्ष्ता) म वर्ष: (क्यामां वर्ष) में लिक्ष: (ट्यामान अर्थ), कु ह विविधर्मा पिकक्या: (टकामामा विश्विति । निष्ठि माठा), क्र डम् (ट्यामान सम् न) . हे तत्में (ट्यामान MENLY [346]) & P (CENTINEZ) विषमपृष्णि पुरमातः (यव मि।किए पृष्टि विष्णान धेर्मिछित मस्पयमा भारक ?)॥ 200-2021 Cal: (CX XCX [[21 2]) अर्थेश्वः (खिन्नपालेका अर्धिक लिथित) मकल थान (मिर्मेस) देव ((देव अमकतक) . ई तिक्षी म (बिलू क कार्नमा) विष्ठ् (सर्वाली), अन्ट्राज्यम (अन्य देख्यम)

क्राम्बाल क्राम्ब उम्म (उम्मम्मा), किस्नि (त्यात ७) (अप्रिक्ष ((() प्रिक के प्रमाण (के प्र कल्पाः (प्रम्य कामेर्स), जर्जार्थ-(० में आहे) अवस्त्रम् मान्निक १०० (कार्यमं अवस्त्रमण अर्डिकेस्) कुम्पर (ध्यातः (कुम्बद (काराष्ट्र: [विद्यानसात]) , ७७: पूर्व (छ्रात मृहवर्ष भात) ८ अर्था करा न मध्य (देन्द्र टक्षप्रव्यसम्) व्याप्रवर् वागावः (कुक कार्रिक: प्रमिन सात कार्रे मार्टित) ? उप छः (अंत्रावं काले के द्वं) ची व क्षावतं (न्नी नुक्त बस का मा माठाकि न रहिमारहमी) रेट (जिल्ली) नरे की कुलाय टन) सराम्हर्य-मुम्मा- वटम- केटमे पार्टिन सप्त प्रिक क-अर्गर् (आजारिक भन्माकर्ध (माडा, वयम, क्षा हेमात्रा उ अयमक्ष्व प्रामानी) मर्रा (अव्यापन कार्य (काल ट्यान व न्यासवस्) किश्वातक मुच्नर (अमार अवसातका निक्र), क्मं (उन्नम्भन क) प्रश्वासानीन सर्म् न-व्र पारमात (मशा आइना विला केसी निष

भवंत्रसूचं सम्भरेश्वरकार्त) तथ (द्रिय करें)।। 30 र। क्यांक्टर (क्यीक्यांवत) श्राश्रिकाः (अर्थ। भेष्ण) में में सार्व से संवाद्याः (कारु में क्यास्य में अवस वस्त्रामं) ग मामल-तिः भाष्यः (आमम द्वारायकी) भ त्रुकाः (MAR DILL NAPL) & \$40: (NULLAR-कातु आसी) व अभावप्रव्यव्यव्यामाः (व्यक्-Fullant Elin Te.) & La Emison: (\$ 4 20 \$ 50 COMIRED) & recy: (184) क्य) में यम सर्वितः (प्रिका टम्पेंट प्रिका भर्य-), छर्छः भर्वः भ्रत्यः (वर् सम्मार अया अल्लाव सम्माय भ अभीमाः (अवंत द्रातितं) व्यवः (वक्सप) केंद्रक (क्यांत्रकार्य) अलाताळ्यमः (मिण धम्बामराष्ट्र भन्म-मम्ब्यमकाल) हेल्लमाई (हेल्लाम विस्तृ कार्वाटिय)।। have now some!

The same 1

